डिजाईन एसोसिएट्स आईएनसी

ब्रज विकास योजना - 2041

ब्रज विकास योजना

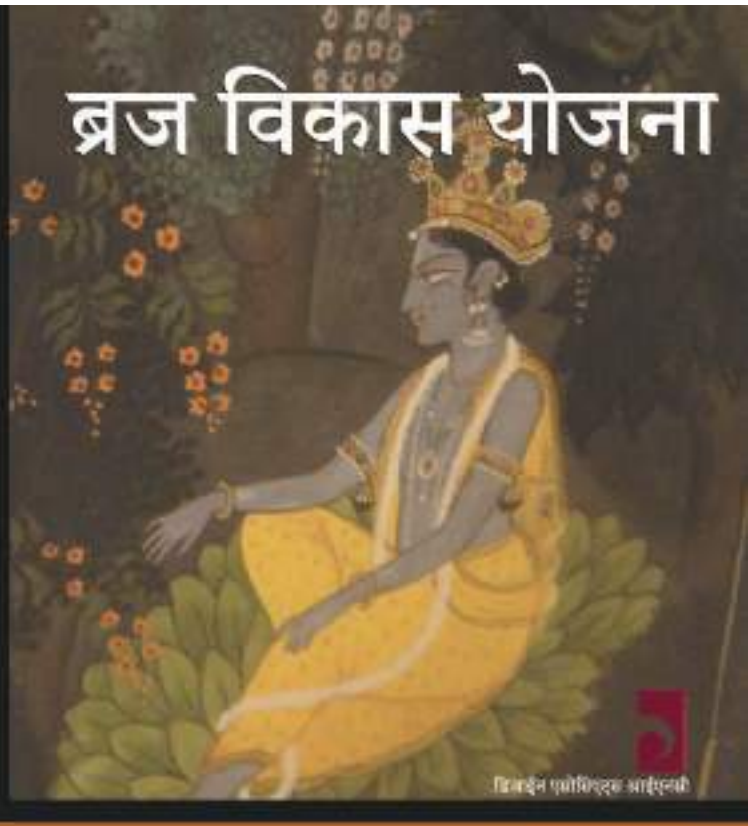

डिजाईन एसोसिएट्स आईएनसी

2041

मथुरा, उत्तर प्रदेश

ब्रज विकास योजना

2041

मथुरा, उत्तर प्रदेश

डिजाईन एसोसिएट्स आईएनसी

ब्रज विकास योजना

के लिए

ब्रज क्षेत्र के अवयवों का मूल्यांकन

ब्रज क्षेत्र, मथुरा जिला, उत्तर प्रदेश

खंड IV :प्रपत्र योजना एवं कार्यविधि

डिजाइन एसोसिएट्स आईएनसी

द्वारा

उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद के लिए तैयार किया गया

विषय सूची

विषय सूची ----------

1. द्रस्तिगरत विवरण *15*

1.1 यथास्थितसंस्थान का सुदृढ़ीकरण .....

1.2 अनुसंधान एवं डेटा प्रबंधन योजना 16

1.3 कनेक्टिविटी एवं गतिशीलता योजना 18

1.4 सामाजिक–स्थानिक योजना 19

1.5 तीर्थयात्रियों की सुविधा के लिए योजना 21

1.6 वैधानिक हस्तक्षेप के लिए योजना 22

1.7 पर्यटन विपणन एवं गंतव्य स्तर की योजना 23

1.8 सांस्कृतिक संरक्षण योजना 25

1.9 प्रकृति एवं पारिस्थितिकी के साथ एकीकरण के लिए योजना 30

1.10 सतत पर्यटन एवं क्षेत्रीय विकास योजना 32

1.11 अमूर्त सांस्कृतिक संसाधन प्रबंधन योजना 38

1.12 जल निकायों के संरक्षण एवंपुनरूदार के लिए योजना 45

1.13 वनों के संरक्षण एवं पारिपुर्नस्थापन के लिए योजना 54

2. क्लस्टर स्तर पर परियोजनाओं की सूची *68*

3. परिसर स्तर पर परियोजनाओं की सूची *70*

4. आगामी संभावित गंतव्यों के लिए परियोजनाओं की सूची *159*

5. तत्काल कार्यवाही के लिए परियोजनाओं की सूची *161*

6. ब्रज विकास योजना में निर्धारित विभागवार लक्ष्य आंवटन *164*

7. कार्य योजना *178*

संख्या–

योगी आदित्यनाथ

मुख्य मंत्री
उत्तर प्रदेश

लोक भवन
लखनऊ -226001

दिनांक :

संदेश

भारत वर्ष की सप्तपुरियों में से मथुरा पुरी अन्यतम् है। मथुरा के चर्तुदिक ब्रज भूमि अवस्थित है, जो अपनी सांस्कृतिक, पारिस्थितिक और स्थापत्य कला के लिए विश्रुत है। ब्रज विरासत के सौंदर्य बोध को परिरक्षित, विकसित और अनुरक्षित रखने के लिए **"ब्रज विकास योजना"**का निरूपण किया गया है।

मुझे पूर्ण विश्वास है कि इस आलेख का अनुपालन एवं अनुसरण इस क्षेत्र में कार्यरत सभी विभाग अपनी पूर्ण लगन एवं निष्ठा के साथ करेगें और ब्रज क्षेत्र के धार्मिक स्वरूप को समग्र रूप से विकसित कर इस तीर्थ क्षेत्र को विश्व स्तरीय स्वरूप प्रदान करेगें।

(योगी आदित्यनाथ)

प्राक्कथन

ब्रज क्षेत्र एक पौराणिक, धार्मिक तीर्थ केन्द्र है। ब्रज विरासत के सर्वागींण क्षेत्रों यथा सांस्कृतिक पारिस्थितिक और स्थापत्य संबंधी सौन्दर्यबोध के गुणों को परिरक्षित, विकसित और अनुरक्षित करने के उद्‌श्यय से उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद अधिनियम–2015 यथा संशोधित 2017 के माध्यम से उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा**उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद** का सृजन किया गया है। अधिनियम की धारा–15, 16, 17 में प्रदत्त प्राविधानों के अनुसार क्षेत्र के एकीकृत पर्यटन विकास और विरासत के संरक्षण एवं प्रबंधन के लिए **"ब्रज विकास योजना"** का आलेख तैयार किया गया है। **"ब्रज विकास योजना"** हेतु सर्वेक्षण, अध्ययन और निरूपण के लिए मै0 डिजाइन एसोसिएट इंक नोयडा को अनुबंधित किया गया। तैयार किये गये आलेख को परिषद की बेवसाइट पर अपलोड कराकर, आलेख की प्रति परिषद और समिति के सम्मानित सदस्यों, सम्मानित जन प्रतिनिधियों और मथुरा जनपद के समस्त विभागों के जनपद स्तरीय अधिकारियों को इस आशय से उपलब्ध कराई गयी कि वे आलेख पर अपने बहुमूल्य सुझाव/आपत्ति प्रस्तुत करें। प्राप्त आपत्ति/सुझावों को शासन स्तर से गठित समिति द्वारा सुनवाई उपरान्त निस्तारित किया गया है। निर्धारित प्रक्रिया का अनुपालन करने के उपरान्त इस "**ब्रज विकास योजना**" के आलेख को अन्तिम रूप दिया गया है।

आशा है कि **"ब्रज विकास योजना–2041"** का यह आलेख ब्रज क्षेत्र के सुनियोजित एवं सुव्यवस्थित एकीकृत पर्यटन विकास और विरासत के संरक्षण कार्य में संबंधित विभागों एवं स्थानीय महानुभावों के लिए सहायक होगा।

(नगेन्द्र प्रताप)
मुख्य कार्यपालक अधिकारी,
उ0प्र0ब्र0ती0वि0प0, मथुरा

(शैलजाकान्त मिश्र)
उपाध्यक्ष,
उ0प्र0ब्र0ती0वि0प0, मथुरा

प्रस्तावना

एकीकृत शहरी विकास, विरासत, पारिस्थितिकी एवं ब्रज के बृहद सांस्कृतिक विकास हेतु यह आलेख डिजाइन एशोसिएट द्वारा **"उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद"** के लिए तैयार किया गया है। इस आलेख का उपयोग ब्रज क्षेत्र के समेकित विकास हेतु **"उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद"** द्वारा किया जायेगा। उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद अधिनियम–2015 यथासंशोधित 2017 के अनुसार ब्रज विरासत के सर्वागींण क्षेत्रों यथा सांस्कृतिक, पारिस्थितिकी और स्थापत्य सम्बन्धी सौन्द्रर्यबोध के गुणों को परिरक्षित, विकसित, अनुरक्षित करने के उद्देश्य से **उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद** का गठन किया गया है।

"उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद" द्वारा अधिनियम की धारा–15, 16 व 17 में प्रदत्त प्राविधानों के अनुसार ऐसी "ब्रज विकास योजना" का निरूपण कराया जा रहा है जो धरातलीय स्तर पर विभिन्न हितधारक, जो इस क्षेत्र के विकास की, भविष्य की, व्यवस्थाओं की, क्षेत्र के निवासियों की प्रचलित पारम्परिक रीतियों की, संस्कृति की संवेदनशीलता को समाहित करते हुए पर्यटन गन्तव्यों का समग्र पर्यटनीय विकास करने में सहायक हो।

यह आलेख पर्याप्त सर्वेक्षण एवं प्राथमिक, द्वितीयक संसाधनों से एकत्रित स्थानीय डाटाओं के आधार पर निरूपित किया गया है। इस आलेख के निरूपण से पूर्व क्षेत्र के यथावॉछित स्थानिक एवं संसाधनों के संर्वेक्षण, हितधारकों के साथ परस्पर परामर्श, शासन स्तर से पूर्व में अपनाई गई प्रशासनिक एवं प्रबन्ध विधि एवं भविष्य में हितधारकों के सुझावों और आशाओं के अनुरूप की जाने वाली प्रबन्ध कार्यविधि का वृहद अध्ययन किया गया है। ब्रज क्षेत्र के निवासी अपनी संस्कृति, परम्पराओं, दैनिक जीवन चर्या के प्रति पर्याप्त संवेदनशील है। इसी कारण आलेख के निरूपण से पूर्व किये गये अध्ययन में अधिक से अधिक स्थानीय लोगों से संवाद कर उनके रीतिरिवाजों, सांस्कृतिक मान्यताओं एवं भविष्य में स्थानीय विकास में उनकी अपेक्षाओं का अध्ययन किया गया है। एकत्रित आँकड़ें विभिन्न स्थानीय, प्रशासकीय एवं समुदायिक संस्थाओं तथा जनपद में कार्यरत विभिन्न विभागों से एकीकृत किये गये है, जो सटीक और सही है। दिसम्बर 2019 से मार्च 2020 तक की अवधि में इन आँकडों का एकत्रीकरण एवं अध्ययन किया गया है। इस कारण ऑकड़ों में थोड़ा बहुत परिवर्तन/अपभ्रंश व्यहारिक तौर पर अवश्य सम्भावी है, जिसके लिए परामर्शीय कम्पनी जबाब देही नहीं है। हालॉकिं एकत्रित डाटा की प्रमाणिकता वर्तमान में परिदृश्य के अनुरूप अधिकांश रूप से सटीक और सही है।

(जय कार्तिकर)
पार्टनर
डिजाइन एसोसिएट्स आईएनसी, नोयडा

ब्रज विकास योजना के निरूपण में सहयोगी उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद में कार्यरत अधिकारियों का विवरणः–

1–श्री शैलजा कान्त मिश्र	उपाध्यक्ष
2–श्री नगेन्द्र प्रताप	मुख्य कार्यपालक अधिकारी
3–श्री पंकज वर्मा	उप मुख्य कार्यपालक अधिकारी
4–श्री मुकेश शर्मा	पर्यावरण सलाहकार
5–श्री आर0पी0 यादव	सहायक अभियन्ता(सिविल)
6–श्री दूधनाथ यादव	सहायक अभियन्ता(विद्युत)
7–श्री रामवीर सिंह	राजस्व समन्वयक

ब्रज विकास योजना के निरूपण में सहयोगी डिजाइन एसोसिएट्स आईएनसी की कार्य टीम का विवरणः–

1– जय मोहन कार्तिकर	पार्टनर डिजाइन एशोसिएट, आई.एन.सी
2– उत्पल शर्मा	डीन एस.पी.ए निर्वाण युनिवर्सिटी, अहमदाबाद
3– प्रवीण कुमार गुप्ता	एशोसिएट, वरिष्ठ वास्तुविद्/नगर डिजाइनर
4– मंयक गर्ग	एशोसिएट, वास्तुविद/नगर नियोजक
5– अक्षयराज चैटर्जी	वास्तुविद
6– राहुल मरोक	नगर नियोजक
7– रिधिमा बजाज	पुरातत्व विद्
8– संजय मिश्रा	पर्यावरण विशेषज्ञ
9– शुभम मीना	नगर डिजाइनर
10– हिमानी चाहल	नगर डिजाइनर

"ब्रज विकास योजना"के इस आलेख का उपयोग :–

उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद अधिनियम 2015 यथा संशोधित 2017 की धारा–15, 16 व 17 के प्राविधानों का अनुसरण करते हुए यह आलेख तैयार किया गया है। आलेख के कुल चार खण्ड है जो अग्रेंजी भाषा में तैयार किये गये है। खण्ड–I, IIA, IIB, IIC, III में उत्तर प्रदेश में स्थित ब्रज क्षेत्र के क्षेत्रीय पर्यटन नियोजन, सांस्कृतिक और पारिस्थितिक अवयवों के विषय में विस्तृत अध्ययन, डेटा एकत्रीकरण और आवश्यक हस्तक्षेपों के विवरण आदि को विस्तार से लिखा गया है। जबकि खण्ड–IV में ऊपरिवर्णित अध्ययन के उपरान्त प्रस्तावित स्ट्रेटेजी एवं एक्शन प्लान को संकलित किया गया है। **खण्ड–IV को हिन्दी एवं अग्रेंजी में लिखा गया है। खण्ड–IV ही मुख्यतः शासकीय एवं हितधारकों के प्रयोग हेतु उपयुक्त है। खण्ड–IV में ब्रज क्षेत्र के सर्वांगीण पर्यटन विकास हेतु प्रस्ताव, रणनीति, परियोजनाओं का विवरण और विभिन्न शासकीय विभागों के अपेक्षित उद्देश्य एवं भौतिक लक्ष्यों को स्पष्ट रूप से निर्धारित किया गया है। खण्ड–IV का निम्न हितधारकों द्वारा उपयोग में किया जा सकता है–**

1–उत्तर प्रदेश के पर्यटन विकास से संबंधित सभी विभाग

2–मथुरा जनपद के ब्रज क्षेत्र के सर्वांगीण विकास से संबंधित विभाग (यू.पी.बी.टी.वी.पी, एम. बी.डी.ए. नगर निगम मथुरा–वृन्दावन, मथुरा, पुरातत्व विभाग, लोक निर्माण विभाग, वन/पर्यावरण विभाग, उद्यान विभाग, सिंचाई विभाग, स्थानीय नगर निकाय, जिला पंचायत, ग्राम पंचायत।)

3–पर्यटन क्षेत्र में कार्यरत गैर शासकीय संगठन, निजी संस्थान एवं इच्छुक व्यक्ति।

4–पर्यटन क्षेत्र से जुड़ें हुए विषय विशेषज्ञ/पेशेवर/कलाकार एवं संबंधित तीर्थयात्री।

5–ब्रज क्षेत्र के पर्यटन विकास पर आधारित समस्त हितधारक।

6–क्षेत्रीय/प्रादेशिक/राष्ट्रीय/अतंराष्ट्रीय स्तर के पर्यटन विकास में रूचि रखने वाले व्यक्ति।

ब्रज विकास योजनाः अवयव

संलग्न दस्तावेज खण्ड

खंड I : –मौजूदा परिदृश्य का मूल्यांकन (क्षेत्रीय समझ एवं विश्लेषण)

खंड II-A : –धरोहर की समझ (वर्तमान परिदृश्य एवं विश्लेषण)

खंड II-B : –ब्रज क्षेत्र में विद्यमान परम्पराए

खंड II-C : –ब्रज के प्राकृतिक धरातल हेतु संरक्षण योजना

खंड III : – गन्तव्य स्थल विकास एवं लक्ष्य योजना

खंड IV : – रणनीति दस्तावेज एवं कार्यविधि

अनुलग्नकः वस्तुसूची खण्ड

वस्तुसूची खण्ड :A

वस्तुसूची खण्ड :B

वस्तुसूची खण्ड :C

वस्तुसूची खण्ड :D

वस्तुसूची खण्ड :E

वस्तुसूची खण्ड :F

वस्तुसूची खण्ड :G

1. विजन स्टेटमेंट

A. ब्रजः शहरी विकास

ब्रज क्षेत्र की पावन भूमि विभिन्न प्रकार की काव्य, कला, संगीत, परम्परा, दर्शन, स्थापत्य, पुरातात्विक, अमूर्त एवं मूर्त विरासत निधि से सम्पन्न है। ब्रज क्षेत्र भगवान श्रीकृष्ण की लीलाओं से सम्बन्धित होने के कारण न केवल राष्ट्रीय स्तर बल्कि वैश्विक स्तर पर भी तीर्थ यात्रियों/पर्यटकों के अत्यधिक आगमन को वर्ष पर्यन्त आकर्षित करता है।

मुख्य रूप से निम्न आठ परिभ्रमण केन्द्र ब्रज के जीवन्त सांस्कृतिक स्थल हैः–**मथुरा, वृंदावन, नंदगाँव, गोकुल, गोवर्धन, बरसाना, बलदेव एवं महावन**। इन गन्तव्य केन्द्रों को निम्न चार समूहों में विभाजित किया गया हैः–

1) समूह–1 :मथुरा एवं वृंदावन

2) समूह–2 : गोवर्धन

3) समूह–3 : बरसाना एवं नंदगाँव

4) समूह–4 : गोकुल, महावन एवं बलदेव

उक्त समूह विकास खण्ड और तहसील की प्रशासनिक सीमाओं के अनुसार विभाजित किये गये है, जिससे कि परियोजना निरूपण के समय तकनीकी/प्रशासनिक सीमा का अतिच्छादन न हो सके।

ये आठ गन्तव्य तीर्थ स्थल अपने में पृथक–पृथक विचित्र पौराणिक तत्वों, भगवान श्रीकृष्ण की लीलाओं का प्रतिनिधित्व करते है। इस कारण गन्तव्य तीर्थ स्थलों में पर्यटकों का परिभ्रमण बढ़ाने के लिए प्रभावी कार्य नीति तैयार कर पर्यटन सम्भावनाओं को गति प्रदान की जा सकती है।

ब्रज के पावन स्थलों को पर्यटन एवं तीर्थ यात्रियों के लिए विकसित करने का लक्ष्य इस आधार पर टिका हुआ है कि ब्रज के इन गन्तव्य पर्यटक स्थलों का विकास मुख्य रूप से भौतिक, सामाजिक, सांस्कृतिक और पारिस्थितिकी परिदृश्य को समग्र रूप से विकसित किया जाये।

B. ब्रज :–धरोहर

ब्रज की धरोहर में सभी प्रकार की साँस्कृतिक धरोहर, मूर्त, अमूर्त एवं साथ ही प्राकृतिक धरोहर भी शामिल है। सांस्कृतिक धरोहर में ऐतिहासिक भवनों के साथ–साथ ऐतिहासिक क्षेत्र एवं खुले मैदान भी आते है तथा यहाँ मंदिर, समाधि, स्मारक, हवेलियाँ, महल, पुरातत्व स्थल हैं,इसमें मस्जिदों, दरगाहों, धर्मशालाओं, प्रशासनिक भवनों एवं संस्थागत भवनों के रूप में औपनिवेशिक वास्तुकला भी शामिल है। यहॉ ऐसे बहुत से समुदाय हैं,जिनके क्षेत्रीय परिवेश, पारंपरिक प्रथायें, मौखिक ज्ञान, शिल्प एवं कलाप्रदर्शन आदि ब्रज की महत्वपूर्ण अमूर्त धरोहर हैं। ब्रज का प्राकृतिक भू–दृश्य अद्वितीय है,जो एक ऐसा सांस्कृतिक परिदृश्य बनाता है, जहाँ अनेकों प्रथाओं एवं परंपराओं का विकास हुआ है।

एतत्व, ब्रज क्षेत्र की महत्ता केवल स्मारकों में ही नहीं है, बल्कि सांस्कृतिक परिदृश्य में एक अनोखे तरीके सेउनके अस्तित्व एवं पवित्र स्थलों, मेलों, त्योहारों एवं कौशल में अनुभव की जाने वाली जीवंत परंपराओं से है।

"ब्रज क्षेत्र का भविष्य क्षेत्र के वातावरण में उत्कृष्ट सार्वभौमिक मूल्यों के तत्वों के सांस्कृतिक महत्व को संरक्षित करने, बढ़ाने एवं व्याख्या करने की मूलभूत आवश्यकता पर आधारित है।"

उद्देश्य एवं सिद्वान्त

A. ब्रजः– शहरी विकास

योजना प्रारूप के उद्देश्य निम्न प्रकार हैं:

- सामाजिक एवं स्थानीय सांस्कृतिक परिदृश्य के अनुक्रम में सूचीबद्ध 8 स्थलों–**मथुरा, वृंदावन, नंदगाँव, गोकुल, गोवर्धन, बरसाना, बलदेव एवं महाबन** के आर्थिक विकास को बढ़ाना।
- पर्यटकों की संख्या को ब्रज क्षेत्र के सभी गन्तव्य स्थलों पर समान रूप से पहुँचानें और वितरित करने के लिए बढ़ावा देना।
- सूक्ष्म एवं दीर्घ स्तर पर यातायात एवं परिवहन संचालन एवं गतिशीलता में सुधार करना।
- जनभागीदारी दृष्टिकोण अपनाने के लिए विकास प्रक्रिया में स्थानीय हितधारकों की भागीदारी को सुनिश्चित करना।

ब्रजविकास योजना, क्षेत्र के समग्र विकास पर आधारित है और भौतिक, सामाजिक, सांस्कृतिक एवं पारिस्थितिक सभी दृष्टिकोणों से ब्रज क्षेत्र की स्थानिक एवं अनुभवात्मक गुणवत्ता में सुधार का लक्ष्य रखती है। नीचे उल्लिखित व्यापक लक्ष्य हैं, जिन्हें प्राप्त किया जाना है, जिसके लिए यह आलेख कार्य योजना के साथ एक रणनीति के रूप में भी कार्य करता है।

उपरोक्त उद्देश्यों की पूर्ति के लिए निम्नलिखित सुधारात्मक बिन्दु प्रस्तावित किये गये है:

- क्षेत्रीय के साथ–साथ स्थानीय स्तर पर एक सुनियोजित यातायात संचालन व्यवस्था विकसित करना।
- पर्यटकों हेतु सामाजिक–सांस्कृतिक आयोजनों के लिए पर्याप्त स्थानीय क्षेत्र उपलब्ध कराना।
- **नियमित विकास के लिए यथा आवश्यक मार्ग निर्देशों**का प्राविधान करना, जो कि क्षेत्र के ऐतिहासिक स्वरूप के अनुकूल हों।
- ब्रज क्षेत्र के पावन स्थलों के सांस्कृतिक महत्व के सम्बन्ध में स्थानीय समुदाय के साथ–साथ तीर्थ यात्रियों एवं आगुन्तकों के बीच जन–जागरूकता का प्रचार–प्रसार करना।
- **पर्यटन विकास की दिशा में एक स्थायी दृष्टिकोण की रूपरेखा तैयार करनी है** जो स्थानीय अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने मेंसशक्तहो।
- **तीर्थयात्रियों के आराम एवं सुविधा के स्तर** को बढ़ाने के लिए उपयुक्तबुनियादी ढांचा प्रदान करना।

B. ब्रज : धरोहर

आलेख की प्राथमिक अवधारणा एवं योजना रणनीति की दो प्रकार की वरीयता है। प्रथमतः ब्रज क्षेत्र की सांस्कृतिक विरासत के मूल्यों और महत्ता को परिरक्षित करना। विरासत क्षेत्रों के

परिरक्षण का तात्पर्य केवल धरोहर स्मारक के स्थापत्य को बचाना ही नहीं, बल्कि विरासत इमारत के समग्र परिदृश्य, सुलभ एप्रोच और उसके सांस्कृतिक महत्व के विहंगावलोकन को सुनिश्चित करना है। द्वितीय वरीयता यह है कि विरासत के सांस्कृतिक परिदृश्य और इसके वातावरण के पर्याप्त उन्नयन के साथ–साथ स्थानीय समुदाय, तीर्थ यात्रियों और परिभ्रमण करने वालों के बीच धरोहर विशेष के वहुअयामी पौराणिक मूल्यों वाले सांस्कृतिक महत्व की पर्याप्त समझदारी विकसित हो सके।

नीचे उल्लिखित व्यापक परिणामों को प्राप्त किया जाना है जिसके लिए यह दस्तावेज़ कार्य योजना के साथ एक रणनीति के रूप में कार्य करता है। इन परिणामों की पहचान उपरिवर्णित दो मुख्य उद्देश्यों के आधार पर की जाती है।

धरोहर स्थलों को विज्ञप्ति के द्वारा विभिन्न ग्रेड़ों (1*,I, II A और II B) में संरक्षण हेतु वर्गीकृत किया गया है।

- वर्गीकृत स्थापत्य धरोहर को संरचनात्मक मजबूती, पुनरूद्धार एवं संरक्षण प्रदान करना, जो कि I*, I एवं IIAके रूप में वर्गीकृत है।
- निर्मित स्थलों से जुड़ी अमूर्त एवं प्राकृतिक धरोहर को न केवल समग्र संरक्षण प्रदान करना बल्कि उनके मूल स्थापत्य को अनुरक्षित रखना भी आवश्यक है।
- स्थानीय समुदाय के साथ–साथ तीर्थयात्रियों एवं आगंतुकों के बीच एकीकृत सांस्कृतिक–प्राकृतिक संबंधों के साथ हीधरोहर मूल्य के स्थलों की सांस्कृतिक कथाओं के विषय में जन जागरूकता बढ़ाना।
- सांस्कृतिक संसाधन के भविष्य के प्रबंधन के लिए एक स्थायी दृष्टिकोण की रूपरेखा तैयार करना जो वास्तु संबंधी एवं पर्यावरण संरक्षण, पर्यटन पहुँच एवं बुनियादी ढांचे के विकास को संतुलित करता है।
- धरोहर संसाधन की प्रामाणिकता एवं अखंडता को हानिपहुंचाए बिना, धरोहर स्थल से सम्भाव्य लाभों को अधिकतम करने के लिए महत्व के संभावित तत्वों के आर्थिक एवं सांस्कृतिक लाभों की पहचान करना एवं स्थानीय समुदाय में लाभाँश भागीदारी के साथ काम करनाजिससे कि भविष्य में ब्रज को विश्व धरोहर स्थल के रूप में नामांकित करने के लिए इस मॉडल को अपनाया जा सके।

- **कार्ययोजना के लिये प्राथमिकता वाले कार्यान्वित होने योग्य कार्यक्रम का सुझाव देना जो** स्थानीय स्थलों एवं परिसरों के संरक्षण और परस्पर समझ को सुनिश्चित करने के साथ–साथ तीर्थ और परिक्रमा मार्गो पर तीर्थ यात्रियों के लिए सार्वजनिक सुविधा स्थलों के आसपास के आधारभूत संरचनाओं में सुधार करने में योगदान दे सकें।

1. रणनीति दस्तावेज एवं प्रस्ताव

यह आलेख तैयार करने से पूर्व एक विस्तृत अध्ययन किया गया है, जिसमें सांस्कृतिक मानचित्रण, परिसरों का चयन, उन क्षेत्रों में क्रियान्वित पिछली परियोजनाओं की समीक्षा तथा वर्तमान स्थिति में अभीष्ट परिणामों में और वास्तविक परिणामों में अन्तर का विश्लेषण शामिल था। इससे प्रत्येक बसाव स्थल विशेष के लिए प्रस्तावों की सूची तैयार करने और योजना तैयार करने में मदद मिले, जिसे ब्रज के सांस्कृतिक परिदृश्य की सुरक्षा के लिए क्षेत्रीय स्तर पर लागू करने की आवश्यकता है।

चयनित प्रमुख मुद्दों और उनके कारणों का विवरण खण्ड II में विस्तार से दिया गया है इस विवरण की समीक्षा करने के बाद ही आलेख में तद्नुसार प्रस्ताव प्राविधानित किये गये है। इन प्रस्तावों में न केवल मुद्दों के कारण का विश्लेषण और उसका समाधान किया गया है बल्कि उन मुद्दों के मुख्य स्त्रोत और प्रभावों की समीक्षा भी की गयी है।

रणनीतिक दस्तावेज का मुख्य उद्देश्य ब्रज के प्राकृतिक और सांस्कृतिक परिदृश्य के सम्बन्धों की रक्षा करना है और यह भी सुनिश्चित करना है कि प्राकृतिक और सांस्कृतिक परिदृश्य के जुडाव में योगदान देने वाले प्रत्येक तत्व की पहचान की जाये और उसे संरक्षित किया जाये। यह पहचान उन तत्वों और सम्पत्तियों पर आधारित है जिनका सर्वाधिक महत्व है और वह स्थायी पर्यावरण की पारम्परिक, स्वदेशी सतत् प्रणाली का हिस्सा है और ऐतिहासिक पारम्परिक तरीके का चित्रण करते है।

1.1 वर्तमान संस्थाओं का ढ़ॉचा विकास

स्ट्रैटिजी–1 : – धरोहर के स्थापत्य कला के विकास एवं नियोजन हेतु स्थानीय निकायों एवं विद्यमान ढ़ॉचों का सुदृणीकरण किया जाना

A."ब्रजशहरी विकास, धरोहर एवं पारिस्थितिकी प्रबंधन प्रकोष्ठ" का गठन

शहरी विकास, धरोहर और पारिस्थितिकी क्षेत्र से संबंधित मानव संसाधान और परियोजनाओं हेतु प्रशिक्षण, प्रबन्धन और मूल्यांकन करने के लिए एक संस्थागत प्रकोष्ठ का गठन किया जाना प्रस्तावित है।

विद्यमान परिदृश्य विश्लेषण से स्पष्ट है कि विरासतों के परिरक्षण में लगे स्थानीय कार्मिकों एवं मानव संसाधनों को नियोजन एवं परियोजना निरूपण के लिए व्यवसायिक प्रशिक्षण दिये जाने की आवश्यकता है।

ब्रज में नगरीय विकास, विरासत और पारिस्थितिकी क्षेत्र की विकास प्रक्रिया में अनुभव रखने वाले प्रशिक्षित लोगों की एक टीम क्षेत्र में उपलब्ध हो सकेगी। ये स्थानीय लोग अपने स्वदेशी ज्ञान और अनुभवों के साथ स्थानीय कार्मिकों को प्रशिक्षित करेगें, जिससे कि एक ऐसी प्रणाली स्थापित हो जहॉ ब्रज के शहरी विकास, धरोहर और पारिस्थितिकी को लगातार प्रबन्धित किया जा सके। इस प्रकोष्ठ के विशेषज्ञों के पास सांस्कृतिक निधियों का डाटा बेस और प्रबन्ध परियोजना निरूपण का अनुभव होगा। जिससे प्रकोष्ठ नियोजन एवं स्थापत्य कला संरक्षण तकनीकी की परियोजनाओं में मथुरा–वृन्दावन विकास प्राधिकरण, मथुरा और उ0प्र0 ब्रज तीर्थ विकास परिषद को तकनीकी सहयोग हेतु नोडल एजेन्सी के रूप में कार्य करे।

इस संस्थागत प्रकोष्ठ का दायित्व भविष्य में और अधिक बृहद बनाना होगा। यह प्रकोष्ठ भविष्य में सांस्कृतिक धरोहर के प्रबन्धन, शोध, परियोजना निरूपण तथा मानव संसाधन के लिए तकनीकी ज्ञान कोष के रूप में कार्य करेगा। इस गठित प्रकोष्ठ के विशेषज्ञ विरासत के सभी पहलू, दस्तावेजों और आंकडों के अनुसार अपेक्षित समीक्षा उपरान्त विद्यमान समस्याओं का निवारण करने में समर्थ होगें इसके अलावा प्रकोष्ठ के विशेषज्ञ अपने अनुभव, तकनीकी विशेषता और शोध के डाटाबेस को एक कोष के रूप में सन्धारित रखेगें। प्रकोष्ठ समय–समय पर सत्र आयोजित करेगा जहॉ विषय विशेषज्ञों को स्थानीय मानव संसाधन को व्याख्यान देने हेतु आमंत्रित किया जायेगा। जिससे कि वैश्विक दृष्टिकोण और अध्यावधिक अन्तराष्ट्रीय मानकों को स्थानीय संकल्पना में समय–समय पर समावेशित किया जा सके।

प्रकोष्ठ निम्न उत्तरदायित्वों का निर्वहन करेगा।

a) प्रकोष्ठ स्मारकों और पर्यावरण संबंधी मामलों में तकनीकी जानकारी देने के लिए नोडल इकाई के रूप में कार्य करेगा।
b) प्रमुख स्थलों/क्षेत्र/परिसरों के लिए क्षेत्रीय एवं वास्तुशिल्प योजनाओं तथा प्रबंधन योजनाओं को प्रकोष्ठ तैयार करायेगा।
c) नियोजन और वास्तुकला की प्रबन्ध योजनाओं से सम्बन्धित विशेषज्ञ संस्थानों से प्रकोष्ट द्वारा समन्वय रखते हुए स्थानीय अपेक्षाओं के अनुसार नोडल एजेन्सी के रूप में कार्य किया जायेगा।
d) ब्रज क्षेत्र में कार्यरत विभिन्न परियोजनाओं के स्थानीय प्रबन्धकों, कार्मिकों के क्षमता विकास हेतु प्रकोष्ठ अपने स्तर से प्रशिक्षण कार्यक्रम और विशेषज्ञ सम्मेलन आयोजित करायेगा जिससे कि स्थानीय मानव संसाधन अध्यावधिक शोध एवं प्रबन्धन प्रक्रियों से अवगत रहे और उनको समय–समय पर प्रोत्साहन और अध्ययन सामग्री मिलती रहे।
e) शहरी विकास, विरासत और पारिस्थितिकी के क्षेत्र में राज्य स्तरीय प्रशिक्षणों के आयोजन हेतु स्थापना, सशक्तीकरण और निवेश करना।
f) विश्वविद्यालयों एवं गैर सरकारी संगठनों का क्षमता संवर्धन।
g) ब्रज के भौतिक परिवेश एवं सामाजिक चरित्र पर किसी भी अन्य प्रभाव से बचने के लिए विकास परियोजनाओं की रचना के प्रभाव का आंकलन करने के लिए सलाहकारों के लिए नोडल एजेन्सी का गठन करना।

यह अनुशंसा की जाती है कि यह प्रकोष्ठउ0प्र0 ब्रज तीर्थ विकास परिषद, तकनीकी शिक्षा एवं औद्योगिक प्रशिक्षण विभागोंऔर उत्तर प्रदेश सरकार के बीच एक सहयोगी पहल स्थापित करे।

- **यूपीबीटीवीपी के प्रस्तावित भवन में भौतिक केंद्र की स्थापना**
- **मानव संसाधन विकास प्रणाली की स्थापना**–शहरी विकास, धरोहर एवं पारिस्थितिकी के लिए टीम की स्थापना ।

उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद के मेन्डेट के अन्तर्गत ब्रज शहरी विकास, विरासत और पारिस्थितिकी क्षेत्र की समस्याओं और सम्भावनाओं की समीक्षा कर यथा अपेक्षित समाधान विकसित करने के लिए मानव संसाधन प्रणाली की स्थापना करना एक आवश्यक कदम है। वर्तमान में स्थानीय प्राधिकरणों के ढ़ॉचों में डिजाइन और विकास संबंधी कार्यो के प्रबन्धन और निगरानी के लिए आवश्यक तकनीकी विशेषज्ञता का अभाव है। यहमहत्वपूर्ण है कि स्थानीय सरकार को विभिन्न विभागों, संस्थानों के सलाहकारों आदि को सौंपे गए कार्यों की निगरानी करने का अधिकार दिया जाए। यह अनुशंसा की जाती

है कि प्राधिकरण उपर्युक्त कार्यो के लिए विशेषज्ञों एवं पेशेवरों की एक कोर टीम स्थापित करे। इसके साथ ही स्थानीय स्तर पर एक विशेषज्ञ समिति का होना आवश्यक है, जो उक्त कार्यो को समय–समय पर निरीक्षण करने समीक्षा करने और यथा आवश्यक प्रशिक्षण देने और अनुशंसा टिप्पणी देने के लिए उपलब्ध रहे।

ब्रज शहरी विकास, विरासत और पारिस्थितिकी के क्षेत्र से चयनित पेशेवर/वैज्ञानिकों की प्रस्तावित टीम की सूची निम्न प्रकार है।

क्रमांक	विषय विशेषज्ञ	योग्यता/अर्हता	संख्या
1	नगर नियोजक	शहरीनियोजनमेंस्नातकोत्तर/परास्नातक योजनाकारयाशहरीडिजाइन/एम. आर्चकीउपाधि एवं इसीतरहकेपरियोजनाओंमें10वर्षो काअनुभव।	1
2	नगरडिजाइनर	शहरी डिजाइन विषय में स्नातकोत्तर याएम. आर्चकेसाथ 5 वर्षो का समानपरियोजनाओंमेंअनुभव।	1
3	पर्यावरणविशेषज्ञ	पर्यावरण प्रबन्धन नियोजन/पर्यावरण इंजीनियरिंग में स्नातकोत्तर अथवा एम.प्लान डिग्री धारक, प्रवेशिक वन सेवा/भारतीय वन सेवा के अधिकारी जिनके पास समान परियोजनाओं में कार्य करने का कम से कम 5 वर्षो का अनुभव हो।	2
4	संरक्षणविशेषज्ञ	संरक्षण/पुरातत्व विज्ञान में स्नातकोत्तर अथवा एम.आर्च डिग्री धारक, जिनको समान परियोजनाओं में 5 वर्षो का कार्य करने का अनुभव हो।	2
5	परिवहनविशेषज्ञ	परिवहन नियोजन अथवा परिवहन इंजीनियरिंग में स्नातकोत्तर डिग्रीधारक तथा समान क्षेत्र में 5 वर्षो का कार्य अनुभव।	1
6	सहायक नगर नियोजक	नगर नियोजन अथवा नगर डिजाइन में स्नातकोत्तर डिग्री और समान क्षेत्र में कम से कम 2 वर्षो का कार्य अनुभव।	3
7	सहायकवास्तुविद्	नगर नियोजन अथवा नगर डिजाइन में स्नातकोत्तर डिग्री और समान क्षेत्र में कम से कम 2 वर्षो का कार्य अनुभव।	3
8	जी.आई.एस विशेषज्ञ	शहरी नियोजन अथवा शहरी डिजाइन में स्नातक/स्नातकोत्तर	2
9	पुरातत्त्वविद्	पुरातत्व/संरक्षण विज्ञान में स्नातक।	2

* उक्त विशेषज्ञों के वेतन, भत्ते, सांतवे वेतन आयोग के मैट्रिक्स से निर्धारित होगें।

उक्त सूची के साथ–साथ टीम के लिए तकनीकी सहायक और अनुरक्षण सहायक और अन्य सपोर्ट कार्मिकों को भी नियुक्त किया जाना आवश्यक है।

ब्रज शहरी विकास, धरोहर एवं पारिस्थितिकी बोर्ड का गठन

उत्तर प्रदेश ब्रजतीर्थ विकास परिषद (यू.पी.बी.टी.वी.पी) के अधीन एक संस्थागत ढ़ांचा गठित किया जाना प्रस्तावित है जो **"ब्रज शहरी विकास, विरासत और पारिस्थितिकी बोर्ड"** कहलायेगा। यह संगठन ब्रज शहरी विकास, धरोहर एवं पारिस्थितिकी प्रकोष्ठ के गठन के संबंध में निर्णय लेने वाले बोर्ड के रूप में कार्य करेगा। बोर्ड का जनादेश क्षेत्र की भौतिक एवं सामाजिक संपत्तियों से संबंधित सभी परियोजनाओं के लिए अनुमोदन एवं निर्णय लेने वाले प्राधिकरण के रूप में कार्य करना है। इस बोर्ड/संगठन की संरचना में ऐसे केंद्र के प्रमुख अनुभवीविशेषज्ञ शामिल होने चाहिए जो यू.पी.बी.टी.वी.पी के जनादेश के समस्त विषयों में विशेषज्ञता रखते हो।

बोर्ड में तकनीकी एवं प्रशासनिक विभागों को रखे जाने की अनुशंसा की गई है। तकनीकी प्रभाग में

ब्रज योजना एवं वास्तुकला प्रभाग/प्रकोष्ट के सभी विशेषज्ञ एवं अनुभवी शामिल हैं। जबकि प्रशासनिक दल में यूपीबीटीवीपी के सीईओ, नगर निगम के उपाध्यक्ष, मुख्य नगर एवं ग्राम नियोजक, और पुरातत्व संरक्षण एवं पर्यावरण नियोजन के अनुसंधान केन्द्रों से नामित दो विषय विशेषज्ञ होगें।

विस्तृत संस्थागत रूपरेखा तैयार करना:

यह अनुशंसा की जाती है कि एक विस्तृत संस्थागत रूपरेखा तैयार की जाए जिसमें **"ब्रज शहरी विकास, धरोहर एवं पारिस्थितिकी प्रकोष्ठ"** के कामकाज के लिए प्रबंधन एवं कार्यान्वयन योजना शामिल हो। यह योजना एक प्रबन्धन टीम द्वारा यू.पी.बी.टी.वी.पी और एम.वी.डी.ए तथा विषय विशेषज्ञों के परामर्श से शुरू की जानी चाहिए, वे विशेषज्ञ जो वर्तमान परिदृश्य में जरूरतों और अन्तराल को दूर करने के लिए लम्बी अवधि से सम्बन्धित क्षेत्रों में कार्यरत हो, उनको इस टीम में रखा जायेगा। ब्रज में अगले 20 वर्षों के प्रस्तावित कार्यों को ध्यान में रखते हुए एक रूपरेखा बनाना महत्वपूर्ण है।

- **संस्थागत लिंकेज एवं टाई–अप के लिए नीतिगत ढांचा तैयार करना**

ब्रज की अविश्वसनीय धरोहर एवं पर्यटन के प्रबंधन के विशाल समूह के साथ यूपीवीटीपीबी एक ऐसा निकाय होना चाहिए जो वांछित लक्ष्यों को पूरा करने के लिए विभिन्न संसाधनों से विशेषज्ञता प्राप्त कर रहा हो एवं कुशल कार्य करने के लिए कार्यों को सौंपने में भी सक्षम हो। ऐसे कई संस्थान हैं जिनके पास अपने क्षेत्र कीं विशेषज्ञता हैं एवं ब्रज के पावन परिदृश्य को सुरक्षित रखने में योगदान दे सकते हैं। इन संस्थानों में वास्तुशिल्प कॉलेज, प्रबंधन संस्थान, गैर सरकारी संगठन, पॉलिटेक्निक संस्थान शामिल हैं। इसके अलावा सरकार में अन्य विभागों के साथ संपर्क करके डिजाइन एवं विकास के प्रबंधन के लियें सरकार के अन्य विभागों से सम्नवय भी होना जरूरी है, उदाहरण के लिए – राष्ट्रीय शहरी मामलों के संस्थान, दिल्ली शहरी कला आयोग, संस्थागत प्रशिक्षण विभाग, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, पर्यटन विभाग, वन विभाग, पुरातत्व सर्वे ऑफ इंडिया, स्टेट डिपार्टमेंट ऑफ आर्कियोलॉजी एंड कल्चर, आदि। यूपीवीटीपीबी के लिए 20 साल की योजना के लिए हितधारकों, उनके वर्तमान जनादेश एवं संपर्क के अवसरों को स्थापित करने के लिए एक संस्थागत लिंकेज नीति बनाने की सिफारिश की गई है।

1.2 : –अनुसंधान एवं डेटा प्रबंधन योजना

स्ट्रेटेजी–2 ब्रज एवं उसके लोगों के जीवन के अनुसार धरोहर को परिभाषित करना एवं पारंपरिक ज्ञान के भंडार के रूप में सांस्कृतिक संसाधनों की पहचान करना।

ब्रज की संस्कृति एवं ब्रज के लोगों के रहने का तरीका अद्वितीय है क्योंकि वे जिस इलाके में रहते हैं, जिस सांस्कृतिक प्रथाओं से वे आत्मसात हैं, जिन संसाधनों के समृद्ध भंडार सेवे घिरे हुए हैं और उनके दैनिक प्रयास एवं पारंपरिक प्रणालियाँ यहॉ की संस्कृति की रक्षा करती हैं। हालांकितेजीसेविकास के साथ, डिजिटलीकरण, पलायन एवं कई अन्य कारणों से न केवल बहुत सी प्रथाएं खो गई हैं, बल्कि धरोहर की पहचान भी खो गई है। इसलिए धरोहर को परिभाषित करना महत्वपूर्ण है एवं हम जिस धरोहर की बात कर रहे हैं यह एक महत्वपूर्ण संवाद है।

ब्रज की धरोहर को परिभाषित करने एवं पहचानने की योजना को पूरा करने के लिए निम्नलिखित प्रस्ताव है:

A धरोहर संसाधनों का विस्तृत प्रलेखन

- **निर्मित धरोहर संसाधनों की सूचीः** एक व्यापक सूची तैयार की जा चुकी है, परन्तु व्यवहारिक कतिपय प्रतिबन्धों के कारण कुछ विसंगतियाँ रह गयी हैं जिन्हें अब दूर किया जाना है। प्राथमिक एवं द्वितीयक स्रोतों के माध्यम से एक समग्र अध्ययन विकसित करने की आवश्यकता है।

- **ग्रेड I*, II ,IIA स्थलों के लिए एक विस्तृत डेटा बेसः** इसके लिए ऐतिहासिक अनुसंधान, वास्तु विवरण, कलात्मक मूल्यों एवं निर्मित धरोहर संसाधनों से जुड़ी सांस्कृतिक प्रथाओं को संबोधित करने की आवश्यकता है। इसमें स्थानीय समुदाय के मौखिक आख्यानों को भी शामिल करने की आवश्यकता है।

- ब्रजक्षेत्र कि निर्मित धरोहर के लिए **व्यापक ऐतिहासिक अनुसंधान ।**

- **प्राकृतिक एवं सांस्कृतिक संसाधनों की संपूर्ण सूची का जीआईएस डाटा बेस बनाया जाएगाः** ब्रज के मामले में यह कार्य अत्यंत महत्वपूर्ण है क्योंकि वर्तमान में सूचीकरण मथुरा जिले तक ही सीमित है एवं इसमें भी कई विरासत स्थल पहचान करने से छूटे है। जिस डेटा को प्रबंधित किया जाना है वह बहुत बड़ा है एवं इसे निरंतर अद्यतन करने की आवश्यकता है। जीआईएस पर सांस्कृतिक एवं प्राकृतिक संसाधनों का संपूर्ण डेटा भी इन संसाधनों की नियोजन नीति बनाने के लिए और प्रबन्ध निर्णय लेने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम होगा।

- **सांस्कृतिक एवं प्राकृतिक संसाधनों का एक विस्तृत फोटो प्रलेखनः** एक विस्तृत फोटो प्रलेखन पहले ही किया जा चुका है एवं अब अधिक स्पष्टता एवं सटीकता के लिए ग्रेड I*, II, IIAसंरचना में फोटोग्राफी तकनीक का उपयोग करने की अनुसंशा की जाती है।

- **ग्रेड** I*, II, IIA**संरचनाओं के विस्तृत रेखाचित्र एवं दस्तावेज़ीकरणः** यह अनुशंसा की जाती है कि धरोहर परिसर में हस्तक्षेप करने के साथ–साथ उच्च जोखिम वाले उच्च महत्व के स्थलों की पहचान करने के लिए प्रथमिकता के तौर पर सबसे पहले नीतिगत निर्णय लिए जाएँ और धरोहर क्षेत्रों की विस्तृत सूची बनायी जा चुकी है और उन विवरणों जिनका और अधिक सटिक संरक्षण किया जाना है उन विवरणों को सूचीबद्व करने के लिए जिन्हें सुरक्षित रखा जाना है, आधुनिक तकनीकों जैसे लेजर स्कैनिंग, फोटोग्राममेट्री, लिडार सर्वेक्षणों का उपयोग करने की सिफारिश की जाती है जो सामग्री, निर्माण शैली, निर्मित धरोहर संसाधनों पर कलाकृति का दस्तावेजीकरण करने के लिए उपयोगी हैं, तथा इसके लिये विस्तृत दस्तावेज तैयार किये गये है।

- संरक्षित एवं असुरक्षित दोनों प्रकार की पारिस्थितिक संपत्तियों की विस्तृत सूची करण।

- वन,उपवनों, धार्मिक वाटिकाओं परिसरों का विस्तृत हवाई सर्वेक्षण के द्वारा उनके ढाल, धरातल और उनकी समुच्च रेखाओं को दर्शाते हुए विस्तृत दस्तावेज तैयार करना।

B. 'ब्रज के सांस्कृतिक भंडार बैंक' की स्थापना

ब्रज की प्राकृतिक एवं साथ ही सांस्कृतिक धरोहरसे संबंधित पुस्तकालय, डिजिटल पुस्तकालय, प्रलेखन केंद्र, अभिलेखीय केंद्र के रूप में एक डेटा बेंक की स्थापना की जानी है।

C. स्थानीय समुदाय एवं पंचायतों को अनुसंधान एवं प्रलेखन प्रक्रिया में भाग लेने में सक्षम बनानाः

"ब्रज हेरिटेज कंजर्वेशन एंड मैनेजमेंट सेंटर" के नाम से स्थापित संस्थान, स्थानीय समुदाय और पंचायतों को स्थानीय इतिहास स्थानीय स्थानों के उपयोग के उनके आख्यान उनकी वस्तियों और धरोहर के साथ उनके जुडाव आदि का अध्ययन और स्थानीय निवासियों के पास उपलब्ध पुस्तक, पुराने चित्र, पेंन्टिंग आदि को एकत्रित कर अभिलेखीय जानकारी संधारित करेगा। इन सभी जानकारियों, समीक्षाओं और अध्ययन प्रसूचनाओं को केन्द्र में पुरातत्विक सूचनाओं के रूप में संधारित रखा जायेगा। किसी भी रचनात्मक प्रकृति में अपनी धरोहर के पहलुओं को दस्तावेज करने के लिए गांवों एवं बस्तियों में स्थानीय स्कूलों को भी शामिल करना है। इन गतिविधियों को धरोहर दिवस, पर्यावरण दिवस, स्वतंत्रता दिवसआदि पर आयोजित करने की सिफारिश की जाती है।

1.3 कनेक्टिविटी एवं गतिशीलता योजना

एक प्रमुख पर्यटन स्थल होने के नाते, ब्रज क्षेत्र को मजबूत एवं टिकाऊ गतिशीलता संरचनाओं की आवश्यकता है, जो प्रभावी रूप से क्षेत्रीय आर्थिक विकास के साथ–साथ सभी के लिए सुरक्षित रहने योग्य हों तथा आकर्षक स्थानों के विकास का समर्थन कर सके। अच्छी तरह से विकसित परिवहन नेटवर्क पर्यटन क्षेत्रों को विकास ध्रुवों के रूप में मजबूत करने में मदद कर सकता है, जो बदले में नागरिकों एवं पर्यटकों, कर्मचारियों एवं नियोक्ताओं, पुरुषों एवं महिलाओं आदि सभी के लिए लक्षित क्षेत्रों की आर्थिक जीवन शक्ति में सुधार करता है। ब्रज के मोबिलिटी नेटवर्क की गुणवत्ता को उन्नत करने के प्रस्तावों की पहचान निम्नानुसार की गई हैः

स्ट्रेटेजी–3 : –क्षेत्रीय स्तर के मोबिलिटी नेटवर्क को मजबूत करना

जिस आसानी से स्थानीय लोग, पर्यटक एवं तीर्थयात्री ब्रज क्षेत्र में नेविगेट करने में सक्षम होंगे एवं अपने संबंधित गंतव्य तक पहुंचेंगे, यह उनके उपयोगकर्ता अनुभव के संदर्भ में एक बड़ा निर्धारक होगा। इसलिए लक्ष्य दक्षता एवं आसानी से पहुंच से समझौता किए बिना पारगमन प्रणाली की समग्र क्षमता को बढ़ाना है। राज्य राजमार्ग (एस.एच) एवं प्रमुख जिला सड़कों (एम.डी.आर) की मौजूदा सड़कों की स्थिति पर्यटकों एवं तीर्थयात्रियों के वाहनों एवं पैदल चलने वालों की आवाजाही कोसुगम करने के लिए पर्याप्त नहीं है, क्योंकि कई महत्वपूर्ण गलियां एवं मार्ग संकीर्ण है और इनका रखरखाव भी अच्छा नहीं है।

यातायात गतिशीलता की उपरोक्त समस्याओं के निवारण के लिए और ब्रज क्षेत्र के सभी 8 सूचीबद्ध प्रमुख स्थलों तक पहुंच में सुधार करने के लिए, परिवहन के विभिन्न साधनों जैसे रेलवे, सड़क मार्ग एवं जलमार्ग के माध्यम से उन्हें जोड़कर अंतर–गंतव्य संयोजकता को मजबूत किया जाएगा, इन विभिन्न यात्रा साधनों को उपयुक्त स्थानों पर विकसित एवं सुदृढ़ किया जाएगा, जिनकी पहचान अनुभवजन्य सर्वेक्षणों के माध्यम से की जाएगी।

स्ट्रेटेजी–4 : –गंतव्यों के भीतर मध्यवर्ती सार्वजनिक परिवहन (आई.पी.टी) सुविधा की स्थापना करना।

गंतव्यों के भीतर स्थानीय संयोजकता को मजबूत करने के लिए, यानी इंट्रा–डेस्टिनेशन मोबिलिटी में सुधार करने के लिए, एक इंटरमीडिएट पब्लिक ट्रांसपोर्ट सिस्टम तैयार किया जाएगा, जिसमें निम्नलिखित विशेषताएँ शामिल होंगी:

1. ई–रिक्शा बोर्डिंग पॉइंट एवं लेन।
2. विभिन्न प्रमुख तीर्थस्थलों से उनकी निकटता के अनुसार बोर्डिंग बिंदुओं की पहचान करना जो विभिन्न गंतव्य स्थानों के मध्य में पड़ते है।
3. ई–रिक्शा के लिए सोलर चार्जिंग स्टेशन बनाना।

परिवहन का यह तरीका न केवल आंतरिक सड़कों के भीड़भाड़ को कम करने में मदद करेगा (जो पैदल यात्री होंगे एवं नो–व्हीक्यूलर ज़ोन के रूप में चिह्नित होंगे), बल्कि पूरे गंतव्यों में आसान नेविगेशन प्रणाली को भी सक्षम करेंगे जिससे बच्चें, वरिष्ठ नागरिक, शारीरिक रूप से विकलांग तथा जिन्हें पैदल लंबी दूरी तय करने में कठिनाई होती है उन समूहों के लिए विशेष रूप से सहायक होंगे ।

स्ट्रेटेजी–5 : –अधिकतम उपयोग एवं गतिशीलता अनुभव को बढ़ाने के लिए संभावित गलियारों का पुनर्विकास करना।

ब्रज क्षेत्र में क्षेत्रीय एवं साथ ही स्थानीय स्तर पर कई प्रमुख परिवहन गलियारे एवं सड़कें शामिल हैं, उनकी उच्चतम सम्भाव्य क्षमता तक प्रभावी रूप से उपयोग किए जाने पर, वाहनों एवं पैदल यात्रियों के लिए गतिशीलता वृद्धि हेतु बेहतर स्थान के रूप में काम कर सकते हैं। इस प्रस्ताव में निहित कार्य निम्न हैं:

1. ऐसे संभावित गलियारों का अनुभवजन्य सर्वेक्षण।
2. उनके सड़क खंडों का पुनर्निर्धारण, जिसमें वाहनों एवं पैदल चलने वालों के लिए गलियों का उचित पृथक्करण शामिल होगा।
3. जहाँ आवश्यक हो, उपयुक्त स्ट्रीटस्केप तत्वों जैसे प्रकाश व्यवस्था, वृक्षारोपण, स्ट्रीट फ़र्नीचर, बोलार्ड इत्यादि को शामिल करना।
4. प्रस्तावित सड़क खंडों के अनुसार गलियारों का विकास।

स्ट्रेटेजी–6 : –सुगम पर्यटक गतिशीलता/पर्याप्त पार्किंग स्थलों की सुविधा के लिए गतिशीलता–संबद्ध बुनियादी ढांचे का विकास

वर्ष भर ब्रज क्षेत्र में पर्यटकों की भारी तादाद को ध्यान में रखते हुए पैदल मार्ग की प्रकृति को अतिक्रमित किए बिना, उनके वाहनों के लिए आवश्यकताओं के अनुसार पर्याप्त पार्किंग स्थान प्रदान किए जाएंगे। निर्दिष्ट पार्किंग स्थलों के प्राविधान से सड़क पर अव्यवस्थित पार्किंग की समस्या को दूर करने में मदद मिलेगी, जिसके परिणामस्वरूप सड़कों पर भीड़भाड़ होती है। ये पार्किंगसुविधाएं सतही पार्किंग स्थलों या बहु–स्तरीय कार पार्किंग संरचनाओं के रूप में प्रदान की जायेगी।

1.4 सामाजिक–स्थानिक योजना

ब्रज अपने धार्मिक उत्सवों के लिए जाना जाता है एवं पूरे वर्ष पर्यन्त तीर्थयात्रियों को आकर्षित करता है। यह शहर पूरे वर्ष धार्मिक प्रार्थनाओं, त्योहारों एवं मेलों से भरा रहता है, ये उत्सव बड़ी संख्या में वैश्विक

पर्यटकों को आकर्षित करते हैं। ब्रज क्षेत्र में होली, दीपावली, जन्माष्टमी, रथ यात्रा और कई अन्य मेले विशेष त्यौहारों पर आयोजित होते हैं जो पर्यटकों के लिए आकर्षण का केन्द्र हैं। इसी कारण ब्रज क्षेत्र के सामाजिक–स्थानिक चरित्र पर ध्यान से विचार करना आवश्यक हो जाता है, जो ब्रज क्षेत्र की भौतिक व्यवस्था के साथ लोगों, यानी तीर्थयात्रियों, पर्यटकों के साथ–साथ स्थानीय लोगों के बीच सामंजस्य की गुणवत्ता का अनुवाद करता है। उनके उपयोगकर्ता को बढ़ाने के लिए अपनाए जाने वाले आवश्यक उपायअनुभव एवं भारी पर्यटक प्रवाह के निर्वाह को सुनिश्चित करना, जो कि क्षेत्र की अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं। क्षेत्र के सामाजिक–स्थानिक चरित्र को बढ़ावा देने के प्रस्तावों की पहचान निम्नानुसार की गई है:

स्ट्रेटेजी–7 : –ब्रज क्षेत्र के प्रमुख सांस्कृतिक कार्यक्रमों की पहचान

ब्रज क्षेत्र के विभिन्न क्षेत्रों में होने वाले सांस्कृतिक कार्यक्रमों की व्यापक समझ बनाने के लिए, वर्ष भर होने वाले विभिन्न उत्सवों, प्रार्थनाओं, मेलों आदि की रूपरेखा तैयार करने के लिए कार्यक्रमों का एक वार्षिक कैलेंडर तैयार किया जाएगा, जिसका उपयोग पर्यटक एवं तीर्थयात्री अपनी व्यक्तिगत पसंद एवं उपयुक्तता के अनुसार गंतव्यों के लिए अपनी यात्राओं को निर्धारित करने के लिए कर सकते हैं। कैलेंडर गंतव्यों में कार्यक्रमों एवं उनकेअनुष्ठानों की मेजबानी के लिए स्थानों की आवश्यकता के संबंध में उपयोगी अन्तरदृष्टि भी प्रदान करेगा जो पर्यटकों एवं तीर्थयात्रियों के उपयोगकर्ता के अनुभव को बढ़ाता है।

स्ट्रेटजी–8 : –ब्रज के पवित्र परिदृश्य के साथ तीर्थयात्रियों के सामाजिक–सांस्कृतिक जुड़ाव के लिए स्थानों का प्राविधान

भौतिक पारिस्थितिकी, जैसा कि कई विद्वानों एवं सिद्धांतकारों द्वारा सुझाया गया है, एक महत्वपूर्ण तत्व है क्योंकि वे किसी स्थान को अर्थ देते हैं। यह इसकी विशेषताओं के साथ ही भौतिक व्यवस्था को भी परिभाषित करता है कि लोगों का स्थान विशेष के प्रतिलगाव विकसित होता है या नहीं, क्योंकि यह पहली दृश्य विशेषता है, जिसका स्थान के पर्यटन दृश्य पर सीधा प्रभाव पड़ता है। किसी स्थान की संस्कृति को प्रामाणिक रूप से समझने के साधन के रूप में, विशेष रूप से ब्रज क्षेत्र जैसे धार्मिक रूप से प्रमुख स्थान पर, पर्यटकों एवं तीर्थयात्रियों के लिए समान सुविधा के लिए मूर्त स्थान का प्राविधान एक विशेषाधिकार बन जाता है, जिसके लिए निम्नलिखित प्रकार के क्षेत्रो को विकसित किया जाना प्रस्तावित है :

1. **विवेचना केंद्र**– इन केंद्रों को संबंधित ऐतिहासिक स्थलों के बारे में लघु फिल्मों (20 मिनट की औसत अवधि तक) चलाकर तीर्थयात्रियों एवं पर्यटकों को प्रासंगिक संदर्भ एवं ज्ञान से परिचित कराने के लिए प्रमुख धरोहर संरचनाओं के पास बनाया जाएगा। व्याख्या केंद्रों में सूचनात्मक वीडियो प्रदर्शित करने के लिए ऑडिटोरियम एवं एम्फीथिएटर जैसे स्थानों को विकसित किया जायेगा।
2. **कला एवं शिल्प प्रदर्शनी** –साप्ताहिक एवं मासिक हाटों को लगाये जाने के लिए स्थानों का प्राविधान होगा जो विभिन्न सार्वजनिक स्थानों पर अपनी प्रमुख सांस्कृतिक कल्पना एवं प्रतीक से कला एवं मूर्तिकला के पारंपरिक रूपों के प्रदर्शन एवं बिक्री पर केंद्रित हैं।
3. **प्रदर्शन क्षेत्र** –बहुउद्देश्यीय खुली जगहों (जैसे खुले रंगभूमि) का निर्माण, मनोरंजन एवं प्रदर्शन से संबंधित स्थानीय सांस्कृतिक गतिविधियों की एक विविध श्रेणी का समर्थन करेगा। ऐसे स्थानों की स्थापना अमूर्त धरोहर के उपरोक्त रूपों के संरक्षण एवं संवर्धन में मदद करेगी।

स्ट्रेटेजी–9 : – ब्रज की धरोहर के बारे में जागरूकता प्रसारित करने के लिए हेरिटेज वॉक का आयोजन

ब्रज विभिन्न रूपों में समृद्ध धरोहर से युक्त है– मंदिर, स्मारक, कुंड,घाट,वन आदि, जिन्हें आगंतुकों को दिखाने की आवश्यकता है।हेरिटेज वॉक किसी स्थान विशेष की अनछुई एवं उपेक्षित समृद्धि का पता लगाने का एक प्रभावी साधन है। यह शहरी संरक्षण गतिविधि में रुचि पैदा करने एवं स्थानीय समुदाय की भागीदारी के माध्यम से शहर के इतिहास एवं चरित्र के विकास के लिए एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, एवं इस प्रकार पर्यटकों एवं तीर्थयात्रियों को एक विविध अनुभव प्रदान करने की योजना के रूप में अपनाया जाएगा। इस प्रस्ताव में निहित कार्य निम्न हैं:

- धरोहर के विभिन्न रूपों को जोड़ने एवं उजागर करने वाले चिन्हित रेखा पथ पर हेरिटेज वॉक आयोजित करना।
- यह निर्देशित पर्यटन शहरों की भीतरी गलियों की गहराई में किए जाएंगे, जिससे आगंतुकों को ब्रज क्षेत्र की अस्पष्टीकृत और अनछुई समृद्धि का पता लगाने का अवसर मिलेगा।

एक सभ्य समाज में धरोहर के महत्व के बारे में जागरूकता प्रसारित करने एवं लोगों को आने वाली पीढ़ियों के लिए इन महान ऐतिहासिक स्थलों की रक्षा करने के लिए प्रोत्साहित करने के अलावा, धरोहर की सैर के आयोजन से रोजगार के अवसर पैदा करने एवं परंपराओं को जीवित रखने में भी मदद मिलेगी।

1.5 तीर्थयात्रियों की सुविधाओंहेतुयोजना

पर्यटकों एवं तीर्थयात्रियों की सुविधा एवं आराम के स्तर को बढ़ाने के लिए निम्नलिखित योजनायों को अपनाया जाएगा, जिससे उनकी यात्रा एवं अधिक सुखद एवं आरामदायक हो सके।

स्ट्रेटेजी–10 : – आगंतुकों की सुगमता को बढ़ाने के लिए समुचित सार्वजनिक सुविधाओं का विकास करना ।

सार्वजनिक शौचालयों और पेयजल की उपलब्धता जैसी सुविधाओं को बढ़ावा देने के लिए चिन्हित किये गये सामरिक बिन्दुओं पर सभी गन्तव्यों में पर्याप्त सार्वजनिक सुविधाऐं विकसित की जायेगी, जिससे कि उनकी स्वच्छता एवं सुरक्षा को बनाए रखते हुए तीर्थ स्थलों के आसपास आगंतुकों को अधिक सुविधाएँ सुगमता से प्राप्त हो सकें।

स्ट्रेटेजी–11 : – विश्राम स्थलों के रूप में पर्यटक सुविधा केंद्रों (टी.एफ.सी) का विकास

पर्यटकों की सुविधा के लिए एक छत के नीचे रेस्तरां, वॉशरूम, पीने के पानी एवं पार्किंग जैसी सुविधाएं प्रदान करने के लिए सामरिक रूप से चिन्हित किये गये स्थलों पर सभी गंतव्यों में पर्यटक सुविधा केंद्र विकसित किए जाएंगे। इसमें मंडपों की स्थापना भी सम्मिलित होगी (जिन्हें "बारादरी" के रूप में जाना जाता है) जहाँ तीर्थयात्री अपनी यात्रा के बीच में विश्राम कर सकते हैं।

स्ट्रेटेजी–12 : – विभिन्न प्रकार की प्रारूपिकी के आवासों का विकास करना।

पर्यटन का एक प्रमुख घटक आवासीय विश्राम स्थल है, जहाँ कोई रह सकता है, जो पर्यटक किसी अन्य

गंतव्य या यात्रा पर जाना चाहते है, उनके लिए महत्वपूर्ण है क्योंकि आगंतुकों को रहने के लिए जगह की आवश्यकता होती है, जैसे होटल, रिसॉर्ट्स, शिविर स्थल आदि।

ब्रज की यात्रा करने वाले पर्यटकों की आबादी की विविध श्रेणी को ध्यान में रखते हुए, इसका उद्देश्य विभिन्न प्रारूपिकी के आवासों जैसे पडाव स्थल, अतिथि कक्ष, टेंट हाउस, होटल, मोटल, होमस्टे, शयनगृह, रिसॉर्ट, शिविर स्थल विकसित करना है,जिससे की पर्यटक एवं तीर्थयात्री अपनी पसंद के अनुभव एवं सामर्थ्य के अनुसार अपना विकल्प चुन सके, क्योंकि बजट एवं भौतिक स्थितिके अनुसार प्रत्येक प्रकार के आवास की अपनी विशेषताएँ होंगी।

1.6 विधिक हस्तक्षेप हेतु योजना

ब्रज के पर्यावरण के साथ सामंजस्य बनाये रखने, स्थानीय वासियों का पर्यावरण प्रबन्धन में अनुभव और सहभागिता बढ़ाने के लिए यह महत्वपूर्ण है कि नए विकास के साथ–साथ पुनर्विकास परियोजनाएं क्षेत्रीय परिवेश के चरित्र के अनुरूप हों। जैसा कि ब्रज का पावन परिदृश्य अभूतपूर्व विकास की इस अवधि के माध्यम से आगे बढ़ता है, यह सुनिश्चित करने के लिए कि सार्वजनिक एवं निजी परियोजनाएं लक्ष्यों के अनुरूप हैं, संरक्षण के मुद्दों, सार्वजनिक क्षेत्र में सुधार एवं परिवहन के साथ प्राथमिकताएं एवं क्षेत्र की योजना एवं विकास प्राधिकरणों की नीतियां,डिजाइन समीक्षा को समन्वित करने की आवश्यकता पर अधिक ध्यान दिया जाना चाहिए। इसलिए अधिक व्यवस्थित, अनुशासित एवं सामंजस्यपूर्ण विकास सुनिश्चित करने के लिए, विभिन्न प्रकार की भौतिक व्यवस्था आगामी एवं साथ ही मौजूदा व्यवस्था के लिए दिशा–निर्देशों का एक दस्तावेज प्रस्तावित किया जाएगा, जो पूरे ब्रज क्षेत्र में डिजाइन समीक्षा के लिए महत्वपूर्ण दस्तावेजों में से एक होगा। ये दिशा–निर्देश वांछित डिजाइन प्लान और उनके रेखांखित लेआउट प्लान की एक श्रृंखला होगी जो भविष्य में ब्रज के विकास को आकार देने के लिए वांछित संरचना एवं गुणों की व्याख्या करेगी।

स्ट्रेटेजी–13 : – आठ गन्तव्य तीर्थ स्थलों के परिक्रमा मार्गो का उन्नयन करने के लिए दिशा–निर्देश निर्धारित करना।

ब्रज चौरासी कोस परिक्रमा और सभी आठ गन्तव्य धार्मिक स्थलों के परिक्रमा मार्गो को पैदल यात्रियों के साथ–साथ वाहन संचालन की दृष्टि से उन्नत करना है। श्रृद्धालुओं को परिक्रमा लेते समय परिक्रमा मार्ग से अन्य कनेक्टेट मार्गो पर दिग्भ्रमण न हो और यात्रा को सुगम और स्वयं निर्देशित बनाने के लिए प्रत्येक गन्तव्य और उनसे संबंधित परिक्रमा मार्गो की सतह, सामग्री, फर्नीचर को विशिष्ट डिजाइन और रंग से सजाकर तैयार किया जाये।

स्ट्रेटेजी–14 : –ब्रज के ऐतिहासिक चरित्र के अनुरूप इमारत की ऊंचाई व अग्रभाग की संरचना के नियंत्रण के दिशानिर्देश

क्षेत्र की ऐतिहासिक प्रकृति के अनुरूप एक प्रमुख पारंपरिक सौंदर्य को बनाए रखने के लिए, भवन के अग्रभाग की संरचना व गलियों के विकास को नियमित करने के लिए दिशा निर्देश के दस्तावेज तैयार किये जायेंगे।

स्ट्रेटेजी–15 : –ब्रज के प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण के लिए दिशानिर्देश

A. जल निकाय

जल निकायों के पुनरूद्धार के लिए उपाय शुरू करना जैसे अतिक्रमणों को प्रतिबंधित करने के लिए उनकी सीमाओं का परिसीमन करना तथा जल प्रदूषण को नियंत्रित करना तथा अपशिष्ट निपटान, एवं जल निस्पंदन के लिए वायु मिश्रण एवं जैव–उपचार जैसी तकनीकों को अपनाना।

B.वन

विभिन्न वनों की जीवन स्थितियों को पुनर्जीवित करना ताकि वे अपनी जैव–विविधता से अधिक शक्तिशाली उत्कर्ष एवं निवास के लिए सक्षम हो सकें।

1.7 पर्यटन विपणन एवं गंतव्य स्तर हेतुयोजना

पर्यटन योजना का उद्देश्य व्यापक क्षेत्रीय एवं गंतव्य स्तर की पहुंच, व्याख्या एवं सुविधाओं को शामिल करना है ताकि आगंतुक एवं पर्यटक ब्रज के तत्वों जैसे धार्मिक, मनोरंजक, संघात्मक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक आदि का समग्र अनुभव प्राप्त कर सकें। इसका उद्देश्य मौजूदा एवं उभरती हुई जगहों, पर्यटन स्थल औरप्रवेश द्वार पर एक बेहतर शहरी बुनियादी ढांचा (जैसे पानी की आपूर्ति, स्वच्छता, सड़क एवं सार्वजनिक परिवहन, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन एवं पर्यावरण सुधार) एवं प्रासंगिक सेवाएं (जैसे सार्वजनिक शौचालय, सड़क संकेत एवं प्रकाश व्यवस्था) उपलब्ध कराना है। आगंतुकों के लिए सुविधा एवं सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए इस क्षेत्र में प्राकृतिक एवं सांस्कृतिक पर्यटक आकर्षणों की उन्नत गुणवत्ता होनी चाहिए। इसे पर्यटन से संबंधित आर्थिक एवं आजीविका गतिविधियों में स्थानीय समुदायों की अधिक से अधिक भागीदारी द्वारा सृजित करने की आवश्यकता है। पर्यटन स्थलों एवं आकर्षणों की योजना, विकास, प्रबंधन एवं विपणन के लिए संबंधित क्षेत्र की निकायों एवं स्थानीय समुदायों की सुदृढ़ क्षमता एवं निजी क्षेत्र की भागीदारी और छोटे व्यवसायों को बढ़ावा देना भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। स्थलो पर इस एकीकृत संरचना को विकसित करने के लिए निम्नलिखित आवश्यक योजनाओं एवं प्रस्तावों की सिफारिश की जाती है:

स्ट्रेटेजी–16 : – स्थानीय से अंतरराष्ट्रीय स्तर तक जन–जागरूकता प्रसारित करने और नये आगुन्तकों और पर्यटन बाजार को बनाने के लिए पर्यटन विपणन की योजनाओं को नियोजित करना।

विज्ञापन सबसे महत्वपूर्ण साधन है जो पर्यटन उद्योग को स्थानीय एवं अंतर्राष्ट्रीय दोनों बाजारों से पर्यटकों को आकर्षित करने में मदद करता है। पर्यटन क्षेत्र प्राकृतिक संसाधनों, संस्कृति, धरोहर आदि को बढ़ावा देने के लिए जिम्मेदार है, जो प्रत्येक आगंतुक को गंतव्य का अनुभव कराने में मदद करता है। विज्ञापन आगंतुक को व्यक्तिगत रूप से आने से पहले ही उस स्थान से परिचित होने में मदद करता है।

पर्यटन विपणन एक विपणन योजना है जो पर्यटन उत्पादों एवं सेवाओं जैसे स्थलों, होटलों एवं परिवहन सेवाओं आदि को बढ़ावा देने के लिए विशिष्ट विपणन योजना एवं तकनीकों का उपयोग करती है। ब्रज क्षेत्र को मनोरम विज्ञापनों एवं होर्डिंग्स के माध्यम से एक धार्मिक एवं सांस्कृतिक पर्यटन स्थल के रूप में प्रचारित किया जाएगा। आगंतुकों को प्रासंगिक जानकारी प्रदान करने के लिए कई छोटे पर्यटक सूचना कियोस्क भी स्थापित किए जा सकते हैं।

जब हम पर्यटन विपणन की बात करते हैं, तो डिजिटल विपणन पर भी विचार केंद्रित करना चाहिये, क्योंकि पर्यटन उद्योग के साथ किसी भी अन्य क्षेत्र से अधिक ऑनलाइन संचार उपभोग प्रक्रिया की विशिष्टताओं के कारण अधिक महत्वपूर्ण होता है तथा पर्यटक सेवा प्रदाता से बहुत दूर होने के बावजूद

भी अपनी यात्राओं की योजना आनलाइन सुविधा से सुगमता से बना सकते हैं।

स्ट्रेटेजी–17 : – पर्यटकों के उपयोगार्थ एक यूजर फ्रैन्ड़ली मोबाईल एपलीकेशन का विकास।

प्रौद्योगिकी ने पर्यटन के परिदृश्य को नया रूप देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। बहुत ही आसान मोबाइल एप्लीकेशन से पर्यटन क्षेत्र में एक क्रांतिकारी परिवर्तन आया है। अनुमान है कि लगभग 85प्रतिशत लोग अपनी यात्रा की योजना बनाते समय यात्रा एवं पर्यटन एप्लीकेशन का उपयोग करते हैं।

उक्त अपेक्षा के क्रम में **"मेरो ब्रज"** नामक एक मोबाइल एप्लीकेशन विकसित किया जाएगा जो पर्यटकों एवं तीर्थयात्रियों की सुविधा के लिए पूरे ब्रज क्षेत्र के सभी प्रसिद्ध स्थानों, घटनाओं, आवास, पुलिस सेवाओं, चिकित्सा सुविधाओं, रेस्टोरेन्ट आदि के बारे में उपयोगी जानकारीयों के बारे में एकल बिंदु सूचना केंद्र के रूप में काम करेगा।

स्ट्रेटेजी–18 : –स्थानीय पर्यटन एवं अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने के लिए एक उपकरण के रूप में क्षमता विकास को अपनाना

शहरी पर्यटन के बढ़ते युग में प्रामाणिक जानकारी एवं ज्ञान प्राप्त करना एवं प्रदान करना आर्थिक एवं व्यावसायिक दृष्टिकोण से नया एवं व्यवहार्य/लाभदायक क्षेत्र है। इसके साथ–साथ क्षमता–निर्माण उन कौशलों, प्रवृत्तियों, क्षमताओं, प्रक्रियाओं एवं संसाधनों को विकसित करने एवं मजबूत करने की प्रक्रिया है, जिनकी संगठनों एवं समुदायों को तेजी से बदलती दुनिया में बने रहने, अनुकूल करने एवं विकसित करने के लिए आवश्यकता होती है। क्षमता–निर्माण में एक आवश्यक घटक परिवर्तन है जो भीतर से उत्पन्न होता है एवं समय के साथ बना रहता है; इस प्रकार का परिवर्तन, कार्य करने से लेकर बदलती मानसिकता एवं दृष्टिकोण तक जाता है। संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (यू.एन.डी.पी) की परिभाषा के अनुसारः "वैश्विक संदर्भ में क्षमता व्यक्तियों एवं संस्थानों की निर्णय लेने एवं लागू करने एवं प्रभावी, कुशल एवंसतत् तरीके से कार्य करने की क्षमता को प्रदर्शित करती है।" व्यक्तिगत स्तर पर क्षमता निर्माण, भागीदारी, ज्ञान के आदान–प्रदान एवं स्वामित्व के लाभों को अधिकतम करते हुए ज्ञान प्रदान करने एवं कौशल विकसित करने के दृष्टिकोण एवं व्यवहार को बदलने की प्रक्रिया को संदर्भित करता है। संस्थागत स्तर पर यह समग्र संगठनात्मक प्रदर्शन एवं कार्य क्षमताओं के साथ–साथ परिवर्तन के अनुकूल होने के लिए संगठन की क्षमता पर ध्यान केंद्रित करता है। प्रणालीगत स्तर पर यह समग्र नीतिगत ढांचे पर जोर देता है जिसमें व्यक्ति एवं संगठन बाहरी वातावरण के साथ काम करते हैं एवंप्रतिक्रिया करते हैं।

प्रत्येक स्तर पर विशिष्ट एवं लक्षित क्षमता संवर्धन की पहल की जानी चाहिए। प्रत्येक समूह के लिए संभावित क्षमता संवर्धन की पहल इस प्रकार है –

व्यक्तिगतः विशिष्ट विषयों की गहन चर्चा के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम, व्यवसाय विकास गतिविधियाँ, कार्यशालाएँ; सम्मेलन आयोजित करना।

संस्थागतः आंतरिक नीतियों का विकास, संगठनात्मक एवं प्रक्रियात्मक पुनर्गठन करना

प्रणालीगतः वकालत की पहल, परामर्श, खुला संवाद एवं सुधार करना।

इस उपकरण को अपनाने से ब्रज क्षेत्र के स्थानीय श्रमिकों (जैसे–टूर गाइड, शिल्पकार एवं कारीगर) के कौशल एवं क्षमताओं को विकसित करने एवं मजबूत करने में मदद मिलेगी। इसके अलावा कुछ संरचनाओं को सहायक बुनियादी ढांचे के रूप में स्थापित किया जाएगा, जिनका उपयोग व्यावसायिक

केंद्रों के रूप में किया जा सकता है।

1.8 सांस्कृतिक संरक्षण योजना

निर्मित धरोहर के संरक्षण एवं प्रबंधन के लिए कई चरणों की आवश्यकता होती है। इन कदमों को एक व्यवस्थित तरीके से उठाए जाने की आवश्यकता है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि धरोहर आने वाली पीढ़ियों के लिए भी संरक्षित है। अभ्यास दुनिया भर में पेशेवरोंएवं शिक्षाविदों के कठोर जुड़ाव के साथ कई दशकों में विकसित हुआ है। 1964 में निर्गत वेनिस चार्टर के प्राविधानिक वास्तु संरक्षण के लिये प्रतिपादित की गई परिभाषाओं और संरक्षण विधि को इस क्षेत्र में पहली बार प्रतिपादित किया गया है।

इसके बाद कई चार्टर्स एवं अनुशंसा निर्गत हुई जो दुनिया भर में विभिन्न प्रकार की निर्मित धरोहरों के संरक्षण को सूचित करने वाले सिद्धांतों एवं दृष्टिकोणों को परिभाषित करती हैं। कुछ चार्टर्स जो एशियाई चुनौतियों के प्रति उत्तरदायी हैं, बुर्रा चार्टर 1992 जो "प्रमाणिकता का नारा" दस्तावेज कहलाता हैं। कई अन्य दस्तावेज, जिन्हें एशियाई संदर्भ के लिए महत्वपूर्ण माना गया है, उनमें से "होई एन प्रोटोकोल" ही सर्वश्रेष्ठ संरक्षण प्रणाली है।

स्ट्रेटेजी 19 : – ब्रज की असंरक्षित निर्मित सांस्कृतिक धरोहर की सुरक्षा एवं संरक्षण

जैसा कि उल्लेख किया गया है, ब्रज विभिन्न रूपों एवं प्रकारों में धरोहर से युक्त है जिनमेंसे केवल 28 संरचनाएं ही संरक्षित हैं। ब्रज की असंरक्षित धरोहर में मंदिर, कुंड, हवेलियाँ, धर्मशालाएँ, पारंपरिक घर, घाट, मस्जिद, मकबरे, औपनिवेशिक धरोहर आदि जैसे प्रारूप वर्गीकरण शामिल हैं। इनमें से कई संरचनाएँ निराशाजनक स्थिति में हैं एवं कई बहुत जीर्णशीर्ण अवस्था में हैं। कई स्थलों की जीर्णशीर्ण अवस्था में और अधिक गिरावट इन धरोहरों को हमेशा खोने का कारण बन सकती है और इस प्रकार ब्रज के शहरी ताने–बाने एवं ब्रज के लोगों की जीवित परंपराओं को प्रभावित कर सकती है। इन धरोहर संरचनाओं की सुरक्षा हेतु प्रस्ताव निम्न प्रकार हैः–

A. मुख्य योजना में सांस्कृतिक धरोहर संसाधनों की अधिसूचना

जैसा कि पहले कहा गया है कि इस परियोजना का एक प्रमुख हिस्सा ब्रज की आठ बस्तियों में चिन्हित 800 से अधिक स्थलों को अध्ययन कर एक सांस्कृतिक मानचित्रण विवरण तैयार किया गया है। इन स्थलों में से प्रत्येक के लिए एक विस्तृत सूची फॉर्म भरा गया है एवं उन्हें उनके महत्व, सुरक्षा की स्थिति, वर्तमान स्थिति आदि के अनुसार वर्गीकृत किया गया है। सूची में I और IIA के रूप में वर्गीकृत सभी स्थलों को मुख्य योजनाओं में प्राथमिकता से अधिसूचित कराये जाने की अनुशंसा की गई है। उसकी सूची में दर्ज स्थलों का मौके पर जाकर जमीनी सत्यापन किया जाना है।

अधिसूचना कराने से पूर्व निम्न कार्य किये जाने आवश्यक हैंः

- स्थानीय सरकारों एवं पंचायतों के परामर्श से जमीनी स्तर पर ग्रेड I और II Aमें वर्गीकृत सांस्कृतिक धरोहर स्थलों की पहचान और व्यवहार्यता की समीक्षा अधिसूचना कराये जाने से पूर्व की जानी है।

- स्थानीय सरकारों और पंचायतों के परामर्श से जमीनी स्तर पर ग्रेड II B में वर्गीकृत सांस्कृतिक धरोहर स्थलों की पहचान और व्यवहार्यता की समीक्षा अधिसूचना कराये जाने से पूर्व की जानी है।
- ब्रज (जिला मथुरा) की असंरक्षित धरोहरों के लिए विरासत उपनियम बनाये जाने है। दस्तावेज में सूचीबद्व स्थलों को उपनियम के लिए विचारित किया जाना है।
- मथुरा एवं वृन्दावन क्षेत्र के आगामी मुख्य योजना में ब्रज की असंरक्षित धरोहर एवं उनकी उपविधियों की अधिसूचना।

स्ट्रेटेजी 20 : –पृथक स्मारकों और संरचनाओं से परे, ऐसे धरोहर स्थलों की पहचान इस आशय से की जानी है कि वे स्थल ऐतिहासिक रूप से महत्वपूर्ण धरोहर संसाधनों में समृद्व क्षेत्रों के रूप में पहचाने जाये और इन धरोहरों की पहचान ही उन संबंधित ऐतिहासिक शहरों और बस्तियों के विकास में सहायक बने।

ऐसे परिसर हैं जिनमें ऐतिहासिक स्थलों के छोटे–छोटे कई भवन है एवं वे स्थलाकृति, स्थान विशेष के धरातल परिदृश्य आदि जैसी विशेषताओं के मामले में एक दूसरे से भिन्न हैं। परिसरों के इस वर्गीकरण में कुछ ऐसी विशेषताएं हैं जिन्हें संरचनाओं के उपचार के बजाय एक संपूर्ण ऐतिहासिक कोर के रूप में विकसित किया जाएगा।

उदाहरण के लिए बरसाना के दो परिसर यथा जयपुर मंदिर परिसर, रंगीली चौक एवं हवेली परिसर एक दूसरे से व्यापक रूप से भिन्न हैं। जयपुर मन्दिर बह्मा, विष्णु नाम की पहाड़ियों पर स्थित है और सभी स्थल इस मन्दिर के आसपास है।इनमें से अधिकतर स्थल पावन और धार्मिक है तथा इनमें से कुछ स्थल चौरासी कोस परिक्रमा मार्ग के भाग है। यह पारिस्थितिकी संसाधनों जैसे कि वन, कुण्ड, वाटिका और प्राकृतिक पहाड़ियों से सम्पन्न है, जबकि रंगीली चौक और हवेली परिसर का रूप आवासीय प्रकृति का है जहॉ होली के त्यौहार पर रंगोत्सव मनाया जाता है इसलिए जैसा कि ऊपर कहा गया है, परिसर की विशेषताओं में यह अंतर शहरी विकास एवं संरक्षण के लिए उपनियम तैयार करने में उपयोगी होगा।

लम्बे समय से हमने निर्मित धरोहर वाले स्मारकों और संरचानाओं को ही धरोहर के रूप में माना है। जबकि वे निकटस्थ वातावरण के समग्र अवलोकन में भिन्न है, परन्तु वर्तमान संदर्भ में इन धरोहर क्षेत्र को इनके आसपास के वातावरण सहित समग्र अवलोकन में एक पृथक और विशेष विरासत की समझ के रूप में विकसित हुई है। ब्रज का सांस्कृतिक परिदृश्य एक ऐसा मामला है जहां निर्मित धरोहर की एक विस्तृत श्रृंखला मौजूद है, जो अपने परिवेश एवं क्षेत्र की पारिस्थितिकी से निकटता से जुड़ी हुई है। इस परियोजना के लिए किए गए सांस्कृतिक मानचित्रण की कवायद ने इस तथ्य की पुष्टि की क्योंकि स्थलों के मानचित्रण के अलावा, 'ऐतिहासिक रूप से महत्वपूर्ण धरोहर संसाधनों में समृद्ध क्षेत्रों' की पहचान भी की गई है। इन क्षेत्रों को आलेख में 'प्रीसिंक्ट्स' के रूप में चिन्हित किया गया है।

प्रस्ताव में शामिल कार्य इस प्रकार हैं:

1. चिन्हित परिसरों की सीमाओं को मौके पर भौतिक सत्यापन कर स्पष्ट होने के बाद ऐसे परिसरों को मुख्य योजना में समावेशित अथवा वहिष्करण पर विचार कर पुनरीक्षण करते हुए ऐसे परिसरों की सूची को अन्तिम रूप दिया जाना है।
2. परिसर के भीतर ऐतिहासिक स्थलों के संरक्षण एवं संपूर्ण परिसर के स्थल विकास के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार करके स्थल विकास कार्य करना। इस दस्तावेज में परिसर की पहचान की गई है, संरक्षण योजना एवं स्थल विकास योजना के लिए किए जाने वाले कार्यों की रूपरेखा इस दस्तावेज के अध्याय III में सूचीबद्ध प्रस्तावों के रूप में पहचानी गई है।

ब्रज 84 कोस परिक्रमा में पड़ने वाले आठ स्थलों की शहरी नियोजन नीतियों में एकीकृत किए जाने वाले परित्यक्त सार्वजनिक संरचनाओं का संरक्षण एवं अनुकूल पुनः उपयोग कार्य

जिन संरचनाओं की पहचान की गई है, उनका ब्रज क्षेत्र के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र में एक अत्यंत आशाजनक स्थान है। इन स्थलोंके संरक्षण एवं अनुकूली पुनः उपयोग से कचरे के डंपिंग ग्राउंड के रूप में उपयोग किए जाने के बजाय एक उपयुक्त उपयोग हो सकेगा, जबकि वर्तमान स्थिति रहने पर भविष्य में इसके दुरुपयोग की संभावना है एवंइसको एक असुरक्षित स्थल कहा जायेगा। वर्तमान में यह स्थिति क्षेत्र में कई चयनित स्थलों की है। उदाहरण स्वरूप उनमें से एक महावन में पुरानी डिस्पेंसरी है। यह संरचना ब्रज के पूर्ववर्ती पवित्र परिदृश्य में औपनिवेशिक धरोहर का एक नमूना है एवं इसीलिए अद्वितीय है। जबकि यह एक उपयोगितावादी उद्देश्य के लिए था, यह औपनिवेशिक युग के दौरान क्षेत्र में महावन के महत्व का प्रतीक है। वर्तमान में संरचना महावन की मुख्य सड़क पर उजाड़ पड़ी है एवं इसे डंपिंग ग्राउंड के रूप में इस्तेमाल किया जा रहा है। इसे लुप्त होने देने के बजाय स्थानीय समुदाय की जरूरतों के आधार पर इसे बहाल किया जा सकता है एवं उचित उपयोग में लाया जा सकता है।

विस्तृत सूची निर्मित सांस्कृतिक स्थलों के निम्नलिखित वर्गीकरण को दर्शाती है, जहाँ संरक्षण एवं अनुकूली पुनः उपयोग की रूपरेखा नीचे दी गई है। ब्रज की असुरक्षित धरोहर के लिए उपनियमों में इन्हें विस्तृत करने की आवश्यकता है।

a) **वर्तमान में अनुपयोगी और जीर्णशीर्ण अवस्था में विद्यमान सार्वजनिक भवनः** <u>संरक्षण एवं अनुकूल पुनः उपयोग प्रस्ताव</u>
सरकारी निकाय के साथ सार्वजनिक स्वामित्व वाले स्थलों को संरचनात्मक सर्वेक्षण के लिए पहचाना जाना चाहिए एवं फिर क्षेत्रीय स्तर पर एक व्यवहार्यता, अंतराल की पहचान करने के लिए संरचना को उपयोग में लाया जा सकता है। इन स्थलों की सूची इस दस्तावेज के अनुलग्नक से प्राप्त की जा सकती है (मथुरा जिले में स्थलों के लिए सूची, स्थिति, लेआउट, मंजिलों की संख्या के विवरण के साथ, जो स्थलों की पहचान करना आसान बनाता है एवंइसीलिए सम्भावित उपयोग पर विचार हो सके)। इनमें से कुछ संरचनाऐंजैसे बरसाना में एक सरकारी अस्पताल, महावन में डिस्पेंसरी, महावन में पुराना डाकघर आदि है।

b) **जीर्णक्षीर्ण स्थिति में विद्यमान सार्वजनिक संरचना जो वर्तमान में यथा स्थिति में उपयोग में हैः** <u>संरक्षण एवं स्थल विकास प्रस्ताव</u>
कई सरकारी संरचनाएं एवं स्थल जीर्ण–शीर्ण अवस्था में हैं और वर्तमान में उपयोग में हैं, इनका ऐतिहासिक मूल्य है परन्तु ए.एस.आई या राज्य के विभागों द्वारा देखभाल के लिए असुरक्षित हैं, जैसा कि उनके शासनादेश के विवरण से स्पष्ट है। इन स्थलों के संरक्षण मालिक या तो निजी

स्वामित्व वाला व्यक्ति है अन्यथा स्थानीय सरकार है। ऐसे स्थलों जो स्थानीय सरकार के स्वामित्व में है और अन्य राज्य विभागों के अधीन है, के लिए यह अनुशंसा की जाती है कि इन संरचनाओं को संरक्षण के लिए प्रस्तावित किया जाये।

c) अच्छी स्थिति में होने के बावजूद भी इन निजी संरचनाओं का वर्तमान में कोई उपयोग नहीं हो रहा है जबकि इनका ऐतिहासिक मूल्य है। ऐसे दिशानिर्देश हैं जिन्हें पर्यटक सुविधा, तीर्थयात्री सुविधा या स्थानीय सरकार द्वारा उपयोग के रूप में संभावित उपयोग के लिए पहचानने की अनुशंसाकी जाती है। स्थान, योजना प्रपत्र, क्षेत्र की व्यवहार्यता जांच के आधार पर, यदि इन्हें सरकार द्वारा उपयोग के लिए पट्टे पर दिया जाता है, तो इन संरचनाओं के ऐतिहासिक मूल्य को बहाल किया जा सकता है और संरचना वर्तमान में उपयोग की जा सकती है।इन संरचनाओं के निजी मालिक द्वारा निरंतरता के मामले में संरचना में परिवर्तन एवं अतिरिक्त परिवर्तन के लिए दिशानिर्देशों एवं उपनियमों को 'ब्रज की असुरक्षित धरोहर' के दस्तावेज के अनुसार पालन करने की आवश्यकता है।

d) जीर्ण–शीर्ण अवस्था वाली निजी संरचनाएंः अनूकुली पुनः उपयोग के लिए संरक्षित की जानी हैं। इन संरचनाओं का रखरखाव किया जाना है एवं इसके रखरखाव के लिए निजी स्वामियों द्वारा निम्न नियमों का पालन किया जाना आवश्यक हैः

- किसी भी विकास या पुनर्विकास या इंजीनियरिंग संचालन या परिवर्धन या परिवर्तन, मरम्मत, भवन की पेंटिंग, विशेष सुविधाओं के प्रतिस्थापन या किसी भी हिस्से के प्लास्टरिंग या विध्वंस सहित उक्त सूचीबद्ध भवनों या सूचीबद्ध परिसर या सूचीबद्ध प्राकृतिक विशेषता क्षेत्रों की अनुमति नहीं दी जाएगी, सिवाए 'ब्रज धरोहर संरक्षण एवं प्रबंधन केंद्र' के 'ब्रज सांस्कृतिक संरक्षण बोर्ड' से पूर्व अनुमति एवं एनओसी के अलावा। ऐसी अनुमति प्रदान करने से पूर्व संबंधित अभिकरण राज्य सरकार द्वारा नियुक्त किये जाने वाले बोर्ड से परामर्श करेगा एवं ब्रज संस्कृति संरक्षण बोर्ड की सलाह के अनुसार कार्य करेगा।
- बशर्ते कि, सूचीबद्ध इमारतों (या सूचीबद्ध सड़कों या परिसर के भीतर इमारतों) में विध्वंस या बड़े बदलाव परिवर्धन के लिए कोई अनुमति देने से पहले, या किसी भी सूचीबद्ध प्राकृतिक सुविधाओं पर निर्माण, या किसी सूचीबद्ध प्राकृतिक विशेषता क्षेत्रों की सीमाओं में परिवर्तन ऐसे प्रकरणों में आपत्तियां एवं सुझाव जनता से आमंत्रित किये जायेगेंऔर ब्रज संस्कृति संरक्षण बोर्ड द्वारा विचार करने के बाद ही उसमें अपना निर्णय लिया जायेगा।
- बशर्ते कि, केवल असाधारण मामलों में, कारणों को लिखित रूप में दर्ज करने के लिए मुख्य कार्यपालक अधिकारी उ0प्र0 ब्रज तीर्थ विकास परिषद/उपाध्यक्ष, विकास प्राधिकरण मामले को पुनर्विचार के लिए ब्रज संस्कृति संरक्षण बोर्ड को वापस भेज सकते हैं।
- आवासीय संपत्तियों के लिए हस्तांतरित विकास अधिकार (टी.डी.आर) योजना तैयार की जाएगी।
- एएसआई के निषिद्ध एवं विनियमित क्षेत्रों में एवं किसी भी राज्य संरक्षित संरचना के 150 मीटर के भीतर नए निर्माण के लिए ब्रज संस्कृति संरक्षण बोर्ड से एनओसी एवं एक अनिवार्य धरोहर प्रभाव मूल्यांकन सूचना लेना अनिवार्य होगा।

- परिसर के भीतर कोई भी नया निर्माण जो अधिसूचित है, उसे "ब्रज संस्कृति संरक्षण बोर्ड" से एनओसी की आवश्यकता है।

स्ट्रेटेजी 21 : – संरक्षित स्थलों का संरक्षण एवं उन्नयन एवं इन स्थलों का परिसर में एकीकरण ताकि आगंतुकों को स्मारकीय धरोहर के हिस्से के रूप में ब्रज की संस्कृति का अनुभव हो सके।

स्मारकीय धरोहर संरक्षित स्थलों का प्रबंधन केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा किया जाता है। इन स्थलों का अत्यधिक महत्व है एवं इनमें से कुछ में गोवर्धन में कुसुम सरोवर जैसे उच्च दर्शनीयस्थल भी हैं। मथुरा में कंकाली टीला जैसे ऐसे स्थल हैं जिन्हें कम देखा जाता है। कुसुम सरोवर जैसे स्थलोंको अच्छी तरह से प्रबंधित किया गया है, हालांकि दीवार चित्रों की बहाली एवं सरोवर के दीवार चित्रों को संग्रहीत करने जैसे कार्य किए जाने हैं। व्याख्या एवं सुविधाओं के साथ–साथ परिसर में जिन क्षेत्रों में आवागमन कम है, उनकापुनरोद्धार महत्वपूर्ण है। जबकि कंकाली टीला के मामले में इतिहास एवं उत्खनन के बारे में एवं स्थल के महत्व के बारे में स्थल पर एक सेवा संस्था की स्थापना और व्याख्या करना महत्वपूर्ण है। वर्तमान में स्थल केवल एक चारदीवारी के साथ सुरक्षित रखा गया है।

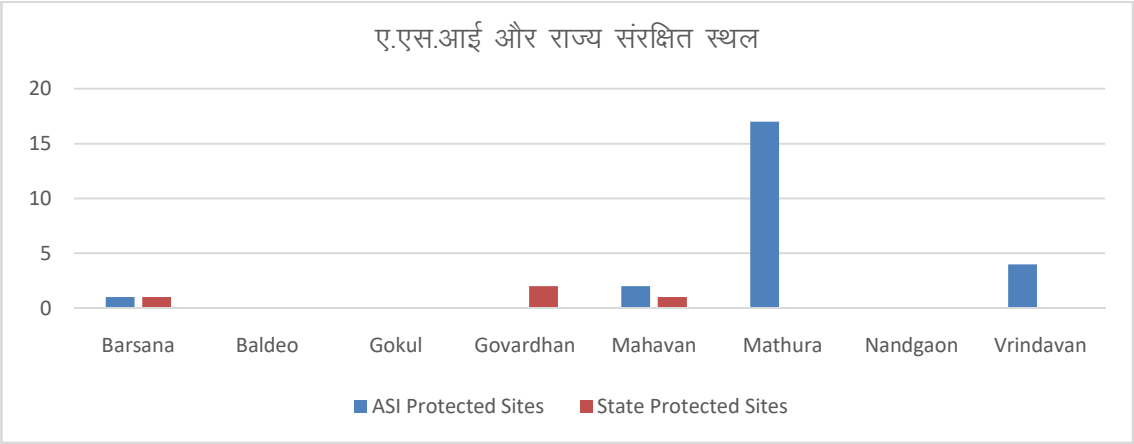

a. संरक्षित स्मारकों का संरक्षण एवंनियमित रखरखाव के लिए प्रस्ताव निम्न प्रकार है:

1. 28 संरक्षित स्थलों के संरक्षण, स्थल विकास एवं सुविधाओं के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर)।
2. संरक्षित 28 स्थलोंके लिए रखरखाव योजना।

स्ट्रेटेजी 22 : – व्यापक परिदृश्य में दृश्य स्मारकों की तत्काल व्यवस्था को बनाए रखना

आस–पास के दबाव एवं लापरवाही के कारण समय के साथ–साथ आसपास के परिवेश को इस तरह से विकसित किया गया है जिसका सांस्कृतिक व्यवस्था से कोई संबंध नहीं है। जैसे जिस तरह के पेड़ लगाए गए हैं वे स्वदेशी प्रजातियां नहीं हैं एवं जल तालिका, दृश्य व्यवस्था एवं उनके आसपास के आवास को प्रभावित करते हैं। सांस्कृतिक संपदा के इर्द–गिर्द सर्वाधिक प्रामाणिक व्यवस्था कायम करना एवं पारंपरिक संबंधों को बनाए रखना महत्वपूर्ण है।

1.9 प्रकृति, पारिस्थितिकी एवं पर्यावरण के साथ सामन्जस्य बनाये रखने के लिए योजना

स्ट्रेटेजी 23. ब्रज को एक सांस्कृतिक परिदृश्य के रूप में मान्यता देनाः ब्रज के सांस्कृतिक संसाधनों एवं प्राकृतिक संसाधनों के लिए ब्रज एवं उसके परिदृश्य दोनों को अभिन्न अंग मानते हुए एक समग्र दृष्टि विकसित करना।

ब्रज केवल निर्मित धरोहर एवं पारिस्थितिकी के साथ एक बस्ती नहीं है, ब्रज एक अनूठी व्यवस्था है जहॉ आबादी और प्रकृति दोनों एक दूसरे के साथ मिलकर काम करती हैं और प्रकृति में निहित परंपरा एवं मूल्यों को बनाए रखने में बहुत बड़ी भूमिका निभाती हैं। यह सुनिश्चित करने के लिए कि भूमि–जल इंटरफेस पर इंटर–लिंकेज एवं इंटरेक्शन बना रहे। इस सामन्जस्य को बनाये रखने के लिए सख्त दिशानिर्देश और उपनियम होने चाहिए जो इस इंटरफेस पर किसी भी तरह के व्यवधान को रोकते हैं। ब्रज क्षेत्र की सूक्ष्म–जलवायु, जल विज्ञान प्रणाली एवं स्थलाकृति में परिणामस्वरूप एक ऐसा परिदृश्य बन गया है जो पारिस्थितिक संसाधनों जैसे वन, उपवन, जल निकायों आदि से समृद्ध है। पारिस्थितिक परिदृश्य में मनुष्यों के हस्तक्षेप ने इस क्षेत्र को एक सांस्कृतिक परिप्रेक्ष्य प्रदान किया, जिसके कारण ब्रज के सांस्कृतिक परिदृश्य का विकास हुआ। अन्तराष्ट्रीय स्मारक स्थल समिति (ICOMOS) सांस्कृतिक परिदृश्य को सांस्कृतिक गुणों के रूप में परिभाषित करता है, जो 'प्रकृति एवं मनुष्य के संयुक्त कार्यों' का प्रतिनिधित्व करता है। इसका मतलब है कि क्षेत्र की पारिस्थितिक विशेषता में सांस्कृतिक एवं धार्मिक बारीकियां जुड़ी हुई हैं एवं इसलिए कोई योजना या संरक्षण योजना अलग से प्रस्तावित नहीं की जानी चाहिए।

यह सुनिश्चित करने के लिए कि प्रस्तावित एवं विद्यमान शहरी और बुनियादी ढाँचे से क्षेत्र की पारिस्थितिकी को कोई स्थायी नुकसान न हो, पूरे क्षेत्र की मौजूदा स्थलाकृति, भूविज्ञान, प्राकृतिक जल निकासी, जलविभाजन एवं पारंपरिक जल प्रबंधन प्रणाली को समझना अत्यंत महत्वपूर्ण है। इसे कुछ मामलों के माध्यम से समझाया जा सकता है, जैसे कि सड़कों, नहरों या बांधों का विकास। इस तरह के किसी भी विकास का प्रस्ताव स्थलाकृति, भूविज्ञान एवं प्राकृतिक जल निकासी के सावधानीपूर्वक सर्वेक्षण के बाद किया जाना चाहिए।

क्षेत्र के जल निकायों को असंवेदनशील विकासात्मक योजनाओं के निरंतर हमले का सामना करना पड़ा है, जिसमें आम तौर पर जल निकाय के आसपास प्राकृतिक भूभाग का सम्मान किए बिना दीवारों को बनाए रखने जैसे कठोर हस्तक्षेप शामिल हैं। इसी तरह, इस क्षेत्र के वन जो पहले से ही विलुप्त होने की स्थिति में हैं, अब चारदीवारी से घिरे हुए हैं जिससे पहले से ही पीड़ित पारिस्थितिक संसाधन पर दबाव पड़ रहा है। एक पारिस्थितिक हॉटस्पॉट के आसपास ऐसी किसी भी निर्माण गतिविधि को प्रतिबंधित किया जाना चाहिए एवं पहले से किए गए सभी निर्माणों को तुरंत हटा दिया जाना चाहिए। स्थानीय देशी प्रजातियों के पौधों का वृक्षारोपण ही ब्रज की खोई हुई प्राकृतिक धरोहर को पुनः प्राप्त करने का एकमात्र उपाय है।

वन, उपवन, जलाशय एवं समृद्ध पारिस्थितिकी के अन्य चिह्न ब्रज की पहचान रहे हैं। एक समय था जब ब्रज इस क्षेत्र में पर्याप्त समद्ध था, परन्तु आज दयनीय स्थिति में है। नई इमारतों को बनाने के लिए वर्षो से जल निकायों में मिट्टी भराव कर अस्तित्व विहीन कर दिया गया है और वनों को काटकर कृषि भूमि में परिवर्तित कर लिया गया है। ब्रज की पहचान को सुरक्षित रखने के लिए इन संसाधनों की रक्षा करना महत्वपूर्ण है, एवं इसलिए उन्हें मुख्य योजना एवं क्षेत्रीय योजनाओं में अधिसूचित किया जाना चाहिए। इन विशेषताओं की अधिसूचना 'महत्वपूर्ण खुली जगह प्रणाली' के एक भाग के रूप में की जानी चाहिए ताकि

यह सुनिश्चित किया जा सके कि उन क्षेत्रों में कोई निर्माण गतिविधियां नहीं की जा सकती हैं। अधिसूचना स्थानीय निकाय एवं इस प्रकार गठित 'सेल' के एक भाग के रूप में की जानी चाहिए।

इस योजना का एक उदाहरण बरसाना की पहाड़ियों पर स्थित सभी पवित्र एवं ऐतिहासिक महत्व के स्थल हैं। इनमें से कुछ स्थलों को कृष्ण एवं राधा की लीलाओं से संबंधित माना जाता है, जबकि अन्य कुछ स्थलों को प्रमुख शासकों द्वारा स्थापित किया गया था। यद्यपि इन सभी स्थलों का संरक्षण एवं रख–रखाव आवश्यक है, लेकिन उन्हें पहाड़ी से जुड़ी पारिस्थितिक विशेषताओं जैसे वन, कुंड आदि पर विचार किए बिना अलग से नहीं किया जा सकता है। इसलिए यह अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाता है कि क्षेत्र की पारिस्थितिकी और सांस्कृतिक विरासत को सुरक्षित रखने के लिए एक संयुक्त योजना विकसित की जानी चाहिए।

A. स्थानीय एवं क्षेत्रीय पारिस्थितिकी में योगदान देने वाले उच्च महत्व के प्राकृतिक निकायों, वनस्पतियों एवं जीवों के लिए वैद्यानिक संरक्षण की स्थिति का प्राविधानः– प्राकृतिक संसाधनों की सूची और अधिसूचना को वैद्यानिक दर्जा देकर विनियमन के माध्यम से सुरक्षित किया जाना

सभी जल निकायों, कुंडों, नदी के किनारों को वर्तमान में वॉल्यूम II में दर्ज किया गया है, जो आसपास के वातावरण एवं समुदायों से कुछ अलग हैं। अंतरराष्ट्रीय सिद्धांतों के मानकों के अनुसार स्थल की अखंडता को बनाए रखने के लिए इन्हें सबसे प्रामाणिक तरीके से पुर्नस्थापित करने की आवश्यकता है।

यह अनुशंसा की जाती है कि क्षेत्र के वनस्पतियों एवं जीवों को सूचीबद्ध किया जाए एवं उन्हें विधिक संरक्षण प्रदान किया जाए। उत्तर प्रदेश नगर निगम अधिनियम 1959, पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम 1986 तथा वन (संरक्षण) अधिनियम 1980 संशोधित 1988 के अन्तर्गत इनके संरक्षण की स्थिति का प्राविधान है। वे इन प्राविधानों के तहत अपनी धरोहर को सूचीबद्ध करने एवं संरक्षित करने के लिए नगर निगमों, शहरी स्थानीय निकायों एवं ग्राम पंचायतों को निरोधात्मक शक्ति प्रदान करते हैं। जैसा कि निर्मित धरोहर के लिए अनुशंसित है, प्राकृतिक धरोहर संसाधनों को भी मुख्य योजना के भीतर एकीकृत एवं अधिसूचित किया जाना चाहिए। जिसके लिए निम्न कार्यवाही किया जाना प्रस्तावित हैः–

1. ब्रज के इन पॉकेटों में जल निकायों, वनों, उपवनों, वृक्षों एवं आवासों की विस्तृत सूची
2. अधिसूचित किए जाने वाले वनस्पतियों एवं संबंधित प्राकृतिक संसाधनों की सूची की पहचान करना।
3. ब्रज की असुरक्षित धरोहर के लिए प्रस्तावित उपनियमों के समान ही अधिसूचित संपत्तियों के लिए भी दिशा–निर्देश एवं उपनियम तैयार करना।
4. मुख्य योजना में सभी जल निकायों एवं सूचीबद्ध वन की अधिसूचना किया जाना।
5. अधिसूचित निर्मित धरोहर से जुड़े सभी जल निकायों की अधिसूचना को संरक्षण का दर्जा दिया जाना एवं मुख्य योजना में अधिसूचित किया जाना है।
6. मुख्य योजना में अधिसूचित किए जाने वाले सभी उद्यान, बागीचियां, वन उपवन, निर्मित संसाधनों से जुड़े प्राकृतिक निकायों में प्रामाणिक संरक्षण कार्यों को सुनिश्चित करने एवं स्थलोंकी अखंडता

को बनाए रखने के लिए एक जटिल एवं निर्मित संसाधनों के हिस्से के रूप में पहचाने जाने की आवश्यकता है।

B. ब्रज के नीले स्थानों के संरक्षण को सुनिश्चित करते हुए सांस्कृतिक प्रथाओं की रक्षा के लिए भूमि जल इंटरफेस पर इंटरलिंकेज और इंटरएक्शन में सामन्जस्य को बनाये रखना।

1. सभी कुंडों के संरक्षण एवं जीर्णोद्धार की योजना तैयार करना
2. कुंडों से रिटेनिंग वॉल को हटाना
3. नदी किनारों की पुनः प्राप्त भूमि की पुर्नस्थापना।
4. घाटों एवं नदी के किनारों का जीर्णोद्धार

C. हरित स्थानों की पुर्नस्थापनाऔर संरक्षण

1. समूह/परिसर/हरित क्षेत्रों की पहचान जिन्हें मुख्य योजना में अधिसूचित किया जाना है।
2. निर्मित धरोहरों से जुड़े बगीचों एवं उद्यानों के जीर्णोद्धार हेतु विस्तृत परियोजना प्रतिवेदन तैयार करना।
3. मुख्य योजना में अधिसूचित क्षेत्रों के रूप में पहचाने गए क्षेत्रों के लिए पौधों की स्वदेशी प्रजातियों के साथ पूरे ब्रज क्षेत्र के लिए लैंडस्केप प्लान एवं वृक्षारोपण योजना तैयार करना।

D. विश्व धरोहर स्थलों की सूची में शामिल करने के लिए संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक तथा सांस्कृतिक संगठन (यूनेस्को) के मानकों पर खरे उतरने वाले उत्कृष्ट सार्वभौमिक स्थलों का नामांकन करना।

1. सांस्कृतिक परिदृश्य के रूप में ब्रज के लिए नामांकन डोजियर तैयार करना।
2. ब्रज के सांस्कृतिक परिदृश्य के लिए प्रबंधन योजना की तैयारी, जिसमें संरक्षण एवं परिदृश्य योजना, पर्यटन एवंसेवा संस्था की सहायता योजना, जोखिम न्यूनीकरण योजना, विश्व धरोहर नामांकन के लिए पहचानी गई सीमाओं के लिए क्षेत्रीय विकास योजना शामिल है।

1.10 सतत पर्यटन एवं क्षेत्रीय विकास योजना

पर्यटन योजना का उद्देश्य व्यापक क्षेत्रीय एवं गंतव्य स्तर की पहुंच, व्याख्या एवं सुविधाओं को शामिल करना है ताकि आगंतुक एवं पर्यटक ब्रज के तत्वों जैसे धार्मिक, मनोरंजक, संघात्मक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक आदि का विभिन्न धरोहरों निधियों को देखते समय समग्र अनुभव कर सकें। इसका उद्देश्य मौजूदा और उभरते पर्यटन स्थलों के लिएबुनियादी ढांचे (जैसे पानी की आपूर्ति, स्वच्छता, सड़क एवं सार्वजनिक परिवहन, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन, एवं पर्यावरण सुधार) औरगन्तव्य व प्रवेश द्वार के निकट प्रासंगिक सेवाओं (जैसे सार्वजनिक शौचालय, सड़क के संकेत एवं प्रकाश व्यवस्था) में सुधार करना है। साथ ही अंतिम–मील कनेक्टिविटी में सुधार पर ध्यान केंद्रित करते हुए पर्यटकों के आकर्षण के लिए एक बेहतर कनेक्टिविटी उपलब्ध कराना है। आगंतुकों के लिए सुविधा एवं सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए इस क्षेत्र में प्राकृतिक एवं सांस्कृतिक पर्यटक आकर्षणों की उन्नत गुणवत्ता होनी चाहिए। इसे पर्यटन से संबंधित आर्थिक एवं आजीविका गतिविधियों में स्थानीय समुदायों की अधिक से अधिक भागीदारी द्वारा सृजित करने की आवश्यकता है। पर्यटन स्थलों एवं आकर्षणों की योजना, विकास, प्रबंधन एवं विपणन के

लिए संबंधित क्षेत्र की निकायों एवं स्थानीय समुदायों की सुदृढ़ क्षमता एवं निजी क्षेत्र की भागीदारी एवं छोटे व्यवसायों को बढ़ावा देना भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। स्थल पर इस एकीकृत संरचना को बनाने के लिए निम्नलिखित योजनायों एवं प्रस्तावों की अनुशंसा की जाती है।

स्ट्रेटेजी 24 : – मथुरा जिले में ब्रज क्षेत्र की धरोहर की सराहना बढ़ाने एवं साथ ही धरोहर दृश्यता को और अधिक मनोरम बनाने की आवश्यकता है।

धरोहर की सराहना की पहल में व्याख्या एवं शिक्षा परियोजनाएं, कार्यक्रम एवं गतिविधियां शामिल हैं, जिन्हें समुदायों एवं आगंतुकों दोनों द्वारा स्थल एवं इसकी संपत्तियों की समझ एवं समर्थन में सुधार करने के लिए डिजाइन किया गया है। व्याख्यात्मक एवं शैक्षिक पेशकशों की एक श्रृंखला स्थल के धरोहर घटकों की परंपराओं एवं प्रामाणिकता को मजबूत करेगी, समुदायों एवं आगंतुकों के बीच महत्वपूर्ण धरोहर, विषयों एवं कहानियों के बारे में ज्ञान एवं प्रशंसा बढ़ाएगी एवं इस तरह लंबी अवधि के लिए संरक्षण और पर्यटन उपयोग का व्यापक आधार तैयार करेगी और साथ ही साथ इससे अनुभवों की गुणवत्ता और आगन्तुक संतुष्टी में वृद्धि हो सकेगी।

A. क्षेत्रीय स्तर पर और स्थानीय स्तर पर घटनाओं/लीलाओं की व्याख्या, सुविधाओं का प्राविधान किये जाने पर हितधारकों और आगन्तुकों को स्थानीय सांस्कृतिक सम्पत्ति के साथ भावनात्मक रूप से जुड़ने के लिए प्रोत्साहित करेगा।

1. ब्रज तीर्थ क्षेत्र के 8 स्थलों के लिए व्यापक सांस्कृतिक धरोहर व्याख्या मास्टरप्लान तैयार करना।

प्रस्तावों में निम्नलिखित चरण शामिल हैं:

a) सभी गंतव्यों के लिए मुख्य योजना के लिए हिन्दी में प्रस्ताव अनुरोध (आर.एफ.पी) तैयार करना।
b) क्षेत्रीय स्तर, बस्ती एवं परिसर स्तर एवं स्थल स्तर के लिए व्याख्यात्मक, दिशात्मक, निर्देशात्मक संकेतों की शब्दावली का डिजाइन एवं विकास।
c) व्याख्या के लिए मूल सामग्री की पहचान करना: मथुरा जिले में ब्रज क्षेत्र के 8 स्थलों के लिए व्याख्यात्मक सामग्री का अनुसंधान एवं पहचान।
d) मुद्रित व्याख्यात्मक सामग्री (पैनल, पत्रक, ब्रोशर, स्थल मानचित्र, टिकट आदि) के लिए 8 स्थलों के लिए दिशानिर्देश एवं टेम्पलेट तैयार करना।
e) व्याख्यात्मक, दिशात्मक, स्थानीय एवं वर्णनात्मक संकेतों में उपयोग की जाने वाली व्याख्या सामग्री
f) विभिन्न प्ररूपों/मीडिया/लक्षित समूहों के लिए उपयुक्त सामग्री का चयन करना, विकसित करना एवं डिजाइन करना।
g) विभिन्न प्ररूपों/मीडिया/लक्षित समूहों के लिए अद्वितीय ब्रांडिंग, अभिनव डिजाइन, प्रभावशाली प्रस्तुति एवं योजना स्थापित करना।
h) ऑडियो गाइड सामग्री के लिए अनुसंधान एवं डेटा एकत्रीकरण निश्चित प्रस्तुति (वेब, एमपी3 प्लेयर, आईफोन/एंड्रॉइड, आदि) के माध्यम से आकर्षक ऑडियो व्याख्या सामग्री तैयार करना।
i) तकनीकी विशिष्टताओं को तैयार करना एवं मल्टीमीडिया उत्पादों एवं इंटरएक्टिव प्रदर्शनियों (वेबस्थल, पॉडकास्ट, ऑडियो–विजुअल प्रस्तुतियों आदि) के लिए विकल्पों की अनुशंसा करना।

B. मौजूदा शिक्षा क्षेत्र, प्रशिक्षण एवं विकास क्षेत्र, छोटे पैमाने के कुटीर उद्योगों के साथ–साथ अन्य संगत संगठनों में शामिल किए जा सकने वाले व्याख्यात्मक कार्यक्रमों एवं सामग्रियों को विकसित एवं कार्यान्वित करना

1. ब्रज की धरोहर के लिए विषयगत एवं उपविषयक शब्दावली विकसित करना।
2. सांस्कृतिक और प्राकृतिक निधिओं सहित धरोहर वाले स्थलों की और अमूर्त धरोहर यथा नृत्य रूप, संगीत, कला और शिल्प, संग्रहालय, भोजन आदि वाले स्थलों पर पहुँचने वाले गलियारें/धरोहर पथों को चिन्हित करना।
3. गाइड के लिए प्रशिक्षण मैनुअल एवं 8 गंतव्यों के लिए औपचारिक गाइड प्रशिक्षण सत्र।

स्ट्रेटेजी 25 : – प्रत्येक इंच मायने रखता है– स्थानीय समुदाय के लिए सामुदायिक स्थानों के रूप में स्थानीय प्राधिकरणों एवं निकायों के भीतर नियोजित क्षेत्रों में अप्रयुक्त शहरी/ग्रामीण/परित्यक्त स्थानों को समाहित करना

इस क्षेत्र के सामने एक गंभीर समस्या अपशिष्ट प्रबंधन की है एवं किसी भी प्रभावी प्रणाली के अभाव में बस्तियों के छोटे खुले/अप्रयुक्त स्थान डंपिंग ग्राउंड बन रहे हैं। इसके अलावा नदी के मार्ग में बदलाव के कारण नदी के तल खुल गए हैं, इस प्रकार नदी तट के पास अप्रयुक्त भूमि का निर्माण हुआ है। वृन्दावन में नदी के किनारे सड़क के निर्माण के रूप में एक आपदा पहले ही आ चुकी है जो पहले डंपिंग ग्राउंड के रूप में इस्तेमाल किया जाता था। इन स्थानों को शहर के भीतर महत्वपूर्ण सार्वजनिक स्थलों के रूप में मान्यता दी जानी चाहिए एवं यहां केवल अस्थायी या नरम हस्तक्षेप किया जाना चाहिए। किसी भी प्रकार का स्थायी या भौतिक हस्तक्षेप (निर्माण, सड़क, हार्डस्केप इत्यादि) निषिद्ध होना चाहिए। अस्थायी या नरम हस्तक्षेप में वृक्षारोपण, मेलों/त्योहारों/अन्य सांस्कृतिक प्रथाओं के आयोजन के लिए प्रावधान शामिल होना चाहिए।

A. इन स्थानों के पर्याप्त उपयोग, रखरखाव एवं प्रबंधन द्वारा स्थानीय समुदाय एवं आगंतुकों के बीच बस्ती एवं ब्रज क्षेत्र के गौरव एवं स्वामित्व का संचार करना।

1. पर्याप्त व्याख्या सामग्री एवं सार्वजनिक उपयोग के लिए कम उपयोग किए गए स्थानों एवं निष्क्रिय स्थानों के लिए डीपीआर तैयार करना।
2. स्थानीय समुदायों के बीच एम.एस.डब्लू.ए (माय स्पेस वेलफेयर एसोसिएशन) बनाना।
3. एम.एस.डब्ल्यू.ए के लिए क्षमता निर्माण कार्यशालाओं एवं समुदायों के साथ जुड़ाव के लिए कार्यशालाओं का वार्षिक कैलेंडर विकसित करना एवं उन्हें अपने स्थान को गर्व एवं स्वामित्व के साथ बनाए रखने के लिए सशक्त बनाना।

B. आंतरिक बुनियादी ढांचे, सार्वजनिक सुविधाओं एवं प्राथमिक सुविधाओं का विकास एवं प्रबंधन 'जिसमें पहुंच, पेयजल, शौचालय की सुविधा, प्रकाश व्यवस्था एवं सुरक्षा का प्राविधान शामिल है

बुनियादी ढाँचे एवं सुविधा योजना तैयार करने के लिए स्थल के भीतर उपयुक्त बुनियादी ढाँचे के विकास के लिए क्षेत्रीकरण करने के लिए राज्य एवं केंद्र सरकार के निकायों के भीतर संबंधित विभागों के साथ समन्वय रखना।

'पिछले एक दशक में ब्रज क्षेत्र में पर्यटकों एवं तीर्थयात्रियों की आमद इस क्षेत्र के पवित्र महत्व के कारण काफी बढ़ गई है। हालाँकि, वर्तमान में यह प्रवाह कुछ मुट्ठी भर स्थलों पर ही केंद्रित है, जो ब्रज का प्रतिनिधित्व करता है। जबकि अन्य उजाड़ पड़े हैं। इसका एक कारण स्थल पर बुनियादी सुविधाओं या 'प्रारंभिक सुविधा' का अभाव है। मुख्य योजना में अधिसूचित सभी संरक्षित स्थलों एवं स्थलों के लिए अंतिम मील कनेक्टिविटी, सार्वभौमिक पहुंच, प्रकाश व्यवस्था एवं सुरक्षा का प्राविधान आवश्यक है ताकि स्थलों का भ्रमणएवं नियमित रखरखाव को प्रोत्साहित किया जा सके। इसके अलावा, अन्य प्राथमिक सुविधा जैसे पेयजल, एवं शौचालय की सुविधा के प्राविधान से आगंतुकों के लिए एक आरामदायक अनुभव होता है, जिसके परिणामस्वरूप आगंतुकों की संख्या में वृद्धि होती है। ये सुविधाएं सभी स्थलों के लिए या कम से कम स्थलों के समूह के लिए उपलब्ध कराई जानी चाहिए।

इसे समझने के लिए वृंदावन के मदन मोहन मंदिर का उदाहरण लिया जा सकता है। यह एक ए.एस.आई संरक्षित स्थल है जो वृंदावन के दक्षिण–पश्चिमी हिस्से में स्थित है एवं एक ऊंची भूमि पर स्थित है। इस मंदिर तक पहुँचने के लिए नदी की और से कई सीढ़ियाँ हैं जबकि पूर्वी दिशा में एक खड़ी ढलान है। मंदिर परिसर के कुछ हिस्से जीर्णशीर्ण अवस्था में हैं एवं तत्काल मरम्मत की आवश्यकता है। स्थल की वर्तमान पहुंच सार्वभौमिक पहुंच के लिए उपयुक्त नहीं है एवं इसमें बुनियादी सुविधाओं का भी प्राविधान नहीं है। प्रारंभिक सुविधा के प्राविधान के साथ–साथ सार्वभौमिक पहुंच के सिद्धांत को फिट करने के लिए स्थल पर वर्तमान पहुंच को बदलना आवश्यक है। यह स्थल के भ्रमणएवं नियमित रखरखाव को प्रोत्साहित करेगा।

ऐतिहासिक शहर प्राचीन होने के कारण ऑटोमोबाइल युग से पहले के बसे हुए है। इस कारण वहॉ कम चौड़े मार्ग और संकरी गलियाँ बनी है। जो पैदल चलने वालों के उपयोग के लिए थीं। पैदल चलने वालों के लिए एक छायांकित बाहरी अनुभव बनाने के लिए इमारतों को बारीकी से निर्मित कराया गया था एवं इसीलियें इस क्षेत्र के अत्याधिक गर्म एवं आर्द्र जलवायु में ऐतिहासिक शहर को समग्र शीतलन प्रभाव प्रदान किया गया।

वर्षों की अवधि में, तेजी से बढ़ते असंगठित विकास एवं उच्च पर्यटक प्रवाह के साथ, क्षेत्र के प्रत्येक बस्ती में वाहनों का आवागमन एक बड़ा मुद्दा बन गया है। जो सड़कें पैदल चलने वालों के लिए बनी थीं, वे अब वाहनों के दबाव से जूझ रही हैं। हालांकि शहरों के ऐतिहासिक केंद्र में कुछ क्षेत्र वर्तमान में पैदल चलने योग्य हैं लेकिन मौजूदा परिदृश्य को देखते हुए यह पर्याप्त नहीं है। यह पुराने शहरों के ऐतिहासिक स्थलों के लिए हानिकारक है क्योंकि वे सड़क चौड़ीकरण योजनाओं के कारण विध्वंस के लगातार खतरे में हैं। अतः पैदल मार्ग एवं सार्वजनिक परिवहन ही ऐसे उपाय हैं जो ऐतिहासिक कोर के चरित्र को बनाए रखने में सहायक होंगे।

A. एकीकृत गंतव्य परियोजनाएंः सुविधाओं के लिए एवं क्षेत्र की गतिशीलता योजना में पैदल यात्रीकरण एवं सार्वजनिक परिवहन की भूमिका को बढ़ाने के लिए

ब्रज के सांस्कृतिक चरित्र के विश्लेषण एवं व्याख्या के हिस्से के रूप में, संस्कृति मानचित्रण अभ्यास के अंतिम चरणों में से एक में धरोहर संसाधनों की एकाग्रता (स्थलों की भौगोलिक निकटता), ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, स्थान एवं प्रत्येक बस्ती में परिसर की पहचान शामिल है। स्थलाकृतिक विशेषताएं एवं उस क्षेत्र की समग्र प्रकृति जहां धरोहर संसाधन स्थित हैं। इस अभ्यास का उद्देश्य विशिष्ट विशेषताओं वाले छोटे नियोजन क्षेत्रों की पहचान करना हैएवं फिर उन विशेषताओं का उपयोग क्षेत्र में विकास के लिए

दिशानिर्देश/उपनियम तैयार करने के लिए करना है। आठ बस्तियों में किये गये कुल 25 परिसरों की पहचान निम्न प्रकार हैः–

तालिका 1 आठ बस्तियों में पहचाने गए परिसर

क्र.सं.	नगर का नाम	परिसर
1.	बरसाना	जयपुर मंदिर परिसर
		रंगीली चौक एवं हवेली परिसर
		वृषभानु कुंड परिसर
2.	बलदेव	क्षीर सागर कुंड एवं दाऊजी मंदिर परिसर
		हवेली परिसर
3.	गोकुल	घाट एवं नंद किला परिसर
		पोतरा कुंड से नंद चौक धरोहर परिसर
		कमल कुंड एवं बागीची परिसर
4.	गोवर्धन एवं राधा कुंड	गोवर्धन पहाड़ी एवं चंद्र सरोवर परिसर
		मानसी गंगा परिसर
		कुसुम सरोवर परिसर
		राधा कुंड परिसर
5.	महावन	पुराना किला –ब्रह्माण्ड घाट परिसर
		रसखान समाधि परिसर
		औपनिवेशिक धरोहर परिसर
6.	मथुरा	कंकाली टीला एवं पोतरा कुंड परिसर
		घाट एवं कंस किला परिसर
7.	नंदगाँव	नंद भवन परिसर
		पावन कुंड परिसर
		कृष्णा कुंड परिसर
		नंद कुंड एवं यशोदा कुंड परिसर
8.	वृंदावन	गोविंद देव एवं रंग नाथ जी मंदिर परिसर
		घाट एवं निधिवन परिसर
		बांके बिहारी एवं मदन मोहन मंदिर परिसर
		जयपुर मंदिर परिसर

1.11 अमूर्त सांस्कृतिक संसाधनों की प्रबंधन योजना

प्रस्तावित योजना सरकारी एवं गैर–सरकारी दोनों तरह के हितधारकों के लिए दृष्टिकोण एवं व्यावहारिक कदम सुझाती है, जिनकी अमूर्त सांस्कृतिक धरोहर (आई.सी.एच)की सुरक्षा में भूमिका है। सांस्कृतिक प्रथाओं एवं पारंपरिक ज्ञान की सुरक्षा एवं प्रसारण के लिए एक बहु–आयामी दृष्टिकोण आवश्यक है जिसमें सांस्कृतिक मानचित्रण/दस्तावेजीकरण, समुदाय की भागीदारी एवं क्षमता निर्माण, ज्ञान के प्रसारण का समर्थन, प्रसार एवं प्रचार अमूर्त संस्कृति के पेशेवरों और विशेषज्ञों को सम्मानित करना और अमूर्तसांस्कृतिक धरोहर की सम्भावना की खोज करना आदि सामुदायिक विकास के संसाधन शामिल है।

स्ट्रेटेजी 26 : –अमूर्त सांस्कृतिक धरोहर, परम्पराओं और इससे संबंधित पेशेवरों के नाम, पता और व्यक्तिगत विवरण की सूचना का अभिलेखीयकरण

स्ट्रेटेजी 27 : – नए दर्शकों एवं बाजार बनाने के लिए स्थानीय से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जागरूकता को बढ़ावा देना।

स्ट्रेटेजी 28 : – पारंपरिक कौशल, ज्ञान एवं प्रथाओं के प्रसारण एवं प्रसार प्रकिया को सुविधाजनक बनाना और प्रोत्साहित करना ।

स्ट्रेटेजी 29 : –सांस्कृतिक उद्यम के निर्माण में आई.सी.एच (अमूर्त सांस्कृतिक विरासत) का उपयोग करना, एवं विभिन्न प्रकार के आर्थिक विकास प्रयासों में आई.सी.एच परंपराओं एवं प्रथाओं के जिम्मेदार उपयोग को प्रोत्साहित करना।

स्ट्रेटेजी 30 : – अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की परम्पराओं को निभाने वाले व्यक्तियों, समूहों और समुदायों को पहचानना और प्रोत्साहित करना।

अमूर्त सांस्कृतिक विरासत के उपरोक्त परिणामों को प्राप्त करने के लिए प्रस्ताव निम्न प्रकार हैः–

हालांकि अमूर्त सांस्कृतिक विरासत को सुरक्षित और पुर्नजीवित करने के लिए केन्द्र एवं राज्य सरकारों का विजन रहा है और वर्ष 2017 से राज्य स्तर पर केन्द्रीकृत कोष का रखरखाव एक पहल के रूप में किया जा रहा है परन्तु इन प्रयासों और की जा रही पहल को पूर्ण होने में समय लग रहा है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि पहचान/सूचीकरण और व्यापक सांस्कृतिक मानचित्रण के बीच सैद्वान्तिक और व्यापारिक अन्तर है जो एक ओर व्यापक रूप से कम होती जा रही सांस्कृतिक परम्पराओं का अभिलेखीयकरण करता है और दूसरी ओर उनके विस्तृत और गहन प्रकृति के कारण नीतिगत स्तर के हस्तक्षेप में मदद करता है।

A. सामुदायिक भागीदारी के साथ सांस्कृतिक मानचित्रण

मूर्त के साथ–साथ अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की सूची के निर्माण में स्थानीय समुदाय की भागीदारी को सुविधाजनक बनाने की योजना से समुदाय के नेताओं की पहचान करने में मदद मिलती है एवं शुरू से ही सुरक्षा प्रक्रिया के प्रति उनमें उत्तरदायित्व स्वामित्व की भावना विकसित होने लगती है।

समावेशी प्रशासनिक दृष्टिकोणः

सांस्कृतिक मानचित्रण को नगरपालिका या स्थानीय विकास योजना प्राधिकरण के साथ एकीकृत करने की आवश्यकता है। मैप किए गए संसाधनों को सांस्कृतिक उद्योगों के विकास या पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए योजनायों में अपेक्षित समावेश करने की आवश्यकता है। केवल उत्पादन के बजाय, शिक्षा, जागरूकता बढ़ाने एवं क्षमता निर्माण के लिए एक संसाधन या साधन के रूप में दस्तावेजीकरण एवं अनुसंधान का उपयोग करने के लिए सक्षम प्रणाली की आवश्यकता है। बहु–मीडिया का संरक्षण एवं दिग्गज कलाकारों की रिकॉर्डिंग का डिजिटलीकरण (उदाहरण के लिए ऑल इंडिया रेडियो, दूरदर्शन के अभिलेखागार) एवं प्रसार से आईसीएच शिक्षा एवं अनुसंधान में मदद मिलेगी। कौशल विकास कार्यक्रम आईसीएच से संबंधित संग्रहों की व्यवस्था, वर्णन एवं देखभाल में विकासशील कौशल एवं विशेषज्ञता को परिणामपरकबना सकते हैं।

2. व्यापक संसाधन मानचित्रणः

व्यापक सांस्कृतिक संपत्ति प्रबंधन, सांस्कृतिक उद्योग क्षेत्र में निरंतर विकास के लिए एक महती आवश्यकता है। इस प्रकार, अमूर्त सांस्कृतिक धरोहर के आधार पर रचनात्मक उद्योगों के विकास के लिए कलाकारों के साथ–साथ सांस्कृतिक संगठनों का एक राज्य व्यापी डेटाबेस विकसित करना महत्वपूर्ण है। डेटाबेस में उन लोगों के नाम एवं संबंधित जानकारी संकलित करने की आवश्यकता है जो चयनित अमूर्त सांस्कृतिक धरोहर की अभिव्यक्तियों का अभ्यास एवं संचार करते हैं।

3 सामूहिक सांस्कृतिक स्मृति का प्रसार एवं रिकॉर्डिंग

पद्म श्री मोहन स्वरूप भाटिया सहित अन्य हितधारकों ने भी गांवों तक पहुंचने एवं घटती परंपराओं का दस्तावेजीकरण करने एवं ब्रज की लोक सांस्कृतिक धरोहर पर बच्चों के बीच जागरूकता को बढ़ावा देने एवं गर्व की भावना जगाने की आवश्यकता बताई। श्री भाटिया जी ने ही गोवर्धन के पास मुखराई नाम के गाँव एवं सात अन्य गाँवों में चरकुला नृत्य की परंपरा को स्थापित किया एवं इस कला को प्रकाश में लाये। स्थानीय जमीनी स्तर के कलाकारों एवं शिल्पकारों की ऑडियो–विजुअल रिकॉर्डिंग इन लुप्त हो रही ज्ञान परंपराओं को सुरक्षित रखने एवं सांस्कृतिक स्मृति को संरक्षित करने के साथ–साथ प्रसार के लिए महत्वपूर्ण है। चरकुला जैसे नृत्य रूप, रसिया जैसे लोक गीत पारंपरिक रूप से ब्रज क्षेत्र के विभिन्न समुदायों में प्रचलित थे, लेकिन अब यह कला कुछ नृत्य एवं लोक कला अकादमियों या मंडलों तक ही सीमित हैं। गाँवों में रहने वाले वृद्ध लोगों के पास अभी भी अपने समय के दौरान लोकप्रिय ब्रजभाषा में गीतों एवं पदावली का एक विशाल भंडार है, इन्हें दस्तावेज करने का कोई प्रयास नहीं किया जा रहा है। पारंपरिक ज्ञान, जैव विविधता एवं पर्यावरण अनुसंधान एवं प्रलेखन के अन्य ऐसे क्षेत्र हैं जिनका उल्लेख ज्यादातर इसके परितन्त्र विकास के रूप में किया जा चुका है। नंदगाँव में ही 56 कुंड होने का उल्लेख था, अब इनमें से एक तिहाई भी नहीं बचे हैं। इन परंपराओं की रक्षा के लिए पारंपरिक प्रतिपादकों की पहचान करने एवं उनके ज्ञान एवं कौशल को प्रलेखित करने की आवश्यकता है।

B. सूचना तक खुली/साझा पहुंच

संस्कृति के व्यापकएवं गहन प्रसार के लिए, निजी एवं सार्वजनिक हितधारकों के लिए एक साथ काम करना महत्वपूर्ण है। वर्तमान में इंडियन नेशनल ट्रस्ट फॉर आर्ट एण्ड कल्चरल हेरिटेज(INTACH)एवं विश्व बैंक सहित विभिन्न संगठनों औरविभिन्न व्यक्तियों द्वारा अमूर्त सांस्कृतिक धरोहर(आई.सी.एच)से संबंधित परंपराओं और प्रथाओं को प्रलेखित और दस्तावेजीकृत किया जा रहा है। ये दस्तावेज एवं यहां तक कि डिजिटल दस्तावेज शोधकर्ताओं, लेखकों, फिल्म–निर्माताओं एवं अन्य लोगों के लिए (या कुछ मामलों में उनसे संबंधित) आसानी से उपलब्ध नहीं हैं, जो वाणिज्यिक उत्पाद एवं प्रदर्शन बनाना चाहते हैं, और न ही सामुदायिक पेशेवरों को अध्ययन और विवेचना के लिए ये आकडें प्राप्त हो पा रहे है। अमूर्त सांस्कृतिक धरोहर (आई.सी.एच) डेटा के प्रभावी प्रबंधन के लिए सूचना प्रणाली विकसित की जानी चाहिए। विश्वविद्यालयों के डाटा संग्रहऔर अनुसंधान दस्तावेजों के साथ–साथ निजी पहलों पर जानकारी शामिल करने वाली राज्य व्यापी सूची के लिए एक प्रणाली स्थापित करने से किसी भी इच्छुक व्यक्ति तक इस जानकारी की पहुंच और उसका उपयोग सुलभ होगा। दस्तावेजीकरण, मेटाडेटा, अमूर्त सांस्कृतिक विरासत रखने वाले लोगों के **भौतिक निधि अधिकार** (आई.पी.आर) से संबंधित स्पष्ट नीतियों और एकत्र की गई जानकारियों को साझा करने के लिए समुचित प्राधिकार और मानकों हेतु विनियमन किया जाना महत्वपूर्ण है।

1 अमूर्त सांस्कृतिक धरोहर (आई.सी.एच) पर प्रकाशन एवं शोध को प्रोत्साहित करना

ऑनलाइन एवं ऑफलाइन माध्यमों से जागरूकता पैदा करना भी एक मजबूत माध्यम है। निर्मित धरोहरस्थलों पर जानकारी साझा करने के अलावा आंगतुकों को अमूर्त धरोहर के संबंध में मार्गदर्शन के लिए पर्यटन ब्रोशर आवश्यक है। विशेष रूप से आई.सी.एच के लिए डिजाइन की गई प्रदर्शनियाँ एक विकल्प हो सकती हैं। वृंदावन शोध संस्थान ने हाल ही में क्षेत्र के आईसीएच तत्वों पर एक छोटी प्रदर्शनी का आयोजन किया, जिसमें समाज गायन, हवेली संगीत एवं लोक संगीत प्रदर्शन के दौरान उपयोग किए जाने वाले वाद्य यंत्रों को प्रदर्शित किया गया। प्राप्त शोध उपरान्त तैयार किये गये सूचना प्रर्दशन बोर्ड भी अधिक उपयोगी होते है।

C. आयोजनों एवं उत्सवों के माध्यम से अमूर्त सांस्कृतिक धरोहर (आई.सी.एच) का प्रर्दशन

मथुरा की सांस्कृतिक संपदा को स्थानीय, राज्य, क्षेत्रीय, राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आयोजित होने वाले त्योहारों में प्रदर्शित करने की जरूरत है ताकि नए बाजार तैयार किए जा सकें एवं हर जगह अधिक दर्शकों, प्रायोजकों एवं ग्राहकों को आकर्षित किया जा सके। वैसे भी यह क्षेत्र अपने मेलों एवं उत्सवों के लिए अपनी सामूहिक सांस्कृतिक संपदा को प्रदर्शित करने के लिए काफी लोकप्रिय है, जो नए दर्शकों को बढ़ावा देने एवं बनाने के लिए एक शक्तिशाली उपकरण है। उदाहरण के लिए इंदिरा गाधी राष्ट्रीय कला केन्द्र (आई.जी.एन.सी.ए) ने एक बार ब्रज महोत्सव का आयोजन कराया था। ऐसे उत्सव राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय आधार पर निश्चित अवधि के बाद भी आयोजित किए जा सकते हैं। त्यौहार केवल मंचन प्रदर्शन ही नहीं हैं बल्कि त्यौहार संस्कृति के प्रसारण एवं प्रसार के साथ–साथ मौखिक इतिहास की पहचान एवं साझा करने की पुष्टि के अवसर प्रदान करते हैं। सफल उत्सव संगीतकारों, कला प्रेमियों, कला समीक्षकों, शोधकर्ताओं एवं शिक्षाविदों के साथ बातचीत की सुविधा प्रदान करते हैं एवं इस तरह साझेदारी के नए रास्ते खोलते हैं एवंपेशेवरों को नए विचार देते हैं।

1 अमूर्त सांस्कृतिक धरोहर (आई.सी.एच) को प्रासंगिक बनाना

जमीनी स्तर के कलाकारों के लिए स्थानीय त्योहार एवं सामाजिक समारोह जीविका का मुख्य स्रोत हैं। बहुत कम लोगों को राज्य के बाहर प्रदर्शन करने का अवसर मिलता है। पूरी तरह से व्यवसायीकृत शहर आधारित समूहों में प्रतिभाग करने से पूर्व, इन स्थानीय ज्ञान अधिकारियों को उचित जागरूकता और क्षमता निर्माण के साथ सरकारी संस्थाओं को इन्हें विकसित होने का अवसर प्रदान करना चाहिए।

2. साथी एवं सहयोग

विभिन्न प्रकार के सहयोगी संस्थानों – सांस्कृतिक संस्थानों, शिक्षाविदों, गैर सरकारी संगठनों, स्थानीय कला एजेंसियों, विकास संगठनों, सरकारी निकायों के बीच प्रचार प्रयासों के निर्वाह की कुंजी है।

3 कम उपयोग किये जाने वाले पारम्परिक निर्मित स्थानों पर अमूर्त सांस्कृतिक धरोहर (आई.सी.एच) के कार्यक्रम आयोजित कराना

शहरी विकास योजनाओं के तहत संग्रहालयों, सूचना केंद्रों एवं सभागारों जैसे नए सांस्कृतिक स्थान बनाने के वजाये, कम उपयोग की गई हवेलियों, औपनिवेशिक संरचनाओं एवं यहां तक कि कुंडों जैसे प्राकृतिक संसाधनों का उपयोग सांस्कृतिक केंद्रों एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों के सूत्रधार के रूप में, संग्रहालय एवं निजी निकायों की साझेदारी को बढ़ावा देने में सार्थक प्रयास साबित हो सकता है और इससे सार्वजनिक सांस्कृतिक स्थान की कमी की समस्याका भी समाधान होगा। साथ ही यह मूर्त एवं अमूर्त धरोहर दोनों के संरक्षण एवं पुनरोद्धार में एक समावेशी दृष्टिकोण भी होगा जैसे कि ब्रज फाउंडेशन ने वृंदावन में ब्रह्म कुंड के संरक्षण के साथ मध्ययुगीन पांडुलिपियों में वर्णित ब्रह्म कुंड के मेला को पुनर्जीवित करने की दिशा में पहल की है।

D. विरासत शिक्षा एवं कौशल विकास

1. धरोहर शिक्षा

शिक्षा एवं संस्कृति के बीच वर्तमान अलगाव ने युवाओं को सांस्कृतिक परंपराओं की जानकारी से वंचित रखा है। स्कूल एवं कॉलेज स्तर पर संस्कृति एवं शिक्षा को फिर से जोड़ने की जरूरत है। स्कूल पाठ्यक्रम में अमूर्त सांस्कृतिक धरोहर शिक्षा को शामिल करने, इसे थोड़ा और अधिक समावेशी बनाने में एक महत्वपूर्ण चुनौती औपचारिक शिक्षा प्रणाली का भार है। एक संभावित योजना विभिन्न प्रकार केमंचन कार्यक्रमों के माध्यम से स्कूलों एवं शैक्षणिक संस्थानों में आई.सी.एच प्रक्रियाओं का समय–समय पर आयोजन कराया जाना है।

2. कौशल विकास

शहरी पर्यटन के बढ़ते युग में प्रामाणिक जानकारी एवं ज्ञान प्राप्त करना एवं प्रदान करना आर्थिक एवं व्यावसायिक दृष्टिकोण से नया एवं व्यवहार्य/लाभदायक क्षेत्र है। स्कूलों में विरासती शिक्षा और युवाओं में कौशल विकास का उद्देश्य उन्हें ज्ञानाधार बनाने का होना चाहिए,जिससे कि उनको पेशेवर प्रशिक्षण प्राप्त हो सके। भारत के अधिकांश शहरों में हेरिटेज वॉक के गाइड हैं जिनके पास अपनीसांस्कृतिक धरोहर को दिखाने के लिए पर्याप्त ज्ञान और आत्म विश्वास है। स्थानीय लोगों को निर्मित स्थानों, प्राकृ

तिक संसाधनों एवं विभिन्न अमूर्त सांस्कृतिक संपत्तियों से विभिन्न विषयगत हेरिटेज वॉक को डिजाइन एवं संचालित करने के लिए कुशल होना चाहिए। इसके माध्यम से सूचना एवं ज्ञान का प्रसार किया जा सकता है, क्योंकि व्यवसायी अपने व्यापक ज्ञान आधार के साथ इन कौशल प्रशिक्षणों के सूत्रधार हो सकते हैं। इसे प्राप्त करने के लिए सरकार, स्थानीय अधिकारियों, गैर सरकारी संगठनों और पेशेवरों को प्रतिभाग कर सहयोग करना चाहिए।

3. सामाजिक मान्यताः

पहले से ही स्थापित मान्यता उपकरण एवं मापदण्ड हैं, फिर भी सांस्कृतिक ज्ञान धारकों तक पहुंचने के लिए और अधिक विस्तृत प्रणालियों की आवश्यकता है। पारंपरिक लोक कलाकारों को पुरस्कार प्रणाली से प्रोत्साहित भी करना चाहिए।

E. अमूर्त सांस्कृतिक धरोहर (आई.सी.एच) की सुरक्षा के लिए सांस्कृतिक धरोहर नीति के प्रभावी कार्यान्वयन को सक्षम करने वाले हितधारक

यह आमतौर पर कहा जाता है कि निवेशक, सरकार या निजी क्षेत्र के लोग संस्कृति को कम प्राथमिकता देते है और इसलिए संस्कृतिउपेक्षित रहती है। इसे संबोधित करने के लिए, यह समझना महत्वपूर्ण है कि कैसे अमूर्त सांस्कृतिक धरोहर की सुरक्षा अनिवार्य रूप से समुदायों के समान एवं सतत विकास के लिए एक पारिस्थितिकी तंत्र के निर्माण के लिए एक उपकरण बन सकती है। निम्नलिखित हितधारकों के बीच आई.सी.एच की सुरक्षा की जिम्मेदारी लेने के लिए राज्य, जिला एवं उप–जिला स्तर पर एक तंत्र स्थापित करना महत्वपूर्ण है:

उत्तराधिकारियों	अमूर्त सांस्कृतिक विरासत के उत्तराधिकारियों में प्रत्यक्ष पीढ़ीगत, सांस्कृतिक, कौशल की पेशेवर विरासत, ज्ञान परंपराओं, कला और शिल्प, मेलों और उत्सवों, लोककथाओं और लोक संस्कृति आदि में शामिल स्वदेशी समुदाय शामिल हैं। हितधारकों की इस श्रेणी में प्राप्तकर्ता/आगंतुक और अन्य स्थानीय समुदाय जिनमें इन सांस्कृतिक संपत्तियों के उपभोक्ता भी शामिल है।
सरकार और संबद्ध निकाय	राज्य एवं जिला स्तरीय संस्कृति, पर्यटन एवं शिक्षा विभाग, मथुरा वृन्दावन विकास प्राधिकरण, उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद एवं उप–जिला स्तर से संबद्ध निकाय, नगर एवं ग्राम पंचायतें, बंदोबस्त सांस्कृतिक मुहावरों के समर्पित आयोजन एवं प्रबंधकीय निकाय।
उद्यमों और गैर सरकारी संगठनों	प्रमुख राज्य और जिला स्तरीय उद्यम, लाभ और गैर–लाभकारी संगठनों के लिए जो पहले से ही जमीनी स्तर पर जिले की विरासत और संस्कृति के उन्नयन में महत्वपूर्ण योगदान देते रहे हैं।
विशेषज्ञों	ब्रज क्षेत्र के इतिहास, विरासत, संस्कृति और समुदायों से संबंधित ज्ञान, समझ और योगदान का एक कोष रखने वाले व्यक्ति और शैक्षिक/अनुसंधान संस्थान संगठन। उदाहरण के लिए, वृंदावन शोध संस्थान।

उद्यम निर्माण, सामाजिक मान्यता एवं संरक्षण, प्रशिक्षण एवं क्षमता निर्माण से संबंधित योजनाओं तक पहुंच के लिए जिला स्तर पर संपर्क बिंदु स्थापित किए जाने की आवश्यकता है। सक्रिय हितधारक भागीदारी एवं नेटवर्किंग औरकार्मिककेन्द्र संसाधनों के प्राविधान को सुविधाजनक बनाने के लिए एक तंत्र की आवश्यकता है। एक सलाहकार बोर्ड, जिसमें पारंपरिक कारीगर और शिल्पकार शामिल हैं, का गठन किया जाना चाहिए जो जिला विरासत समिति एक सलाहाकार बोर्ड के रूप में कार्य कर सकती है।

F- सामुदायिक भागीदारी

अमूर्त सांस्कृतिक धरोहर (आई.सी.एच) की सुरक्षा सामाजिक समावेश एवं समुदायों के सामाजिक आर्थिक सशक्तिकरण के लिए सांस्कृतिक संपत्ति का उपयोग करने के दृष्टिकोण को प्राप्त करने के लिए महत्वपूर्ण है। तेजी से शहरीकरण, वैश्वीकरण, विस्थापन, प्रवासन आदि से उत्पन्न बढ़ते खतरों के बीच इस क्षेत्र की मौखिक परंपराओं, प्रदर्शन कला एवं शिल्प की अधिकांश धरोहर के रूप हैं। वर्तमान हस्तक्षेप परियोजना आधारित हस्तक्षेपों, अकादमिक अनुसंधान एवं प्रलेखन तक ही सीमित है। त्योहारों पर जागरूकता पैदा करने के लिए, कलाकारों और शिल्पकारों को प्रदर्शन में प्रयोग किया जाता है जिससे वे अपने प्राकृतिक वातावरण और क्षेत्र से दूर हो जाते है। सामुदायिक भागीदारी के तंत्र मात्र सांकेतिक या तदर्थ हैं। संस्कृति अध्ययन एवं प्रशंसा का विषय बनी हुई है जबकि इसको स्थानीय विकास में मददगार एक उपकरण के रूप में प्रयोग होना चाहिए।

अमूर्त सांस्कृतिक धरोहर को संरक्षित करने का सबसे अच्छा तरीका समुदायों को स्वयं में विकसित करना है। यदि समुदाय अपने ज्ञान और कौशल का निर्माण और विकास को महत्व देना जारी रखता है, तो उनके जीवन के तरीके और उनकी परम्पराओं को केवल प्रलेखित किया जाना ही पर्याप्त है। इस प्रकार आई.सी.एच की सुरक्षा के लिए योजनाओं को सामुदायिक भागीदारी, धरोहर शिक्षा एवं प्रसारण के अन्य माध्यमों जैसे सांस्कृतिक प्रदर्शन, सार्वजनिक मान्यता एवं उत्सव के माध्यम से सूचीकरण, मान्यता, पुनरोद्धार, उत्सव आदि सेसमाधान निकालने की आवश्यकता है। यह वर्तमान नीतियों एवं हस्तक्षेपों से एक आदर्श बदलाव की मांग करता है, जिसमें एक समावेशी दृष्टिकोण के बजाय मूर्त या निर्मित विरासतऔर सौंदर्य पर अधिक ध्यान केंद्रित किया गया है, जहां आई.सी.एच केवल मनोरंजन का तत्व नहीं है, बल्कि यह एक पुरानी सतत् प्रक्रियाओं और बड़े परितन्त की परिणामी प्रणाली है। पारंपरिक वाहकों या समुदायों को काफी हद तक नजरअंदाज कर दिया गया है, भले ही कुछ प्रसिद्ध सांस्कृतिक अभिव्यक्तियाँ हैं, लेकिन वे ज्यादातर अपने मूल भाव से हटे हुए हैं एवं अपने सांस्कृतिक लोकाचार को खो रहे हैं। उदाहरण के लिए, हालांकि चरकुला नृत्य, नौटंकी एवं स्वांग की मांग है, एवं पूरे उत्तर प्रदेश में बड़ी संख्या में सांस्कृतिक उत्सव आयोजित किए जाते हैं, आई.सी.एच की आवश्यक जमीनी प्रकृति के बजाय अनुभवी कलाकारों एवं व्यावसायिक शैलियों पर ध्यान केंद्रित किया जाता है। परिणामस्वरूप भागीदारी की कमी के कारण, पारंपरिक कलाकारों एवं समुदायों को भौतिक लाभ नहीं हुआ है एवं न ही ज्ञान सृजन प्रथाओं को मजबूत किया गया है।

यह आमतौर पर कहा जाता है कि निवेशकों, सरकार या निजी क्षेत्र में कार्य करने वालों के बीच संस्कृति को कम प्राथमिकता मिलती है, और इसीलिए उपेक्षित रहती है। इसे संबोधित करने के लिए यह समझना महत्वपूर्ण है कि कैसे अमूर्त सांस्कृतिक धरोहर की सुरक्षा अनिवार्य रूप से समुदायों के समान एवं सतत विकास के लिए एक पारिस्थितिकी तंत्र के निर्माण के लिए एक उपकरण बन सकती है। जैसा कि पहले उल्लेख किया गया है, आई.सी.एच की सुरक्षा की जिम्मेदारी लेने के लिए जिला एवं उप–जिला स्तर पर एक तंत्र स्थापित करना महत्वपूर्ण है। उद्यम निर्माण, सामाजिक मान्यता और संरक्षण, प्रशिक्षण एवं क्षमता निर्माण से संबंधित योजनाओं तक पहुंच के लिए जिला स्तर पर संपर्क बिंदु/केंद्र स्थापित किए जाने की आवश्यकता है। सक्रिय हितधारक भागीदारी, नेटवर्किंग एवंकार्मिक संसाधनों के प्राविधान को सुविधाजनक बनाने के लिए एक तंत्र की आवश्यकता है। एक सलाहकार बोर्ड जिसमें पारंपरिक कलाकार एवं शिल्पकार शामिल हों, नीति के कार्यान्वयन हेतु समन्वयन कर सकता है। इस उद्देश्य के लिए जिला धरोहर समितियों का प्रयोग भी किया जा सकता है।

1.12 जल निकायों के संरक्षण एवंउनके पुनरोद्धार हेतु योजना

A. परिचय

किसी क्षेत्र विशेष के निरंतर विकास में उस क्षेत्र में स्थित पानी के पारंपरिक स्रोतों तथा तालाब, बावरी, पोखर आदि का महत्व अच्छी तरह से स्थापित है। वर्तमान में मथुरा जनपद में 2003 तालाबों और 49 झीलों सहित कुल 2052 जल निकाय विद्यमान हैं।

ताजे पानी के आसन्न संकट ने योजनाकारों एवं नीति निर्माताओं को इन पारंपरिक जल निकायों का संज्ञान लेने के लिए मजबूर किया है। ये जल निकाय क्षेत्र विशेष की पारिस्थितिकी और संस्कृति पर सीधे आनुपातिक प्रभाव डालते है। अतः बड़े पैमाने पर मानव जाति के कल्याण के लिए इन जल निकायों का पुनरोद्धार किया जाना तत्काल आवश्यक है।

B. जल निकायों का वर्गीकरण

मथुरा जिले के अंतर्गत विभिन्न तहसीलों में वितरित जल निकायों केअध्ययनएवं हस्तक्षेप हेतु पहचान के लिए कुल जल निकायों (2052) के लगभग 10 प्रतिशत अर्थात200 निकायों को नमूने के तौर पर चिन्हित किया गया है। कुल चिन्हित जल निकायों के 10 प्रतिशत (नमूना) का वर्गीकरण एवं प्रत्येक तहसील में होने वाली आवृत्ति के आधार पर 5 तहसीलों में उनका आनुपातिक वितरण निम्नलिखित मानदंडों के अनुसार है:

i. **सांस्कृतिक महत्ववाले जल निकायः** कुल जल निकायों के 50 प्रतिशत निकायें ऐसे चिन्हित किये गये है, जिनका क्षेत्र में सांस्कृतिक महत्व है।
ii. **जल निकायों के क्षेत्रफल के अनुसार उनका चिन्हीकरणः** 2 हेक्टेयर से अधिक क्षेत्रफल वाले कुल जल निकायों में से 10 प्रतिशत निकायों, 1–2 हेक्टेयर क्षेत्रफल वाले कुल जल निकायों में से 10 प्रतिशत जल निकायों का, 0.5–1 हेक्टेयर तक के क्षेत्रफल वाले कुल जल निकायों में से 15 प्रतिशत जल निकायों और 0.5 हेक्टेयर से कम क्षेत्रफल वाले कुल जल निकायों में से 15 प्रतिशत जल निकायों को नमूने के तौर पर विस्तृत सर्वेक्षण और पुनरोद्धार हेतु चिन्हित किया गया है।
iii. **क्षेत्रीय स्थानीय विवरण के अनुसार नमूनों का चिन्हीकरणः** नगरीय/उप नगरीय/ग्रामीण/निर्जन/ घनी आबादी पर स्थित विद्यमानता के अनुसार जल निकायों के नमूनों का वर्गीकरण करने के लिए आधार बनाया गया है।
iv. **स्वामित्व के आधार पर वर्गीकरणः** राजकीय/निजी क्षेत्र/ट्रस्ट के अन्तर्गत/अन्य प्रकार के स्वामित्व वाले जल निकायों का चिन्हिकरण आनुपातिक रूप से किया गया है।

जल निकायों के वर्गीकृत नमूनों का तहसील स्तर पर चिन्हीकरणः

उपरोक्त मानदण्डों के आधार पर कुल चिन्हित किये गये जल निकायों के नमूनों का तहसीलवार विवरण निम्न प्रकार है–

तालिका 2: जल निकायों का नमूना ब्रेक–अप

तहसील	क्षेत्रफल (हेक्टेयर):	तहसील का क्षेत्रफल वार (अंश प्रतिशत)	कुल चिन्हित जल निकायों की संख्या	सांस्कृतिक महत्व वाले जल निकाय	क्षेत्रफल (>2 हेक्टेयर) वाले जल निकाय	क्षेत्रफल (1–2 हेक्टेयर) वाले जल निकाय	क्षेत्रफल (0.5–1 हेक्टेयर) वाले जल निकाय	क्षेत्रफल (<0.5 हेक्टेयर) वाले जल निकाय
गोवर्धन	55889.98	17	34	16	4	4	5	5
छाता	89134.84	27	54	27	7	5	8	7
महावन	47376.73	14	28	14	3	3	4	4
मांट	72348.96	22	42	20	4	5	7	6
मथुरा	68157.34	20	42	24	4	4	6	4
कुल	**332908**	**100**	**200**	**101**	**22**	**21**	**30**	**26**

C. जल निकायों का सूचीकरण

इस चरण में वर्गीकृत जल निकायों का अध्ययन किया गया है। सूचीबद्ध करने के लिए विचार किए गए मापदंडों में मानवीय हस्तक्षेप, भौतिक प्रकृति, महत्व, अशुद्धियों के स्रोत आदि शामिल हैं। सूचीबद्ध जल निकायों के अध्ययन से क्षेत्र में जल निकायों की स्थिति को प्रभावित करने वाली विभिन्न समस्याओं की पहचान होती है।

D.जल निकायों की ग्रेडिंग

जल निकायों की ग्रेडिंग तीन मापदंडों के आधार पर की गई है– अपशिष्ट संबंधी मुद्दे, जल निकायों की स्थिति एवं पानी की गुणवत्ता को प्रभावित करने वाली अशुद्धियों के अन्य स्रोत। इन मापदंडों को आगे विभिन्न समस्याओं में वर्गीकृत किया गया है। प्रत्येक मापदण्ड के लिए ग्रेडिंग अलग से की गई है एवं प्रत्येक जल निकाय के लिए संचयी ग्रेड को उपरोक्त संयुक्त आगणन से निर्धारित किया गया है।

i. ग्रेडिंग विधि

जल निकायों के सूचीकरण के दौरान देखी गई विभिन्न समस्याओं को तीन मापदंडों के तहत समूहीकृत किया गया है जो इस प्रकार हैं– 1. अपशिष्ट संबंधी मुद्दे, 2. जल निकायों की स्थिति, 3. जल की गुणवत्ता को प्रभावित करने वाली अन्य अशुद्धियाँ। जल निकायों की ग्रेडिंग के लिए विभेदित ग्रेडिंग पद्धति को अपनाया गया है जहां तीन मापदंडों को अलग–अलग वर्गीकृत किया गया है एवं प्रत्येक मापदण्ड के लिए अलग–अलग ग्रेड को ध्यान में रखते हुए एक सामूहिक ग्रेड का आगणनकिया गया है। प्रत्येक मापदण्ड का मूल्यांकन उस मापदण्ड के अंतर्गत देखी गई समस्याओं की संख्या के प्रतिशत के आधार पर किया गया है। कुल 300 (100+100+100) में से प्रत्येक मापदण्ड के तहत जल निकाय द्वारा प्राप्त व्यक्तिगत अंकों को जोड़कर संचयी ग्रेड का आगणन किया गया है।

ii. ग्रेड

जल निकायों का मूल्यांकन इस प्रकार किया गया है जहां ग्रेड 'ए', 'बी', 'सी', 'डी' एवं 'ई' को क्रमशः कार्यात्मक (Functional), मामूलीसमस्याग्रस्त (Moderately problematic), समस्याग्रस्त (problematic), अतिसमस्याग्रस्त (critical), अति महत्वपूर्णसमस्याग्रस्त (most critical)आदि में बाटॉ गया है। पृथक–पृथक मानदण्डों के लिये प्रत्येक को अधिकतम 100 में से 0–20, 20–40, 40–60, 60–80 और 80–100 अंक पाने वाले मापदण्डों को ग्रेड A, B, C, D, E में विभक्त किया गया है। 0–60, 60–120, 120–180, 180–240, 240–300 अंक क्रमशः वाले जल निकायों को संचयी ग्रेडिंग (300 में से) के लिए ग्रेड 'ए', 'बी', 'सी', 'डी' एवं 'ई' देकर वगीकृत किया गया है। इन ग्रेडों का विवरण तालिका 3 में निम्न प्रकार दिखाया गया है।

तालिका 3: ग्रेड का विवरण

ग्रेड का वर्गीकरण	समस्या का प्रतिशत मूल्यांकन	ग्रेड का नाम	ग्रेड के संबंध में हस्तक्षेप विवरण
A	0–20	**कार्यात्मक (Functional)**	जल निकाय को कम से कम हस्तक्षेप की आवश्यकता होती है। विकृत होने के मामूली या कोई संकेत नहीं।
B	20–40	**पर्याप्त (Adequate)**	जल निकाय का क्षरण नहीं हुआ है, लेकिन इसके लिए महत्वपूर्ण हस्तक्षेप की आवश्यकता होती है। विकृतहोने के संकेत।
C	40–60	**क्षरित (Degraded)**	प्रदूषित पानी वाले जल निकाय एवंअन्य क्षयकारी घटकों के आगमन का प्रारम्भ
D	60–80	**अति क्षरित (Higly Degraded)**	जल निकाय गंभीर रूप से क्षयग्रस्त, डंपिंग स्थल के रूप में उपयोग किया जा रहा है, भौतिक संरचनाऐं क्षतिग्रस्त होती जा रही है।
E	80–100	**अस्तित्व खोता हुआ (Impaired)**	जल निकाय ने पूरी तरह से अपनी जीवन्तता खो दी है, आसपास के क्षेत्र के लिए खतरनाक, अधिकतम संख्या में जल निकाय से संबंधित समस्या उत्पन्न हो चुकी है।

D. विश्लेषण

मथुरा जिले के अंतर्गत विभिन्न तहसीलों में जल निकायों की स्थिति को प्रभावित करने वाले अपशिष्ट से संबंधित मुद्दों, भौतिक स्थिति एवं अन्य अशुद्धियों के मापदंडों के तहत पहचानी गई समस्याओं के लिए विश्लेषण किया गया है। यह देखा गया है कि मथुरा जिले में जल निकायों के आसपास फेंके गए कचरे की समस्या एवं शैवाल के विकास से जल निकायों की अधिकतम संख्या प्रभावित हो रही है, इसके बाद सीवेज निपटान एवं ठोस अपशिष्ट निपटान की समस्याएं हैं।

जल निकायों के क्षेत्रफल और जल निकायों के क्षेत्र की ग्रेडिंग की एक साथ तुलनात्मक समीक्षा करने पर स्पष्ट हुआ है कि बड़े क्षेत्रों (2 हेक्टेयर से अधिक) वाले जल निकाय क्षरण की ओर अधिक संवेदनशील

हो गये हैं, इसीलिए बड़े जल निकायों के संरक्षण और पुनरोद्धार हेतु अधिक ध्यान देने की आवश्यकता है।

E.योजना

विभिन्न मापदंडों के आधार पर विभिन्न ग्रेड के तहत वर्गीकृत 10 जल निकायों के चयनित सेट के लिए संरक्षण और पुनरोद्धार योजना तैयार की गई है।

योजना निर्माण के लिए जल निकायों का चयनः

ग्रेड ए एवं बी वाले जल निकायों से, प्रत्येक ग्रेड के तहत दो–दो जल निकायों का चयन किया गया है, दूसरी ओर ग्रेड सी एवं डी से, प्रत्येक ग्रेड से तीन–तीन जल निकायों का चयन किया गया है। चयन के लिए विचार किए गए मापदण्ड इनलेट, आउटलेट, जल निकाय के आसपास वनस्पति, सड़क संपर्क, नाली/नहर/अन्य जल स्त्रोत के साथ जुड़ाव एवं इसके आसपास के संबंध में जल निकाय की ऊंचाई (जल निकाय सामान्य धरातल से कितना ऊँचा अथवा कितना नीचा है) आदि है। चयनित जल निकायों को मथुरा जिले के अंतर्गत पांच तहसीलों सेलिया गया है। अधिकतम मापदंडों को पूरा करने वाले जल निकायों को योजना तैयार करने के लिए सैम्पल के रूप में चुना गया है। चयनित जल निकायों की सूची नीचे तालिका में दी गई हैः

तालिका 4: योजना तैयार करने के लिए चयनित जल निकायों की सूची

ग्रेड	जल निकायों की संख्या	जल निकाय का नाम	तहसील
A	2	पनिहारी कुंड	छाता
		मान सरोवर	मॉट
B	2	कीति, वृषभानु कुंड	गोवर्धन
		दौताना कुंड	छाता
C	3	मानसी गंगा कुण्ड	गोवर्धन
		नरी सेमरी देवी कुंड	छाता
		गंगा सागर तीर्थ	मथुरा
D	3	अंड़ीग किला तालाब	गोवर्धन
		तोष कुंड	मथुरा
		खायरा गांव का तालाब	मॉट
E	0 नोट– इस श्रेणी में कोई जल निकाय नहीं है।	–	–

G. जल निकायों के महत्व के आधार पर जल निकायों के लिए अनुशंसित दिशानिर्देश

a) सांस्कृतिक एवं धार्मिकरूप से महत्वपूर्ण जल निकायों के प्रबन्ध हेतु प्रस्ताव

सांस्कृतिक एवं धार्मिक रूप से महत्वपूर्ण जल निकायों की बहाली का उद्देश्य जल की गुणवत्ता में सुधार करना है, क्योंकि लोग पवित्र स्नान और आचमन की प्रथाएं करते हैं क्योंकि इन जल निकायों को पवित्र एवं पावन माना जाता है। इन जल निकायों की बहाली हेतु निम्न मार्ग निर्देशों को अपनाये जाने की अनुसंशा की जाती हैंः

1. नहाने के स्थान का चिन्हीकरण करते हुए पक्का घाट बनाया जाना और चारों ओर स्पष्ट चारदीवारी स्पष्ट होना आवश्यक है ।
2. जल निकायों के किनारे बनाए जाने वाले पक्के घाट और चबूतरे छिद्रदार एवं कच्ची अद्योभूमि वाले होने चाहिए, जिससे कि बारिश का पानी अथवा बहता हुआ पानी इन छिद्रों से जमीन के अन्दर जा सके और प्रदूषकों को सफाई के दौरान हटाया जा सके। जबकि मौके पर वास्तविक स्थिति में यह किनारे, फुटपाथ और चबूतरे एक अभेद्य प्लास्टर सतह से निर्मित है जो वर्षा के पानी के साथ प्रदूषकों को बहाते हुए सीधे जलधाराओं में गिराता है और जल निकायों को प्रदूषित करता है।
3. सेप्टिक टैंक के उचित प्राविधान के साथ शौचालय ब्लॉक को बनाया जाना चाहिए।
4. जल निकाय परिसर में उचित स्थलों पर कचरा एकत्रित करने वाले डिब्बे और जनता से अपील किये जाने संबंधित साइनेज की स्थापना की जानी चाहिए।
5. डिटर्जेंट और साबुन से नहाने पर रोक।
6. चिन्हित स्थलों पर सतत प्लावित वायु वातन यंत्रों का प्राविधान।
7. जल प्रवेश स्थल पर लोहे की ऊर्ध्व छड़ों एवं जाली के फिल्टर लगाये जाने चाहिए।
8. जल निकायों पर पानी निकास के स्थल पर सीढ़ियों का प्राविधान होना चाहिए।
9. शैवाल को हटाने के लिए समुचित निकास, जाल और निकास नाली की व्यवस्था होनी चाहिए।
10. एल्युमिनियम (AI), आयरन (Fe), एवं कैल्शियम (Ca) के लवण मिलाकर आवधिक फास्फोरस निष्क्रिय क्रिया प्रणाली अपनाना।
11. बायोरिएक्शन के घोल की खुराक का आवधिक प्रयोग करना।
12. एम्फीथिएटर, शौभाकार देशज/सदावहार प्रजतियों का पौधारोपण और सौर ऊर्जा संचालित प्रकाश व्यवस्था की स्थापना।
13. ताजा पानी से सान्द्रता को पतला करने की सावधिक व्यवस्था।

b) पारिस्थितिक महत्व वाले आर्द्रभूमि के प्रबन्ध के लिए प्रस्ताव

पारिस्थितिक रूप से महत्वपूर्ण आर्द्रभूमि केपुनरोद्धार के लिए निम्न मार्गनिर्देश का अनुपालन किया जाना आवश्यक है :

1. सीमांकन, शैवाल एवं खरपतवार हटाना, 1–2 मीटर गहराई तक तक तालाब खोदना, बांध बनाना।
2. संदूषण एवं यूट्रोफिकेशन रोकने के लिए जल निकाय के प्रवेश स्थल (इनलेट्स) और निकास स्थल (आउटलेट) की आवधिक सफाई किया जाना।
3. बेंच और योग लॉन ($20\times20m^2$) बंधा या बाहरी बंधा के खुले स्थान पर स्थापना किया जाना।
4. जल निकाय के दोनो ओर देशज प्रजातियों का वृक्षारोपण कराया जाना।
5. "क्या करें एवं क्या न करें" का साइनेज लगाया जाना।
6. कृत्रिम तैरती वेटलेन्ड का प्रयोग।
7. आर्द्रभूमि अथवा जल निकायों की फाइटोरिड-स्वैव (SWAB) की वैज्ञानिक आर्द्रभूमि प्रबन्ध प्रणाली का पालन करते हुए जल भराव को निस्पंदन, अवसादन, पौधो द्वारा पोषक तत्वों का अवशोषण और माइक्रोबियल क्रिया के प्रयोग से शोधन कार्य आवधिक रूप से किया जाना आवश्यक है।
8. जल प्रवेश स्थल से पूर्व इनलेट नालियों, ठोस अपशिष्ट, सीवेज ड्रेन का डायवर्जन।
9. शैवाल एवं पोषक तत्वों के भार को दूर करने के लिए साइफनिग (मिश्रण बाहर निकालना)एवं पम्पिंग का प्राविधान।

10. जलग्रहण क्षेत्र की परिधि में जलीय पौधों एवं देशी पौधों का पौधोरोपण किया जाना।
11. कचरा संग्रह के लिए कचरा डिब्बे या एक अलग गड्ढा (20×20 मीटर) की स्थापना जिससे कि कचरे को मूल जलाशय में जाने से रोका जा सके।

c) अत्यधिक आबादी घनत्व वाले क्षेत्रों के बीच स्थित अत्याधिक प्रदूषित जल निकायों के प्रबन्ध के लिए प्रस्ताव

आबादी क्षेत्र के बीच विकसित अत्यधिक प्रदूषित जल निकायों के क्षेत्र की बहाली का उद्देश्य पानी की गुणवत्ता में सुधार करना, भूजल पुनर्भरण एवं जल निकाय को मनोरंजक सार्वजनिक स्थान में बदलना है। इन जल निकायों केपुनरोद्धार हेतु निम्न प्रस्ताव हैं:

1. पक्की सीमा दीवार (बाउन्ड्री) का प्राविधान।
2. तालाब को दो जल निकायों में विभाजित करना, एक अवसादन के लिए सीढी पद्वति से आउटलेट में निपटान के लिए उपयोग करना, दूसरा जल प्रतिधारण के लिए।
3. इनलेट और आउटलेट की समुचित निकासी व सफाई की व्यवस्था।
4. क्या करें एवं क्या न करें का साइनेज लगाना।
5. कचरा संग्रह के लिए कचरा डिब्बे या गड्ढे खोदने की व्यवस्था, जिससे कि कचरा जल निकायों में जाने से रोका जा सके।
6. आउटलेट पर सीढ़ियों का प्राविधान।
7. जल निकायों की जलग्रहण क्षमता परिधि में देशज एवं जलीय प्रजातियों के पौधों का रोपण किया जाना।
8. पशुओं जैसे गाय, भैंस के लिए समर्पित पेय (गऊघाट) स्थानों का निर्माण।

d) जल निकायों, जिसका जल ग्रहण क्षेत्र बहुत बड़ा हो और जिनके जल निकास स्थल (आउटलेट) से 1 किलोमीटर दूरी तक जल बहाव किसी नदी में गिरता हो, के वैज्ञानिक प्रबन्ध हेतु प्रस्ताव

1. क्षेत्र में झीलों एवं तालाबों को चिन्हित करना। ऐसे जल निकायों को सरकारी भूमि अभिलेखों में सरकारी संपत्ति के रूप में अधिसूचित किया जाना। विशेष चिन्हित जल निकायों पर सामान्य उद्देश्यय के लिए, उनके नाम, क्षेत्रफल आदि के विवरण के साथ साइनेज लगाना।
2. शहरी जल निकायों में अन्य प्रकार के जल स्रोत भी शामिल होने चाहिए जैसे तूफानी/तीव्र वर्षा में पानी की नालियाँ, सीढ़ीदार कुएँ (बावड़ी), पुराने किलों के चारों ओर खाइयाँ, कुएँ एवं साथ ही मानव निर्मित जल निकाय जैसे मंदिरों, मस्जिदों एवं अन्य ऐसे सार्वजनिक स्थानों के भीतर तालाब जो एक साथ हैं , जिसे आमतौर पर किसी स्थान का ''हरित वास्तुकला'' कहा जाता है।
3. जल निकायों की तट–रेखा को अतिक्रमण से बचाने के लिए ठीक से बाड़ लगाई जानी चाहिए। उनसे प्राप्त होने वाले लाभों को उजागर करने के लिए इलाकों में एक सुनियोजित जागरूकता अभियान चलाया जाना चाहिए। यदि तट रेखा के पास पर कोई अतिक्रमण मौजूद है, तो इसे प्रभावित लोगों के परामर्श से पुनः स्थापित एवं अतिक्रमण मुक्त कराने की आवश्यकता है।
4. जल निकाय के इनलेट एवं आउटलेट की पहचान की जानी चाहिए एवं लगातार अंतराल पर निगरानी की जानी चाहिए। इनलेट एवं आउटलेट में किसी भी बाधा/रूकावट को प्रकाश में आने पर उसे तत्काल हटाया जाना/साफ कराया जाना आवश्यक है।

5. जल निकाय में घरेलू/औद्योगिक सीवेज के किसी भी बहाव को रोका जाना चाहिए एवं राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के बहिःस्राव मानक के अनुसार केवल उपचारित बहिःस्राव को ही जल निकायों में निपटान की अनुमति दी जानी चाहिए।
6. डी–सिल्टिंग सहित जल निकाय की सफाई जैसे उपाय
7. डी–वीडिंग
8. वातन (ऐरिएशन)
9. पोषक भार को कम किये जाने के उपाय।
10. फ्लोटिंग एवं अन्य आक्रामक जलीय पौधों की प्रजातियों के खर पतवार को हटाना या स्थानीय स्थिति के लिए सफलतापूर्वक परीक्षण किए गए एवं तकनीकी रूप से उपयुक्त उपचार माध्यम से हटाने का काम शुरू किया जाना चाहिए।
11. जलग्रहण क्षेत्र के उपचार हेतु पौधारोपण किया जाना।
12. वर्षा जल निकासी प्रबंधन, सिल्ट ट्रैप आदि का कार्य यथावॉछित अवधि में किया जाना आवश्यक है।
13. जलीय निकाय के लिए पर्यावरण आधारित दृष्टिकोण को ध्यान में रखते हुए, प्रचलित पर्यावरणीय कानून के अनुरूप एवं जगह की सामाजिक एवं सांस्कृतिक पवित्रता को बनाए रखते हुए, झील के चारों एवं अधिमानतः खाली पड़ी सरकारी भूमि पर एक व्यापक वाटर फ्रंट विकास किया जा सकता है।
14. झील के चारों ओरऔर उसके तट–परिधि से एक निश्चित दूरी पर स्थित भूमि को पर्यावरण–संवेदनशील क्षेत्र घोषित किया जाए।
15. इन क्षेत्रों में किसी भी ठोस कचरे के डंपिंग को दंडनीय अपराध बनाया जाना चाहिए।
16. ठोस अपशिष्ट के संग्रहण के लिए जल निकाय के चारों ओर संग्रह–कूड़ेदान रखने की आवश्यकता है।
17. ठोस कचरे की नियमित सफाई की जानी चाहिए। संबंधित स्थानीय निकाय द्वारा जल निकाय की जल गुणवत्ता की मासिक आधार पर निगरानी की जानी चाहिए। यदि कोई मापदण्ड निर्दिष्ट उपयोग की सीमा से परे पाया जाता है, तो झील के पानी की गुणवत्ता बनाए रखने के लिए उचित कार्यवाही की जानी चाहिए।
18. लोगों के बीच जागरूकता पैदा करने के लिए, झील के आस–पास के क्षेत्रों में नोटिस बोर्ड प्रदर्शित किए जाने चाहिए, क्या करें एवं क्या न करें आदि का साइनेज लगाना चाहिए।
19. पर्यावरण संरक्षण अधिनियम एवं वन संरक्षण अधिनियम के तहत परिभाषित संरक्षित क्षेत्रों के समानांतर उनके अतिक्रमण एवं विनाश को रोकने के लिए जल निकायों की तटरेखा के पास या अन्दर किसी प्रकार के अतिक्रमण, अवांछित वायो ट्रीटमेन्ट कार्यो को रोकना चाहिए।
20. स्थानीय आवश्यकता के आधार पर सीवर उपचार के लिए गैर–पारंपरिक दृष्टिकोण को पारंपरिक उपचार प्रक्रिया के साथ एकीकृत किया जाना आवश्यक है। झील के जीर्णोद्धार एवं पुनरोद्धार की किसी भी योजना में गैर–पारंपरिक उपचार के उपलब्ध तरीकों को एकीकृत किया जाना चाहिए।
21. हितधारक भागीदारी सुनिश्चित की जानी चाहिये।
22. शहरी जल निकायों के बेहतर प्रबंधन के लिए क्षमता निर्माण को एक महत्वपूर्ण साधन के रूप में प्रयोग किया जाना चाहिए।
23. अधिकांश झीलें मानसून के मौसम में अपने तल में पानी की वार्षिक आवश्यकता को पूरा करने के लिए झंझावाती पानी प्राप्त करती हैं। पहला फ्लश झील में अगणनीय कार्बनिक भार एवं गाद लाता है, जो सबसे खतरनाक हैं एवं आसान समाधानों से परे उनके जल रसायन को बदल देते हैं।

24. प्रवेश बिंदु से पहले या प्रवेश बिंदु पर या उसके आसपास 'अवसादन बेसिन' बनाने जैसे जैव–दृष्टिकोण का उपयोग करके प्रवेश बिंदुओं से पहले इस तरह के तूफानी जल भार को रोका जाना चाहिए।
25. झीलों को स्वस्थ जल निकायों के रूप में रहने के लिए अपनी अंतर्निहित प्राकृतिक विशेषताओं के साथ रहना चाहिए, जैसे, मछली, मेंढक, कछुए, सूक्ष्म जीव, प्लैंकटन, फाइटो प्लवक, जिसमें जलीय वनस्पति की किस्में (जड़ें, जलमग्न, तैरती, आदि) शामिल हैं। ये सभी पानी की गुणवत्ता में सुधार के लिए उत्प्रेरक हैं।
26. अनुमति देने से पहले झील एवं उसके आसपास के क्षेत्रों के किसी भी व्यावसायिक उपयोग का उचित मूल्यांकन किया जाना चाहिए।
27. राज्य सरकार के सिंचाई, जल संसाधन, लोक निर्माण विभाग, वन विभाग, स्वास्थ्य विभागों आदि से झील संरक्षण के क्षेत्र के विशेषज्ञों सहित सदस्यों को शामिल कर एक राज्य स्तरीय सलाहकार समिति का गठन किया जाना चाहिए। जिससे कि जल निकायों के संतुलित संरक्षण की दिशा में राज्य स्तर पर उचित कदम उठाने के लिए यह समिति राज्य स्तरीय विकास प्राधिकरणों को सुझाव दे सके।
28. झील/आर्द्रभूमि संरक्षण प्राधिकरणों, विशेष रूप से स्थानीय झील विकास (या संरक्षण) प्राधिकरणों में झील जल गुणवत्ता विशेषज्ञ एकीकृत जल प्रबंधन पेशेवर, भूजल विशेषज्ञ, नगर योजनाकार एवं खंड विकास अधिकारी जैसे विशेषज्ञ शामिल होने चाहिए। ऐसे निकायों में सभी हितधारकों के प्रतिनिधियों को शामिल करना भी लाभप्रद होगा।
29. झील प्रणाली की एक समग्र समझ एवं स्वीकृति पानी की गुणवत्ता एवं मात्रा पर ध्यान केंद्रित करते हुए झील प्रबंधन योजना का एक महत्वपूर्ण हिस्सा होना चाहिए। भूमि प्रबंधकों के बीच पारिस्थितिक अभिविन्यास एवं पारिस्थितिकी तंत्र सेवाओं की सराहना के विकास के लिए यह एक मजबूत आवश्यकता होगी।
30. जल निकायों को एक अलग भूमि उपयोग वर्गीकरण के रूप में नामित किया जाना चाहिए जो कानूनी रूप से मान्य हो।
31. शहरी क्षेत्रों में शहरीकरण को जलग्रहण क्षेत्रों, फीडर चैनलों एवं झीलों, तालाबों आदि के कमांड क्षेत्रों के परिसीमन एवं संरक्षण को ध्यान में रखना होगा एवं उन्हें यथासंभव हद तक पुर्नस्थापित या संरक्षित कराने हेतु अन्य विकल्पों को तैयार करना होगा एवं शहर की योजनाओं में शामिल करना होगा।
32. शहरीकरण की योजना एवं क्रियान्वयन इस तरह से किया जाना चाहिए कि स्थानीय जल उपलब्धता के साथ–साथ इसके उचित उपयोग को उच्च प्राथमिकता दी जाए। समवर्ती एवं भविष्य के शहरीकरण में जल–केंद्रित दृष्टिकोण अपनाने से शहरों का अधिक संतुलित प्राकृतिक विकास होगा।
33. झीलों के लिए धन के वैकल्पिक स्रोतों का स्वागत किया जाना चाहिये। हालांकि एक उपयुक्त तंत्र के रूप में पी.पी.पी मॉडल को अपनाना और इसका प्रयोग इस प्रकार किया जाये किझीलों/तालाबों जैसे प्राकृतिक संसाधनों को हमेशा के लिए निजी भागीदारों के हाथों में न सौंप दिया जाए। (ए) फंडिंग संस्था (निजी कंपनी या किसी अन्य स्रोत), (बी) सरकारी संस्था (शहर या राज्य प्राधिकरण) एवं (सी) कार्यान्वयन संस्था (एक सार्वजनिक ट्रस्ट या एक पंजीकृत संस्था जिसका झील पुनरोद्धार कार्यो में प्रमाणिक अनुभव रहा हो) के बीच एक त्रिपक्षीय एम.ओ. यूझील पुनरोद्धार प्रबन्धन कार्यक्रम हेतु प्रतिपादित किया जाना चाहिए। यह एक पीपीपीपी (पब्लिक, प्राइवेट पार्टनरशिप प्रोजेक्ट) होगा एवं मौजूदा पी.पी.पी मॉडल की तुलना में कहीं अधिक पारदर्शी होगा।

34. 'झील' की एक उपयुक्त परिभाषा प्रतिपादित किये जाने की आवश्यकता है, जिसमें जल निकाय के सभी गुणों पर अनिवार्य रूप से विचार किया जाना चाहिए, जिसमें जलवायु एवं पारिस्थितिक परिवर्तन शामिल हैं जो समय के साथ घटित होंगे या होने वाले हैं।
35. जल निकायों के जीर्णोद्धार स्तर के संबंध में झील के वैज्ञानिक प्रबन्ध हेतु निर्दिष्ट विजन स्थानीय निकाय द्वारा तैयार किया जाए। सीमित उपलब्ध संसाधनों का उत्पादक उपयोग करने के लिए, झीलों के जीर्णोद्धार का स्वीकार्य स्तर निर्धारित करना महत्वपूर्ण है।
36. जल निकाय द्वारा प्रदान की जाने वाली परितन्त प्रणाली सेवाओं का मूल्यांकन इसके लाभों की मात्रा के आधार पर किया जाना चाहिए।
37. झील और आर्द्रभूमि के जीर्णोद्धार और संरक्षण कार्यक्रमों के लिए एक एकीकृत एवं समयबद्ध योजना तैयार की जानी चाहिए, जिसमें जल निकाय पर प्रभाव डालने वाले सभी घटक शामिल हों,साथ ही बेहतर समन्वय को प्रभावित करने के लिए हितधारकों को शामिल किया जाना चाहिए।
38. यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि प्रत्येक नगरनिकाय अपनी जल योजना एवंअपने जल बजट (पीने के लिए, अन्य घरेलू उपयोगों, औद्योगिक उपयोगों एवं सभी शेष उपयोगों जैसे बागवानी आदि)को इस प्रकार निरूपित करें ताकि प्राकृतिक संसाधन जैसे पानी आदि की मांग आपूर्ति में क्षेत्र आत्मनिर्भर बन सके।
39. पीने के अलावा अन्य प्रयोजनों के लिए 'पीने योग्य पानी' के उपयोग पर प्रतिबंध लगाया जाना चाहिएऔर पीने योग्य पानी के उपयोग को पीने के लिए ही प्रयोग करने के लिए एक नई व्यावहारिक प्रणाली स्थापित करनी चाहिए।
40. प्रत्येक शहरी निकाय को सामाजिक–आर्थिक असंतुलन को कम करने एवं उन जल धारण करने वाले क्षेत्रों के पारिस्थितिकी तंत्र पर प्रभाव को कम करने के लिए आस–पास/दूर के जलाशयों/नदियों से पानी खींचने की मौजूदा निर्भरता को कम/परिवर्तित करने के लिए अन्य विकल्पों को खोजना चाहिए।
41. झीलों को परिमित प्राकृतिक संसाधन के रूप में बनाए रखने के लिए एक नई व्यवस्था तैयार करने के लिए राज्य स्तर पर एक **"झील संरक्षण प्राधिकरण"** की स्थापना की जाये और यह प्राधिकरण इन प्राकृतिक संसाधनों को ईको–सिस्टम आधारित दृष्टिकोण से फिर से जीवित करने के लिए योजना प्रस्तावित करें। इस तरह केप्राधिकरण को झीलों, जलाशयों, नदियों, गाँव के तालाबों आदि द्वारा दी जाने वाली इको सिस्टम सेवाओं की मात्रा निर्धारित करनी चाहिए, जिनका उपयोग स्कूलों, शहरी नियोजन/विकास में शैक्षिक उपकरण के रूप में किया जा सकता है।
42. प्रत्येक झील के स्वामित्व का निर्णय किया जाना चाहिए, क्योंकि अधिकांश झीलें प्रशासनिक नियंत्रण की बहुलता और विभिन्न प्रकार की विशिष्ट प्रबन्ध योजना अपनाये जाने के कारण अनिश्चित काल तक कुप्रबन्धन की शिकार बनी रहती है। अर्थात प्रत्येक झील का स्वामित्व विभाग/प्राधिकरण हमेशा के लिए निश्चित किया जाना चाहिए जिससे कि उस झील के प्रबन्धन परिणामों के लिए वह उत्तरदायी रहे।
43. शहरी झीलों के आस–पास के क्षेत्रों को भविष्य के व्यावसायिक प्रस्तावों के रूप में रिक्त स्थल के उपयोग पर विशिष्ट कैप के रूप में प्रस्तुत किया जाना चाहिये। पी.पी.पी परियोजनाओं के रूप में पूरे स्थान को एक नए इको–स्थल विशेष में विकसित किया जा सके। इस प्रकार स्थानीय नागरिकों के कल्याण और मनोरंजन के लिए यह स्थान उपलब्ध रहे।

उपरोक्त मार्गनिर्देश सुझाव प्रकृति के हैं। राज्य सरकार/स्थानीय निकाय स्थानीय प्रकृति के अनुरूप उपरोक्त में से स्थान विशेष हेतु उपयोगी प्रस्ताव को लागू कर सकते है।

H. निष्कर्ष

उपरिवर्णित वर्गीकृत किये गये जल निकायों के ग्रेड मुख्यत् ए, बी, सी, डी, ई, आदि पॉच प्रकार के है। ग्रेड ई में किसी जल निकाय को चिन्हित न किया गया है। ग्रेड ए, बी, सी, डी से क्रमशः 2, 2, 3 और 3 ऐसे जल निकायों को चिन्हित किया गया है कि जो उस जल निकाय की श्रेणी में वर्गीकृत अन्य जल निकायों का प्रतिनिधित्व करते है। 2 हेक्टेयर से अधिक बड़े क्षेत्रफल वाले ऐसे जल निकाय जो वनों के निकट स्थित है उनके विशिष्ट संरक्षण प्रबन्ध योजना और उनके पुनरोद्धार हेतु प्राविधानित प्रस्तावों पर इस अध्याय में विशेष रूप से चर्चा एवं समीक्षा की गई है।

1.13 वनों के संरक्षण एवंजीर्णोद्धार हेतु योजना

पृष्ठभूमि

A. वनों का वर्गीकरण

मथुरा जिले में 42 वन क्षेत्र हैं। इन वन क्षेत्रों के वर्गीकरण के लिए अपनाए गए वर्गीकरण मानदंड इस प्रकार हैं:

i. सांस्कृतिक रूप से महत्वपूर्ण वन/उपवन
ii. नगरीय/अर्धशहरी/ग्रामीण क्षेत्र के अंतर्गत स्थित वन
iii. सिंचाई का स्रोतः प्राकृतिक/कृत्रिम
iv. पादप जीवन की विविधताः देशी एवं आक्रामक प्रजातियों की प्रमुख उपस्थिति
v. भौतिक स्थिति जैसे वृक्षारोपण प्रकार, विविधता एवं चरित्र
vi. मृदा स्थिति

B. वनों की सूची

मथुरा जिले में वनों की सूची वनों के प्रकार, मिट्टी के प्रकार, सिंचाई के स्रोत एवं जिले में वनों की स्थिति को प्रभावित करने वाली समस्याओं जैसे मापदंडों का अध्ययन करने के लिए बनाईगई है।

C. वनों की ग्रेडिंग

वनों की ग्रेडिंग तीन ग्रेड के अंतर्गत की गई है जो हैं– ए, बी एवं सी संतोषजनक, कार्यात्मक एवं निम्नीकृत। ग्रेडिंग एवं निष्कर्षों के लिए अपनाई गई विधि पर निम्न प्रकार हैः

i. ग्रेडिंग विधि

वनों की ग्रेडिंग के लिए, 4 मापदंडों के एक सेट पर विचार किया गया है जो हैं– सीमा, अपशिष्ट निपटान, मिट्टी की स्थिति और विद्यमान वनस्पति का प्रकार/प्रजाति। प्रत्येक मापदण्ड को 3 श्रेणियों में विभाजित किया गया है जो इस प्रकार है–A 'अच्छे'(Good), B 'मध्यम'(Moderate), और C 'बुरे' (Bad)। इन ग्रेडों को फिर अंकों में अनुवादित किया जाता है, जहां ग्रेड ए, बी एवं सी के लिए क्रमशः 0, 1 एवं 2 अंक दिए गये हैं। संचयी अंकों की गणना करने के लिए इन अलग–अलग अंकों का योग किया गया है जहॉ अधिकतम अंक जो व्यक्तिगत मापदण्ड के तहत दिए जा सकते हैं वह 2 हैं, इसलिए संचयी अंक 8 में से दिए गए हैं (क्योंकि कुल 4 मापदण्ड हैं)। 8 में से संचयी अंक, फिर संचयी ग्रेड की गणना करने के लिए प्रतिशत में अनुवादित किए गये हैं। संचयी ग्रेड के लिए, ग्रेड ए, बी एवं सी प्रतिशत 0–33, 33–67, 67–100 माने गये हैं

ii. ग्रेड

अलग–अलग मापदंडों के लिए ग्रेड एवं संचयी ग्रेड का विवरण तालिका 5 और तालिका 6 में निम्न प्रकार दिया गया है–

तालिका 5: अलग–अलग मापदंडों की अलग–अलग ग्रेडिंग का विवरण

मापदण्ड	उप वर्ग	श्रेणी	श्रेणी का नाम	अंक
सीमा/बाड की स्थिति	मौके पर बाड है	A	अच्छा	0
	मौके पर बाड टूटी है	B	मध्यम	1
	मौके पर बाड नहीं है	C	खराब	2
अपशिष्ट संबंधी मुद्दे	वन क्षेत्र में कचरा निपटान/डम्प नहीं है	A	अच्छा	0
	वन क्षेत्र में सीमा/रास्तों के किनारे कही–कहीं फेंका हुआ कचरा दिखाई देता है	B	मध्यम	1
	ठोस अपशिष्ट/सीवेज निपटान वन क्षेत्र में है	C	खराब	2
मिट्टी की स्थिति	रोपण योग्य	A	अच्छा	0
	उपचार के बाद रोपण योग्य	B	मध्यम	1
	रोपण योग्य नहीं है	C	खराब	2
अच्छादित वनस्पति की स्थिति	देशज प्रजातियों के वृक्ष	A	अच्छा	0
	प्रोसोपिस जूलीफ्लोरा,	B	मध्यम	1
	वनस्पति विहीन	C	खराब	2

तालिका 6: संचयी ग्रेड का विवरण

संचयी ग्रेड	प्रतिशत संचयी अंक	श्रेणी
A	0–33	संतोषजनक(satisfactory)
B	33–67	कार्यात्मक(Functional)
C	67–100	अवक्रमित(Degraded)

D. विश्लेषण

सामान्यतः मथुरा जनपद के आरक्षित वन क्षेत्रों की सीमाए चिन्हित है और कहीं–कहीं सीमा पिलर भी बने हुए है।

E.योजना

मिट्टी के प्रकार एवं वनों की ग्रेडिंग के आधार पर वन क्षेत्रों के संरक्षण,सघनीकरण और वनीकरण के लिए विभिन्न योजनायों पर चर्चा की गई है। योजना निर्माण एवं संबंधित वानिकी हस्तक्षेप के लिए वनों के चयन मानदंड निम्न प्रकार हैं:

वनों का चयन

मथुरा जिले के वन क्षेत्रों के अध्ययन के अनुसार, वन क्षेत्रों में सामान्य रूप से 4 प्रकार की मिट्टी पाई जाती है, जो हैं– कंकर मृदा, क्षारीय मृदा, बीहड़ प्रकृति की मृदाएवं दोमट मृदा। मृदा की प्रत्येक श्रेणी के अंतर्गत अधिकतम क्षेत्रफल वाले वनों को योजना निर्माण के लिए चुना गया है। चयनित वनों का विवरण तालिका 7 में निम्न प्रकार प्रदर्शित है।

तालिका 7 : योजना निर्माण हेतु चयनित वनों का विवरण

मृदा का प्रकार	वन का नाम	श्रेणी	क्षेत्रफल (हेक्टेयर)
दोमट मिट्टी	शेरनगर वन ब्लॉक	B	102.84
बीहड़ प्रकृति की मृदा	बरोठ खादर–1	B	47.24
क्षारीय मृदा	कोटवन वन ब्लॉक	C	56.65
	अझाई वन ब्लॉक	B	58.65
पथरीली अधोभूमि वाली चट्टानी मृदा	गोवर्धन पर्वत	A	29.49

पथरीली अधोभूमि वाली चट्टानी मृदा के लिए योजना

A. गोवर्धन पर्वत

a. संरक्षण योजना

गोवर्धन पहाड़ी के वनस्पति अच्छादन को वनर्वधनिक हस्तक्षेपों से बढ़ाये जाने की आवश्यकता है। वन अधिकारियों के अनुसार, मथुरा में यमुना के खारे पानी की वजह से यहाँ छितरी हुई वनस्पति है। पौराणिक ग्रन्थों के अनुसार आदि काल में गोवर्धन पर्वत अत्याधिक घनत्व वाली हरी–भरी वनस्पतियों से अच्छादित सघन वन था जो बाद में उचित रखरखाव न होने और अत्याधिक जैविक दबाब तथा भौतिक परिवर्तनों के कारण सिकुडता चला गया।

पहाड़ी के अतीत के गौरव को पुनर्जीवित करने एवं फिर से जीवंत करने के लिए भौतिक से लेकर जैविक हस्तक्षेप तक विभिन्न प्रकार के हस्तक्षेप जल्द से जल्द किए जाने की आवश्यकता है। चिन्हित समस्याओं और मौके पर सर्वेक्षण के बाद निम्न भौतिक हस्तक्षेप प्रस्तावित किये जाते है।

1. गोवर्धन पर्वत के शिखर वाली पथरीली और कम वनस्पति अच्छादन वाले क्षेत्र, जो सहायतित संर्वधन हस्तक्षेप के योग्य है और पर्वत के फुटहिल पर 30 डिग्री ढाल तक के क्षेत्र, जो वृक्षारोपण योग्य है को पृथक–पृथक चिन्हित किया जाना है। इन दोनों चिन्हित क्षेत्रों को अलग–अलग वानिकी संबंधित हस्तक्षेपों से हरित आवरण वृद्वि हेतु विकसित किया जाना है।
2. पूरे परिक्रमा मार्ग को पक्के फुटपाथ एवं पैदल चलने वालों की आवाजाही को सुविधाजनक बनाने के लिए उचित साइनेज प्रदान करके पैदल यात्रियों के अनुकूल बनाने का प्रस्ताव है।

3. पूरा परिक्रमा मार्ग कूड़ा मुक्त क्षेत्र होना चाहिए जो वनों के संरक्षण एवं पुनर्विकास के लिए पहला कदम है। परिक्रमा मार्ग पर नियमित दूरी पर अलग–अलग साइज के कूडेदान स्थापित किये जाने चाहिए जहॉ ठोस अपशिष्ट निपटान को निस्तारित किया जा सके।

b. गोवर्धन पर्वत पर प्रयोग की जाने वाली वन पारिपुर्नस्थापना तकनीक

गोवर्धन पर्वत पहाड़ी स्थलाकृति है जिसमें हरित आवरण विकसित करने के सरल तरीके अपेक्षित परिणाम नहीं दे पाते है। मिट्टी की कंकड़ परत होने के कारण इसमें कैल्शियम कार्बोनेट एवं सोडियम क्लोराइड की प्रचुरता होती है। इसकी कठोर एवं सख्त बनावट के कारण पानी का अंतःस्यंदन मुश्किल से हो पाता है। इसलिए ऐसी मिट्टी में वृक्षारोपण चुनौतीपूर्ण है।

चूँकि गोवर्धन पर्वत के निकट बसे हुए ब्रजवासी पावन गोवर्धन क्षेत्र पर गडड़ा खुदान को धार्मिक मान्यताओं के कारण वर्जित मानते है। इसी कारण गोवर्धन पर्वत पर सहायतित पुनरोत्पादन पद्धति से वनस्पति अच्छादन में वृद्वि करना प्रस्तावित किया गया है और गोवर्धन के निकट स्थलों पर वनीकरण पद्धति से वनस्पति अच्छादन को बढ़ाया जाना है। अपनाई जाने वाली वनीकरण पद्धति निम्न प्रकार है।

I. **सिंचाई** : –संरक्षण में सबसे महत्वपूर्ण कदम पानी की उपलब्धता से निपटना है जो मिट्टी के संरक्षण में मदद करता है। अतः सहायतित पुनरोत्पादन वनर्वधनिक हस्तक्षेप के साथ–साथ सिंचाई की स्प्रिंकलर सिस्टम से भू–आर्द्रता को बढ़ाया जाना है।
II. **मृदा की तैयारी** : –विस्तृत मृदा परीक्षण के बाद ऊपरी मिट्टी की तैयारी की आवश्यकता होती है। यह मिट्टी के पोषण के लिए उपयोग की जाने वाली सामग्रियों को निर्धारित करने एवं मात्रा निर्धारित करने में मदद करता है जिसमें गोबर की सड़ी हुई खाद, कृषि भूसी, मिट्टी में सूक्ष्म जीवों को बढ़ाने वाले उपयोग आदि जैसे कदम शामिल हैं।
III. **देशी पेड़ों की पहचान** : –इसके लिए संभावित मूल सर्वेक्षण (पी.एन.एस) सर्वेक्षण की आवश्यकता है ताकि क्षेत्र के उन मूल पेड़ों की पहचान की जा सके जो सांस्कृतिक, पारंपरिक एवं क्षेत्र के लिए पारिस्थितिक रूप से अनुकूल हैं। यहां कदम्ब, तमाल, पीपल, खेजड़ी, धौ, बेर, करधई जैसे पेड़ों को पुनः स्थापित किये जाने का सुझाव दिया गया है क्योंकि वे जंगली हो सकते हैं एवं हरे रंग के आवरण में सुधार कर सकते हैं एवं पवित्र ग्रंथों के अनुसार ये आमतौर पर गोवर्धन पर्वत पर उगने वाले देशज प्रजातियों के पेड़ है।

एनोगाइसस पेंडुला (धौ) : –एक बहुउपयोगी वृक्ष प्रजाति है जिसका अत्यधिक जातीय–पारिस्थितिक महत्व है। अरावली पर्वत श्रृंखला के लिये धौ की वनस्पति का पारिस्थितिक महत्व है। इसकी प्रकाष्ठ संसार की मजबूत लकड़ी में से एक है। ये वृक्ष ईधन, चारा, और गोंद उपयोगार्थ प्राप्त होते है जबकि धौ वृक्षों को बीज से अंकुरित पौधों को रोपित करने की पद्धति से नहीं उगाया जा सकता है क्योंकि इसका पुनरोत्पादन रूट सूट स्टोक की विशेष संवर्धन प्रक्रिया से ही सफल होता है। इसकी अत्यन्त धीमी वृद्वि और जैव दबाब के कारण ही इसका स्वरूप झाडीनुमा बन जाता है। जो इसके प्रकाष्ठ का अवमूल्यन करता है।

IV. वनस्पति अच्छादन में सुधार के लिए बंजर चट्टानों का उपचार

उपयुक्त प्रजातियों के चयन एवं विशेष संर्वधन से बंजरचट्टानों को भी वनस्पति आवरण के लिए उपचारित किया जा सकता है। पथरीले कंकड़ों की चट्टानों के छिद्रों/दरारों में पोषण तत्व से बने मिट्टी के

मिश्रण को भरकर उनमें वरगद, धौ, करधई प्रजाति के रूट सूट स्टोक को संवर्धित कर अपेक्षित सिंचाई के द्वारा हरित आवरण पुनः स्थापित किया जाना प्रस्तावित है।

कहीं कहीं पर पथरीली चट्टानों के बीच बड़े–बड़े रिक्त स्थल और दरारें है। इन दरारों और बड़े छिद्रों में पोषण तत्वों से बने उपजाऊ मिट्टी के मिश्रण को भरकर इन खुले स्थानों पर 30 सेमीमीटर ऊची और लगभग 100 सेमीमीटर व्यास की परिधि पर पत्थर की रिटेनिंग वॉल बनाकर अग्रिम मृदा कार्य की तैयार की जाती है। और इस उपजाऊ मिट्टी के स्थल में इच्छित प्रजातियों की बीजबुआन और रूट सूट कटिंग लगाकर सहायतित प्रकृतिक पुनरोत्पादन पद्धति से हरित आवरण को बढ़ाया जाना प्रस्तावित है।

V. **वृक्षारोपण जोनिंग**

प्रत्येक प्रजाति अथवा विभिन्न प्रजातियों के मिश्रण वन में इस तरह पुनः स्थापित होने चाहिए कि विभिन्न स्तरों में प्रकाश उपलब्धता के अनुसार उनका विकास शाक, झाड़ी, उपवृक्ष और वृक्ष के रूप में हो सके और क्षेत्र एक विविध प्रजातियों के बहुस्तरीय मिश्रण का रूप ले सकें। इस प्रकार का वन मिश्रित प्राकृतिक वन के रूप में विकसित होने में मदद करता है।

क्षारीय मृदा वाले स्थलों के लिए योजना

B. आझई वन ब्लॉक एवं कोटवन वन ब्लॉक के लिए संरक्षण योजना

पहचान किए गए मुद्दों के आधार पर जैव–भौतिक स्थितियों एवं क्षेत्र में सर्वेक्षण में किये गये पर्यवेक्षण के अनुसार स्थिति इस प्रकार है कि आझई वन ब्लॉक एवं कोटवन ब्लॉक में जलभराव, मृदा की क्षारीयता, वन ब्लॉक की सीमा रेखा पर बाउण्ड्रीवॉल न होने के कारण ठोस अपशिष्ट निपटान के छुट मुट संग्रह कारण वन की स्थिति अत्यन्त विरल और असंतोषजनक है। इन समस्याओं के निवारण एवं इन वन क्षेत्रों के संरक्षण और परिक्षण के लिए निम्न भौतिक हस्तक्षेप प्रस्तावित किये जाते है।

i. आझई और कोटवन वन ब्लॉक की सीमा का सर्वेक्षण कराकर बाड लगवाने का प्रयास किया जाए और क्षेत्र को वृक्षारोपण के लिए चिन्हित किये जाने के बाद अग्रिम मृदा कार्य के समय क्षारीयता उपचार हेतु रसायनिक सुधारकों का प्रयोग करना आवश्यक है।

ii. इन वन क्षेत्रों में सीमा रेखा के पास स्थित स्थलों पर ठोस अपशिष्ट कचरा के निपटान को रोकने के लिए वन क्षेत्र की सीमा रेखा पर कॉटेदार तार की बाढ़ करायी जाये एवं कुछ कचरा एकत्रित करने वाले कूड़ेदानों को स्थापित करना प्रस्तावित है।

iii. इन वन क्षेत्रों में वृक्षारोपण कार्य कराते समय घेरवाड़ के किनारे बोगेनविलिया प्रजाति के पौधों का रोपण किया जाना प्रस्तावित है जो तीव्र वृद्वि से झाड़ बनाकर जैवबाड़ का काम भी करेगा।

आझई वन ब्लॉक की मृदा क्षारीय प्रकृति की होने के कारण इसमें सामान्य रोपण तकनीकी सफल नहीं है। इस कारण इस वनक्षेत्र में वृक्षारोपण के पूर्व मृदा उपचार किया जाना आवश्यक है। अतः वॉछित प्रजातियों के रोपण हेतु निम्न उपचार साधनों का प्रयोग किया जाना प्रस्तावित किया जाता है। क्षारीय मिट्टी वाले क्षेत्र में क्षारीय लवणों की उपस्थिति और सिचांई योग्य शुद्व पानी की अनुपलब्धता आदि की

प्रमुख समस्याऐं है। ऐसी स्थिति में उपयुक्त प्रजाति चयन, रोपण प्रणाली और वन वर्धनिक क्रियाओं का चयन मुख्य विकल्प है। इस तरह की मृदा मे रोपण योग्य उपयुक्त वृक्ष प्रजातियॉ इस प्रकार है–एकेसिया निलोकिटा (बवूल), एकेसिया कैटेचु (खैर), एकेसिया पेनाटा (बिसवाल), अकेसिया फार्नेसियाना, (मीठा बबूल) केसिया फिस्टुला (अमलतास), कैसुरीना इक्विसेटिफोलिया (कैसुरीना), फेरोनिया लिमोनिया (कैंथ) आदि।

इसके साथ ही इन ऊसर क्षेत्रों में ईधन प्रजातियों के पौधों का रोपण भी किया जा सकता है जो स्थानीय लोगों की ईधन मॉग को पूरी करने में सहायक होगा। ऐसे क्षेत्रों में सिचांई पद्धति नालियों से और रोपण पद्धति उपसतह रोपण के रूप में प्रयोग करना श्रेष्यकर होगा।

बीहड़ प्रकृति की मृदा क्षेत्रों के लिए योजना

C. बरोठ खादर वन के लिए संरक्षण योजना

ऐसे वनक्षेत्रों के संरक्षण और परिरक्षण के लिए निम्नलिखित भौतिक हस्ताक्षेप प्रस्तावित किये जाते है।

i. वन क्षेत्रों की सीमा के निकटस्थ निजी क्षेत्रों से वन क्षेत्र में फेकें जाने वाले कचरे को रोका जाना चाहिए और यदि आवश्यक हो तो इन स्थानों पर वन सीमा पर प्री–फेबरिकेटिड प्लेन्क्स की दीवार बंधी की जानी चाहिए।
ii. सीवेज निपटान स्रोतों की पहचान की जानी चाहिए एवं मिट्टी में प्रदूषण पैदा करने वाले एजेंटों को कम करने के लिए सीवेज निपटान को डायवर्ट किया जाना चाहिए जो अंततः जंगल के विकास को प्रभावित करता है।

a) वनीकरण तकनीक

बीहड़ क्षेत्रों की मिट्टी वलुई/कंकरीली होती है और लगातार भू–क्षरण और मिट्टी कटान के कारण नदियों/धाराओं के किनारे ऊबड़–खाबड़ धरातल स्वरूप में होती है।इन क्षेत्रों के लिए वनीकरण तकनीकों के लिए निम्नलिखित प्रस्ताव का सुझाव दिया गया हैः

i. मृदाएवं जल संरक्षण के अन्य कार्यों के साथ जलग्रहण आधार पर बीहड़ क्षेत्रों में वनीकरण किया जाना है। ढलानों को कोमल बनाकर एवं सतह के प्रवाह को मोड़कर समोच्च नालियॉ बनाकर कटाव को रोकना एक आवश्यक पूर्वापेक्षा है। मिट्टी एवं नमी के संरक्षण के लिए नालियों को उपयुक्त यांत्रिक उपायों से बंद कराना आवश्यक है। बीहड़ों के ढलान वाले क्षेत्रों को और अधिक खराब होने से बचाने के लिए घास, पेड़ों आदि से ढकना श्रेष्यकर है।
ii. इस उद्देश्य के लिए जिन प्रजातियों को लगाया जा सकता है, वे हैं यूकेलिप्टस स्पीशीज (सफेदा), डालबर्गिया सिस्सू (शीशम), अल्बिजिया लेबेक (सिरस),पोंगामिया ग्लबरा (कंजी), अकेसिया कटेचु (खैर), डेंड्रोकैलेमस स्ट्रिक्टस (बांस), अकेशिया निलोटिका (बबूल), आइलैंथस एक्सेलसा (अंरू), प्रोसोपिस चिलेंसिस (चिली बबूल), आदि।
iii. पौधालय में उगाए गए एक वर्षीय पौधों से वृक्षारोपण करना सफल तरीका है। लेकिन इसमें समय और व्यय अधिक लगता है।

iv. सीधे बीज बुआन का तरीका अधिक आर्थिक और सफल है। बरोद खादर के बीहड़ क्षेत्रो में बीज बुआन हेतु अकेसिया कटेचु (खैर),पोंगामिया ग्लबरा (कंजी),डालबर्गिया सिस्सू (शीशम) आदि उपयुक्त प्रजातियॉ है।

b) मिंयाँवाकी वनीकरण पद्धति को लागू करने का प्रस्ताव

आरंभिक वृक्षारोपण से मिट्टी की स्थिति एवं स्वास्थ्य में सुधार के बाद, मियावाकी पद्धति को हरित आवरण एवं वन विविधता में सुधार के लिए लागू किया जा सकता है। प्रक्रिया के चरण इस प्रकार हैं

i. **मिट्टी की तैयारी** : –कृषि फसल की भूसी को वेद्य सामग्री के रूप में, जल धारण सामग्री जैसे कोको पीट या गन्ने की खोई एवं पोषण सामग्री जैसे गोबर की सड़ी हुई खाद एवं मल्चिंग आदि अतिरिक्त संसाधनो के प्रयोग से मृदा को अत्याधिक उर्वरक बनाया जाता है।

ii. **पौधों की खरीद** : –रोपणहेतु आवश्यक पौधों की खरीद से पूर्व आपूर्तिकर्ता, पौधों की जड़ों/तने/ पत्तियों के अपेक्षित विकास का पूर्ण व्यवाहरिक सर्वेक्षण करने के बाद रोपित किये जाने वाले स्वस्थ पौधों को क्रय किया जाना चाहिए।

iii. **वृक्षारोपण** : –मिंयाँवाकी प्रणाली के अनुसार विभिन्न प्रजातियों के पौधों का दूरी अंतराल और विन्यास इस प्रकार निर्धारित किया जाना है कि प्राकृतिक वन की तरह झाड़ी, उपवृक्ष, वृक्ष और छत्र विकसित हो सके।

दोमट मिट्टी वाले स्थलों के लिए योजना

D. शेरनगर वन ब्लॉक के लिए संरक्षण योजना

मौके पर किये गए निरीक्षण के अनुसार शेरनगर वन ब्लॉक की वन सीमा के निकट गैर–वन क्षेत्र बन्जर भूमि का कृषि भूमि में परिवर्तन और ठोस अपशिष्ट निपटान की डंपिग समस्या है। वन क्षेत्र को संरक्षित और परिरक्षित करने के लिए निम्नलिखित भौतिक हस्तक्षेप प्रस्तावित किये जाते हैः–

i. शेरनगर वन ब्लॉक की वन सीमा रेखा को विधिवत संर्वेक्षण कराकर काटेंदार तार–वाड़ से घेरा जाना चाहिए, जिससे कि वन सीमा की परिधि को अतिक्रमण और ठोस अवशेष अपशिष्ट निपटान के कचरे फेंकने की समस्या से मुक्त रखा जा सके।
ii. वन सीमा की परिधि के पास ठोस अपशिष्ट कचरे की संग्रहित कर निस्तारित करने के लिए कुछ कूड़े–दानों की व्यवस्था की जानी चाहिए।
iii. बोगनविलिया जैसे वृक्षारोपण के साथ सीमा बाड़ लगाने की सिफारिश की जाती है जो तेजी से बढ़ती है एवं वन बाड़ के रूप में कार्य कर सकती है।
iv. चेतावनी बोर्ड की स्थापना एवं अपशिष्ट संग्रह स्थलों का निर्माण करके ठोस अपशिष्ट कूड़ेदान को सख्ती से प्रतिबंधित किया जाना चाहिए।

E) अनुशंसित पौधों की प्रजातियाँ

वन क्षेत्रों के महत्व के आधार पर विभिन्न अनुशंसित पौधों की प्रजातियों को तालिका 8 में दिखाया गया है।

तालिका 8 : **–अनुशंसित पौधों की प्रजातियाँ**

वन महत्व	पेड़/पौधों की अनुशंसित प्रजातियां
सांस्कृतिक	बरगद (फाइकस बेन्गालेन्सिस), बेल (एगल मार्मेलोस), नीम (एंजाडिराच्टा इन्डिका), पीपल (फिकस रेलिजियोज), कदम (नियोलामार्किया कडंबा), अर्जुन (टर्मिनलिया अर्जुन), पाकर (फिकस वाइरेन्स)।
पारिस्थितिक	शीशम (डालबर्गिया सिस्सू)
मनोरंजन	अमलतास (कैसिया फिस्टुला), चांदनी (टेबरनीमोन्टाना डिवारिकेट), गुलमोहर (डेलोनिक्स रेजिया)।
मौसमी/कभी–कभी जलभराव वाले क्षेत्र	जामुन (साइजीजियमक्यूमीनाई), शीशम (डलवरजिया शिस्सो), अर्जुन (टर्मिनलिया अर्जुन),गूलर (फाइक्स रेसीमोस).

F. पौराणिक वनों का पारिपुर्नस्थापन

ब्रज क्षेत्र प्राचीन काल में पौराणिक वनों से भरा हुआ था। ये पौरोणिक वन ब्रजवासियों के लिए एक मजबूत धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व रखते है। 37 पहचाने गए पौरोणिक वनों के कुल 490 हेक्टेयर वन क्षेत्र को वन विभाग द्वारा पारिपुर्नस्थापित किया जाना है, जिससे कि धार्मिक रूप से महत्वपूर्ण ये पौराणिक वन श्रृद्धालुओं के दर्शनार्थ पुनः प्राकट्य हो सके। इस प्रकार 50 हेक्टेयर वन क्षेत्र प्रतिवर्ष वन विभाग को परिपुनःस्थापित करने के लिए वार्षिक डी0पी0आर तैयार कर कार्यवाही करनी चाहिए।

"भक्तिविलासम्" नामक ग्रन्थ के अनुसार ब्रज क्षेत्र में कभी 137 पौराणिक वन क्षेत्र हुआ करते थे। समय बीतने के साथ, इनमें से अधिकांश वन विलुप्त हो गए हैं। इन पौराणिक वनों की पहचान की प्रक्रिया अभी भी जारी है। अब तक कुल 37 वनों की पहचान की जा चुकी है, इन 37 वनों में से 4 वन ऐसे हैं जो आज भी अपने पौराणिक नाम को धारण किए हुए क्षेत्र में मौजूद हैं, ये हैं– कोटवन, नंदगाँव, गोवर्धन पर्वत एवंजतीपुरा। निम्नलिखित पारिपुनःस्थापन विधि और आगणन का प्रयोग कर विलुप्त वनों का पुनः प्रकट्य किया जा सकता है।

G. 05 हेक्टेयर क्षेत्रफल के सैम्पल वन क्षेत्र को पारिपुर्नस्थापित किये जाने का माडल

05 हेक्टेयर भूमि क्षेत्रफल के लिए वनों के पुनरुत्पादन के लिए एक मॉडल आगणन तैयार किया गया है। इस मॉडल से संदर्भ लेकर अलग–अलग भूमि क्षेत्रों वाले वनों के पुनः प्राकट्य हेतु परियोजना निरूपण किया जा सकता है।

वनीकरण कार्य को निम्न 7 चरणों में पूर्ण किया जाना है

i. प्रथम चरण (अग्रिम मृदा कार्य)
ii. दूसरा चरण (पौधारोपण)
iii. तृतीय चरण (रखरखाव प्रथम वर्ष)
iv. चौथा चरण (रखरखाव द्वितीय वर्ष)
v. पांचवें चरण (रखरखाव तीसरे वर्ष)
vi. छठा चरण (रखरखाव चौथा वर्ष)

vii. सातवां चरण (रखरखाव पांचवें वर्ष)

संबंधित चरणों में शामिल विभिन्न कार्य उनके अनुमानों के साथ निम्नानुसार सूचीबद्ध हैं

तालिका 9: 5 हेक्टेयर क्षेत्रफल के इकाई प्लॉट के पारिपुर्नस्थापन वनीकरण हेतु आवश्यक मदों का विवरण:

क्रमांक	कार्य विवरण	मात्रा	इकाई
1	सिंचाई हेतु सोलर ऊर्जा से संचालित समर	01	संख्या
2	प्री–कास्टिड फ्रेबिकेटिड प्लेंक की बाउंड्री वॉल मय गेट	1000	रनिंग मीटर
3	टॉयलेट ब्लॉक (6×10 फीट)	01	संख्या
4	सिंचाई एवं अन्य उपयोग के लिए पानी की टंकी–	01	संख्या
5	माली के लिए टिन शेड प्रकार का पोर्च (6मी×6मी)	01	संख्या
6	सौर लाईट	02	संख्या
7	लोहे/पत्थर की बेंच	10	संख्या
8	गड्ढों की संख्या (अग्रिम मृदा कार्य के सभी मदों सहित)	3125	संख्या
9	प्रजातियाँ	–	कदम्ब, पीलू, बरना, तमाल, बरगद, पाकड़, पीपल, महुआ, खिरनी, देशी अशोक, अर्जुन, बहेड़ा, जामुन, गूलर, कैथ, नीम, आंवला, शीशम, बेलपत्र, ढाक, कैंथ, पेल्टोफोरम, अमलतास, गोल्डमोहर आदि।
10	जूलीफ्लोरा को हटाना	05	हेक्टेयर
11	लगाए जाने वाले पौधों की संख्या (वृक्षारोपण चरण एवं पॉच वर्षीय अनुरक्षण के सभी मदों सहित)	3125	संख्या
12	बोरवेल	01	संख्या

2. क्षेत्रीय स्तर पर परियोजनाओं की सूची

क्षेत्रीय स्तर के हस्तक्षेप

क्र. सं.	परियोजना	परियोजना का प्रकार	हितधारक	चरण सत्र		
				एस	एम	एल
01	मथुरा–वृंदावन बाईपास का विकास	प्रमुख	एम.ओ.आर.टी.एच /एन.एच.ए.आई	25%	25%	50%
	ब्रज तीर्थ पथ					
	गोवर्धन कनेक्ट					
02	84 कोस की परिक्रमा का विकास	प्रमुख	एम.ओ.आर.टी.एच / एन.एच.ए.आई	50%	50%	–
	सड़क खंडों का डिजाइन एवं विकास					
	शहर/गांव के चौराहों पर आगंतुकों के लिए पार्किंग का विकास (32 संख्या)					
03	84 कोस परिक्रमा के लिए पड़ाव स्थल	प्रमुख	यूपीबीटीवीपी	50%	50%	–
	शहरी स्तर (6 संख्या)					
	अर्ध–शहरी स्तर (7 संख्या)					
	ग्रामीण स्तर (10 संख्या)					
04	वृंदावन–मथुरा–गोकुल वाटर टैक्सी	प्रमुख	वैपकोस / यूपीबीटीवीपी	50%	50%	–
	पानी की टैक्सी					
	रखरखाव एवं डिपो स्टेशन					
	जेट्टी बोर्डिंग पॉइंट (5 संख्या)					

एस (S)–सूक्ष्म सत्र : 1–3 वर्ष; एम (M)– मध्यम सत्र : 3–10 वर्ष; एल(L) – वृहद सत्र : 10–20 वर्ष
गौण – 5 करोड़ रूपये तक की लागत वाले
प्रमुख – 5 करोड़ रूपये की लागत से अधिक वाले
एम.ओ.आर.टी.एच– सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय, भारत सरकार
एन.एच.ए.आई– राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण
यू.पी.बी.टी.वी.पी–उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद

वैपकोस– भारत सरकार के केन्द्रीय जल संसाधन मंत्रालय के अतंर्गत सार्वजनिक क्षेत्र उद्यम का नाम "जल एवं ऊर्जा परामर्श सेवा" है।

व्यवहार्यता मूल्यांकन

क्र. सं.	परियोजना	निधिव्यय	वित्त पोषण	परियोजनाकी स्थिति
01	मथुरा–वृंदावन बाईपास का विकास	5000	एम.ओ.आर.टी.एच /एन.एच.ए.आई / पी.डब्लू.डी	प्रस्तावित
	ब्रज तीर्थ पथ			
	गोवर्धन कनेक्ट			
02	84 कोस की परिक्रमा का विकास	3500	एन.एच.ए. आई / यूपीबीटीवीपी / एमबीडीए / पर्यटन विभाग	प्रस्तावित
	सड़क खंडों का डिजाइन एवं विकास			
	शहर / गांव के चौराहों पर आगंतुकों के लिए पार्किंग का विकास (32 संख्या)			
03	84 कोस परिक्रमा के लिए पड़ाव स्थल	300	यूपीबीटीवीपी / एमबीडीए / पर्यटन विभाग	प्रस्तावित
	शहरी स्तर (6 संख्या)			
	अर्ध–शहरी स्तर (7 संख्या)			
	ग्रामीण स्तर (10 संख्या)			
04	वृंदावन–मथुरा–गोकुल वाटर टैक्सी	395	यूपीबीटीवीपी / एमबीडीए / पर्यटन विभाग	प्रस्तावित
	पानी की टैक्सी			
	रखरखाव एवं डिपो स्टेशन			
	जेट्टी बोर्डिंग पॉइंट (5 संख्या)			

कैपेक्स :–निधि व्यय (रूपया करोड़ में)

3. परिसर स्तर पर परियोजनाओं की सूची

समूह 1: मथुरा –वृंदावन

मथुरा

इंटरमीडिएट सार्वजनिक परिवहन सुविधा

क्र. सं.	परियोजना	परियोजना का प्रकार	हितधारक	चरण सत्र (प्रतिशत में)		
				एस	एम	एल
01	नए साइकिल पथ एवं पैदल मार्ग – ट्रेलिस / पैनल (लंबाई- 7 किमी, चौड़ाई- 5 किमी)	प्रमुख	यूपीबीटीवीपी		100%	
02	ई–रिक्शा डिपो एवं सोलर चार्जिंग स्टेशन का विकास बीडीए कॉलेज के पास	प्रमुख	यूपीबीटीवीपी		50%	50%
03	कृष्ण जन्मभूमि पार्किंग के पासबोर्डिंग प्वाइंट्स नोड्स का विकास (13 संख्या)	प्रमुख	यूपीबीटीवीपी		50%	50%
04	विद्युत वाहन	प्रमुख	यूपीबीटीवीपी		50%	50%
05	सइकिलें	गौण	यूपीबीटीवीपी		100%	
06	ओवर रोड एवं ट्रेल साइनेज	गौण	यूपीबीटीवीपी		100%	
07	सौर ऊर्जा संचालित प्रकाश व्यवस्था	गौण	यूपीबीटीवीपी		100%	

एस (S)– सूक्ष्म सत्र : 1–3 वर्ष; एम (M)– मध्यम सत्र : 3–10 वर्ष;एल(L) – वृहद सत्र : 10–20 वर्ष
गौण – 5 करोड़ रूपये तक की लागत वाले
प्रमुख – 5 करोड़ रूपये की लागत से अधिक वाले
यू.पी.बी.टी.वी.पी–उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद

व्यवहार्यता मूल्यांकन

क्र. सं.	परियोजना	निधि व्यय	वित्त पोषण	परियोजना की स्थिति
01	नए साइकिल पथ एवं पैदल मार्ग – ट्रेलिस/पैनल	14	उ0प्र0 सरकार/उ0प्र0 पर्यटन विभाग/यूपीबीटीवीपी/एमबीडीए	प्रस्तावित
	(लंबाई 7 किमी, चौड़ाई 5मी)			
02	ई–रिक्शा डिपो एवं सोलर चार्जिंग स्टेशन का विकास	7.5	उ0प्र0 सरकार/उ0प्र0 पर्यटन विभाग/यूपीबीटीवीपी/एमबीडीए	प्रस्तावित
	बीडीए कॉलेज के पास			
03	कृष्ण जन्मभूमि पार्किंग के पास बोर्डिंग प्वाइंट्स नोड्स का विकास (13 संख्या)	5.72	यूपीबीटीवीपी	प्रस्तावित
04	विद्युत वाहन	-	यूपीबीटीवीपी	प्रस्तावित
05	साइकिलें	-	यूपीबीटीवीपी	प्रस्तावित
06	ओवर रोड एवं ट्रेल साइनेज	3	यूपीबीटीवीपी	प्रस्तावित
07	सौर ऊर्जा संचालित प्रकाश व्यवस्था	3.26	यूपीबीटीवीपी	प्रस्तावित

कैपेक्स :– निधि व्यय (रूपया करोड़ में)

लाइट रेल मेट्रो ट्रांजिट सिस्टम का विकास

क्र. सं.	परियोजना	परियोजना का प्रकार	हितधारक	चरण सत्र (प्रतिशत में)		
				एस	एम	एल
01	लाइट रेल मेट्रो ट्रांजिट स्टेशनों का विकास (राधा रानी)	प्रमुख	आईआर / यूपीबीटीवीपी	–	100%	
	मथुरा जं.					
	कृष्ण जन्मभूमि स्टेशन					
	मसानी स्टेशन					

02	स्टेशनों पर सोलर पार्किंग की सुविधा मथुरा जं. कृष्ण जन्मभूमि स्टेशन मसानी स्टेशन	प्रमुख	यूपीबीटीवीपी	–	50%	50%
03	रेल पटरियों का पुनर्विकास(लंबाई 12 किमी, चौड़ाई 14 मी)	प्रमुख	आईआर / यूपीबीटीवीपी	–	100%	–
04	रेलवे लाइन के दोनों ओर दो लेन सड़क मार्ग का निर्माण (लंबाई 12 किमी, चौड़ाई 16 मी)	प्रमुख	आईआर / यूपीबीटीवीपी	–	–	100%

एस (S)– सूक्ष्म सत्र : 1–3 वर्ष; एम (M)– मध्यम सत्र : 3–10 वर्ष;एल (L) – वृहद सत्र : 10–20 वर्ष
गौण – 5 करोड़ रूपये तक की लागत वाले
प्रमुख – 5 करोड़ रूपये की लागत से अधिक वाले
यू.पी.बी.टी.वी.पी–उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद
आई.आर – भारतीय रेल

व्यवहार्यता मूल्यांकन

क्र. सं.	परियोजना	निधि व्यय	वित्त पोषण	परियोजना की स्थिति
01	लाइट रेल मेट्रो ट्रांजिट स्टेशनों का विकास मथुरा जं. कृष्ण जन्मभूमि स्टेशन मसानी स्टेशन	150	आईआर /सीएसआर	प्रस्तावित
02	स्टेशनों पर सोलर पार्किंग की सुविधा मथुरा जं. कृष्ण जन्मभूमि स्टेशन मसानी स्टेशन	22.5	उ0प्र0 सरकार	प्रस्तावित
03	रेल पटरियों का पुनर्विकास(लंबाई 12	350	आईआर /सीएसआर	प्रस्तावित

	किमी, चौड़ाई 14 मी)			
04	रेलवे लाइन के दोनों ओर दो लेन सड़क मार्ग का निर्माण (लंबाई 12 किमी, चौड़ाई 16 मी)	400	उ0प्र0 सरकार	प्रस्तावित

कैपेक्स :– निधि व्यय (रूपया करोड़ में)

मथुरा परिक्रमा मार्ग का विकास

क्र. सं.	परियोजना	परियोजना का प्रकार	हितधारक	चरण सत्र (प्रतिशत में)		
				एस	एम	एल
01	मथुरा परिक्रमा पथों एवं पगडंडियों का विकास – ट्रेलिस/पैनल(लंबाई 11.5 किमी, चौड़ाई 5.5 मीटर)	प्रमुख	यूपीबीटीवीपी	–	100%	–
02	परिक्रमा मार्ग पर सौर ऊर्जा प्रकाश व्यवस्था	प्रमुख	यूपीबीटीवीपी	–	100%	–
03	ओवर रोड एवं ट्रेल साइनेज	गौण	यूपीबीटीवीपी	25%	75%	–
04	पर्यटक सुविधाएं (5संख्या)	प्रमुख	यूपीबीटीवीपी	50%	50%	–
05	कंस किला टी.एफ.सी	गौण	यूपीबीटीवीपी	–	100%	–
06	कंस किला पर पार्किंग की व्यवस्था (3500 वर्ग मीटर)	गौण	यूपीबीटीवीपी	25%	50%	25%
07	भूतेश्वर स्टेशन के निकट अण्डरपास निर्माण	गौण	यूपीबीटीवीपी	–	100%	–
08	ट्रैफिक नोड्स का पुनरोद्धार(7संख्या)	गौण	यूपीबीटीवीपी	50%	50%	–

एस (S)– सूक्ष्म सत्र : 1–3 वर्ष; एम (M)– मध्यम सत्र : 3–10 वर्ष;एल (L) – वृहद सत्र : 10–20 वर्ष
गौण – 5 करोड़ रूपये तक की लागत वाले
प्रमुख – 5 करोड़ रूपये की लागत से अधिक वाले
यू.पी.बी.टी.वी.पी–उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद

व्यवहार्यता मूल्यांकन

क्र.सं.	परियोजना	निधि व्यय	वित्त पोषण	परियोजना की स्थिति
01	मथुरा परिक्रमा पथों एवं पगडंडियों का विकास – ट्रेलिस /पैनल(लंबाई 11.5 किमी, चौड़ाई 5.5 मीटर)	19.58	उ0प्र0 पर्यटन विभाग / एमबीडीए	कार्यरत
02	परिक्रमा मार्ग पर सौर ऊर्जा प्रकाश व्यवस्था	5.6	उ0प्र0 पर्यटन विभाग	प्रस्तावित
03	ओवर रोड एवं ट्रेल साइनेज	4.98	उ0प्र0 पर्यटन विभाग	प्रस्तावित
04	पर्यटक सुविधाएं (5संख्या)	12	उ0प्र0 पर्यटन विभाग	प्रस्तावित
05	कंस किला टी.एफ.सी	4.24	उ0प्र0 पर्यटन विभाग	प्रस्तावित
06	कंस किला पर पार्किंग की व्यवस्था (3500 वर्ग मीटर)	3.68	उ0प्र0 पर्यटन विभाग	प्रस्तावित
07	भूतेश्वर स्टेशन के निकट अण्डरपास निर्माण	4.25	उ0प्र0 सरकार / पीडब्लूडी	प्रस्तावित
08	ट्रैफिक नोड्स का पुनरोद्धार (7 संख्या)	4.32	उ0प्र0 सरकार	कार्यरत

कैपेक्स :– निधि व्यय (रूपया करोड़ में)

लक्ष्मी नगर से यमुना एक्सप्रेस वे राया कट तक के आसपास के विकास कार्य

क्र. सं.	परियोजना	परियोजना का प्रकार	हितधारक	चरण सत्र (प्रतिशत में)		
				एस	एम	एल
01	वीडीपी कॉलेज से राया कट तक कॉरिडोर की रिडिजाइनिंग (लंबाई 8 किमी, चौड़ाई 30 मी)	प्रमुख	राज्य पीडब्ल्यूडी / यूपीबीटीवीपी		50%	50%
02	ट्रैफिक नोड्स का विकास (3 संख्या)	गौण	राज्य पीडब्ल्यूडी / यूपीबीटीवीपी		50%	50%

एस (S)– सूक्ष्म सत्र : 1–3 वर्ष; एम (M)– मध्यम सत्र : 3–10 वर्ष;एल(L) – वृहद सत्र : 10–20 वर्ष
गौण – 5 करोड़ रूपये तक की लागत वाले
प्रमुख – 5 करोड़ रूपये की लागत से अधिक वाले
यू.पी.बी.टी.वी.पी–उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद
राज्य पीडब्लूडी– लोक निर्माण विभाग

व्यवहार्यता मूल्यांकन

क्र.सं.	परियोजना	निधि व्यय	वित्त पोषण	परियोजना की स्थिति
01	वीडीपी कॉलेज से राया कट तक कॉरिडोर की रिडिजाइनिंग (लंबाई 8 किमी, चौड़ाई 30 मी)	21	राज्य पीडब्ल्यूडी /एमबीडीए	कार्यरत
02	ट्रैफिक नोड्स का विकास (3 संख्या)	2.78	राज्य पीडब्ल्यूडी /एमबीडीए	कार्यरत

कैपेक्स :– निधि व्यय (रूपया करोड़ में)

विभिन्न प्रवेश द्वारों के निकट आगंतुकों के लिए पार्किंग सुविधाओं का विकास

क्र. सं.	परियोजना	परियोजना का प्रकार	हितधारक	चरण सत्र		
				एस	एम	एल
01	भूतेश्वर रोड के पास सोलर पार्किंग सुविधा	गौण	यूपीबीटीवीपी	-	100%	-
02	जुबली पार्किंग पर पार्किंग सुविधा एवं एम्फीथिएटर	प्रमुख	यूपीबीटीवीपी	100%	-	-
03	वीडीपी कॉलेज के पास सोलर पार्किंग की सुविधा	प्रमुख	यूपीबीटीवीपी	-	100%	-
04	यमुना नदी के पूर्वी तट के निकट सौर पार्किंग सुविधा (विश्राम घाट के सामने)	गौण	यूपीबीटीवीपी	-	50%	50%

एस (S)– सूक्ष्म सत्र : 1–3 वर्ष; एम (M)– मध्यम सत्र : 3–10 वर्ष;एल (L) – वृहद सत्र : 10–20 वर्ष
गौण – 5 करोड़ रूपये तक की लागत वाले
प्रमुख – 5 करोड़ रूपये की लागत से अधिक वाले
यू.पी.बी.टी.वी.पी–उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद

व्यवहार्यता मूल्यांकन

क्र. सं.	परियोजना	निधि व्यय	वित्त पोषण	परियोजना की स्थिति
01	भूतेश्वर रोड के पास सोलर पार्किंग सुविधा	5	उ0प्र0 पर्यटन विभाग,सीएसआर,पीपीपी	प्रस्तावित
02	जुबली पार्किंग में पार्किंग सुविधा एवं एम्फीथिएटर	20.02	उ0प्र0 पर्यटन विभाग,सीएसआर,पीपीपी	**पूर्ण**
03	वीडीपी कॉलेज के पास सोलर पार्किंग की सुविधा	5	उ0प्र0 पर्यटन विभाग,सीएसआर,पीपीपी	प्रस्तावित

04	यमुना नदी के पूर्वी तट के निकट सौर पार्किंग सुविधा (विश्राम घाट के सामने)	7.5	उ0प्र0 पर्यटन विभाग, सीएसआर, पीपीपी	प्रस्तावित

कैपेक्स :– निधि व्यय (रूपया करोड़ में)

नए बस स्टैंड के निकट मल्टीलेवल कार पार्किंग का विकास

क्र. सं.	परियोजना	परियोजना का प्रकार	हितधारक	चरण सत्र		
				एस	एम	एल
01	यात्रियों हेतु पिक–अप और ड्राप–ऑफ की विनियमित व्यवस्था का विकास	गौण	यूपीबीटीवीपी	-	100%	-
02	मल्टीलेवल कार पार्किंग (250)	प्रमुख	यूपीएसआरटीसी / यूपीबीटीवीपी	-	100%	-
03	बस पार्किंग (40)	प्रमुख	यूपीएसआरटीसी / यूपीबीटीवीपी	-	100%	-
04	पर्यटकसुविधाएं	गौण	यूपीबीटीवीपी	-	100%	-

एस (S)– सूक्ष्म सत्र : 1–3 वर्ष; एम (M)– मध्यम सत्र : 3–10 वर्ष;एल (L) – वृहद सत्र : 10–20 वर्ष
गौण – 5 करोड़ रूपये तक की लागत वाले
प्रमुख – 5 करोड़ रूपये की लागत से अधिक वाले
यू.पी.बी.टी.वी.पी–उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद
यू.पी.आर.टी.सी– उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन यातयात निगम

व्यवहार्यता मूल्यांकन

क्र.सं.	परियोजना	निधि व्यय	वित्त पोषण	परियोजना की स्थिति
01	यात्रियों हेतु पिक–अप और ड्राप–ऑफ की विनियमित व्यवस्था का विकास	0.85	नगर निगम/एमबीडीए	प्रस्तावित
02	मल्टीलेवल कार पार्किंग (250)	14	उ0प्र0 सरकार	प्रस्तावित
03	बस पार्किंग (40)	1.28	उ0प्र0 सरकार	प्रस्तावित
04	पर्यटक सुविधाएं	2	उ0प्र0 पर्यटन विभाग/पर्यटन मंत्रालय भारत सरकार	प्रस्तावित

कैपेक्स :– निधि व्यय (रूपया करोड़ में)

मथुरा रिवरफ्रंट का विकास

क्र. सं.	परियोजना	परियोजना का प्रकार	हितधारक	चरण सत्र		
				एस	एम	एल
01	युगुल घाट से बंगाली घाट तक घाटों का एकीकृत पुनर्विकास (लंबाई 800 मी)	गौण	यूपीबीटीवीपी	-	100%	-
02	घाटों पर प्रकाश व्यवस्था	गौण	यूपीबीटीवीपी	-	100%	-
03	घाटों के साथ सड़कों के अग्रभाग का सौंदर्यीकरण (लंबाई 800 मी.)	प्रमुख	यूपीबीटीवीपी	-	100%	-
04	सोलर लाइटिंग, फर्नीचर आदि जैसे स्ट्रीटस्केप तत्वों के प्रावधान के माध्यम से घाट का सौंदर्यीकरण।	गौण	यूपीबीटीवीपी	-	100%	-
05	पर्यटक सुविधाएं (3संख्या)	गौण	यूपीबीटीवीपी	-	100%	-
06	कंस किला का संरक्षण, स्थल विकास एवं धार्मिक संग्रहालय के रूप में अनुकूल पुर्नपयोग	गौण	यूपीबीटीवीपी	-	50%	50%
07	कुशक जूनियर हायर सेकेंडरी स्कूल का संरक्षण एवं अनुकूल पुर्नपयोग	गौण	यूपीबीटीवीपी	-	50%	50%
08	स्तीबुर्ज का संरक्षण	गौण	यूपीबीटीवीपी	-	-	100%
09	स्थानीय लोगों एवं आगंतुकों की जरूरतों के अनुसार ब्रिटिश चौकी का संरक्षण एवं अनुकूली पुर्नपयोग	गौण	यूपीबीटीवीपी	-	-	100%
10	आगंतुकों हेतु आवास सुविधा बढ़ाने के लिएमौजूदा धर्मशालाओं का संरक्षण और उन्नयन – पीपीपी मॉडल का उपयोग	गौण	यूपीबीटीवीपी	-	50%	50%
11	ध्रुव घाट के पास वॉकिंग पथ, सूर्य नमस्कार तथा लोक वंदना स्थल का विकास	गौण	यूपीबीटीवीपी	-	50%	50%

एस (S)– सूक्ष्म सत्र : 1–3 वर्ष; एम (M)– मध्यम सत्र : 3–10 वर्ष;एल (L) – वृहद सत्र : 10–20 वर्ष
गौण – 5 करोड़ रूपये तक की लागत वाले
प्रमुख – 5 करोड़ रूपये की लागत से अधिक वाले
यू.पी.बी.टी.वी.पी–उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद

व्यवहार्यता मूल्यांकन

क्र. सं.	परियोजना	निधि व्यय	वित्त पोषण	परियोजना की स्थिति
01	युगुल घाट से बंगाली घाट तक घाटों का एकीकृत पुनर्विकास (लंबाई 800 मी)	4.98	सिंचाई विभाग / पर्यटन विभाग, सीएसआर	प्रस्तावित
02	घाटों पर प्रकाश व्यवस्था	5	उ0प्र0 पर्यटन विभाग, सीएसआर	प्रस्तावित

03	घाटों के साथ सड़कों के अग्रभाग का सौंदर्यीकरण (लंबाई 800 मी.)	12	उ0प्र0 सरकार, सीएसआर	प्रस्तावित
04	सोलर लाइटिंग, फर्नीचर आदि जैसे स्ट्रीटस्केप तत्वों के प्रावधान के माध्यम से घाट का सौंदर्यीकरण।	3.87	उ0प्र0 पर्यटन विभाग	प्रस्तावित
05	पर्यटक सुविधाएं (3संख्या)	4.5	उ0प्र0 पर्यटन विभाग	प्रस्तावित
06	कंस किला का संरक्षण, स्थल विकास एवं धार्मिक संग्रहालय के रूप में अनुकूल पुनरूपयोग	35	पुरातत्व विभाग	प्रस्तावित
07	कुशक जूनियर हायर सेकेंडरी स्कूल का संरक्षण एवं अनुकूल पुनरूपयोग	4	राज्य पुरातत्व विभाग, सीएसआर, पीपीपी	प्रस्तावित
08	स्तीबुर्ज का संरक्षण	2.5	उ0प्र0 सरकार(धमार्थ विभाग)	प्रस्तावित
09	स्थानीय लोगों एवं आगंतुकों की जरूरतों के अनुसार ब्रिटिश चौकी का संरक्षण एवं अनुकूली पुनरूपयोग	0.18	राज्य पुरातत्व विभाग, सीएसआर, पीपीपी	प्रस्तावित
10	आगंतुकों हेतु आवास सुविधा बढ़ाने के लिए मौजूदा धर्मशालाओं का संरक्षण और उन्नयन – पीपीपी मॉडल का उपयोग	-	सीएसआर, पीपीपी	प्रस्तावित
11	ध्रुव घाट के पास वॉकिंगपथ, सूर्य नमस्कार तथा लोक वंदना स्थल का विकास	9	उ0प्र0 पर्यटन विभाग / सीएसआर	प्रस्तावित

कैपेक्स :– निधि व्यय (रूपया करोड़ में)

यमुना नदी तट के आसपास पुनर्विकास

क्र.सं.	परियोजना	परियोजना का प्रकार	हितधारक	चरण सत्र (प्रतिशत में)		
				एस	एम	एल
01	ई–रिक्शा, दो पहिया वाहन और पैदल यात्रियों के प्रयोगार्थ पुराने पुल का पुनरोद्धार	गौण	यूपीबीटीवीपी/ राज्य पीडब्ल्यूडी		100 %	
02	लक्ष्मी नगर खंड के पास यमुना नदी के दोनों किनारों पर वनस्पति उद्यान का विकास	गौण	यूपीबीटीवीपी / राज्य बागवानी विभाग		50%	50 %
03	विश्राम घाट पर केबल सस्पेंशन ब्रिज का विकास	प्रमुख	यूपीबीटीवीपी / राज्य पीडब्ल्यूडी		100 %	
04	स्वामी घाट पर केबल सस्पेंशन ब्रिज का विकास	प्रमुख	यूपीबीटीवीपी/ राज्य पीडब्ल्यूडी		100 %	
05	यमुना नदी के पूर्वी तट पर स्थित बाढ़ ग्रस्त रिक्त भूमि पर नगर वन का विकास	गौण	यूपीबीटीवीपी / राज्य बागवानी विभाग		50%	50 %

एस (S)– सूक्ष्म सत्र : 1–3 वर्ष; एम (M)– मध्यम सत्र : 3–10 वर्ष;एल (L) – वृहद सत्र : 10–20 वर्ष
गौण – 5 करोड़ रूपये तक की लागत वाले
प्रमुख – 5 करोड़ रूपये की लागत से अधिक वाले
यू.पी.बी.टी.वी.पी–उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद
राज्य पी.डब्लू.डी – लोक निर्माण विभाग
राज्य बागवानी विभाग– उद्यान विभाग

व्यवहार्यता मूल्यांकन

क्र. सं.	परियोजना	निधि व्यय	वित्त पोषण	परियोजनाकी स्थिति
01	ई–रिक्शा, दो पहिया वाहन और पैदल यात्रियों के प्रयोगार्थ पुराने पुल का पुनरोद्धार	0.75	राज्य सेतु निगम	प्रस्तावित
02	लक्ष्मी नगर खंड के पास यमुना नदी के दोनों किनारों पर वनस्पति उद्यान का विकास	1.3	उ0प्र0 सरकार / उद्यान विभाग, सीएसआर	प्रस्तावित
03	विश्राम घाट पर केबल सस्पेंशन ब्रिज का विकास	113.52	यूपीबीटीवीपी / राज्य पीडब्ल्यूडी	प्रस्तावित
04	स्वामी घाट पर केबल सस्पेंशन ब्रिज का विकास	128.68	यूपीबीटीवीपी/ राज्य पीडब्ल्यूडी	प्रस्तावित
05	यमुना नदी के पूर्वी तट पर स्थित बाढ़ ग्रस्त रिक्त भूमि पर नगर वन का विकास	1.75	उ0प्र0 सरकार / यूपीबीटीवीपी / एमबीडीए	प्रस्तावित

कैपेक्स :– निधि व्यय (रूपया करोड़ में)

श्री कृष्ण जन्म भूमि परिसर का पुनर्विकास

क्र. सं.	परियोजना	परियोजना का प्रकार	हितधारक	चरण सत्र (प्रतिशत में)		
				एस	एम	एल
01	एम.एल.सी.पी पार्किंग काविकास (250कारें)	प्रमुख	यूपीबीटीवीपी	-	100%	-
02	बोलार्ड, फर्नीचर, वृक्षारोपण, आदि स्ट्रीट स्केपिंग तत्वों से एप्रोच मार्ग का सौन्दर्यीकरण	गौण	यूपीबीटीवीपी	-	100%	-
03	एप्रोच रोड के किनारे सड़क के अग्रभाग का पुनर्विकास(लंबाई 500 मीटर)	प्रमुख	यूपीबीटीवीपी	-	100%	-
04	कृष्ण जन्म भूमि के प्रवेश द्वारों का विकास एवं सड़कों का सौंदर्यीकरण (संख्या 2)	गौण	यूपीबीटीवीपी	100%	-	-
05	श्रीकृष्ण जन्मभूमि मंदिर के अग्रभाग पर	प्रमुख	यूपीबीटीवीपी	100%	-	-

	प्रकाश व्यवस्था					
06	केशव वाटिका का विकास (मनोरंजन हेतु उपलब्ध खुले मैदान का विकास)	गौण	यूपीबीटीवीपी		100%	
07	लाइट एंड साउंड शो के लिए बुनियादी ढांचे की डिजाइन एवं स्थापना	प्रमुख	यूपीबीटीवीपी	100%		
08	पोतरा कुंड पर थीमेटिक लाईट व्यवस्था	गौण	यूपीबीटीवीपी	100%		
09	पर्यटक सुविधाएं	गौण	यूपीबीटीवीपी		100%	

एस (S)– सूक्ष्म सत्र : 1–3 वर्ष; एम (M)– मध्यम सत्र : 3–10 वर्ष;एल (L) – वृहद सत्र : 10–20 वर्ष
गौण – 5 करोड़ रूपये तक की लागत वाले
प्रमुख – 5 करोड़ रूपये की लागत से अधिक वाले
यू.पी.बी.टी.वी.पी–उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद

व्यवहार्यता मूल्यांकन

क्र. सं.	परियोजना	निधि व्यय	वित्त पोषण	परियोजना की स्थिति
01	एम.एल.सी.पी पार्किंग काविकास (250कारें)	16	एमबीडीए	प्रस्तावित
02	बोलार्ड, फर्नीचर, वृक्षारोपण, आदि स्ट्रीट स्केपिंग तत्वों से एप्रोच मार्ग का सौन्दर्यीकरण	3.42	उ0प्र0 पर्यटन विभाग	प्रस्तावित
03	एप्रोच रोड के किनारे सड़क के अग्रभाग का पुनर्विकास (लंबाई 500 मीटर)	7.5	उ0प्र0 सरकार	प्रस्तावित
04	कृष्ण जन्म भूमि के प्रवेश द्वारों का विकास एवं सड़कों का सौंदर्यीकरण (संख्या 2)	3.61	उ0प्र0 सरकार	प्रस्तावित
05	श्रीकृष्ण जन्मभूमि मंदिर के अग्रभाग पर प्रकाश व्यवस्था	7.46	उ0प्र0 सरकार	पूर्ण
06	केशव वाटिका का विकास (मनोरंजन हेतु उपलब्ध खुले मैदान का विकास)	1.28	उ0प्र0 पर्यटन विभाग	प्रस्तावित
07	लाइट एंड साउंड शो के लिए बुनियादी ढांचे की डिजाइन एवं स्थापना	15.86	उ0प्र0 पर्यटन विभाग	पूर्ण
08	पोतरा कुंड पर थीमेटिक लाईट व्यवस्था	0.85	उ0प्र0 पर्यटन विभाग	प्रस्तावित
09	पर्यटक सुविधाएं	2.5	उ0प्र0 पर्यटन विभाग	प्रस्तावित

कैपेक्स :– निधि व्यय (रूपया करोड़ में)

शहर की पहचान को मजबूत करने के लिए मथुरा प्रवेश द्वार का विकास

क्र. सं.	परियोजना	परियोजना का प्रकार	हितधारक	चरण सत्र (प्रतिशत में)		
				एस	एम	एल
01	यमुना एक्सप्रेस–वेपर राया कट के	प्रमुख	राज्य पर्यटन विभाग /		100%	

	पास		यूपीबीटीवीपी			
02	एन.एच.19 पर छटीकारा के पास	प्रमुख	राज्य पर्यटन विभाग / यूपीबीटीवीपी		100%	
03	एनएच19 पर मथुरारिफाइनरीके पास	प्रमुख	राज्य पर्यटन विभाग / यूपीबीटीवीपी		100%	
04	गोवर्धनरोड पर	प्रमुख	राज्य पर्यटन विभाग / यूपीबीटीवीपी		100%	

एस (S)– सूक्ष्म सत्र : 1–3 वर्ष; एम (M)– मध्यम सत्र : 3–10 वर्ष;एल(L) – वृहद सत्र : 10–20 वर्ष
गौण – 5 करोड़ रूपये तक की लागत वाले
प्रमुख – 5 करोड़ रूपये की लागत से अधिक वाले
यू.पी.बी.टी.वी.पी–उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद
राज्य पर्यटन विभाग– पर्यटन विभाग

व्यवहार्यता मूल्यांकन

क्र. सं.	परियोजना	निधि व्यय	वित्त पोषण	परियोजना की स्थिति
01	यमुना एक्सप्रेस–वे पर राया कट के पास	26.5	एनएचएआई / येडा	प्रस्तावित
02	एन.एच.19 पर छटीकारा के पास	26.5	उ0प्र0 पर्यटन विभाग	प्रस्तावित
03	एनएच19 पर मथुरा रिफाइनरी के पास	26.5	उ0प्र0 पर्यटन विभाग	प्रस्तावित
04	गोवर्धनरोड पर	17.5	उ0प्र0 पर्यटन विभाग	प्रस्तावित

कैपेक्स :– निधिवय (रूपया करोड़ में)
एनएचएआई – राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण
येडा – यमुना एक्सप्रेस–वे औद्योगिक विकास प्राधिकरण

छाता बाजार परिसर का पुनर्विकास

क्र. सं.	परियोजना	परियोजना का प्रकार	हितधारक	चरण सत्र (प्रतिशत में)		
				एस	एम	एल
01	गलियों के अग्रभाग का सौंदर्यीकरण (लम्बाई: 1 किमी)	प्रमुख	यूपीबीटीवीपी	-	100%	-
02	मार्गो / फुटपाथों पर स्ट्रीट स्केपिंगतत्वों के साथ सतह पुर्ननिर्माण(लंबाई 1 किमी, चौड़ाई 4. 5 मीटर)	गौण	यूपीबीटीवीपी	-	100%	-
03	पर्यटक सुविधाएं	गौण	यूपीबीटीवीपी	-	100%	-

एस (S)– सूक्ष्म सत्र : 1–3 वर्ष; एम (M)– मध्यम सत्र : 3–10 वर्ष;एल(L) – वृहद सत्र : 10–20 वर्ष
गौण – 5 करोड़ रूपये तक की लागत वाले
प्रमुख – 5 करोड़ रूपये की लागत से अधिक वाले

यू.पी.बी.टी.वी.पी–उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद

व्यवहार्यता मूल्यांकन

क्र.सं.	परियोजना	निधि व्यय	वित्त पोषण	परियोजना की स्थिति
01	गलियों के अग्रभाग का सौंदर्यीकरण (लंबाई: 1 किमी)	15	उ0प्र0 पर्यटन विभाग/एमबीडीए/हृदय परियोजना	प्रस्तावित
02	मार्गो/फुटपाथों पर स्ट्रीट स्केपिंगतत्वों के साथ सतह पुर्ननिर्माण(लंबाई 1 किमी, चौड़ाई 4.5 मीटर)	5	उ0प्र0 पर्यटन विभाग/एमबीडीए/हृदय परियोजना	प्रस्तावित
03	पर्यटक सुविधाएं	2.5	उ0प्र0 पर्यटन विभाग/एमबीडीए/हृदय परियोजना (वर्ल्ड बैंक योजना)	प्रस्तावित

कैपेक्स :– निधि व्यय (रूपया करोड़ में)

हृदय परियोजना – हृदय परियोजना

वर्ल्ड बैंक – विश्व बैंक सहायत्ति

पर्यटक हब एवं सुविधाएं

क्र. सं.	परियोजना	परियोजना का प्रकार	हितधारक	चरण सत्र (प्रतिशत में)		
				एस	एम	एल
01	मनोरंजन स्थान के रूप में कृष्ण कुंड का कायाकल्प	प्रमुख	यूपीबीटीवीपी	-	100%	-
02	मथुरा संग्रहालय का पुनर्विकास	प्रमुख	यूपीबीटीवीपी	-	50%	50%
03	भगत सिंह पार्क का पुनर्विकास	प्रमुख	यूपीबीटीवीपी	-	50%	50%
04	होमस्टे का विकास	प्रमुख	निजी	-	50%	50%
05	गोविन्द नगर टीला को पर्यटक स्थल के रूप में विकसित करना– जिसमें उत्खन्न, बाउण्ड्रीवाल निर्माण और उत्खन्न से प्राप्त मूर्ति आदि के लिए म्यूजियम बनाना	प्रमुख	यूपीबीटीवीपी	-	50%	50%

एस (S)– सूक्ष्म सत्र : 1–3 वर्ष; एम (M)– मध्यम सत्र : 3–10 वर्ष;एल(L) – वृहद सत्र : 10–20 वर्ष
गौण – 5 करोड़ रूपये तक की लागत वाले
प्रमुख – 5 करोड़ रूपये की लागत से अधिक वाले
यू.पी.बी.टी.वी.पी–उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद

व्यवहार्यता मूल्यांकन

क्र.सं.	परियोजना	निधि व्यय	वित्त पोषण	परियोजना की स्थिति
01	मनोरंजन स्थान के रूप में कृष्ण कुंड का कायाकल्प	7.5	यूपीबीटीवीपी	प्रस्तावित
02	मथुरा संग्रहालय का पुनर्विकास	19	यूपीबीटीवीपी / राज्य संस्कृति विभाग	प्रस्तावित
03	भगत सिंह पार्क का पुनर्विकास	4.5	यूपीबीटीवीपी	प्रस्तावित
04	होमस्टे का विकास	-	पीपीपी	प्रस्तावित
05	गोविन्द नगर टीला को पर्यटक स्थल के रूप में विकसित करना– जिसमें अत्खन्न, बाउण्ड्रीवाल निर्माण और अत्खन्न से प्राप्त मूर्ति आदि के लिए म्यूजियम बनाना	15	राज्य संस्कृति विभाग / पर्यटन विभाग / राज्य पुरातत्व विभाग	प्रस्तावित

कैपेक्स :– निधिवय (रूपया करोड़ में)
संस्कृति विभाग– राज्य संस्कृति विभाग
पुरातत्व विभगा – राज्य पुरातत्व विभाग

भौतिक एवं सामाजिक अवसंरचनाओं का उन्नयन

क्र. सं.	परियोजना	परियोजना का प्रकार	हितधारक	चरण सत्र (प्रतिशत में)		
				एस	एम	एल
01	मथुरा में सीवेज निकास और उपचार हेतु एसटीपी का विकास	प्रमुख	उ0प्र0 जल निगम	25%	50%	25%
02	मथुरा में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन व्यवस्था	प्रमुख	उ0प्र0 जल निगम	-	100%	-
03	जल प्रशोधन संयंत्र	प्रमुख	उ0प्र0 जल निगम	25%	50%	25%
04	डेटा सेंटर एवं वायरलेस नेटवर्क इंफ्रास्ट्रक्चर का विकास	प्रमुख	यूपी.बी.टी.वी.पी	-	100%	-

एस (S)– सूक्ष्म सत्र : 1–3 वर्ष; एम (M)– मध्यम सत्र : 3–10 वर्ष; एल(L) – वृहद सत्र : 10–20 वर्ष
गौण – 5 करोड़ रूपये तक की लागत वाले
प्रमुख – 5 करोड़ रूपये की लागत से अधिक वाले
यू.पी.बी.टी.वी.पी–उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद
उ0प्र0 जल निगम– उत्तर प्रदेश जल निगम

व्यवहार्यता मूल्यांकन

क्र. सं.	परियोजना	निधि व्यय	वित्त पोषण	परियोजना की स्थिति
01	मथुरा में सीवेज निकास और उपचार हेतु एसटीपी का विकास	14.4	उ0प्र0 जल निगम	प्रस्तावित
02	मथुरा में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन व्यवस्था	6	उ0प्र0 जल निगम	प्रस्तावित

03	जल प्रशोधन संयंत्र	17	उ0प्र0 जल निगम	प्रस्तावित
04	डेटा सेंटर एवं वायरलेस नेटवर्क इंफ्रास्ट्रक्चर का विकास	16.9	उ0प्र0 सरकार / सीएसआर	प्रस्तावित

कैपेक्स :– निधि व्यय (रूपया करोड़ में)

प्रशासनिक अवसंरचनाओं का विकास

क्र.सं.	परियोजना	परियोजना का प्रकार	हितधारक	चरण सत्र		
				एस	एम	एल
01	एमवीडीए कार्यालय का विकास	प्रमुख	एमवीडीए	-	100%	-
02	यूपीबीटीवीपी कार्यालय का विकास	प्रमुख	यूपीबीटीवीपी	50%	50%	
03	मथुरा जिला प्रशासनिक कार्यालय का पुनर्विकास	प्रमुख	जिला प्रशासन	-	100%	-

एस (S)– सूक्ष्म सत्र : 1–3 वर्ष; एम (M)– मध्यम सत्र : 3–10 वर्ष;एल(L) – वृहद सत्र : 10–20 वर्ष
गौण – 5 करोड़ रूपये तक की लागत वाले
प्रमुख – 5 करोड़ रूपये की लागत से अधिक वाले
यू.पी.बी.टी.वी.पी–उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद
एमबीडीए– मथुरा–वृन्दावन विकास प्राधिकरण
जिला प्रशासन– जनपद प्रशासनिक

व्यवहार्यता मूल्यांकन

क्र. सं.	परियोजना	निधि व्यय	वित्त पोषण	परियोजना की स्थिति
01	एमवीडीए कार्यालय का वकास	7.9	उ0प्र0 सरकार	प्रस्तावित
02	यूपीबीटीवीपी कार्यालय का विकास	8.6	पर्यटन विभाग	कार्यरत
03	मथुरा जिला प्रशासनिक कार्यालय का पुनर्विकास	10.25	उ0प्र0 सरकार	प्रस्तावित

कैपेक्स :– निधि व्यय (रूपया करोड़ में)

वृंदावन

इंटरमीडिएट सार्वजनिक परिवहन सुविधा

क्र. सं.	परियोजना	परियोजना का प्रकार	हितधारक	चरण सत्र (प्रतिशत में)		
				एस	एम	एल
01	ई–रिक्शा लेन और पैदल पगडंडियों का विकास–ट्रेलिस / पैनल	प्रमुख	यूपीबीटीवीपी / नगर निगम	25%	75%	-
	वृन्दावन शहर के केन्द्रीय रीढ़ मार्ग का					

	विकास(लंबाई 4.1 किमी, चौड़ाई 7 मीटर)					
	वृन्दावन शहर के पार्श्व मार्ग का विकास (लंबाई 5 किमी, चौड़ाई 5.5 मीटर)					
	वृन्दावन परिक्रमा मार्ग एवं पगडंडियों का विकास(लंबाई 9.85 किमी, चौड़ाई 14 मीटर)					
02	ई–रिक्शा डिपो और सोलर चार्जिंग स्टेशनों का विकास	प्रमुख	यूपीबीटीवीपी / नगर निगम	20%	80%	-
	वृन्दावन के रीढ़ मार्ग पर तीर्थ यात्री सुविधा केन्द्र का विकास (पी.एफ.सी)					
	रूकमिणी बिहार के सामने वृन्दावन के पार्शव मार्ग पर एम.एल.सी.पी पार्किंग का विकास					
	वृन्दावन परिक्रमा मार्ग पर कालिया घाट के निकट सोलर पार्किंग का विकास					
03	इलेक्ट्रॉनिक सूचना प्रणाली के साथ बोर्डिंग प्वाइंट का विकास (संख्या 14)	प्रमुख	यूपीबीटीवीपी	-	-	-
04	विद्युत वाहनों (वृंद वाहिनी) की व्यवस्था	प्रमुख	पीपीपी	-	-	-
05	साइकिल व्यवस्था	गौण	यूपीबीटीवीपी	-	-	-
06	ओवर रोड एवं ट्रेल साइनेज	गौण	यूपीबीटीवीपी	-	-	-
07	सौर ऊर्जा **संचालित** प्रकाश व्यवस्था	प्रमुख	यूपीबीटीवीपी	-	-	-

एस (S)– सूक्ष्म सत्र : 1–3 वर्ष; एम (M)– मध्यम सत्र : 3–10 वर्ष ; एल(L) – वृहद सत्र : 10–20 वर्ष
गौण – 5 करोड़ रूपये तक की लागत वाले
प्रमुख – 5 करोड़ रूपये की लागत से अधिक वाले
यू.पी.बी.टी.वी.पी–उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद
नगर निगम– नगर निगम मथुरा–वृन्दावन

व्यवहार्यता मूल्यांकन

क्र.सं.	परियोजना	निधि व्यय	वित्त पोषण	परियोजना की स्थिति
01	ई–रिक्शा लेन और पैदल पगडंडियों का विकास–ट्रेलिस / पैनल	28.95	उ0प्र0 सरकार / एमबीडीए	प्रस्तावित
	वृन्दावन शहर के केन्द्रीय रीढ़ मार्ग का विकास(लंबाई 4.1 किमी, चौड़ाई 7 मीटर)			
	वृन्दावन शहर के पार्श्व मार्ग का विकास (लंबाई 5 किमी, चौड़ाई 5.5 मीटर)			
	वृन्दावन परिक्रमा मार्ग एवं पगडंडियों का विकास(लंबाई 9.85 किमी, चौड़ाई 14 मीटर)			
02	ई–रिक्शा डिपो और सोलर चार्जिंग स्टेशनों का विकास	22.55	पर्यटन विभाग / एमबीडीए	प्रस्तावित
	वृन्दावन के रीढ़ मार्ग पर तीर्थ यात्री सुविधा केन्द्र का विकास (पी.एफ.सी)			
	रूकमिणी बिहार के सामने वृन्दावन के पार्शव मार्ग पर एम.एल.सी.पी पार्किंग का			

	विकास वृन्दावन परिक्रमा मार्ग पर कालिया घाट के निकट सोलर पार्किंग का विकास			
03	इलेक्ट्रॉनिक सूचना प्रणाली के साथ बोर्डिंग प्वाइंट का विकास (संख्या 14)	6.3	यूपीबीटीवीपी	प्रस्तावित
04	विद्युत वाहनों (वृंद वाहिनी) की व्यवस्था	-	पीपीपी	प्रस्तावित
05	साइकिल व्यवस्था	-	यूपीबीटीवीपी	प्रस्तावित
06	ओवर रोड एवं ट्रेल साइनेज	4.68	यूपीबीटीवीपी	प्रस्तावित
07	सौर ऊर्जा संचालित प्रकाश व्यवस्था	8.84	यूपीबीटीवीपी	प्रस्तावित

कैपेक्स :– निधि व्यय (रूपया करोड़ में)

लाइट रेल मेट्रो ट्रांजिट सिस्टम का विकास

क्र.सं.	परियोजना	परियोजना का प्रकार	हितधारक	चरण सत्र (प्रतिशत में)		
				एस	एम	एल
01	लाइट रेल मेट्रो.ट्रांजिट स्टेशन का विकासः वृंदावन टर्मिनस	प्रमुख	आईआर / यूपीबीटीवीपी	-	100%	-
02	भूद्रश्य एवं स्थल विकास		आईआर / यूपीबीटीवीपी		100%	
03	रेलवे टी एफ सी	प्रमुख	आईआर / यूपीबीटीवीपी		100%	
04	वृंदावन टर्मिनस पर सोलर पार्किंग की सुविधा	प्रमुख	आईआर / यूपीबीटीवीपी		100%	

एस (S)– सूक्ष्म सत्र : 1–3 वर्ष; एम (M)– मध्यम सत्र : 3–10 वर्ष;एल(L) – वृहद सत्र : 10–20 वर्ष
गौण – 5 करोड़ रूपये तक की लागत वाले
प्रमुख – 5 करोड़ रूपये की लागत से अधिक वाले
यू.पी.बी.टी.वी.पी–उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद
आई.आर – भारतीय रेल

व्यवहार्यता मूल्यांकन

क्र.सं.	परियोजना	निधि व्यय	वित्त पोषण	परियोजना की स्थिति
01	लाइट रेल मेट्रो ट्रांजिट स्टेशन का विकासः वृंदावन टर्मिनस	45	भारतीय रेलवे	प्रस्तावित
02	भूद्रश्य एवं स्थल विकास	10	पर्यटन विभाग	प्रस्तावित
03	रेलवे टी एफ सी	3.5	भारतीय रेलवे	प्रस्तावित
04	वृंदावन टर्मिनस पर सोलर पार्किंग की	4.65	उ0प्र0	प्रस्तावित

	सुविधा		सरकार / नगर निगम मथुरा	

कैपेक्स :– निधि व्यय (रूपया करोड़ में)

शहर मुख्य द्वारों के निकट भूतल पार्किंग सुविधाओं का विकास

क्र. सं.	परियोजना	परियोजना का प्रकार	हितधारक	चरण सत्र (प्रतिशत में)		
				एस	एम	एल
01	सुनरखवन	प्रमुख	यूपीबीटीवीपी	-	100%	-
02	यमुना के उत्तरी तट पर, श्री बांके बिहारी जी मंदिर परिसर के सामने	प्रमुख	यूपीबीटीवीपी		50%	50%
03	वृंदावन टीएफसी के निकट बस पार्किंग का विकास	गौण	यूपीबीटीवीपी	100%	-	-

एस (S)– सूक्ष्म सत्र : 1–3 वर्ष; एम (M)– मध्यम सत्र : 3–10 वर्ष ;एल(L) – वृहद सत्र : 10–20 वर्ष
गौण – 5 करोड़ रूपये तक की लागत वाले
प्रमुख – 5 करोड़ रूपये की लागत से अधिक वाले
यू.पी.बी.टी.वी.पी–उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद

व्यवहार्यता मूल्यांकन

क्र. सं.	परियोजना	निधि व्यय	वित्त पोषण	परियोजना की स्थिति
01	सुनरख वन	7.5	उ0प्र0 सरकार / एमबीडीए	कार्यरत
02	यमुना के उत्तरी तट पर, श्री बांके बिहारी जी मंदिर परिसर के सामने	15	उ0प्र0 सरकार / एमबीडीए	कार्यरत
03	वृंदावन टीएफसी के निकट बस पार्किंग का विकास	3.7	उ0प्र0 सरकार / एमबीडीए	कार्यरत

कैपेक्स :– निधि व्यय (रूपया करोड़ में)

वृंदावन रिवर फ्रंट का विकास

क्र. सं.	परियोजना	परियोजना का प्रकार	हितधारक	चरण सत्र (प्रतिशत में)		
				एस	एम	एल
01	घाटों का एकीकृत विकास (लंबाई 200 मीटर)	गौण	यूपीबीटीवीपी		100%	
02	घाटों के किनारे सड़क के अग्रभाग का सौंदर्यीकरण एवं प्रकाश व्यवस्था (लंबाई 200 मीटर)	गौण	यूपीबीटीवीपी		100%	
03	यमुना नदी के किनारे पारिस्थितिक क्षेत्र का विकास (लंबाई 800मीटर)	गौण	यूपीबीटीवीपी / वन विभाग		100%	
04	वृंदावन के ऐतिहासिक घाटों का कायाकल्प	गौण	यूपीबीटीवीपी		100%	
	जल उपचार संयंत्र का विकास					
	गलियों में स्ट्रीट स्केपिंग एवं पैदल मार्गो विकास हेतु कार्य (लंबाई 1किमी, चौड़ाई 5.5मीटर)	गौण	यूपीबीटीवीपी		100%	
05	पर्यटकसुविधाएं (3 संख्या)	गौण	यूपीबीटीवीपी		100%	

एस (S)– सूक्ष्म सत्र : 1–3 वर्ष ; एम (M)– मध्यम सत्र : 3–10 वर्ष ;एल(L) – वृहद सत्र : 10–20 वर्ष
गौण – 5 करोड़ रूपये तक की लागत वाले
प्रमुख – 5 करोड़ रूपये की लागत से अधिक वाले
यू.पी.बी.टी.वी.पी–उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद
वन विभाग– वन विभाग

व्यवहार्यता मूल्यांकन

क्र. सं.	परियोजना	निधि व्यय	वित्त पोषण	परियोजना की स्थिति
01	घाटों का एकीकृत विकास (लंबाई 200 मीटर)	3	सिंचाई विभाग	प्रस्तावित
02	घाटों के किनारे सड़क के अग्रभाग का सौंदर्यीकरण एवं प्रकाश व्यवस्था (लंबाई 200 मीटर)	3	पर्यटन विभाग	प्रस्तावित
03	यमुना नदी के किनारे पारिस्थितिक क्षेत्र का विकास (लंबाई 800मीटर)	0.30	राज्य उद्यान विभाग / यूपीबीटीवीपी	प्रस्तावित
04	वृंदावन के ऐतिहासिक घाटों का कायाकल्प	3.85	पर्यटन विभाग	प्रस्तावित
	जल उपचार संयंत्र का विकास			
	गलियों में स्ट्रीट स्केपिंग एवं पैदल मार्गो विकास हेतु कार्य (लम्बाई 1किमी, चौड़ाई 5.5 मीटर)	1.5	यूपीबीटीवीपी / एमबीडीए	प्रस्तावित
05	पर्यटकसुविधाएं (3 संख्या)	4.4	यूपीबीटीवीपी	प्रस्तावित

कैपेक्स :– निधि व्यय (रूपया करोड़ में)

निधि वन परिसर का संरक्षण एवं कायाकल्प

क्र. सं.	परियोजना	परियोजना का प्रकार	हितधारक	चरण सत्र (प्रतिशत में)		
				एस	एम	एल
01	जुगल किशोर मंदिर का संरक्षण एवं स्थल विकास	गौण	पीपीपी		100%	
02	प्रेम महाविद्यालय का संरक्षण एवं अनुकूल पुर्नपयोग	गौण	पीपीपी			100%
03	श्री राजा महेंद्र प्रताप पब्लिक स्कूल का संरक्षण एवं अनुकूल पुर्नपयोग	गौण	पीपीपी		100%	
04	निधिवन का संरक्षण एवं स्थलविकास	गौण	पीपीपी		100%	
05	सेवाकुंज का संरक्षण एवं स्थल विकास	गौण	पीपीपी		100%	
06	केशीघाट का संरक्षण एवं स्थलविकास	गौण	यूपीबीटीवीपी		100%	
07	पर्यटक सुविधाएं	गौण	यूपीबीटीवीपी		100%	

एस (S)– सूक्ष्म सत्र : 1–3 वर्ष ; एम (M)– मध्यम सत्र : 3–10 वर्ष ;एल(L) – वृहद सत्र : 10–20 वर्ष
गौण – 5 करोड़ रूपये तक की लागत वाले
प्रमुख – 5 करोड़ रूपये की लागत से अधिक वाले
यू.पी.बी.टी.वी.पी–उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद

व्यवहार्यता मूल्यांकन

क्र. सं.	परियोजना	निधि व्यय	वित्त पोषण	परियोजना की स्थिति
01	जुगल किशोर मंदिर का संरक्षण एवं स्थल विकास	-	पुरातत्व विभाग	प्रस्तावित
02	प्रेम महाविद्यालय का संरक्षण एवं अनुकूल पुर्नपयोग	-	एमबीडीए / पीपीपी	प्रस्तावित
03	श्री राजा महेंद्र प्रताप पब्लिक स्कूल का संरक्षण एवं अनुकूल पुर्नपयोग	-	उ0प्र0 सरकार / यूपीबीटीवीपी	प्रस्तावित
04	निधिवन का संरक्षण एवं स्थलविकास	-	एमबीडीए / पर्यटन विभाग	प्रस्तावित
05	सेवाकुंज का संरक्षण एवं स्थल विकास			
06	केशीघाट का संरक्षण एवं स्थलविकास	7.5	राज्य पुरातत्व विभाग / यूपीबीटीवीपी	प्रस्तावित
07	पर्यटक सुविधाएं	1.5	पर्यटन विभाग	प्रस्तावित

कैपेक्स :– निधि व्यय (रूपया करोड़ में)

पैदल यात्री पर्यावरण को बढ़ाने के लिए स्ट्रीट स्केप्स का पुर्नविकास

वृंदावन परिक्रमा मार्ग का विकास

क्र. सं.	परियोजना	परियोजना का प्रकार	हितधारक	चरण सत्र (प्रतिशत में)		
				एस	एम	एल
01	वृंदावन परिक्रमा पथ एवं पगडंडियों का विकास – (लम्बाई 9.8 किमी, चौड़ाई 5.5 मीटर)	प्रमुख	यूपीबीटीवीपी	100%		
02	पारंपरिक स्थापत्य शैली में इमारतों से सटे सड़क के अग्रभाग का विकास (लंबाई 7 किमी)	प्रमुख	यूपीबीटीवीपी		100%	
03	वृंदावन परिक्रमा मार्ग सौर ऊर्जा प्रकाश व्यवस्था	गौण	यूपीबीटीवीपी		100%	
04	ओवर रोड एवं ट्रेल साइनेज	गौण	यूपीबीटीवीपी		100%	
05	पर्यटक सुविधाएं (4संख्या)	प्रमुख	यूपीबीटीवीपी		100%	
06	ट्रैफिक नोड्स का कायाकल्प	गौण	यूपीबीटीवीपी		100%	

एस (S)– सूक्ष्म सत्र : 1–3 वर्ष; एम (M)– मध्यम सत्र : 3–10 वर्ष;एल(L) – वृहद सत्र : 10–20 वर्ष
गौण – 5 करोड़ रूपये तक की लागत वाले
प्रमुख – 5 करोड़ रूपये की लागत से अधिक वाले
यू.पी.बी.टी.वी.पी–उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद

व्यवहार्यता मूल्यांकन

क्र. सं.	परियोजना	निधि व्यय	वित्त पोषण	परियोजना की स्थिति
01	वृंदावन परिक्रमा पथ एवं पगडंडियों का विकास – (लंबाई 9.8 किमी, चौड़ाई 5.5 मीटर)	18.09	पर्यटन विभाग	पूर्ण
02	परंपरिक स्थापत्य शैली में इमारतों से सटे सड़क के अग्रभाग का विकास (लंबाई 7 किमी)	75	पर्यटन विभाग	पूर्ण
03	वृंदावन परिक्रमा मार्ग सौर ऊर्जा प्रकाश व्यवस्था	3.2	पर्यटन विभाग	पूर्ण
04	ओवर रोड एवं ट्रेल साइनेज	4.5	पर्यटन विभाग	पूर्ण
05	पर्यटक सुविधाएं (4 संख्या)	6	पर्यटन विभाग	पूर्ण
06	ट्रैफिक नोड्स का कायाकल्प	4.05	पर्यटन विभाग	पूर्ण

कैपेक्स :– निधि व्यय (रूपया करोड़ में)

गरीब समर्थक पर्यटन योजना के तहत 22 पथों का सौंदर्यीकरण

क्र. सं.	परियोजना	परियोजना का प्रकार	हितधारक	चरण सत्र (प्रतिशत में)		
				एस	एम	एल
01	सड़कों का निर्माण एवं सौंदर्यीकरण	प्रमुख	विश्वबैंक / यूपीबीटीवीपी	100%	-	-
02	स्ट्रीट स्केपिंग तत्वों जैसे स्ट्रीट फर्नीचर, वृक्षारोपण, डिजाइन उपकरण आदि का समावेश एवं विकास	गौण	यूपीबीटीवीपी	-	100%	-
03	ओवर रोड एवं ट्रेल साइनेज	गौण	विश्वबैंक / यूपीबीटीवीपी	-	100%	-
04	सुरक्षा एवं प्रकाश व्यवस्था हेतु सौर ऊर्जा स्ट्रीट लाइट की स्थापना	गौण	विश्वबैंक / यूपीबीटीवीपी	100%	-	-
05	पर्यटक सुविधाएं	गौण	यूपीबीटीवीपी	-	100%	-

एस (S)– सूक्ष्म सत्र : 1–3 वर्ष ; एम (M)– मध्यम सत्र : 3–10 वर्ष ;एल(L) – वृहद सत्र : 10–20 वर्ष
गौण – 5 करोड़ रूपये तक की लागत वाले
प्रमुख – 5 करोड़ रूपये की लागत से अधिक वाले
यू.पी.बी.टी.वी.पी–उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद
वर्ल्ड बैंक– विश्व बैंक

व्यवहार्यता मूल्यांकन

क्र. सं.	परियोजना	निधि व्यय	वित्त पोषण	परियोजना की स्थिति
01	सड़कों का निर्माण एवं सौंदर्यीकरण	12	विश्वबैंक	पूर्ण
02	स्ट्रीट स्केपिंग तत्वों जैसे स्ट्रीट फर्नीचर, वृक्षारोपण, डिजाइन उपकरण आदि का समावेश एवं विकास	3	विश्वबैंक	पूर्ण
03	ओवर रोड एवं ट्रेल साइनेज	3.2	विश्वबैंक	पूर्ण
04	सुरक्षा एवं प्रकाश व्यवस्था हेतु सौर ऊर्जा स्ट्रीट लाइट की स्थापना	4.6	विश्वबैंक	पूर्ण
05	पर्यटक सुविधाएं	2.5	विश्वबैंक	पूर्ण

कैपेक्स :– निधि व्यय (रूपया करोड़ में)

धरोहर पथों एवं स्थलों का सुदृढ़ीकरण

क्र. सं.	परियोजना	परियोजना का प्रकार	हितधारक	चरण सत्र (प्रतिशत में)		
				एस	एम	एल
01	धरोहर पथ का विकास (लंबाई 2किमी, चौड़ाई 4.5मीटर)	प्रमुख	यूपीबीटीवीपी	-	50%	50%
	पारम्परिक स्थापत्य शैली के भवनोंसे सटे हुएसड़क के अग्रभाग का विकास					
	स्ट्रीट स्केपिंग तत्वों जैसे स्ट्रीट फर्नीचर, वृक्षारोपण डिजाइन, उपकरण आदि का समावेश एवं विकास					
02	ओवर रोड एवं ट्रेल साइनेज	गौण	यूपीबीटीवीपी	-	100%	-
03	सुरक्षा एवं प्रकाश व्यवस्था हेतु सौर ऊर्जा स्ट्रीट लाइट की स्थापना	गौण	यूपीबीटीवीपी	-	50%	50%
04	पर्यटक सुविधाएं	गौण	यूपीबीटीवीपी	-	100%	-

एस (S)– सूक्ष्म सत्र : 1–3 वर्ष ; एम (M)– मध्यम सत्र : 3–10 वर्ष ;एल(L) – वृहद सत्र : 10–20 वर्ष
गौण – 5 करोड़ रूपये तक की लागत वाले
प्रमुख – 5 करोड़ रूपये की लागत से अधिक वाले
यू.पी.बी.टी.वी.पी–उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद

व्यवहार्यता मूल्यांकन

क्र. सं.	परियोजना	निधि व्यय	वित्त पोषण	परियोजना की स्थिति
01	धरोहर पथ का विकास (लंबाई 2किमी, चौड़ाई 4. 5मीटर)	30	राज्य पर्यटन विभाग/राज्य संस्कृति विभाग	प्रस्तावित
	पारम्परिक स्थापत्य शैली के भवनोंसे सटे हुएसड़क के अग्रभाग का विकास			
	स्ट्रीट स्केपिंग तत्वों जैसे स्ट्रीट फर्नीचर, वृक्षारोपण डिजाइन, उपकरण आदि का समावेश एवं विकास			
02	ओवर रोड एवं ट्रेल साइनेज	1.5	पर्यटन विभाग	प्रस्तावित
03	सुरक्षा एवं प्रकाश व्यवस्था हेतु सौर ऊर्जा स्ट्रीट लाइट की स्थापना	0.93	पर्यटन विभाग	प्रस्तावित
04	पर्यटक सुविधाएं	1	पर्यटन विभाग	प्रस्तावित

कैपेक्स :– निधि व्यय (रूपया करोड़ में)

मनोरंजक गतिविधियों के लिए हरित खुले स्थानों का सुदृढ़ीकरण

क्र. सं.	परियोजना	परियोजना का प्रकार	हितधारक	चरण सत्र (प्रतिशत में)		
				एस	एम	एल
01	टटियास्थल	प्रमुख	यूपीबीटीवीपी		50%	50%
02	ललिताबाग	गौण	यूपीबीटीवीपी		50%	50%
03	निकुंज वन	गौण	यूपीबीटीवीपी		50%	50%
04	ज्ञानगुदरी	गौण	यूपीबीटीवीपी		100%	

एस (S)– सूक्ष्म सत्र : 1–3 वर्ष ; एम (M)– मध्यम सत्र : 3–10 वर्ष ;एल(L) – वृहद सत्र : 10–20 वर्ष
गौण – 5 करोड़ रूपये तक की लागत वाले
प्रमुख – 5 करोड़ रूपये की लागत से अधिक वाले
यू.पी.बी.टी.वी.पी–उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद

व्यवहार्यता मूल्यांकन

क्र. सं	परियोजना	निधि व्यय	वित्त पोषण	परियोजना की स्थिति
01	टटियास्थल	3.5	पीपीपी	प्रस्तावित
02	ललिताबाग	4.9	पर्यटन विभाग	प्रस्तावित
03	निकुंजवन	3.3	उद्यान विभाग	प्रस्तावित
04	ज्ञानगुदरी	0.85	पीपीपी	प्रस्तावित

कैपेक्स :– निधि व्यय (रूपया करोड़ में)

गोविंद देव जी एवं रंगनाथ जी मंदिर के परिसरों का विकास

क्र.सं.	परियोजना	परियोजना का प्रकार	हितधारक	चरण सत्र (प्रतिशत में)		
				एस	एम	एल
01	सम्पर्क मार्ग का पुनर्विकास (लंबाई 600 मीटर, चौड़ाई 16 मीटर)	प्रमुख	नगर निगम/ यूपीबीटीवीपी	-	100%	-
02	स्ट्रीट स्केपिंग तत्वों जैसे स्ट्रीट फर्नीचर, वृक्षारोपण, डिजाइन, उपकरण आदि का समावेश एवं विकास	गौण	नगर निगम/ यूपीबीटीवीपी	-	100%	-

03	ओवर रोड एवं ट्रेल साइनेज	गौण	यूपीबीटीवीपी	-	100%	-
04	सुरक्षा एवं प्रकाश व्यवस्था हेतु सौर ऊर्जा स्ट्रीट लाइट की स्थापना	गौण	पीपीपी	-	100%	-
05	गोविंद देव जी मंदिर का संरक्षण एवं स्थलविकास	गौण	पीपीपी	-	-	100%
06	ग्वालियर मंदिर का संरक्षण एवं स्थल विकास	गौण	मध्यप्रदेश शासन	-	-	100%
07	कांच मंदिर का संरक्षण एवं स्थल विकास		पीपीपी	-	-	100%
08	श्याम दिगंबर अखाड़ा का संरक्षण एवं अनुकूली पुर्नपयोग –स्थानीय लोगों के लिए सामाजिक बुनियादी ढांचा बनाने के लिए संरचना का अनुकूली पुर्नपयोग	प्रमुख	पीपीपी	-	-	100%
09	ब्रह्मकुंड का संरक्षण एवं पुनरोद्धार	गौण	यूपीबीटीवीपी	-	100%	-
10	आगंतुकों की आवास व्यवस्था	प्रमुख	पीपीपी	-	50%	50%
11	पर्यटक सुविधाएं	गौण	यूपीबीटीवीपी		100%	-

एस (S)– सूक्ष्म सत्र : 1–3 वर्ष ; एम (M)– मध्यम सत्र : 3–10 वर्ष ;एल(L) – वृहद सत्र : 10–20 वर्ष
गौण – 5 करोड़ रूपये तक की लागत वाले
प्रमुख – 5 करोड़ रूपये की लागत से अधिक वाले
यू.पी.बी.टी.वी.पी–उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद
नगर निगम– नगर निगम मथुरा–वृन्दावन
मध्य प्रदेश शासन– मध्य प्रदेश शासन

व्यवहार्यता मूल्यांकन

क्र. सं.	परियोजना	निधि व्यय	वित्त पोषण	परियोजना की स्थिति
01	सम्पर्क मार्ग का पुनर्विकास (लंबाई 600 मीटर, चौड़ाई 16 मीटर)	9	यूपीबीटीवीपी	प्रस्तावित
02	स्ट्रीट स्केपिंग तत्वों जैसे स्ट्रीट फर्नीचर, वृक्षारोपण, डिजाइन, उपकरण आदि का समावेश एवं विकास	3.2	पर्यटन विभाग	प्रस्तावित
03	ओवर रोड एवं ट्रेल साइनेज	0.5	पर्यटन विभाग	प्रस्तावित
04	सुरक्षा एवं प्रकाश व्यवस्था हेतु सौर ऊर्जा स्ट्रीट लाइट की स्थापना	0.3	पर्यटन विभाग	प्रस्तावित
05	गोविंद देव जी मंदिर का संरक्षण एवं स्थलविकास	-	पुरातत्व विभाग / पर्यटन विभाग	प्रस्तावित
06	ग्वालियर मंदिर का संरक्षण एवं स्थल विकास	-	राज्य पुरातत्व विभाग / मध्यप्रदेश	प्रस्तावित

			शासन	
07	कांच मंदिर का संरक्षण एवं स्थल विकास	-	राज्य पुरातत्व विभाग	प्रस्तावित
08	श्याम दिगंबर अखाड़ा का संरक्षण एवं अनुकूली पुर्नपयोग –स्थानीय लोगों के लिए सामाजिक बुनियादी ढांचा बनाने के लिए संरचना का अनुकूली पुर्नपयोग	-	राज्य पुरातत्व विभाग	प्रस्तावित
09	ब्रह्मकुंड का संरक्षण एवं पुनरोद्धार	3.5	सीएसआर	**पूर्ण**
10	आगंतुकों की आवास व्यवस्था	-	पीपीपी, सीएसआर	प्रस्तावित
11	पर्यटक सुविधाएं	1.2	पर्यटन विभाग	प्रस्तावित

कैपेक्स :– निधि व्यय (रूपया करोड़ में)

यमुना नदी के दूसरे किनारे (पारनई) से पहुँच सर्म्पकों का विकास

क्र. सं.	परियोजना	परियोजना का प्रकार	हितधारक	चरण सत्र (प्रतिशत में)		
				एस	एम	एल
01	श्री बांके बिहारी परिसर केबिल सस्पेंशन ब्रिज का विकास	प्रमुख	राज्य पीडब्ल्यूडी / यूपीबीटीवीपी	-	100%	-
02	केशीघाट के सामने केबिल सस्पेंशन ब्रिज का विकास	प्रमुख	राज्य पीडब्ल्यूडी / यूपीबीटीवीपी	-	100%	-
03	देवराहा बाबा आश्रम के निकट केबिल सस्पेंशन ब्रिज का विकास	प्रमुख	राज्य पीडब्ल्यूडी / यूपीबीटीवीपी	-	100%	-

एस (S)– सूक्ष्म सत्र : 1–3 वर्ष ; एम (M)– मध्यम सत्र : 3–10 वर्ष ;एल(L) – वृहद सत्र : 10–20 वर्ष
गौण – 5 करोड़ रूपये तक की लागत वाले
प्रमुख – 5 करोड़ रूपये की लागत से अधिक वाले
यू.पी.बी.टी.वी.पी–उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद
राज्य पी.डब्लू.डी– लोक निर्माण विभाग

व्यवहार्यता मूल्यांकन

क्र. सं.	परियोजना	निधि व्यय	वित्त पोषण	परियोजना की स्थिति
01	श्री बांके बिहारी परिसर केबिल सस्पेंशन ब्रिज का विकास	121.57	राज्य सेतु निगम	प्रस्तावित
02	केशीघाट के सामने केबिल सस्पेंशन ब्रिज का विकास	117.58	राज्य सेतु निगम	प्रस्तावित
03	देवराहा बाबा आश्रम के निकट केबिल सस्पेंशन ब्रिज का विकास	94.10	राज्य सेतु निगम	प्रस्तावित

कैपेक्स :– निधि व्यय (रूपया करोड़ में)

सौ सैंय्या अस्पताल के पास ट्रांजिट हब का विकास

क्र. सं.	परियोजना	परियोजना का प्रकार	हितधारक	चरण सत्र (प्रतिशत में)		
				एस	एम	एल
01	गीता शोध संस्थान के पास मल्टीलेवल कारपार्किंग का विकास	प्रमुख	नगर निगम / यूपीबीटीवीपी	-	100%	-
02	गीता शोध संस्थान का अनुकूल पुर्नउपयोग ब्रज कला एवं सांस्कृतिक भवन के रूप में विकास कार्य	गौण	यूपीबीटीवीपी	-	100%	-
03	यमुना एक्सप्रेस–वेलिंक रोड एवं मथुरा वृंदावन रोड पर वाणिज्यि विकास योजनाऐं	प्रमुख	नगर निगम/ यूपीबीटीवीपी/पी पीपी	-	100%	-
04	वृंदावन टीएफसी का विकास	प्रमुख	यूपीबीटीवीपी	-	100%	-
05	राजकीय अतिथी ग्रह का विकास	प्रमुख	यूपीबीटीवीपी	-	100%	-
06	कन्वेंशन सेंटर का विकास	प्रमुख	यूपीबीटीवीपी	-	100%	-

एस (S)– सूक्ष्म सत्र : 1–3 वर्ष ; एम (M)– मध्यम सत्र : 3–10 वर्ष ; एल(L) – वृहद सत्र : 10–20 वर्ष
गौण – 5 करोड़ रूपये तक की लागत वाले
प्रमुख – 5 करोड़ रूपये की लागत से अधिक वाले
यू.पी.बी.टी.वी.पी–उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद
नगर निगम– नगर निगम मथुरा–वृन्दावन

व्यवहार्यता मूल्यांकन

क्र. सं.	परियोजना	निधि व्यय	वित्त पोषण	परियोजना की स्थिति
01	गीता शोध संस्थान के पास मल्टीलेवल कारपार्किंग का विकास	17.62	नगर निगम / यूपीबीटीवीपी	कार्यरत
02	गीता शोध संस्थान का अनुकूल पुर्नउपयोग ब्रज कला एवं सांस्कृतिक भवन के रूप में विकास कार्य	3.5	राज्य संस्कृति विभाग	प्रस्तावित
03	यमुना एक्सप्रेस–वेलिंक रोड एवं मथुरा वृंदावन रोड पर वाणिज्यि विकास योजनाऐं	-	एमबीडीए / यूपीबीटीवीपी / पीपीपी	प्रस्तावित
04	वृंदावन टीएफसी का विकास	22	यूपीबीटीवीपी	प्रस्तावित
05	राजकीय अतिथी ग्रह का विकास	30	यूपीबीटीवीपी	प्रस्तावित
06	कन्वेंशन सेंटर का विकास	54	यूपीबीटीवीपी / एमबीडीए	प्रस्तावित

कैपेक्स :– निधि व्यय (रूपया करोड़ में)

शहर की पहचान को मजबूत करने के लिए वृंदावन प्रवेश द्वार का निर्माण

क्र. सं.	परियोजना	परियोजना का प्रकार	हितधारक	चरण सत्र (प्रतिशत में)		
				एस	एम	एल
01	यमुना एक्सप्रेस–वे लिंक रोड	प्रमुख	यूपीबीटीवीपी	-	100%	-
02	मथुरा वृंदावन रोड	प्रमुख	यूपीबीटीवीपी	100%		
03	छटीकरा भक्ति वेदांत मार्ग	प्रमुख	यूपीबीटीवीपी	100%		
04	सुनरख वन	प्रमुख	यूपीबीटीवीपी		100%	
05	ब्रज तीर्थ पथ	प्रमुख	यूपीबीटीवीपी		100%	

एस (S)– सूक्ष्म सत्र : 1–3 वर्ष ; एम (M)– मध्यम सत्र : 3–10 वर्ष ; एल(L) – वृहद सत्र : 10–20 वर्ष
गौण – 5 करोड़ रूपये तक की लागत वाले
प्रमुख – 5 करोड़ रूपये की लागत से अधिक वाले
यू.पी.बी.टी.वी.पी–उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद

व्यवहार्यता मूल्यांकन

क्र.सं.	परियोजना	निधि व्यय	वित्त पोषण	परियोजना की स्थिति
01	यमुना एक्सप्रेस–वे लिंक रोड	17.5	येडा	प्रस्तावित
02	मथुरा वृंदावन रोड	17.5	पर्यटन विभाग	प्रस्तावित
03	छटीकरा भक्ति वेदांत मार्ग	17.5	पर्यटन विभाग	प्रस्तावित
04	सुनरख वन	17.5	पर्यटन विभाग	प्रस्तावित
05	ब्रज तीर्थ पथ	26.5	पर्यटन विभाग	प्रस्तावित

कैपेक्स :– निधि व्यय (रूपया करोड़ में)

येडा – यमुना एक्सप्रेस–वे औद्योगिक विकास प्राधिकरण

श्री मदन मोहन मंदिर परिसर का संरक्षण एवं पुनरोद्धार

क्र. सं.	परियोजना	परियोजना का प्रकार	हितधारक	चरण सत्र (प्रतिशत में)		
				एस	एम	एल
01	राधा वल्लभ मंदिर का संरक्षण एवं स्थल विकास	गौण	पीपीपी	-	-	100%
02	मदन मोहन मंदिर का संरक्षण एवं स्थल विकास	गौण	पीपीपी	-	-	100%
03	मदन मोहन मंदिर के पास मंडप का संरक्षण	गौण	पीपीपी	-	-	100%
04	अग्रभाग सौन्दर्यीकरण एवं प्रकाश की व्यवस्था	गौण	पीपीपी	-	-	100%
05	सुरक्षा एवं प्रकाश व्यवस्था हेतु सौर ऊर्जा स्ट्रीट लाइट की स्थापना	गौण	पीपीपी	-	-	100%
06	पर्यटक सुविधाएं	गौण	यूपीबीटीवीपी	-	-	100%

एस (S)– सूक्ष्म सत्र : 1–3 वर्ष ; एम (M)– मध्यम सत्र : 3–10 वर्ष ; एल(L) – वृहद सत्र : 10–20 वर्ष
गौण – 5 करोड़ रूपये तक की लागत वाले
प्रमुख – 5 करोड़ रूपये की लागत से अधिक वाले
यू.पी.बी.टी.वी.पी–उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद

व्यवहार्यता मूल्यांकन

क्र. सं.	परियोजना	निधि व्यय	वित्त पोषण	परियोजना की स्थिति
01	राधा वल्लभ मंदिर का संरक्षण एवं स्थल विकास	-	पुरातत्व विभाग	प्रस्तावित
02	मदन मोहन मंदिर का संरक्षण एवं स्थल विकास	-	पुरातत्व विभाग	प्रस्तावित
03	मदन मोहन मंदिर के पास मंडप का संरक्षण	-	पुरातत्व विभाग	प्रस्तावित
04	अग्रभाग सौन्दर्यीकरण एवं प्रकाश की व्यवस्था	-	पुरातत्व विभाग	प्रस्तावित
05	सुरक्षा एवं प्रकाश व्यवस्था हेतु सौर ऊर्जा स्ट्रीट लाइट की स्थापना	-	पर्यटन विभाग	प्रस्तावित
06	पर्यटक सुविधाएं	0.80	पर्यटन विभाग	प्रस्तावित

कैपेक्स :– निधि व्यय (रूपया करोड़ में)

जयपुर मंदिर परिसर का संरक्षण एवं पुनरोद्धार

क्र. सं.	परियोजना	परियोजना का प्रकार	हितधारक	चरण सत्र (प्रतिशत में)		
				एस	एम	एल
01	जयपुर मंदिर एवं कलाधारी बागीचा कीप्रबंधन योजना तैयार करना (जयपुर मंदिर में स्मारक प्रकाश व्यवस्था का प्राविधान)	गौण	राजस्थानसरकार			100%
02	ब्रज अकैडमी का संरक्षण और स्थल विकास, संग्रहालय अवसंरचना विकास और अकैडमी के रूप में अनुकूल पुर्नपयोग संरचना विकास आदि का प्राविधान कतरे हुए निर्मित भवन का संरक्षण	गौण	पीपीपी			100%
03	कोपस क्रिस्टी कैथोलिक चर्च का संरक्षण एवं सहायक संरचनाओं के अनुकूली पुर्नउपयोग हेतु आवश्यक विकास कार्य	गौण	पीपीपी			100%
04	दावानल कुंड का पुनरोद्धार	गौण	यूपीबीटीवीपी			100%
05	मोती झील कुंड का पुनरोद्धार	गौण	यूपीबीटीवीपी			100%
06	पर्यटक सुविधाएं	गौण	यूपीबीटीवीपी			100%

एस (S)– सूक्ष्म सत्र : 1–3 वर्ष ; एम (M)– मध्यम सत्र : 3–10 वर्ष ;एल(L) – वृहद सत्र : 10–20 वर्ष
गौण – 5 करोड़ रूपये तक की लागत वाले
प्रमुख – 5 करोड़ रूपये की लागत से अधिक वाले
यू.पी.बी.टी.वी.पी–उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद
राजस्थान सरकार– राजस्थान शासन

व्यवहार्यता मूल्यांकन

क्र. सं.	परियोजना	निधि व्यय	वित्त पोषण	परियोजना की स्थिति
01	जयपुर मंदिर एवं कलाधारी बागीचा कीप्रबंधन योजना तैयार करना (जयपुर मंदिर में स्मारक प्रकाश व्यवस्था का प्राविधान)	-	राजस्थान सरकार	प्रस्तावित
02	ब्रज अकैडमी का संरक्षण और स्थल विकास, संग्रहालय अवसंरचना विकास और अकैडमी के रूप में अनुकूल पुर्नपयोग संरचना विकास आदि का प्राविधान कतरे हुए निर्मित भवन का संरक्षण	-	राज्य संस्कृति विभाग	प्रस्तावित
03	कोपस क्रिस्टी कैथोलिक चर्च का संरक्षण एवं सहायक संरचनाओं के अनुकूली पुर्नउपयोग हेतु आवश्यक विकास कार्य	-	उ0प्र0 सरकार	प्रस्तावित
04	दावानल कुंड का पुनरोद्धार	2	एमबीडीए	प्रस्तावित
05	मोती झील कुंड का पुनरोद्धार	3	एमबीडीए	प्रस्तावित
06	पर्यटक सुविधाएं	1.5	पर्यटन विभाग	प्रस्तावित

कैपेक्स :– निधि व्यय (रूपया करोड़ में)

श्री बांके बिहारी मंदिर परिसर का पुनरोद्धार

क्र. सं.	परियोजना	परियोजना का प्रकार	हितधारक	चरण सत्र (प्रतिशत में)		
				एस	एम	एल
01	यमुना नदी तट से छायादार गलियारों के साथ नए कोरिडोर का विकास (लंबाईः 80 मीटर, चौड़ाईः 15 मीटर)	प्रमुख	यूपीबीटीवीपी/ राज्य पर्यटन विभाग	-	100%	-
02	विद्यापीठ चौराहा से मौजूदा कॉरिडोर का पुर्नसुदृढ़ीकरण (लंबाई 450 मीटर, चौड़ाई 10 मीटर)	प्रमुख	यूपीबीटीवीपी / राज्य पर्यटन विभाग	-	100%	-
03	मंदिर के प्रांगण एवं गलियारे का विकास	प्रमुख	यूपीबीटीवीपी/ राज्य पर्यटन विभाग	-	100%	-
04	पर्यटक सुविधाएं	प्रमुख	यूपीबीटीवीपी/ राज्य पर्यटन विभाग	-	100%	-

एस (S)– सूक्ष्म सत्र : 1–3 वर्ष ; एम (M)– मध्यम सत्र : 3–10 वर्ष ;एल(L) – वृहद सत्र : 10–20 वर्ष
गौण – 5 करोड़ रूपये तक की लागत वाले
प्रमुख – 5 करोड़ रूपये की लागत से अधिक वाले
यू.पी.बी.टी.वी.पी–उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद
राज्य पर्यटन विभाग– पर्यटन विभाग

व्यवहार्यता मूल्यांकन

क्र. सं.	परियोजना	निधि व्यय	वित्त पोषण	परियोजना की स्थिति
01	यमुना नदी तट से छायादार गलियारों के साथ नए कोरिडोर का विकास (लंबाईः 80 मीटर, चौड़ाईः 15 मीटर)	50	एमबीडीए	प्रस्तावित
02	विद्यापीठ चौराहा से मौजूदा कॉरिडोर का पुर्नसुदृ ढ़ीकरण (लंबाई 450 मीटर, चौड़ाई 10 मीटर)	7.85	एमबीडीए	प्रस्तावित
03	मंदिर के प्रांगण एवं गलियारे का विकास	50	एमबीडीए/धमार्थ विभाग	प्रस्तावित
04	पर्यटक सुविधाएं	50	पर्यटन विभाग	प्रस्तावित

कैपेक्स :– निधि व्यय (रूपया करोड़ में)

धमार्थ विभाग – राज्य धमार्थ विभाग

पर्यटक हब एवं सुविधाएं

क्र. सं.	परियोजना	परियोजना का प्रकार	हितधारक	चरण सत्र (प्रतिशत में)		
				एस	एम	एल
01	अन्नपूर्णा का विकास	प्रमुख	यूपीबीटीवीपी/	100%		
02	लक्ष्मण शहीद स्मारक का पुर्नविकास	प्रमुख	यूपीबीटीवीपी/	100%		
03	पड़ाव स्थल का विकास	प्रमुख	यूपीबीटीवीपी/		100%	
04	थीम पार्क का विकास	प्रमुख	यूपीबीटीवीपी/		100%	
05	डिजिटल कृष्णा संग्रहालय का विकास	प्रमुख	यूपीबीटीवीपी/		100%	
06	चेतना केन्द्र का विकास	गौण	नगरनिगम	25%	25%	50%
07	मेला क्षेत्र मेंमिनी कुंभस्थल का पुनर्विकास	प्रमुख	-	25%	25%	50%
08	होमस्टे का विकास	प्रमुख	-	25%	25%	50%
09	होटलों/मोटलों का विकास	प्रमुख	-	25%	25%	50%
10	रिसोर्ट का विकास	प्रमुख	-	25%	25%	50%
11	कैम्प स्थलों का विकास	प्रमुख	-			

एस (S)– सूक्ष्म सत्र : 1–3 वर्ष ; एम (M)– मध्यम सत्र : 3–10 वर्ष ;एल(L) – वृहद सत्र : 10–20 वर्ष
गौण – 5 करोड़ रूपये तक की लागत वाले
प्रमुख – 5 करोड़ रूपये की लागत से अधिक वाले
यू.पी.बी.टी.वी.पी–उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद
नगर निगम – नगर निगम मथुरा–वृन्दावन

व्यवहार्यता मूल्यांकन

क्र. सं.	परियोजना	निधि व्यय	वित्त पोषण	परियोजना की स्थिति
01	अन्नपूर्णा का विकास	4.19	पर्यटन विभाग	पूर्ण
02	लक्ष्मण शहीद स्मारक का पुर्नविकास	7.81	उ0प्र0 सरकार	पूर्ण
03	पड़ाव स्थल का विकास	13.84	पर्यटन विभाग	प्रस्तावित
04	थीम पार्क का विकास	50	एमबीडीए	प्रस्तावित
05	डिजिटल कृष्णा संग्रहालय का विकास	10.5	राज्य संस्कृति विभाग	प्रस्तावित
06	चेतना केन्द्र काविकास	9.5	राज्य संस्कृति विभाग	प्रस्तावित
07	मेला क्षेत्र मेंमिनी कुंभस्थल का पुनर्विकास	3	उ0प्र0 सरकार	कार्यरत
08	होमस्टे का विकास	-	सीएसआर	प्रस्तावित
09	होटलों/मोटलों का विकास	-	सीएसआर	प्रस्तावित
10	रिसोर्ट का विकास	-	सीएसआर	प्रस्तावित

11	कैम्प स्थलों का विकास	-	सीएसआर	प्रस्तावित

कैपेक्स :– निधि व्यय (रूपया करोड़ में)

भौतिक एवं सामाजिक अवसंरचना का उन्नयन

क्र. सं.	परियोजना	परियोजना का प्रकार	हितधारक	चरण सत्र (प्रतिशत में)		
				एस	एम	एल
01	वृंदावन में ड्रेनेज और सीवेज उपचार सयंत्र का विकास	प्रमुख	यूपीबीटीवीपी/जल निगम	-	50%	50%
02	वृंदावन में सीवरेज एवं ठोस अपशिष्ट प्रबंधन	गौण	यूपीबीटीवीपी/जल निगम	-	50%	50%
03	तूफान जल प्रबंधन प्रणाली का प्राविधान	प्रमुख	यूपीबीटीवीपी/जल निगम	-	50%	50%
04	जल प्रशोधन संयंत्र	प्रमुख	यूपीबीटीवीपी/जल निगम	-	50%	50%
05	डेटा सेंटर एवं वायरलेस नेटवर्क इंफ्रास्ट्रक्चर का विकास	प्रमुख	यूपीबीटीवीपी	-	100%	-

एस (S)– सूक्ष्म सत्र : 1–3 वर्ष ; एम (M)– मध्यम सत्र : 3–10 वर्ष ;एल(L) – वृहद सत्र : 10–20 वर्ष
गौण – 5 करोड़ रूपये तक की लागत वाले
प्रमुख – 5 करोड़ रूपये की लागत से अधिक वाले
यू.पी.बी.टी.वी.पी–उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद
जल निगम– उत्तर प्रदेश जल निगम

व्यवहार्यता मूल्यांकन

क्र. सं.	परियोजना	निधि व्यय	वित्त पोषण	परियोजना की स्थिति
01	वृंदावन में ड्रेनेज और सीवेज उपचार सयंत्र का विकास	10.8	उ0प्र0 सरकार	प्रस्तावित
02	वृंदावन में सीवरेज एवं ठोस अपशिष्ट प्रबंधन	4.5	उ0प्र0 सरकार	प्रस्तावित
03	तूफान जल प्रबंधन प्रणाली का प्राविधान	6	उ0प्र0 सरकार	प्रस्तावित
04	जल प्रशोधन संयंत्र	13.5	उ0प्र0 सरकार	प्रस्तावित
05	डेटा सेंटर एवं वायरलेस नेटवर्क इंफ्रास्ट्रक्चर का विकास	8	उ0प्र0 सरकार	प्रस्तावित

कैपेक्स :– निधि व्यय (रूपया करोड़ में)

समूह 2 : - गोवर्धन

गोवर्धन

शहर की पहचान को मजबूत करने के लिए गोवर्धन प्रवेश द्वार का निर्माण

क्र.सं.	परियोजना	परियोजना का प्रकार	हितधारक	चरण सत्र (प्रतिशत में)		
				एस	एम	एल
01	डीग मार्ग	प्रमुख	यूपीबीटीवीपी	-	100%	-
02	भरतपुर मार्ग	प्रमुख	यूपीबीटीवीपी	-	100%	-
03	मथुरा मार्ग	प्रमुख	यूपीबीटीवीपी	-	100%	-
04	वृंदावन मार्ग	प्रमुख	यूपीबीटीवीपी	-	100%	-
05	छाता बरसाना मार्ग	प्रमुख	यूपीबीटीवीपी	-	100%	-

एस (S)– सूक्ष्म सत्र : 1–3 वर्ष ; एम (M)– मध्यम सत्र : 3–10 वर्ष ;एल(L) – वृहद सत्र : 10–20 वर्ष
गौण – 5 करोड़ रूपये तक की लागत वाले
प्रमुख – 5 करोड़ रूपये की लागत से अधिक वाले
यू.पी.बी.टी.वी.पी–उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद

व्यवहार्यता मूल्यांकन

क्र.सं.	परियोजना	निधि व्यय	वित्त पोषण	परियोजना की स्थिति
01	डीग मार्ग	12.5	पर्यटन विभाग	प्रस्तावित
02	भरतपुर मार्ग	12.5	पर्यटन विभाग	प्रस्तावित
03	मथुरा मार्ग	12.5	पर्यटन विभाग	प्रस्तावित
04	वृंदावन मार्ग	12.5	पर्यटन विभाग	प्रस्तावित
05	छाता बरसाना मार्ग	12.5	पर्यटन विभाग	प्रस्तावित

कैपेक्स :– निधि व्यय (रूपया करोड़ में)

इंटरमीडिएट सार्वजनिक परिवहन सुविधा

क्र. सं.	परियोजना	परियोजना का प्रकार	हितधारक	चरण सत्र (प्रतिशत में)		
				एस	एम	एल
01	पार्किंग स्थलों से परिक्रमा मार्ग तक नए ई–रिक्शा पथों का विकास	प्रमुख	यूपीबीटीवीपी	-	100%	-
02	ई–रिक्शा डिपो एवं सोलर चार्जिंग स्टेशन का विकास	प्रमुख	यूपीबीटीवीपी	-	50%	50%
	राधाकुंड में सोलर चार्जिंग स्टेशन					
	पूंचरी में सोलर चार्जिंग स्टेशन					

03	बोर्डिंग प्वाइंट्स का विकास (संख्या10)	गौण	यूपीबीटीवीपी	-	100%	-
04	खास महल क्षेत्र में मौजूदा पार्किंग (ई–रिक्शा के लिए) एवं भोजनालयों का उन्नयन	गौण	यूपीबीटीवीपी	-	100%	-
05	विद्युत वाहन	प्रमुख	यूपीबीटीवीपी	-	50%	50%
06	ओवररोड एवं ट्रेलसाइनेज	गौण	यूपीबीटीवीपी	-	100%	-
07	सौर ऊर्जा प्रकाश व्यवस्था (क्षेत्रप्रकाश, मार्गप्रकाश)	प्रमुख	यूपीबीटीवीपी	-	100%	-

एस (S)– सूक्ष्म सत्र : 1–3 वर्ष ; एम (M)– मध्यम सत्र : 3–10 वर्ष ; एल(L) – वृहद सत्र : 10–20 वर्ष
गौण – 5 करोड़ रूपये तक की लागत वाले
प्रमुख – 5 करोड़ रूपये की लागत से अधिक वाले
यू.पी.बी.टी.वी.पी–उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद

व्यवहार्यता मूल्यांकन

क्र. सं.	परियोजना	निधि व्यय	वित्त पोषण	परियोजना की स्थिति
01	पार्किंग स्थलों से परिक्रमा मार्ग तक नए ई–रिक्शा पथों का विकास	8	एमबीडीए / उ0प्र0 सरकार	प्रस्तावित
02	ई–रिक्शा डिपो एवं सोलर चार्जिंग स्टेशन का विकास राधाकुंड में सोलर चार्जिंग स्टेशन पूंचरी में सोलर चार्जिंग स्टेशन	7.5	नगर निगम / उ0प्र0 सरकार	प्रस्तावित
03	बोर्डिंग प्वाइंट्स का विकास (संख्या10)	4.4	एमबीडीए / उ0प्र0 सरकार	प्रस्तावित
04	खास महल क्षेत्र में मौजूदा पार्किंग (ई–रिक्शा के लिए) एवं भोजनालयों का उन्नयन	1.78	एमबीडीए / नगर निगम	प्रस्तावित
05	विद्युत वाहन	-	एमबीडीए / नगर निगम	प्रस्तावित
06	ओवररोड एवं ट्रेलसाइनेज	3.2	एमबीडीए / नगर निगम	प्रस्तावित
07	सौर ऊर्जा प्रकाश व्यवस्था (क्षेत्रप्रकाश, मार्गप्रकाश)	5.6	एमबीडीए / नगर निगम	प्रस्तावित

कैपेक्स :– निधि व्यय (रूपया करोड़ में)

बड़ी परिक्रमा मार्ग का विकास

क्र. सं.	परियोजना	परियोजना का प्रकार	हितधारक	चरण सत्र (प्रतिशत में)		
				एस	एम	एल
01	बड़ी परिक्रमा पथों एवं पगडंडियों का विकास – ट्रेलिस पैनल (लंबाई 12 किमी, चौड़ाई 6 मीटर)	प्रमुख	यूपीबीटीवीपी	100%	-	-
02	सीसीटीवी कैमरा, साउंड सिस्टम	गौण	यूपीबीटीवीपी	100%	-	-

	आदि के लिए आरसीसी ह्यूम पाइप बिछाने का कार्य।					
03	गोवर्धन पर्वत पर बाड़ लगाने का कार्य	गौण	यूपीबीटीवीपी	100%	-	-
04	पर्यटक सुविधाएं	गौण	यूपीबीटीवीपी	100%	-	-
05	सौर ऊर्जा प्रकाश व्यवस्था	गौण	यूपीबीटीवीपी	-	100%	-
06	ओवर रोड एवं ट्रेल साइनेज	गौण	यूपीबीटीवीपी	-	100%	-

एस (S)– सूक्ष्म सत्र : 1–3 वर्ष ; एम (M)– मध्यम सत्र : 3–10 वर्ष ;एल(L) – वृहद सत्र : 10–20 वर्ष
गौण – 5 करोड़ रूपये तक की लागत वाले
प्रमुख – 5 करोड़ रूपये की लागत से अधिक वाले
यू.पी.बी.टी.वी.पी–उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद

व्यवहार्यता मूल्यांकन

क्र. सं.	परियोजना	निधि व्यय	वित्त पोषण	परियोजना की स्थिति
01	बड़ी परिक्रमा पथों एवं पगडंडियों का विकास – ट्रेलिस पैनल (लंबाई 12 किमी, चौड़ाई 6 मीटर)	9.71	पर्यटन विभाग	पूर्ण
02	सीसीटीवी कैमरा, साउंड सिस्टम आदि के लिए आरसीसी ह्यूम पाइप बिछाने का कार्य।	6	उ0प्र0 सरकार	पूर्ण
03	गोवर्धन पर्वत पर बाड़ लगाने का कार्य	10.2	उ0प्र0 सरकार	पूर्ण
04	पर्यटक सुविधाएं	3.5	उ0प्र0 सरकार	पूर्ण
05	सौर ऊर्जा प्रकाश व्यवस्था	5.6	प्रासाद योजना भारत सरकार	पूर्ण
06	ओवर रोड एवं ट्रेल साइनेज	4.6	प्रासाद योजना भारत सरकार	पूर्ण

कैपेक्स :– निधि व्यय (रूपया करोड़ में)

प्रासाद योजना – प्रासाद योजना भारत सरकार

छोटी परिक्रमा मार्ग का विकास

क्र. सं.	परियोजना	परियोजना का प्रकार	हितधारक	चरण सत्र (प्रतिशत में)		
				एस	एम	एल
01	छोटी परिक्रमा के पथ एवं पगडंडियों का विकास – ट्रेलिस पैनल (लंबाई 9 किमी, चौड़ाई 4 मीटर)	प्रमुख	यूपीबीटीवीपी	100%	-	-
02	सीसीटीवी कैमरा, साउंड सिस्टम आदि के लिए आरसीसी ह्यूम पाइप बिछाने का कार्य।	गौण	यूपीबीटीवीपी	100%	-	-
03	गोवर्धन पर्वत पर बाड़ लगाने का कार्य	प्रमुख	यूपीबीटीवीपी	100%	-	-

04	पर्यटक सुविधाएं	गौण	यूपीबीटीवीपी	100%	-	-
05	छोटी परिक्रमा मार्ग पर सोलर लाइटिंग (एरिया लाइटिंग, पाथवे लाइटिंग)।	गौण	यूपीबीटीवीपी	-	100%	-
06	ओवररोड एवं ट्रेलसाइनेज	गौण	यूपीबीटीवीपी	-	100%	-

एस (S)– सूक्ष्म सत्र : 1–3 वर्ष ; एम (M)– मध्यम सत्र : 3–10 वर्ष ; एल(L) – वृहद सत्र : 10–20 वर्ष
गौण – 5 करोड़ रूपये तक की लागत वाले
प्रमुख – 5 करोड़ रूपये की लागत से अधिक वाले
यू.पी.बी.टी.वी.पी–उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद

व्यवहार्यता मूल्यांकन

क्र. सं.	परियोजना	निधि व्यय	वित्त पोषण	परियोजना की स्थिति
01	छोटी परिक्रमा के पथ एवं पगडंडियों का विकास – ट्रेलिस पैनल (लंबाई 9 किमी, चौड़ाई 4 मीटर)	7.2	पर्यटन विभाग	पूर्ण
02	सीसीटीवी कैमरा, साउंड सिस्टम आदि के लिए आरसीसी ह्यूम पाइप बिछाने का कार्य।	4.5	उ0प्र0 सरकार	पूर्ण
03	गोवर्धन पर्वत पर बाड़ लगाने का कार्य	7.65	उ0प्र0 सरकार	पूर्ण
04	पर्यटक सुविधाएं	2.5	प्रासाद योजना भारत सरकार	पूर्ण
05	छोटी परिक्रमा मार्ग पर सोलर लाइटिंग (एरिया लाइटिंग, पाथवे लाइटिंग)।	4.2	प्रासाद योजना भारत सरकार	पूर्ण
06	ओवररोड एवं ट्रेलसाइनेज	3.6	प्रासाद योजना भारत सरकार	पूर्ण

कैपेक्स :– निधि व्यय (रूपया करोड़ में)

तलहटी की परिक्रमा पथ का विकास

क्र. सं.	परियोजना	परियोजना का प्रकार	हितधारक	चरण सत्र (प्रतिशत में)		
				एस	एम	एल
01	तलहटी की परिक्रमा के पथों एवं पैदल पगडंडियों का विकास –ट्रेलिस पैनल (लंबाई 6.1 किमी, चौड़ाई 4 मीटर)	गौण	यूपीबीटीवीपी	-	100%	-
02	परिक्रमा मार्ग पर बोलार्ड लाइटिंग की व्यवस्था	गौण	यूपीबीटीवीपी	-	100%	-
03	पर्यटक सुविधाएं	गौण	यूपीबीटीवीपी	-	100%	-

एस (S)– सूक्ष्म सत्र : 1–3 वर्ष ; एम (M)– मध्यम सत्र : 3–10 वर्ष ;एल(L) – वृहद सत्र : 10–20 वर्ष
गौण – 5 करोड़ रूपये तक की लागत वाले
प्रमुख – 5 करोड़ रूपये की लागत से अधिक वाले
यू.पी.बी.टी.वी.पी–उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद

व्यवहार्यता मूल्यांकन

क्र.सं.	परियोजना	निधि व्यय	वित्त पोषण	परियोजना की स्थिति
01	थलहटी की परिक्रमा के पथों एवं पैदल पगडंडियों का विकास –ट्रेलिस पैनल (लम्बाई 6.1 किमी, चौड़ाई 4 मीटर)	3.5	उ0प्र0 सरकार	प्रस्तावित
02	परिक्रमा मार्ग पर बोलार्ड लाइटिंग की व्यवस्था	0.81	उ0प्र0 सरकार	प्रस्तावित
03	पर्यटक सुविधाएं	0.5	उ0प्र0 सरकार	प्रस्तावित

कैपेक्स :– निधि व्यय (रूपया करोड़ में)

मानसी गंगा परिसरका संरक्षण एवं पुनर्विकास

क्र. सं.	परियोजना	परियोजना का प्रकार	हितधारक	चरण सत्र (प्रतिशत में)		
				एस	एम	एल
01	मानसी गंगा का संरक्षण एवं पुनरोद्धार	गौण	यूपीबीटीवीपी	-	100%	-
	मानसी गंगा के पास सड़क के अग्रभाग का सौंदर्यीकरण					
	मानसी गंगा से सटे अग्रभागों का जीर्णोद्धार					
	मानसी गंगा से सटी ऐतिहासिक संरचनाओं के अग्रभाग पर प्रकाश व्यवस्था/सौन्दर्यीकरण					
02	मानसी गंगा के आसपास हेरिटेज वॉक एवं पैदल मार्ग हेतु बुनियादी ढांचे का विकास	गौण	यूपीबीटीवीपी	-	100%	-
03	मानसी गंगा घाटों का पुनर्विकास	गौण	यूपीबीटीवीपी	-	100%	-
04	टीएफसी का विकास	गौण	यूपीबीटीवीपी	100%		-
05	धरोहर संरचनाओं का अनुकूली पुर्नरोद्धार	गौण	पीपीपी	-	100%	-
06	नोड्स का कायाकल्प (संख्या 5)	गौण	यूपीबीटीवीपी	-	100%	-
07	पंच तीर्थ कुंड परिसर का संरक्षण एवं स्थल विकास	गौण	पीपीपी	-	100%	-
08	भरतपुर महाराज की छत्रियों एवं अन्य छतरियों का संरक्षण	गौण	पीपीपी	-	100%	-
09	त्रिपोलिया गेटवे, मंडी दरवाजा एवं चकलेश्वर महादेव मंदिर के प्रवेश द्वार का संरक्षण	गौण	पीपीपी	-	50%	50%
10	हरिदेव मंदिर का संरक्षण एवं स्थल विकास।	गौण	पीपीपी	-	100%	-

11	डैम्पियर अस्पताल का संरक्षण एवं अनुकूली पुर्नपयोग	गौण	पीपीपी	-	100%	-
12	बारादरी का संरक्षण एवं अनुकूल पुनरू उपयोग	गौण	पीपीपी	-	100%	-
13	गौ घाट पुल का संरक्षण	गौण	पीपीपी	-	100%	-
14	ब्रह्म कुंड का संरक्षण एवं पुनरोद्धार	गौण	यूपीबीटीवीपी	-	100%	-

एस (S)– सूक्ष्म सत्र : 1–3 वर्ष ; एम (M)– मध्यम सत्र : 3–10 वर्ष ; एल(L) – वृहद सत्र : 10–20 वर्ष
गौण – 5 करोड़ रूपये तक की लागत वाले
प्रमुख – 5 करोड़ रूपये की लागत से अधिक वाले
यू.पी.बी.टी.वी.पी–उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद

व्यवहार्यता मूल्यांकन

क्र. सं.	परियोजना	निधि व्यय	वित्त पोषण	परियोजना की स्थिति
01	मानसी गंगा का संरक्षण एवं पुनरोद्धार	6	उ0प्र0 सरकार / पर्यटन विभाग	प्रस्तावित
	मानसी गंगा के पास सड़क के अग्रभाग का सौंदर्यीकरण		सीएसआर	प्रस्तावित
	मानसी गंगा से सटे अग्रभागों का जीर्णोद्धार		सीएसआर	प्रस्तावित
	मानसी गंगा से सटी ऐतिहासिक संरचनाओं के अग्रभाग पर प्रकाश व्यवस्था / सौन्दर्यीकरण		प्रासाद योजना भारत सरकार	पूर्ण
02	मानसी गंगा के आसपास हेरिटेज वॉक एवं पैदल मार्ग हेतु बुनियादी ढांचे का विकास	0.30	पर्यटन विभाग	प्रस्तावित
03	मानसी गंगा घाटों का पुनर्विकास	1.7	पर्यटन विभाग / प्रासाद योजना भारत सरकार	प्रस्तावित
04	टीएफसी का विकास	2.02	पर्यटन विभाग	पूर्ण
05	धरोहर संरचनाओं का अनुकूली पुर्नरोद्धार	-	सीएसआर	प्रस्तावित
06	नोड्स का कायाकल्प (संख्या 5)	1.25	उ0प्र0 सरकार	प्रस्तावित
07	पंच तीर्थ कुंड परिसर का संरक्षण एवं स्थल विकास	-	उ0प्र0 सरकार	प्रस्तावित
08	भरतपुर महाराज की छत्रियों एवं अन्य छतरियों का संरक्षण	-	उ0प्र0 सरकार	प्रस्तावित
09	त्रिपोलिया गेटवे, मंडी दरवाजा एवं चकलेश्वर महादेव मंदिर के प्रवेश द्वार का संरक्षण	-	उ0प्र0 सरकार	प्रस्तावित
10	हरिदेव मंदिर का संरक्षण एवं स्थल विकास।	-	उ0प्र0 सरकार	प्रस्तावित
11	डैम्पियर अस्पताल का संरक्षण एवं अनुकूली पुनरूपयोग	-	सीएसआर	प्रस्तावित

12	बारादरी का संरक्षण एवं अनुकूल पुनरू उपयोग	-	सीएसआर	प्रस्तावित
13	गौ घाट पुल का संरक्षण	-	सीएसआर	प्रस्तावित
14	ब्रह्म कुंड का संरक्षण एवं पुनरोद्धार	1.5	सीएसआर	पूर्ण

कैपेक्स :– निधि व्यय (रूपया करोड़ में)

राधाकुंड परिसर का पुर्नविकास

क्र. सं.	परियोजना	परियोजना का प्रकार	हितधारक	चरण सत्र (प्रतिशत में)		
				एस	एम	एल
01	राधा कुण्ड एवं श्याम कुण्ड का संरक्षण एवं पुनरोद्धार	प्रमुख	यूपीबीटीवीपी	-	100%	-
	राधा कुंड में सड़क के किनारे अग्रभाग का सौंदर्यीकरण					
	राधा कुंड से सटे अग्रभाग का जीर्णोद्धार					
	राधा कुंड से सटे धरोहर संरचनाओं की अग्रभाग प्रकाश व्यवस्था					
02	राधा कुंड परिसर में हेरिटेज वॉक एवं पैदल यात्री बुनियादी ढांचे का विकास	गौण	यूपीबीटीवीपी	-	100%	-
03	राधा कुंड, श्याम कुंड, ललिता कुंड एवं मोहन कुंड के बीच ऐतिहासिक संबंध स्थापित करना	गौण	यूपीबीटीवीपी	-	100%	-
04	तीर्थयात्री सुविधाएं	गौण	यूपीबीटीवीपी	-	100%	-
05	ललिता कुण्ड का संरक्षण एवं पुनरोद्धार	गौण	पीपीपी	-	100%	-
06	मोहन कुंड का पुनरोद्धार	गौण	यूपीबीटीवीपी	-	100%	-
07	राधा कुंड परिसर में स्थित श्याम कुंड का जीर्णोद्धार एवं सौन्दर्यीकरण	गौण	यूपीबीटीवीपी	-	100%	-
08	गोवर्धन पर्वत पर स्थल अकृति संरक्षण एवंपारिस्थितिक हस्तक्षेप	गौण	वन विभाग	-	100%	-
09	कुंडों का संरक्षण एवं पुनरोद्धार (कुंडों के निर्मित ताने–बाने का संरक्षण, कचरे की सफाई, प्रदूशकों को हटाने, ड्रेजिंग आदि के माध्यम से जल निकाय का पुनरोद्धार, सावधानीपूर्वक स्थलाकृतिक अध्ययन के बाद जल पुनर्भरण को सक्षम करने के लिए मौजूदा इलाके के साथ तीर्वढलानों को नरम बनाते हुए– कुंडों का पुनरोद्धार एवं आवश्यक सुविधाओं के साथ आगंतुकों के लिए ठहराव बिंदु बनाने के लिए अन्य परिदृश्य हस्तक्षेपों के साथ–साथ कुंडों के चारों एवं देशी प्रजातियों के पेड़ लगाना) उक्त परियोजना में वर्णित कार्यो की निम्न कुण्डों	गौण	पीपीपी	-	100%	-

	पर भी किया जाना हैः– संकर्षण कुंड, गोविंद कुंड, नवल कुंड, अप्सरा कुंड, सुरभि कुंड, हरिजु कुंड, रुद्र कुंड , नारायण कुंड, एवं चंद्र सरोवर।					
10	कुंडों/प्राकृतिक जल निकायों का पुनरोद्धार (कचरे की सफाई, प्रदूषकों को हटाने, ड्रेजिंग आदि के माध्यम से जल निकाय का पुनरोद्धार, सावधानीपूर्वक स्थलाकृतिक अध्ययन के बाद जल पुनर्भरण को सक्षम करने के लिए मौजूदा इलाके के साथ तीर्व ढलानों कोनरम बनाना– कुंडों का पुनरोद्धार एवं पेड़ की स्वदेशी प्रजातियों को लगाना आगंतुकों के लिए ठहराव बिंदु बनाने के लिए अन्य परिदृश्य हस्तक्षेपों के साथ कुंडों के आसपास।) उक्त परियोजना में वर्णित कार्यो की निम्न कुण्डों पर भी किया जाना हैः– ऐरावत कुंड, गंधर्व कुंड एवं गौरी कुंड।	गौण	पीपीपी	-	100%	-
11	पुराने श्रीनाथ जी मंदिर का संरक्षण	गौण	पीपीपी	-	100%	-
12	दरवाजा/गेटवे का संरक्षण	गौण	पीपीपी	-	100%	-

एस (S)– सूक्ष्म सत्र : 1–3 वर्ष ; एम (M)– मध्यम सत्र : 3–10 वर्ष ;एल(L) – वृहद सत्र : 10–20 वर्ष
गौण – 5 करोड़ रूपये तक की लागत वाले
प्रमुख – 5 करोड़ रूपये की लागत से अधिक वाले
यू.पी.बी.टी.वी.पी–उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद
वन विभाग– वन विभाग

व्यवहार्यता मूल्यांकन

क्र. सं.	परियोजना	निधि व्यय	वित्त पोषण	परियोजना की स्थिति
01	राधा कुण्ड एवं श्याम कुण्ड का संरक्षण एवं पुनरोद्धार	7.8	पर्यटन विभाग	प्रस्तावित
	राधा कुंड में सड़क के किनारे अग्रभाग का सौंदर्यीकरण			
	राधा कुंड से सटे अग्रभाग का जीर्णोद्धार			
	राधा कुंड से सटे धरोहर संरचनाओं की अग्रभाग प्रकाश व्यवस्था			
02	राधा कुंड परिसर में हेरिटेज वॉक एवं पैदल यात्री बुनियादी ढांचे का विकास	0.85	पर्यटन विभाग	प्रस्तावित
03	राधा कुंड, श्याम कुंड, ललिता कुंड एवं मोहन कुंड के बीच ऐतिहासिक संबंध स्थापित करना	0.55	पर्यटन विभाग	प्रस्तावित
04	तीर्थयात्री सुविधाएं	0.80	पर्यटन विभाग	प्रस्तावित
05	ललिता कुण्ड का संरक्षण एवं पुनरोद्धार	-	सीएसआर	प्रस्तावित
06	मोहन कुंड का पुनरोद्धार	0.55	सीएसआर	प्रस्तावित
07	राधा कुंड परिसर में स्थित श्याम कुंड का जीर्णोद्धार एवं	1.2	उ0प्र0	प्रस्तावित

	सौन्दर्यीकरण		सरकार	
08	गोवर्धन पर्वत पर स्थल अकृति संरक्षण एवं पारिस्थितिक हस्तक्षेप	0.45	उ0प्र0 सरकार	प्रस्तावित
09	कुंडों का संरक्षण एवं पुनरोद्धार (कुंडों के निर्मित ताने–बाने का संरक्षण, कचरे की सफाई, प्रदूषकों को हटाने, ड्रेजिंग आदि के माध्यम से जल निकाय का पुनरोद्धार, सावधानीपूर्वक स्थलाकृतिक अध्ययन के बाद जल पुनर्भरण को सक्षम करने के लिए मौजूदा इलाके के साथ तीर्वढलानों को नरम बनाते हुए– कुंडों का पुनरोद्धार एवंआवश्यक सुविधाओं के साथ आगंतुकों के लिए ठहराव बिंदु बनाने के लिए अन्य परिदृश्य हस्तक्षेपों के साथ–साथ कुंडों के चारों एवं देशी प्रजातियों के पेड़ लगाना) उक्त परियोजना में वर्णित कार्यो की निम्न कुण्डों पर भी किया जाना हैः– संकर्षण कुंड, गोविंद कुंड, नवल कुंड, अप्सरा कुंड, सुरभि कुंड, हरिजु कुंड, रुद्र कुंड , नारायण कुंड, एवं चंद्र सरोवर।	-	उ0प्र0 सरकार / सीएसआर	पूर्ण
10	कुंडों / प्राकृतिक जल निकायों का पुनरोद्धार (कचरे की सफाई, प्रदूषकों को हटाने, ड्रेजिंग आदि के माध्यम से जल निकाय का पुनरोद्धार, सावधानीपूर्वक स्थलाकृतिक अध्ययन के बाद जल पुनर्भरण को सक्षम करने के लिए मौजूदा इलाके के साथ तीर्व ढलानों नरम बनाना– कुंडों का पुनरोद्धार एवं पेड़ की स्वदेशी प्रजातियों को लगाना आगंतुकों के लिए ठहराव बिंदु बनाने के लिए अन्य परिदृ श्य हस्तक्षेपों के साथ कुंडों के आसपास।) परियोजना में निम्नलिखित उल्लिखित कुंडों को शामिल किया जाएगा – ऐरावत कुंड, गंधर्व कुंड एवं गौरी कुंड।	-	उ0प्र0 सरकार	प्रस्तावित
11	पुराने श्रीनाथ जी मंदिर का संरक्षण	-	उ0प्र0 सरकार	प्रस्तावित
12	दरवाजा / गेटवे का संरक्षण	-	उ0प्र0 सरकार	प्रस्तावित

कैपेक्स :– निधिव्यय (रूपया करोड़ में)

दानघाटी मंदिर का पुर्नविकास

क्र.सं.	परियोजना	परियोजना का प्रकार	हितधारक	चरण सत्र (प्रतिशत में)		
				एस	एम	एल
01	संपर्क मार्ग का पैदल यात्रीकरण	गौण	यूपीबीटीवीपी	-	100%	-
02	फुट ओवर ब्रिज का विकास	गौण	यूपीबीटीवीपी	-	100%	-
03	आरती स्थल एवं सटे हुए वाणिजिक स्थल का विकास	गौण	यूपीबीटीवीपी	-	100%	-

04	स्थल एवं भूदर्शय का विकास	गौण	यूपीबीटीवीपी	-	100%	-
05	तीर्थयात्री सुविधाएं	गौण	यूपीबीटीवीपी	-	100%	-
06	मंदिर से निकलने वाले अपशिष्ट की उपचार व्यवस्था	गौण	नगर पंचायत	-	100%	-

एस (S)– सूक्ष्म सत्र : 1–3 वर्ष ; एम (M)– मध्यम सत्र : 3–10 वर्ष ;एल(L) – वृहद सत्र : 10–20 वर्ष
गौण – 5 करोड़ रूपये तक की लागत वाले
प्रमुख – 5 करोड़ रूपये की लागत से अधिक वाले
यू.पी.बी.टी.वी.पी–उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद
नगर पंचायत – नगर पंचायत गोवर्धन

व्यवहार्यता मूल्यांकन

क्र.सं.	परियोजना	निधि व्यय	वित्त पोषण	परियोजना की स्थिति
01	संपर्क मार्ग का पैदल यात्रीकरण	3.2	पर्यटन विभाग	प्रस्तावित
02	फुट ओवर ब्रिज का विकास	1.2	पर्यटन विभाग	प्रस्तावित
03	आरती स्थल एवं सटे हुए वाणिजिक स्थल का विकास	3.57	पर्यटन विभाग	प्रस्तावित
04	स्थल एवं भूदर्शय का विकास	0.75	पर्यटन विभाग	प्रस्तावित
05	तीर्थयात्री सुविधाएं	1.35	पर्यटन विभाग	प्रस्तावित
06	मंदिर से निकलने वाले अपशिष्ट की उपचार व्यवस्था	1.89	पर्यटन विभाग/ एमबीडीए	प्रस्तावित

कैपेक्स :– निधि व्यय (रूपया करोड़ में)

गोवर्धन बस स्टैंड का पुर्नविकास

क्र. सं.	परियोजना	परियोजना का प्रकार	हितधारक	चरण सत्र (प्रतिशत में)		
				एस	एम	एल
01	पिकअप और ड्राप–ऑफ स्थलों पर वियनमित व्यवस्था	गौण	यूपीबीटीवीपी	100%	-	-
02	मल्टीलेवल कार पार्किंग (250)	प्रमुख	यूपीबीटीवीपी	100%	-	-
03	बसपार्किंग (40)	गौण	यूपीबीटीवीपी	100%	-	-
04	पर्यटकसुविधाएं	गौण	यूपीबीटीवीपी	100%	-	-

एस (S)– सूक्ष्म सत्र : 1–3 वर्ष ; एम (M)– मध्यम सत्र : 3–10 वर्ष ;एल(L) – वृहद सत्र : 10–20 वर्ष
गौण – 5 करोड़ रूपये तक की लागत वाले
प्रमुख – 5 करोड़ रूपये की लागत से अधिक वाले
यू.पी.बी.टी.वी.पी–उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद

व्यवहार्यता मूल्यांकन

क्र. सं.	परियोजना	निधि व्यय	वित्त पोषण	परियोजना की स्थिति
01	पिकअप और ड्राप–ऑफ स्थलों पर वियनमित व्यवस्था	0.40	प्रासाद योजना भारत सरकार	पूर्ण
02	मल्टीलेवल कार पार्किंग (250)	15.86	प्रासाद योजना भारत सरकार	पूर्ण
03	बस पार्किंग (40)	0.75	प्रासाद योजना भारत सरकार	पूर्ण
04	पर्यटक सुविधाएं	0.85	प्रासाद योजना भारत सरकार	पूर्ण

कैपेक्स :– निधि व्यय (रूपया करोड़ में)

कुसुम सरोवर परिसर का पुर्नविकास

क्र. सं.	परियोजना	परियोजना का प्रकार	हितधारक	चरण सत्र (प्रतिशत में)		
				एस	एम	एल
01	ग्वालपोखरा कुण्ड एवं रत्न कुण्ड का संरक्षण एवं पुनरोद्धार	गौण	पीपीपी	-	100%	-
02	महाराजा सूरजमल, महारानी हंसिया एवं महारानी किशोरी की छतरियों और कुसुम सरोवर के नियमित ताने–वाने का संरक्षण	गौण	पीपीपी	50%	50%	-
03	वर्षा जल प्रबंधन प्रणाली के कार्यान्वयन के माध्यम से सरोवर का पुनर्भरण एवं मौजूदा भू–भाग के साथ तीव्र ढलानों को नरम बनाना।	गौण	पीपीपी	-	50%	50%
04	कुसुम सरोवर के अग्रभाग पर प्रकाश की व्यवस्था	प्रमुख	यूपीबीटीवीपी	100%	-	-
05	कुसुम सरोवर में म्यूजिकल फुब्बारा का विकास	प्रमुख	यूपीबीटीवीपी	100%	-	-
06	कुसुम सरोवर परिसर का स्थल विकास	गौण	यूपीबीटीवीपी	100%	-	-
07	पर्यटक सुविधा केंद्र का विकास	गौण	यूपीबीटीवीपी	-	100%	-
08	गुलाब वाटिका का जीर्णोद्धार	गौण	यूपीबीटीवीपी	-	50%	50%
09	उद्धव कुंड परिसर का संरक्षण एवं पुनरोद्धार	गौण	पीपीपी	-	50%	50%
10	श्री उद्धव बिहारी जी मंदिर का संरक्षण एवं उद्धव कुण्ड का निर्माण कार्य।	गौण	पीपीपी	-	50%	50%

एस (S)– सूक्ष्म सत्र : 1–3 वर्ष ; एम (M)– मध्यम सत्र : 3–10 वर्ष;एल(L) – वृहद सत्र : 10–20 वर्ष
गौण – 5 करोड़ रूपये तक की लागत वाले
प्रमुख – 5 करोड़ रूपये की लागत से अधिक वाले
यू.पी.बी.टी.वी.पी–उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद

व्यवहार्यता मूल्यांकन

क्र. सं.	परियोजना	निधि व्यय	वित्त पोषण	परियोजना की स्थिति
01	ग्वालपोखरा कुण्ड एवं रत्न कुण्ड का संरक्षण एवं पुनरोद्धार	-	पर्यटन विभाग/एमबीडीए	पूर्ण
02	महाराजा सूरजमल, महारानी हंसिया एवं महारानी किशोरी की छतरियों और कुसुम सरोवर के नियमित ताने–वाने का संरक्षण	-	उ0प्र0 सरकार/राज्य पुरातत्व विभाग	पूर्ण
03	वर्षा जल प्रबंधन प्रणाली के कार्यान्वयन के माध्यम से सरोवर का पुनर्भरण एवं मौजूदा भू–भाग के साथ तीव्र ढलानों को नरम बनाना।	-	उ0प्र0 सरकार	पूर्ण
04	कुसुम सरोवर के अग्रभाग पर प्रकाश की व्यवस्था	4.82	पर्यटन मंत्रालय भारत सरकार/प्रासाद योजना	पूर्ण
05	कुसुम सरोवर में म्यूजिकल फुब्बारा का विकास	5.86	उ0प्र0 सरकार	पूर्ण
06	कुसुम सरोवर परिसर का स्थल विकास	0.85	उ0प्र0 सरकार	पूर्ण
07	पर्यटक सुविधा केंद्र का विकास	1.75	उ0प्र0 सरकार/पर्यटन विभाग	प्रस्तावित
08	गुलाब वाटिका का जीर्णोद्धार	2.5	पर्यटन विभाग	प्रस्तावित
09	उद्धव कुंड परिसर का संरक्षण एवं पुनरोद्धार	-	उ0प्र0 सरकार	पूर्ण
10	श्री उद्धव बिहारी जी मंदिर का संरक्षण एवं उद्धव कुण्ड का निर्माण कार्य।	-	उ0प्र0 सरकार	पूर्ण

कैपेक्स :– निधि व्यय (रूपया करोड़ में)

चंद्र सरोवर परिसर का पुर्नविकास

क्र. सं.	परियोजना	परियोजना का प्रकार	हितधारक	चरण सत्र (प्रतिशत में)		
				एस	एम	एल
01	स्थल एवं भूदृश्य विकास	गौण	यूपीबीटीवीपी	-	50%	50%
02	चन्द्र सरोवर का सौंदर्यीकरण एवं जीर्णोद्धार	गौण	यूपीबीटीवीपी	50%	50%	-
03	सौर ऊर्जा प्रकाश व्यवस्था (क्षेत्र प्रकाश, मार्ग प्रकाश)	गौण	यूपीबीटीवीपी	100%	-	-
04	सुर कुटी का उन्नयन	गौण	यूपीबीटीवीपी	100%	-	-
05	मनोरंजक गतिविधियों के लिए ओपन एम्फीथिएटर का विकास	गौण	यूपीबीटीवीपी	-	100%	-
06	आगंतुकों के विश्राम के लिए बारादरी (विश्राम मंडप) का विकास	गौण	यूपीबीटीवीपी	-	100%	-

07	पारंपरिक स्थापत्य शैली में व्याख्या केंद्र का निर्माण	गौण	यूपीबीटीवीपी	100%	-	-
08	पार्किंग सुविधा का विकास	गौण	यूपीबीटीवीपी	100%	-	-

एस (S)– सूक्ष्म सत्र : 1–3 वर्ष ; एम (M)– मध्यम सत्र : 3–10 वर्ष;एल(L) – वृहद सत्र : 10–20 वर्ष
गौण – 5 करोड़ रूपये तक की लागत वाले
प्रमुख – 5 करोड़ रूपये की लागत से अधिक वाले
यू.पी.बी.टी.वी.पी–उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद

व्यवहार्यता मूल्यांकन

क्र. सं.	परियोजना	निधि व्यय	वित्त पोषण	परियोजना की स्थिति
01	स्थल एवं भूदृश्य विकास	0.35	पर्यटन मंत्रालय भारत सरकार/ प्रासाद योजना	पूर्ण
02	चन्द्र सरोवर का सौंदर्यीकरण एवं जीर्णोद्धार	3.2	उ0प्र0 सरकार	पूर्ण
03	सौर ऊर्जा प्रकाश व्यवस्था (क्षेत्र प्रकाश, मार्ग प्रकाश)	0.85	पर्यटन मंत्रालय भारत सरकार/ प्रासाद योजना	पूर्ण
04	सुर कुटी का उन्नयन	0.18	उ0प्र0 सरकार	प्रस्तावित
05	मनोरंजक गतिविधियों के लिए ओपन एम्फीथिएटर का विकास	0.50	पर्यटन मंत्रालय भारत सरकार/ प्रासाद योजना	पूर्ण
06	आगंतुकों के विश्राम के लिए बारादरी (विश्राम मंडप) का विकास	0.09	पर्यटन मंत्रालय भारत सरकार/ प्रासाद योजना	पूर्ण
07	पारंपरिक स्थापत्य शैली में व्याख्या केंद्र का निर्माण	4.2	पर्यटन मंत्रालय भारत सरकार/ प्रासाद योजना	कार्यरत
08	पार्किंग सुविधा का विकास	0.25	पर्यटन मंत्रालय भारत सरकार/ प्रासाद योजना	पूर्ण

कैपेक्स :– निधि व्यय (रूपया करोड़ में)

कुंडों का जीर्णोद्धार एवं सौंदर्यीकरण

क्र. सं.	परियोजना	परियोजना का प्रकार	हितधारक	चरण सत्र (प्रतिशत में)		
				एस	एम	एल
01	नारदकुंड का जीर्णोद्धार एवं सौंदर्यीकरण	गौण	यूपीबीटीवीपी	100%	-	-
	सौर ऊर्जा प्रकाशव्यवस्था (क्षेत्र					

	प्रकाश, मार्ग प्रकाश)					
	पर्यटक सुविधाएं					
	आगंतुकों की पार्किंग का विकास					
02	संकर्षण कुंड का जीर्णोद्धार एवं सौंदर्यीकरण	गौण	यूपीबीटीवीपी	100%	-	-
	सौर ऊर्जा प्रकाश व्यवस्था (क्षेत्र प्रकाश, मार्ग प्रकाश)					
	पर्यटक सुविधाएं					
	आगंतुकों की पार्किंग का विकास					

एस (S)– सूक्ष्म सत्र : 1–3 वर्ष ; एम (M)– मध्यम सत्र : 3–10 वर्ष;एल(L) – वृहद सत्र : 10–20 वर्ष
गौण – 5 करोड़ रूपये तक की लागत वाले
प्रमुख – 5 करोड़ रूपये की लागत से अधिक वाले
यू.पी.बी.टी.वी.पी–उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद

व्यवहार्यता मूल्यांकन

क्र. सं.	परियोजना	निधि व्यय	वित्त पोषण	परियोजना की स्थिति
01	नारदकुंड का जीर्णोद्धार एवं सौंदर्यीकरण	3.59	पर्यटन विभाग	प्रस्तावित
	सौर ऊर्जा व्यवस्था (क्षेत्र प्रकाश, मार्ग प्रकाश)			
	पर्यटक सुविधाएं			
	आगंतुकों की पार्किंग का विकास			
02	संकर्षण कुंड का जीर्णोद्धार एवं सौंदर्यीकरण	4.94	सीएसआर	कार्यरत
	सौर ऊर्जा प्रकाश व्यवस्था (क्षेत्र प्रकाश, मार्ग प्रकाश)			
	पर्यटक सुविधाएं			
	आगंतुकों की पार्किंग का विकास			

कैपेक्स :– निधि व्यय (रूपया करोड़ में)

पर्यटक हब एवं सुविधाए

क्र. सं.	परियोजना	परियोजना का प्रकार	हितधारक	चरण सत्र (प्रतिशत में)		
				एस	एम	एल
01	गोवर्धन बस स्टैंड के पास सभागार एवं अतिथि ग्रह का विकास	गौण	यूपीबीटीवीपी		100%	
02	नियंत्रण कक्ष का विकास	गौण	यूपीबीटीवीपी		100%	
03	पड़ाव स्थल का विकास	प्रमुख	यूपीबीटीवीपी		50%	50%
	जातिपुरा (6 एकड़)					
	चंद्र सरोवर (1.25 एकड़)					
04	कौशल विकास केंद्र (शिल्पग्राम) का विकास	प्रमुख	यूपीबीटीवीपी		100%	
05	क्राफ्ट बाजार का विकास	प्रमुख	यूपीबीटीवीपी		100%	

06	मॉड्यूलर मंडपों का विकास 10 संख्या	प्रमुख	यूपीबीटीवीपी		50%	50%
07	रिसोर्ट का विकास	प्रमुख	पीपीपी		50%	50%
08	सौंख टीला को पर्यटक स्थल के रूप में विकसित करना– जिसमें उत्खन्न, बाउण्ड्रीवाल निर्माण और उत्खन्न से प्राप्त मूर्ति आदि के लिए म्यूजियम बनाना	प्रमुख	यूपीबीटीवीपी		50%	50%

एस (S)– सूक्ष्म सत्र : 1–3 वर्ष ; एम (M)– मध्यम सत्र : 3–10 वर्ष ;एल(L) – वृहद सत्र : 10–20 वर्ष
गौण – 5 करोड़ रूपये तक की लागत वाले
प्रमुख – 5 करोड़ रूपये की लागत से अधिक वाले
यू.पी.बी.टी.वी.पी–उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद

व्यवहार्यता मूल्यांकन

क्र.सं.	परियोजना	निधि व्यय	वित्त पोषण	परियोजना की स्थिति
01	गोवर्धन बस स्टैंड के पास सभागार एवं अतिथि ग्रह का विकास	3.59	उ0प्र0 सरकार	पूर्ण
02	नियंत्रण कक्ष का विकास	2.05	पर्यटन मंत्रालय भारत सरकार/ प्रासाद योजना	पूर्ण
03	पड़ाव स्थल का विकास जातिपुरा (6 एकड़) चंद्र सरोवर (1.25 एकड़)	17.19	पर्यटन विभाग	प्रस्तावित
04	कौशल विकास केंद्र (शिल्पग्राम) का विकास	6.2	राज्य सरकार व भारत सरकार की योजना के माध्यम से	प्रस्तावित
05	क्राफ्ट बाजार का विकास	7.89	राज्य सरकार व भारत सरकार की योजना के माध्यम से	प्रस्तावित
06	मॉड्यूलर मंडपों का विकास 10 संख्या	20	सीएसआर	प्रस्तावित
07	रिसोर्ट का विकास	-	सीएसआर	प्रस्तावित
08	सौंख टीला को पर्यटक स्थल के रूप में विकसित करना– जिसमें उत्खन्न, बाउण्ड्रीवाल निर्माण और उत्खन्न से प्राप्त मूर्ति आदि के लिए म्यूजियम बनाना		यूपीबीटीवीपी	प्रस्तावित

कैपेक्स :– निधि व्यय (रूपया करोड़ में)

भौतिक एवं सामाजिक अवसंरचनाओं का उन्नयन

क्र. सं.	परियोजना	परियोजना का प्रकार	हितधारक	चरण सत्र (प्रतिशत में)		
				एस	एम	एल
01	गोवर्धन में सीवेज निकास और सीवेज उपचार सयंत्र का विकास	प्रमुख	यूपीबीटीवीपी		50%	50%
02	गोवर्धन में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन	प्रमुख	यूपीबीटीवीपी		50%	50%
03	तूफान जल प्रबंधन प्रणाली का प्राविधान	प्रमुख	यूपीबीटीवीपी	25%	25%	50%
04	जल प्रशोधन संयंत्र	प्रमुख	यूपीबीटीवीपी		50%	50%
05	डेटा सेंटर एवं वायरलेस नेटवर्क इंफ्रास्ट्रक्चर का विकास	प्रमुख	यूपीबीटीवीपी		100%	

एस (S)– सूक्ष्म सत्र : 1–3 वर्ष ; एम (M)– मध्यम सत्र : 3–10 वर्ष ;एल(L) – वृहद सत्र : 10–20 वर्ष
गौण – 5 करोड़ रूपये तक की लागत वाले
प्रमुख – 5 करोड़ रूपये की लागत से अधिक वाले
यू.पी.बी.टी.वी.पी–उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद

व्यवहार्यता मूल्यांकन

क्र. सं.	परियोजना	निधि व्यय	वित्त पोषण	परियोजना की स्थिति
01	गोवर्धन में सीवेज निकास और सीवेज उपचार सयंत्र का विकास	14.4	एमबीडीए / उ0प्र0 सरकार	प्रस्तावित
02	गोवर्धन में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन	6	एमबीडीए / उ0प्र0 सरकार	प्रस्तावित
03	तूफान जल प्रबंधन प्रणाली का प्राविधान	15	एमबीडीए / उ0प्र0 सरकार	प्रस्तावित
04	जल प्रशोधन संयंत्र	27	एमबीडीए / उ0प्र0 सरकार	प्रस्तावित
05	डेटा सेंटर एवं वायरलेस नेटवर्क इंफ्रास्ट्रक्चर का विकास	6	एमबीडीए / उ0प्र0 सरकार	प्रस्तावित

कैपेक्स :– निधि व्यय (रूपया करोड़ में)

समूह 3 : बरसाना एवं नन्दगाँव

बरसाना

बरसाना में पर्यटक गेटवे विकसित करना

क्र. सं.	परियोजना	परियोजना का प्रकार	हितधारक	चरण सत्र (प्रतिशत में)

				एस	एम	एल
01	अतिरिक्त बायपास रोड का विकास	प्रमुख	पीडब्ल्यूडी / एनएचएआई	-	100%	-
02	MLCP पार्किंग एवं TFC भवन का निर्माण	प्रमुख	यूपीबीटीवीपी	100%	-	-
03	पर्यटक सुविधाओं का विकास	गौण	यूपीबीटीवीपी	100%	-	-
04	प्रिया कुंड तक पहुंच मार्ग और पुल का उन्नयन। सड़क का सुधार, स्ट्रीट लाइट की व्यवस्था, वृक्षारोपण, बैठने की सुविधा, नालियां एवं नाली कवर का सुधार	गौण	यूपीबीटीवीपी	-	100%	-
05	पड़ाव स्थल का विकास (तीर्थ यात्री शयनागार)	प्रमुख	यूपीबीटीवीपी	-	100%	-
06	वृषभानु कुंड में कौशल विकास केंद्र का विकास	प्रमुख	कौशल विकास एवं उद्यमशीलता मंत्रालय	-	100%	-
07	वृषभानु कुंड में प्रदर्शनी स्थलों एवं हस्तकला की दुकानों का विकास	प्रमुख	ओडीओपी / एमएसएमई	-	100%	-

एस (S)– सूक्ष्म सत्र : 1–3 वर्ष ; एम (M)– मध्यम सत्र : 3–10 वर्ष ;एल(L) – वृहद सत्र : 10–20 वर्ष
गौण – 5 करोड़ रूपये तक की लागत वाले
प्रमुख – 5 करोड़ रूपये की लागत से अधिक वाले
यू.पी.बी.टी.वी.पी–उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद
कौशल विकास– कौशल विकास एवं उद्यमशीलता विकास मंत्रालय
एमएसएमई– सूक्ष्य, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय
पीडब्लूडी– लोक निर्माण विभाग
एनएचएआई – राष्ट्रीय राजमार्ग मंत्रालय

व्यवहार्यता मूल्यांकन

क्र.सं.	परियोजना	निधि व्यय	वित्त पोषण	परियोजना की स्थिति
01	अतिरिक्त बायपास रोड का विकास	12	उ0प्र0 सरकार	प्रस्तावित
02	MLCP पार्किंग एवं TFC भवन का निर्माण	22	पर्यटन विभाग / सीएसआर	प्रस्तावित
03	पर्यटक सुविधाओं का विकास	4.5	पर्यटन विभाग / सीएसआर	प्रस्तावित
04	प्रिया कुंड तक पहुंच मार्ग और पुल का उन्नयन सड़क का सुधार, स्ट्रीट लाइट की व्यवस्था, वृक्षारोपण, बैठने की सुविधा, नालियां एवं नाली कवर का सुधार	4	पीडब्लूडी / सिचांई विभाग	प्रस्तावित
05	पड़ाव स्थल का विकास (तीर्थ यात्री शयनागार)	15	पर्यटन विभाग	प्रस्तावित
06	वृषभानु कुंड में कौशल विकास केंद्र का विकास	10	उ0प्र0 सरकार / सीएसआर	प्रस्तावित

07	वृषभानु कुंड में प्रदर्शनी स्थलों एवं हस्तकला की दुकानों का विकास	10	पर्यटन विभाग	प्रस्तावित

कैपेक्स :– निधि व्यय (रूपया करोड़ में)

इंटरमीडिएट सार्वजनिक परिवहन सुविधा

क्र. सं.	परियोजना	परियोजना का प्रकार	हितधारक	चरण सत्र (प्रतिशत में)		
				एस	एम	एल
01	गोवर्धन ड्रेन के किनारे ई–रिक्शा डिपो/ रखरखाव एवं सोलर चार्जिंग स्टेशन का विकास	गौण	यूपीबीटीवीपी	-	100%	-
02	बोर्डिंग प्वाइंट्स नोड्स का विकास (09 संख्या)	गौण	यूपीबीटीवीपी	-	100%	-
03	विद्युत वाहन	गौण	शहरी विकास	-	100%	-
04	ओवर रोड एवं ट्रेल साइनेज	गौण	यूपीबीटीवीपी	100%	-	-
05	प्रकाश व्यवस्था (क्षेत्र प्रकाश, मार्ग प्रकाश)	गौण	यूपीबीटीवीपी	100%	-	-

एस (S)– सूक्ष्म सत्र : 1–3 वर्ष ; एम (M)– मध्यम सत्र : 3–10 वर्ष ;एल(L) – वृहद सत्र : 10–20 वर्ष
गौण – 5 करोड़ रूपये तक की लागत वाले
प्रमुख – 5 करोड़ रूपये की लागत से अधिक वाले
यू.पी.बी.टी.वी.पी–उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद
शहरी विकास– शहरी विकास विभाग

व्यवहार्यता मूल्यांकन

क्र.सं.	परियोजना	निधि व्यय	वित्त पोषण	परियोजना की स्थिति
01	गोवर्धन ड्रेन के किनारे ई–रिक्शा डिपो/ रखरखाव एवं सोलर चार्जिंग स्टेशन का विकास	2.5	पर्यटन विभाग	प्रस्तावित
02	बोर्डिंग प्वाइंट्स नोड्स का विकास (09 संख्या)	2	पर्यटन विभाग	प्रस्तावित
03	विद्युत वाहन	0.5	पर्यटन विभाग	प्रस्तावित
04	ओवर रोड एवं ट्रेल साइनेज	3	पर्यटन विभाग	प्रस्तावित
05	प्रकाश व्यवस्था (क्षेत्र प्रकाश, मार्ग प्रकाश)	3.75	पर्यटन विभाग	प्रस्तावित

कैपेक्स :– निधि व्यय (रूपया करोड़ में)

अष्टसखी परिक्रमा मार्गका विकास

क्र. सं.	परियोजना	परियोजना का प्रकार	हितधारक	चरण सत्र (प्रतिशत में)		
				एस	एम	एल
01	अष्टसखी परिक्रमा पथों एवं	प्रमुख	पी डब्ल्यू डी	-	100%	-

	पगडंडियों का विकास –ट्रेलिस /पैनल (लंबाई 40 किमी, चौड़ाई 7 मी)					
02	परिक्रमा मार्ग पर प्रकाश व्यवस्था (क्षेत्र प्रकाश, मार्ग प्रकाश)।	प्रमुख	यूपीबीटीवीपी	-	100%	-
03	ओवर रोड एवं ट्रेल साइनेज	गौण	यूपीबीटीवीपी	-	100%	-
04	पर्यटक सुविधाएं (10 संख्या)	प्रमुख	यूपीबीटीवीपी	-	100%	-
05	मॉड्यूलर मंडप (8 संख्या)	गौण	यूपीबीटीवीपी	-	100%	-

एस (S)– सूक्ष्म सत्र : 1–3 वर्ष ; एम (M)– मध्यम सत्र : 3–10 वर्ष ;एल(L) – वृहद सत्र : 10–20 वर्ष
गौण – 5 करोड़ रूपये तक की लागत वाले
प्रमुख – 5 करोड़ रूपये की लागत से अधिक वाले
यू.पी.बी.टी.वी.पी–उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद
पीडब्लूडी – लोक निर्माण विभाग

व्यवहार्यता मूल्यांकन

क्र.सं.	परियोजना	निधि व्यय	वित्त पोषण	परियोजना की स्थिति
01	अष्टसखी परिक्रमा पथों एवं पगडंडियों का विकास – ट्रेलिस /पैनल(लंबाई 40 किमी, चौड़ाई 7 मी)	108	उ0प्र0 सरकार/ एमबीडीए	प्रस्तावित
02	परिक्रमा मार्ग पर प्रकाश व्यवस्था (क्षेत्र प्रकाश, मार्ग प्रकाश)।	24	उ0प्र0 सरकार/ एमबीडीए	प्रस्तावित
03	ओवर रोड एवं ट्रेल साइनेज	1	उ0प्र0 सरकार/ एमबीडीए	प्रस्तावित
04	पर्यटक सुविधाएं (10 संख्या)	15	पर्यटन विभाग/ सीएसआर	प्रस्तावित
05	मॉड्यूलर मंडप (8 संख्या)	2.4	सीएसआर	प्रस्तावित

कैपेक्स :– निधि व्यय (रूपया करोड़ में)

बरसाना परिक्रमा मार्ग का विकास

क्र. सं.	परियोजना	परियोजना का प्रकार	हितधारक	चरण सत्र (प्रतिशत में)		
				एस	एम	एल
01	अग्रभाग प्रकाश के साथ रंगीली चौक से कुआं चौक तक संरचनाओं का विकास (लंबाई 850 मीटर, चौड़ाई 4.5 मीटर)	गौण	यूपीबीटीवीपी	100%	-	-
02	सुदामा चौक एवं कुआं चौक पर	गौण	यूपीबीटीवीपी	-	100%	-

	शहरी डिजाइन एवं भूद्रश्य विकास हस्तक्षेप					
03	पैदल चलने वालों की आवाजाही को निर्देशित करने के लिए रंगीली चौक एवं भूमिया बाबा चौक पर शहरी डिजाइन एवं भूद्रश्य विकास हस्तक्षेप	गौण	यूपीबीटीवीपी	100%	-	-
04	बरसाना परिक्रमा पथों एवं पगडंडियों का विकास – ट्रेलिस/पैनलरू (लम्बाई 4.2 किमी, चौड़ाई 6 मीटर)	प्रमुख	यूपीबीटीवीपी	100%	-	-
05	परिक्रमा मार्ग पर प्रकाश व्यवस्था (क्षेत्र प्रकाश, मार्ग प्रकाश)।	गौण	यूपीबीटीवीपी	100%	-	-
06	ओवर रोड एवं ट्रेल साइनेज	गौण	यूपीबीटीवीपी	100%	-	-
	पर्यटक सुविधाएं	गौण	यूपीबीटीवीपी	100%	-	-

एस (S)– सूक्ष्म सत्र : 1–3 वर्ष ; एम (M)– मध्यम सत्र : 3–10 वर्ष ; एल(L) – वृहद सत्र : 10–20 वर्ष
गौण – 5 करोड़ रूपये तक की लागत वाले
प्रमुख – 5 करोड़ रूपये की लागत से अधिक वाले
यू.पी.बी.टी.वी.पी–उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद

व्यवहार्यता मूल्यांकन

क्र. सं.	परियोजना	निधि व्यय	वित्त पोषण	परियोजना की स्थिति
01	अग्रभाग प्रकाश के साथ रंगीली चौक से कुआं चौक तक संरचनाओं का विकास (लंबाई 850 मीटर, चौड़ाई 4.5 मीटर)	4.8	उ0प्र0 सरकार	प्रस्तावित
02	सुदामा चौक एवं कुआं चौक पर शहरी डिजाइन एवं भूद्रश्य विकास हस्तक्षेप	4	उ0प्र0 सरकार	प्रस्तावित
03	पैदल चलने वालों की आवाजाही को निर्देशित करने के लिए रंगीली चौक एवं भूमिया बाबा चौक पर शहरी डिजाइन एवं भूद्रश्य विकास हस्तक्षेप	5	उ0प्र0 सरकार	प्रस्तावित
04	बरसाना परिक्रमा पथों एवं पगडंडियों का विकास – ट्रेलिस/पैनलरू (लंबाई 4.2 किमी, चौड़ाई 6 मीटर)	16.35	पर्यटन विभाग	कार्यरत
05	परिक्रमा मार्ग पर प्रकाश व्यवस्था (क्षेत्र प्रकाश, मार्ग प्रकाश)।	0.15	पर्यटन विभाग	कार्यरत
06	ओवर रोड एवं ट्रेल साइनेज	0.1	पर्यटन विभाग	कार्यरत
	पर्यटक सुविधाएं	0.52	पर्यटन विभाग	कार्यरत

कैपेक्स :– निधि व्यय (रूपया करोड़ में)

मान मंदिर परिसर में पैदल यात्री लिंकेज का विकास

क्र. सं.	परियोजना	परियोजना का प्रकार	हितधारक	चरण सत्र (प्रतिशत में)		
				एस	एम	एल
01	मान मंदिर से मोरकुटी तक पैदल यात्री लिंक बनाना– पैदल मार्गों का विकास, वृक्षारोपण, प्रकाश व्यवस्था, नालियों एवं नाली कवर, बैठने की जगह आदि व्यवस्थाओं का विकास	गौण	यूपीबीटीवीपी	100%		
02	मान मंदिर–महाप्रभु जी की बैठक – दानगढ़ – जयपुर मंदिर – श्री राधा रानी मंदिर – प्रिया कुंड – पैदल मार्गों का विकास, वृक्षारोपण, प्रकाश व्यवस्था, नालियों एवं नाली के कवर, बैठने की जगह आदिव्यवस्थाओं का विकास	गौण	यूपीबीटीवीपी	100%		

एस (S)– सूक्ष्म सत्र : 1–3 वर्ष ; एम (M)– मध्यम सत्र : 3–10 वर्ष ;एल(L) – वृहद सत्र : 10–20 वर्ष
गौण – 5 करोड़ रूपये तक की लागत वाले
प्रमुख – 5 करोड़ रूपये की लागत से अधिक वाले
यू.पी.बी.टी.वी.पी–उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद

व्यवहार्यता मूल्यांकन

क्र. सं.	परियोजना	निधि व्यय	वित्त पोषण	परियोजना की स्थिति
01	मान मंदिर से मोरकुटी तक पैदल यात्री लिंक बनाना– पैदल मार्गों का विकास, वृक्षारोपण, प्रकाश व्यवस्था, नालियों एवं नाली कवर, बैठने की जगह आदि की व्यवस्थाओं का विकास	1.75	पर्यटन विभाग	प्रस्तावित
02	मान मंदिर–महाप्रभु जी की बैठक – दानगढ़ – जयपुर मंदिर – श्री राधा रानी मंदिर – प्रिया कुंड – पैदल मार्गों का विकास, वृक्षारोपण, प्रकाश व्यवस्था, नालियों एवं नाली के कवर, बैठने की जगह आदिव्यवस्थाओं का विकास	1.75	पर्यटन विभाग	प्रस्तावित

कैपेक्स :– निधि व्यय (रूपया करोड़ में)

गोवर्धन ड्रेन के आसपास विकास

क्र. सं.	परियोजना	परियोजना का प्रकार	हितधारक	चरण सत्र (प्रतिशत में)		
				एस	एम	एल
01	प्रस्तावित आस्था की परिक्रमा संरेखन में आने वाले स्थलों पर, गोवर्धन नाले पर पैदल पुल का विकास।	गौण	यूपीबीटीवीपी		100%	
02	पर्यटक सुविधा केंद्र का निमार्ण	गौण	यूपीबीटीवीपी		100%	

एस (S)– सूक्ष्म सत्र : 1–3 वर्ष ; एम (M)– मध्यम सत्र : 3–10 वर्ष ;एल (L) – वृहद सत्र : 10–20 वर्ष
गौण – 5 करोड़ रूपये तक की लागत वाले
प्रमुख – 5 करोड़ रूपये की लागत से अधिक वाले
यू.पी.बी.टी.वी.पी–उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद

व्यवहार्यता मूल्यांकन

क्र. सं.	परियोजना	निधि व्यय	वित्त पोषण	परियोजना की स्थिति
01	प्रस्तावित आस्था की परिक्रमा संरेखन में आने वाले स्थलों पर, गोवर्धन नाले पर पैदल पुल का विकास।	5	पर्यटन विभाग	पूर्ण
02	पर्यटक सुविधा केंद्र का निमार्ण	5	पर्यटन विभाग	पूर्ण

कैपेक्स :– निधि व्यय (रूपया करोड़ में)

राधा रानी मंदिर परिसर का पुनर्विकास

क्र. सं.	परियोजना	परियोजना का प्रकार	हितधारक	चरण सत्र (प्रतिशत में)		
				एस	एम	एल
01	राधा रानी मंदिर की रोशनी	गौण	यूपीबीटीवीपी	100%	–	–
02	राधा रानी मंदिर के लिए संपर्क मार्ग की रोशनी : 600 मी.	गौण	यूपीबीटीवीपी	100%	–	–
03	राधा रानी मंदिर के पास टीएफसी का विकास	गौण	यूपीबीटीवीपी	100%	–	–
04	जयपुर मंदिर एवं श्री राधा रानी मंदिर के बीच स्थल विकास (इसमें प्रकाश व्यवस्था, बैठने की पंक्तिवद्ध जगह, भुदश्य, सड़क	गौण	यूपीबीटीवीपी	100%	–	–

	सुधार, जुड़ाव के बीच नाली को ढकना शामिल हैं)					

एस (S)– सूक्ष्म सत्र : 1–3 वर्ष ; एम (M)– मध्यम सत्र : 3–10 वर्ष;एल(L) – वृहद सत्र : 10–20 वर्ष
गौण – 5 करोड़ रूपये तक की लागत वाले
प्रमुख – 5 करोड़ रूपये की लागत से अधिक वाले
यू.पी.बी.टी.वी.पी–उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद

व्यवहार्यता मूल्यांकन

क्र. सं.	परियोजना	कैपेक्स	वित्त पोषण	परियोजना की स्थिति
01	राधा रानी मंदिर की रोशनी	5	पर्यटन विभाग	पूर्ण
02	राधा रानी मंदिर के लिए संपर्क मार्ग की रोशनी : 600 मी.	1.2	पर्यटन विभाग	पूर्ण
03	राधा रानी मंदिर के पास टीएफसी का विकास	3	पर्यटन विभाग	पूर्ण
04	जयपुर मंदिर एवं श्री राधा रानी मंदिर के बीच स्थल विकास (इसमें प्रकाश व्यवस्था, बैठने की पंक्तिवद्ध जगह, भुद्रश्य, सड़क सुधार, जुड़ाव के बीच नाली को ढकना शामिल हैं)	3	पर्यटन विभाग	प्रस्तावित

कैपेक्स :– निधि व्यय (रूपया करोड़ में)

दरवाजा चौक का पुर्नरोद्धार

क्र. सं.	परियोजना	परियोजना का प्रकार	हितधारक	चरण सत्र (प्रतिशत में)		
				एस	एम	एल
01	जंक्शन पर शहरी योजना हस्तक्षेप –बरसाना में प्रवेश करते समय एम.डी. आर 143 डब्लू मार्ग, नहर और कलकत्ता वाली धर्मशाला के रास्तों के मिलान पर बने वाई (Y) जंक्शन को विकसित करना।	गौण	यूपीबीटीवीपी	–	100%	–
02	कटारा चौक की एवं प्रवेश द्वार का विकास	गौण	यूपीबीटीवीपी	–	100%	–
03	दरवाजा चौक से कटरा चौक तक सड़क का विकास : 300 मी.	गौण	यूपीबीटीवीपी	–	100%	–
04	राधा रानी जंक्शन तक पहुँच मार्ग का उन्नयन	गौण	यूपीबीटीवीपी	–	100%	–

एस (S)– सूक्ष्म सत्र : 1–3 वर्ष ; एम (M)– मध्यम सत्र : 3–10 वर्ष ; एल(L) – वृहद सत्र : 10–20 वर्ष
गौण – 5 करोड़ रूपये तक की लागत वाले
प्रमुख – 5 करोड़ रूपये की लागत से अधिक वाले
यू.पी.बी.टी.वी.पी–उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद

व्यवहार्यता मूल्यांकन

क्र. सं.	परियोजना	निधि व्यय	वित्त पोषण	परियोजना की स्थिति
01	जंक्शन पर शहरी योजना हस्तक्षेप –बरसाना में प्रवेश करते समय एम.डी.आर 143 डब्लू मार्ग, नहर और कलकत्ता वाली धर्मशाला के रास्तों के मिलान पर बने वाई जंक्शन को विकसित करना।	4.8	उ0प्र0 सरकार	प्रस्तावित
02	कटारा चौक की एवं प्रवेश द्वार का विकास	2	उ0प्र0 सरकार	प्रस्तावित
03	दरवाजा चौक से कटरा चौक तक सड़क का विकास : 300 मी.	10	उ0प्र0 सरकार	प्रस्तावित
04	राधा रानी जंक्शन तक पहुँच मार्ग का उन्नयन	4.5	उ0प्र0 सरकार	प्रस्तावित

कैपेक्स :– निधि व्यय (रूपया करोड़ में)

पर्यटक हव एवं सुविधाएँ

क्र. सं.	परियोजना	परियोजना का प्रकार	हितधारक	चरण सत्र (प्रतिशत में)		
				एस	एम	एल
01	बस स्टैंड के पास नियंत्रण कक्ष, सभागार और वी.आई.पी अतिथि ग्रह का विकास	गौण	यूपीबीटीवीपी	100%	–	–
02	साँखरी खोर के पास ओपन एयर थिएटर का विकास	प्रमुख	यूपीबीटीवीपी	–	100%	–
03	शौचालय, पीने के पानी एवं खाने की सुविधा के साथ एक आगंतुक सुविधा केंद्र बनाने के लिए अस्पताल का संरक्षण एवं अनुकूली पुनः उपयोग	गौण	पीपीपी	–	–	100%
04	सांस्कृतिक केंद्र के रूप में जल महल का अनुकूल पुनः उपयोग	प्रमुख	पीपीपी	–	100%	–
05	होमस्टे का विकास	प्रमुख	निजी	–	50%	50%
06	होटल/मोटल का विकास	प्रमुख	निजी	–		–
07	बावली का संरक्षण एवं पुनरोद्धार : बावली के निर्मित ताने–बाने का स्थल संरक्षण एवं साइट के विकास के लिए	गौण	यूपीबीटीवीपी	–	–	100%

	प्रावधान एवं मौजूदा भूभाग के साथ ढलाने को फिर से परिभाषित करने के लिए सावधानी पूर्वक स्थालाकृतिक अध्ययन के साथ–साथ अन्य परिदृश्य हस्तक्षेपों को सक्षमक रखने के लिए – बावली का पुनरोद्धार					
08	फूल गली दरवाजा एवं परिसर के अन्य तीन प्रवेश द्वारों का संरक्षण	गौण	यूपीबीटीवीपी	–	–	100%

एस (S)– सूक्ष्म सत्र : 1–3 वर्ष ; एम (M)– मध्यम सत्र : 3–10 वर्ष; एल(L) – वृहद सत्र : 10–20 वर्ष
गौण – 5 करोड़ रूपये तक की लागत वाले
प्रमुख – 5 करोड़ रूपये की लागत से अधिक वाले
यू.पी.बी.टी.वी.पी–उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद

व्यवहार्यता का मूल्यांकन

क्र. सं.	परियोजना	निधि व्यय	वित्त पोषण	परियोजना की स्थिति
01	बस स्टैंड के पास नियंत्रण कक्ष, सभागार और वी.आई.पी अतिथि ग्रह का विकास	4.5	पर्यटन विभाग	पूर्ण
02	साँखरी खोर के पास ओपन एयर थिएटर का विकास	5.8	पर्यटन विभाग	प्रस्तावित
03	शौचालय, पीने के पानी एवं खाने की सुविधा के साथ एक आगंतुक सुविधा केंद्र बनाने के लिए अस्पताल का संरक्षण एवं अनुकूली पुनः उपयोग	5	सीएसआर	प्रस्तावित
04	सांस्कृतिक केंद्र के रूप में जल महल का अनुकूल पुनः उपयोग	10	राज्य पुरातत्व विभाग	प्रस्तावित
05	होमस्टे का विकास	7.5	सीएसआर	प्रस्तावित
06	होटल/मोटल का विकास	40	सीएसआर	प्रस्तावित
07	बावली का संरक्षण एवं पुनरोद्धार : बावली के निर्मित ताने–बाने का स्थल संरक्षण एवं साइट के विकास के लिए प्रावधान एवं मौजूदा भूभाग के साथ ढलाने को फिर से परिभाषित करने के लिए सावधानी पूर्वक स्थालाकृतिक अध्ययन के साथ–साथ अन्य परिदृश्य हस्तक्षेपों को सक्षमक रखने के लिए – बावली का पुनरोद्धार	4	राज्य पुरातत्व/पुरातत्व विभाग	प्रस्तावित
08	फूल गली दरवाजा एवं परिसर के अन्य तीन	3.5	राज्य पुरातत्व	प्रस्तावित

	प्रवेश द्वारों का संरक्षण		विभाग	

कैपेक्स :– निधि व्यय (रूपया करोड़ में)

वृषभानु कुंड परिसर का पुर्नरोद्धार

क्र. सं.	परियोजना	परियोजना का प्रकार	हितधारक	चरण सत्र (प्रतिशत में)		
				एस	एम	एल
01	कीर्ति कुंड एवं वृषभानु कुंड का संरक्षण एवं स्थल विकास/(संरक्षण, परिदृश्य, जल प्रबंधन, निगरानी योजना शामिल है)	प्रमुख	पुरातत्व विभाग	–	100%	–
02	जल महल का संरक्षण एवं स्थल विकास (संरक्षण, परिदृश्य, जल प्रबंधन, निगरानी योजना शामिल है)	प्रमुख	पीपीपी	–	100%	–
03	परिसर में पथ प्रकाश की व्यवस्था	गौण	यूपीबीटीवीपी		100%	–
04	कुंड के चारों एवं अन्य परिदृश्य हस्तक्षेपों के साथ–साथ स्वदेशी प्रजातियों के पेड़ लगाना	गौण	उद्यान विभाग	100%	–	–
05	वृषभानु कुंड के समीप शौचालय एवं पेयजल की सुविधा का प्राविधान	गौण	यूपीबीटीवीपी	–	100%	–
06	सावधानी पूर्वक स्थलाकृतिक अध्ययन के बाद जल पुनर्भरण को सक्षम करने के लिए मौजूदा स्थानों के साथ ढलानों को फिर से परिभाषित करना – कीर्ति कुंड एवं वृषभानु कुंड का पुनरोद्धार	गौण	यूपीबीटीवीपी	100%	–	–

एस (S)– सूक्ष्म सत्र : 1–3 वर्ष ; एम (M)– मध्यम सत्र : 3–10 वर्ष ;एल(L) – वृहद सत्र : 10–20 वर्ष
गौण – 5 करोड़ रूपये तक की लागत वाले
प्रमुख – 5 करोड़ रूपये की लागत से अधिक वाले
यू.पी.बी.टी.वी.पी–उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद
उद्यान विभाग– जिला उद्यान विभाग
पुरातत्व विभाग– पुरातत्व विभाग

व्यवहार्यता मूल्यांकन

क्र. सं.	परियोजना	निधि व्यय	वित्त पोषण	परियोजना की स्थिति
01	कीर्ति कुंड एवं वृषभानु कुंड का संरक्षण एवं स्थल विकास/(संरक्षण, परिदृश्य, जल	6	पर्यटन विभाग/ राज्य	प्रस्तावित

	प्रबंधन, निगरानी योजना शामिल है)		पुरातत्व विभाग	
02	जल महल का संरक्षण एवं स्थल विकास (संरक्षण, परिदृश्य, जल प्रबंधन, निगरानी योजना शामिल है)	8	पर्यटन विभाग	प्रस्तावित
03	परिसर में पथ प्रकाश की व्यवस्था	1.5	यूपीबीटीवीपी / एमबीडीए	प्रस्तावित
04	कुंड के चारों एवं अन्य परिदृष्य हस्तक्षेपों के साथ–साथ स्वदेशी प्रजातियों के पेड़ लगाना	0.15	उ0प्र0 सरकार / वन विभाग	प्रस्तावित
05	वृषभानु कुंड के समीप शौचालय एवं पेयजल की सुविधा का प्राविधान	0.7	एमबीडीए / नगर पंचायत	प्रस्तावित
06	सावधानी पूर्वक स्थलाकृतिक अध्ययन के बाद जल पुनर्भरण को सक्षम करने के लिए मौजूदा स्थानों के साथ ढलानों को फिर से परिभाषित करना – कीर्ति कुंड एवं वृषभानु कुंड का पुनरोद्धार	0.4	पर्यटन विभाग / उ0प्र0 सरकार	प्रस्तावित

कैपेक्स :– निधि व्यय (रूपया करोड़ में)

भौतिक एवं सामाजिक अवसंरचना का उन्नयन

क्र. सं.	परियोजना	परियोजना का प्रकार	हितधारक	चरण सत्र (प्रतिशत में)		
				एस	एम	एल
01	बरसाना में मलजल उपचार संयंत्र (एसटीपी) एवं जलनिकासी का विकास	प्रमुख	जल निगम	50%	–	50%
02	बरसाना में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन	प्रमुख	यूएलबी	50%	–	50%
03	जल प्रशोधन संयंत्र	प्रमुख	जल निगम	50%	50%	–
04	इंटर कॉलेज का विकास	प्रमुख	शिक्षा विभाग	50%	50%	
05	बैंक, एटीएम जैसे बैंकिंग बुनियादी ढांचे का विकास	प्रमुख	निजी	–	–	–
06	आँकडें केंद्र एवं बेतार संचार आधारित संरचना का विकास	प्रमुख	यूपीबीटीवीपी	–	100%	–
07	पहचान स्थलों एवं अन्य क्षेत्रों में कचरा निपटान प्रणाली का कार्यान्वयन।	गौण	यूएलबी	50%	50%	–

एस (S)– सूक्ष्म सत्र : 1–3 वर्ष ; एम (M)– मध्यम सत्र : 3–10 वर्ष ;एल(L) – वृहद सत्र : 10–20 वर्ष
गौण – 5 करोड़ रूपये तक की लागत वाले
प्रमुख – 5 करोड़ रूपये की लागत से अधिक वाले
यू.पी.बी.टी.वी.पी–उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद
जल निगम– उत्तर प्रदेश जल निगम
शिक्षा विभाग – शिक्षा विभाग
यूएलबी – शहरी विकास विभाग

व्यवहार्यता मूल्यांकन

क्र. सं.	परियोजना	निधि व्यय	वित्त पोषण	परियोजना की स्थिति
01	बरसाना में मलजल उपचार संयंत्र (एसटीपी) एवं जलनिकासी का विकास	7.2	उ0प्र0 सरकार	प्रस्तावित
02	बरसाना में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन	3	उ0प्र0 सरकार	प्रस्तावित
03	जल प्रशोधन संयंत्र	13.5	उ0प्र0 सरकार	प्रस्तावित
04	इंटर कॉलेज का विकास	6	उ0प्र0 सरकार	प्रस्तावित
05	बैंक, एटीएम जैसे बैंकिंग बुनियादी ढांचे का विकास	-	उ0प्र0 सरकार	प्रस्तावित
06	आँकडें केंद्र एवं बेतार संचार आधारित संरचना का विकास	8	उ0प्र0 सरकार	प्रस्तावित
07	पहचान स्थलों एवं अन्य क्षेत्रों में कचरा निपटान प्रणाली का कार्यान्वयन।	1.5	उ0प्र0 सरकार	प्रस्तावित

कैपेक्स :– निधि व्यय (रूपया करोड़ में)

जयपुर मंदिर परिसर

क्र. सं.	परियोजना	परियोजना का प्रकार	हितधारक	चरण सत्र (प्रतिशत में)		
				एस	एम	एल
01	क्षेत्र स्तरः संरक्षण एवं क्षेत्र विकास कार्य (संरक्षण, परिदृश्य, मुखौटा एवं स्मारक प्रकाश, विद्युत नलसाजी, जल प्रबंधन, निगरानी योजना शामिल है)	प्रमुख	राजस्थान सरकार	–	50%	50%
02	संरक्षण योजना एवं विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार करना	गौण	पीपीपी	–	100%	–
03	चौपाल का संरक्षण एवं स्थल विकास (डीपीआर)	गौण	पीपीपी	–	100%	–
04	दानगढ़ बावली का संरक्षण एवं पुनरोद्धार : बावली के निर्मित ताने–बाने का संरक्षण एवं स्थल विकास कार्य	गौण	पीपीपी	–	50%	50%
05	जल विहार कुंड एवं दोहनी कुंड का पुनरोद्धार : कुंड के निर्मित ताने–बाने का संरक्षण एवं स्थल विकास कार्य (सावधानीपूर्वक स्थलाकृतिक अध्ययन के बाद जल पुनर्भरण को सक्षम करने के लिए मौजूदा भूभाग के साथ ढलानों को फिर से परिभाषित करना– बावली का पुनरोद्धार) में कुंड के चारों एवं स्वदेषी प्रजातियों के अन्य परिदृष्य हस्तक्षेपों के साथ पेड़ लगाना भी शामिल है।	प्रमुख	पर्यटन विभाग	–	50%	50%

एस (S)– सूक्ष्म सत्र : 1–3 वर्ष ; एम (M)– मध्यम सत्र : 3–10 वर्ष ;एल(L) – वृहद सत्र : 10–20 वर्ष
गौण – 5 करोड़ रूपये तक की लागत वाले

प्रमुख – 5 करोड़ रूपये की लागत से अधिक वाले
यू.पी.बी.टी.वी.पी–उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद
राजस्थान सरकार – राजस्थान शासन
पर्यटन विभाग– उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग

व्यवहार्यता मूल्यांकन

क्र. सं.	परियोजना	निधि व्यय	वित्त पोषण	परियोजना की स्थिति
01	क्षेत्र स्तरः संरक्षण एवं क्षेत्र विकास कार्य (संरक्षण, परिदृश्य, मुखौटा एवं स्मारक प्रकाश, विद्युत नलसाजी, जल प्रबंधन, निगरानी योजना शामिल है)	12	राजस्थान सरकार	प्रस्तावित
02	संरक्षण योजना एवं विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार करना	0.2	राजस्थान सरकार	प्रस्तावित
03	चौपाल का संरक्षण एवं स्थल विकास (डीपीआर)	0.01	स्थानीय निकाय/ नगर पंचायत	प्रस्तावित
04	दानगढ़ बावली का संरक्षण एवं पुनरोद्धार : बावली के निर्मित ताने–बाने का संरक्षण एवं स्थल विकास कार्य	0.06	सीएसआर	प्रस्तावित
05	जल विहार कुंड एवं दोहनी कुंड का पुनरोद्धार : कुंड के निर्मित ताने–बाने का संरक्षण एवं स्थल विकास कार्य (सावधानीपूर्वक स्थलाकृतिक अध्ययन के बाद जल पुनर्भरण को सक्षम करने के लिए मौजूदा भूभाग के साथ ढलानों को फिर से परिभाषित करना– बावली का पुनरोद्धार) में कुंड के चारों एवं स्वदेषी प्रजातियों के अन्य परिदृष्य हस्तक्षेपों के साथ पेड़ लगाना भी शामिल है।	6.5	सीएसआर	प्रस्तावित

कैपेक्स :– निधि व्यय (रूपया करोड़ में)

नन्दगॉव

मध्यम सार्वजनिक परिवहन सुविधा

क्र. सं.	परियोजना	परियोजना का प्रकार	हितधारक	चरण सत्र (प्रतिशत में)		
				एस	एम	एल
01	नए रास्ते एवं पैदल रास्ते– ट्रेलिस/पैनल : (लंबाई : 1.5 किमी, चौड़ाई : 5 मी)	गौण	यूपीबीटीवीपी		100%	
02	सड़क के उपर एवं ट्रेल साइनेज	गौण	यूपीबीटीवीपी	100%		
03	सौर प्रकाश व्यवस्था (क्षेत्र प्रकाश, मार्ग प्रकाश)	गौण	यूपीबीटीवीपी	100%		

एस (S)– सूक्ष्म सत्र : 1–3 वर्ष ; एम (M)– मध्यम सत्र : 3–10 वर्ष ;एल(L) – वृहद सत्र : 10–20 वर्ष
गौण – 5 करोड़ रूपये तक की लागत वाले
प्रमुख – 5 करोड़ रूपये की लागत से अधिक वाले
यू.पी.बी.टी.वी.पी–उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद

व्यवहार्यता मूल्यांकन

क्र. सं.	परियोजना	निधि व्यय	वित्त पोषण	परियोजना की स्थिति
01	नए रास्ते एवं पैदल रास्ते– ट्रेलिस/पैनल : (लंबाई : 1.5 किमी, चौड़ाई : 5 मी)	4	प्रो–पुअर योजना	प्रस्तावित
02	सड़क के उपर एवं ट्रेल साइनेज	0.5	प्रो–पुअर योजना	प्रस्तावित
03	सौर प्रकाश व्यवस्था (क्षेत्र प्रकाश, मार्ग प्रकाश)	0.12	प्रो–पुअर योजना	प्रस्तावित

कैपेक्स :– निधि व्यय (रूपया करोड़ में)

प्रो–पुअर योजना –

नन्द बाबा मंदिर परिसर का पुनर्विकास

क्र. सं.	परियोजना	परियोजना का प्रकार	हितधारक	चरण सत्र		
				एस	एम	एल
01	नंद बाबा मंदिर एवं रंगीली चौक के बीच सड़क के अग्रभाग का सौंदर्यीकरण (लंबाई : 350 मीटर, चौड़ाई : 3.5 मीटर)	गौण	यूपीबीटीवीपी	–	100%	–
02	नंद बाबा मंदिर एवं भूरे का चौक के बीच सड़क के अग्रभाग का सौंदर्यीकरण (लंबाई : 100 मीटर, चौड़ाई : 3.5 मीटर)	गौण	यूपीबीटीवीपी	–	100%	–
03	नंद भवन से रास चबूतरा होते हुए नंद चौक तक पहुँच मार्ग का सौंदर्यीकरण (लंबाई : 500 मीटर, चौड़ाई : 3.5 मीटर)	गौण	यूपीबीटीवीपी	100%	–	–

04	श्री नंद भवन के लिए प्रबंधन योजना तैयार करना	गौण	यूपीबीटीवीपी	100%	–	–
05	नंद बाबा मंदिर परिसर में प्रकाश व्यवस्था	गौण	यूपीबीटीवीपी	100%	–	–
06	आंगतुकों की पार्किंग का विकास	गौण	यूपीबीटीवीपी	100%	–	–
07	बुनियादी बातों का विकास रंगीली चौक भूरे का चौक	प्रमुख	यूपीबीटीवीपी	–	100%	–
08	पर्यटक सुविधाएं (2 संख्या)	प्रमुख	यूपीबीटीवीपी	100%	–	–

एस (S)– सूक्ष्म सत्र : 1–3 वर्ष ; एम (M)– मध्यम सत्र : 3–10 वर्ष ;एल(L) – वृहद सत्र : 10–20 वर्ष
गौण – 5 करोड़ रूपये तक की लागत वाले
प्रमुख – 5 करोड़ रूपये की लागत से अधिक वाले
यू.पी.बी.टी.वी.पी–उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद

व्यवहार्यता मूल्यांकन

क्र. सं.	परियोजना	निधि व्यय	वित्त पोषण	परियोजना की स्थिति
01	नंद बाबा मंदिर एवं रंगीली चौक के बीच सड़क के अग्रभाग का सौंदर्यीकरण (लंबाई : 350 मीटर, चौड़ाई : 3.5 मीटर)	1	पर्यटन विभाग	प्रस्तावित
02	नंद बाबा मंदिर एवं भूरे का चौक के बीच सड़क के अग्रभाग का सौंदर्यीकरण (लंबाई : 100 मीटर, चौड़ाई : 3.5 मीटर)	0.35	पर्यटन विभाग	प्रस्तावित
03	नंद भवन से रास चबूतरा होते हुए नंद चौक तक पहुँच मार्ग का सौंदर्यीकरण (लंबाई : 500 मीटर, चौड़ाई : 3.5 मीटर)	0.3	पर्यटन विभाग	पूर्ण
04	श्री नंद भवन के लिए प्रबंधन योजना तैयार करना	0.02	उ0प्र0 सरकार	पूर्ण
05	नंद बाबा मंदिर परिसर में प्रकाश व्यवस्था	1	उ0प्र0 सरकार	पूर्ण
06	आंगतुकों की पार्किंग का विकास	0.2	उ0प्र0 सरकार	पूर्ण
07	बुनियादी बातों का विकास रंगीली चौक भूरे का चौक	0.5	उ0प्र0 सरकार	पूर्ण
08	पर्यटक सुविधाएं (2 संख्या)	15	पर्यटन विभाग	प्रस्तावित

कैपेक्स :– निधि व्यय (रूपया करोड़ में)

कुंडों का पुनर्विकास एवं सौंदर्यीकरण

क्र. सं.	परियोजना	परियोजना का प्रकार	हितधारक	चरण सत्र (प्रतिशत में)		
				एस	एम	एल
01	आशेश्वर कुंड का पुनर्विकास नई पहुँच सड़क का विकास आशेश्वर कुंड में सौंदर्यीकरण एवं पर्यटन सुविधाएं	गौण	यूपीबीटीवीपी	100%	–	–
02	वृंदा कुंड नई पहुँच सड़क का विकास वृंदा कुंड में सौंदर्यीकरण एवं पर्यटन सुविधाएं	गौण	यूपीबीटीवीपी	100%	–	–
03	पनिहारी कुंड का विकास	गौण	यूपीबीटीवीपी	–	100%	–
04	मोर कुंड एवं उद्धव कुंड का संरक्षण एवं पुनरोद्धार	गौण	यूपीबीटीवीपी	–	100%	–
05	नारायण कुंड का संरक्षण एवं पुनरोद्धार	गौण	यूपीबीटीवीपी	–	100%	–
06	नंद कुंड एवं यशोदा कुंड का संरक्षण एवं पुनरोद्धार	गौण	यूपीबीटीवीपी	–	–	100%
07	मोहन कुंड एवं मधुसूदन कुंड का संरक्षण एवं पुनरोद्धार	प्रमुख	यूपीबीटीवीपी	–	50%	50%
08	दोरेठा कुंड एवं काजल कुंड का संरक्षण एवं पुनरोद्धार	प्रमुख	यूपीबीटीवीपी	50%	50%	–
09	हाओ बिलाव मंदिर का संरक्षण एवं पुनरोद्धार	गौण	यूपीबीटीवीपी	–	–	100%
10	आगंतुक सुविधाएं	गौण	यूपीबीटीवीपी	100%		
11	पारिस्थितिक संरक्षण हस्क्षेप द्वारा उद्धव क्यारी का कायाकल्प मौजूदा पहुँच मार्ग का पुनर्विकास कुंड एवं अहाते का सौंदर्यीकरण	प्रमुख	यूपीबीटीवीपी	–	50%	50%

एस (S)– सूक्ष्म सत्र : 1–3 वर्ष ; एम (M)– मध्यम सत्र : 3–10 वर्ष ;एल(L) – वृहद सत्र : 10–20 वर्ष
गौण – 5 करोड़ रूपये तक की लागत वाले
प्रमुख – 5 करोड़ रूपये की लागत से अधिक वाले
यू.पी.बी.टी.वी.पी–उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद

व्यवहार्यता मूल्यांकन

क्र. सं.	परियोजना	निधि व्यय	वित्त पोषण	परियोजना की स्थिति
01	आशेश्वर कुंड का पुनर्विकास नई पहुँच सड़क का विकास आशेश्वर कुंड में सौंदर्यीकरण एवं पर्यटन सुविधाएं	1.5	पर्यटन विभाग	पूर्ण

02	वृंदा कुंड नई पहुँच सड़क का विकास वृंदा कुंड में सौंदर्यीकरण एवं पर्यटन सुविधाएं	2	पर्यटन विभाग	पूर्ण
03	पनिहारी कुंड का विकास	4	पर्यटन विभाग	प्रस्तावित
04	मोर कुंड एवं उद्धव कुंड का संरक्षण एवं पुनरोद्धार	1.5	पर्यटन विभाग	प्रस्तावित
05	नारायण कुंड का संरक्षण एवं पुनरोद्धार	0.5	पर्यटन विभाग	प्रस्तावित
06	नंद कुंड एवं यषोदा कुंड का संरक्षण एवं पुनरोद्धार	3	पर्यटन विभाग	प्रस्तावित
07	मोहन कुंड एवं मधुसूदन कुंड का संरक्षण एवं पुनरोद्धार	8	पर्यटन विभाग	प्रस्तावित
08	दोरेठा कुंड एवं काजल कुंड का संरक्षण एवं पुनरोद्धार	10	पर्यटन विभाग	प्रस्तावित
09	हाओ बिलाव मंदिर का संरक्षण एवं पुनरोद्धार	0.5	पर्यटन विभाग, सीएसआर	प्रस्तावित
10	आगंतुक सुविधाएं	2	पर्यटन विभाग	प्रस्तावित
11	पारिस्थितिक संरक्षण हस्क्षेप द्वारा उद्धव क्यारी का कायाकल्प मौजूदा पहुँच मार्ग का पुनर्विकास कुंड एवं अहाते का सौंदर्यीकरण	8	उ0प्र0 सरकार	प्रस्तावित

कैपेक्स :– निधि व्यय (रूपया करोड़ में)

पवन सरोवर का संरक्षण एवं जीर्णोद्धार

क्र. सं.	परियोजना	परियोजना का प्रकार	हितधारक	चरण सत्र (प्रतिशत में)		
				एस	एम	एल
01	पवन सरोवर का संरक्षण एवं पुनरोद्धार	प्रमुख	यूपीबीटीवीपी	100%	–	–
02	स्थल विकास के साथ सरोवर के निर्मित ताने–बाने का संरक्षण	गौण	यूपीबीटीवीपी	100%	–	–
03	तूफान जल प्रबंधन प्रणाली के कार्यान्वयन के माध्यम से कुंड का पुनर्भरण भी	गौण	यूपीबीटीवीपी	100%	–	–
04	तीर्थयात्री सुविधाएं	गौण	यूपीबीटीवीपी	100%	–	–

एस (S)– सूक्ष्म सत्र : 1–3 वर्ष ; एम (M)– मध्यम सत्र : 3–10 वर्ष ;एल(L) – वृहद सत्र : 10–20 वर्ष
गौण – 5 करोड़ रूपये तक की लागत वाले
प्रमुख – 5 करोड़ रूपये की लागत से अधिक वाले
यू.पी.बी.टी.वी.पी–उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद

व्यवहार्यता मूल्यांकन

क्र. सं.	परियोजना	निधि व्यय	वित्त पोषण	परियोजना की स्थिति
01	पवन सरोवर का संरक्षण एवं पुनरोद्धार	5.5	उ0प्र0 सरकार	पूर्ण
02	स्थल विकास के साथ सरोवर के निर्मित ताने–बाने का संरक्षण	1.2	उ0प्र0 सरकार	पूर्ण
03	तूफान जल प्रबंधन प्रणाली के कार्यान्वयन के माध्यम से कुंड का पुनर्भरण भी	0.5	उ0प्र0 सरकार	पूर्ण
04	तीर्थयात्री सुविधाएं	0.6	उ0प्र0 सरकार	पूर्ण

कैपेक्स :– निधि व्यय (रूपया करोड़ में)

कृष्ण कुंड एवं ललिता कुंड का संरक्षण एवं कायाकल्प

क्र. सं.	परियोजना	परियोजना का प्रकार	हितधारक	चरण सत्र (प्रतिशत में)		
				एस	एम	एल
01	कृष्ण कुंड एवं ललिता कुंड का संरक्षण एवं पुनरोद्धार	प्रमुख	यूपीबीटीवीपी	100%	–	–
02	स्थल विकास के साथ कुंडों के निर्मित कपड़े का संरक्षण	गौण	यूपीबीटीवीपी	100%	–	–
03	तूफान जल प्रबंधन प्रणाली के कार्यान्वयन के माध्यम से कुंड का पुनर्भरण भी	गौण	यूपीबीटीवीपी	100%	–	–
04	तीर्थयात्री सुविधाएं	गौण	यूपीबीटीवीपी	100%	–	–

एस (S)– सूक्ष्म सत्र : 1–3 वर्ष ; एम (M)– मध्यम सत्र : 3–10 वर्ष ;एल(L) – वृहद सत्र : 10–20 वर्ष
गौण – 5 करोड़ रूपये तक की लागत वाले
प्रमुख – 5 करोड़ रूपये की लागत से अधिक वाले
यू.पी.बी.टी.वी.पी–उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद

व्यवहार्यता मूल्यांकन

क्र.सं.	परियोजना	निधि व्यय	वित्त पोषण	परियोजना की स्थिति
01	कृष्ण कुंड एवं ललिता कुंड का संरक्षण एवं पुनरोद्धार	6	पर्यटन विभाग	कार्यरत
02	स्थल विकास के साथ कुंडों के निर्मित कपड़े का संरक्षण	1	पर्यटन विभाग	कार्यरत
03	तूफान जल प्रबंधन प्रणाली के कार्यान्वयन के माध्यम से कुंड का पुनर्भरण भी	1	पर्यटन विभाग	कार्यरत

04	तीर्थयात्री सुविधाएं	1	पर्यटन विभाग	कार्यरत

कैपेक्स :– निधि व्यय (रूपया करोड़ में)

मोती कुंड का संरक्षण एवं जीर्णोद्धार

क्र. सं.	परियोजना	परियोजना का प्रकार	हितधारक	चरण सत्र		
				एस	एम	एल
01	मोती कुंड का संरक्षण एवं पुनरोद्धार	गौण	यूपीबीटीवीपी		100%	
02	स्थल विकास के साथ मोती कुंड के निर्मित ताने–बाने का संरक्षण	गौण	यूपीबीटीवीपी		50%	50%
03	तूफान जल प्रबंधन प्रणाली के कार्यान्वयन के माध्यम से कुंड का पुनर्भरण भी	गौण	यूपीबीटीवीपी	50%	50%	
04	तीर्थयात्री सुविधाएं	गौण	यूपीबीटीवीपी		100%	

एस (S)– सूक्ष्म सत्र : 1–3 वर्ष ; एम (M)– मध्यम सत्र : 3–10 वर्ष ;एल(L) – वृहद सत्र : 10–20 वर्ष
गौण – 5 करोड़ रूपये तक की लागत वाले
प्रमुख – 5 करोड़ रूपये की लागत से अधिक वाले
यू.पी.बी.टी.वी.पी–उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद

व्यवहार्यता मूल्यांकन

क्र.सं.	परियोजना	कैपेक्स	वित्तयपोषण	परियोजना की स्थिति
01	मोती कुंड का संरक्षण एवं पुनरोद्धार	1	पर्यटन विभाग	प्रस्तावित
02	स्थल विकास के साथ मोती कुंड के निर्मित ताने–बाने का संरक्षण	0.2	पर्यटन विभाग	प्रस्तावित
03	तूफान जल प्रबंधन प्रणाली के कार्यान्वयन के माध्यम से कुंड का पुनर्भरण भी	0.2	पर्यटन विभाग	प्रस्तावित
04	तीर्थयात्री सुविधाएं	0.5	पर्यटन विभाग	प्रस्तावित

कैपेक्स :– निधि व्यय (रूपया करोड़ में)

भौतिक एवं सामाजिक अवसंरचना का उन्नयन

क्र.सं.	परियोजना	परियोजना का प्रकार	हितधारक	चरण सत्र (प्रतिशत में)		
				एस	एम	एल
01	नंदगांव में मलजल उपचार संयंत्र (एसटीपी) एवं जलनिकासी का विकास	गौण	जल निगम	50%	–	50%
02	नंदगांव में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन	गौण	यूएलबी	50%	–	50%
03	जल प्रशोधन संयंत्र	गौण	जल निगम	50%	50%	–

एस (S)– सूक्ष्म सत्र : 1–3 वर्ष ; एम (M)– मध्यम सत्र : 3–10 वर्ष ; एल(L) – वृहद सत्र : 10–20 वर्ष
गौण – 5 करोड़ रूपये तक की लागत वाले
प्रमुख – 5 करोड़ रूपये की लागत से अधिक वाले
जल निगम – उत्तर प्रदेश जल निगम
यूएलबी – शहरी विकास विभाग

व्यवहार्यता मूल्यांकन

क्र. सं.	परियोजना	निधि व्यय	वित्त पोषण	परियोजना की स्थिति
01	नंदगांव में मलजल उपचार संयंत्र (एसटीपी) एवं जलनिकासी का विकास	1.8	उ0प्र0 सरकार	प्रस्तावित
02	नंदगांव में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन	1.5	उ0प्र0 सरकार	प्रस्तावित
03	जल प्रशोधन संयंत्र	6.5	उ0प्र0 सरकार	प्रस्तावित

कैपेक्स :– निधि व्यय (रूपया करोड़ में)

पर्यटक हब एवं सुविधाएं

क्र.सं.	परियोजना	परियोजना का प्रकार	हितधारक	चरण सत्र (प्रतिशत में)		
				एस	एम	एल
01	आगंतुक सुविधा केंद्र के रूप में सरकारी बीज गृह का संरक्षण एवं अनुकूल पुनः उपयोग	गौण	यूपीबीटीवीपी	–	100%	–
02	दाऊ जी चौपाल का स्थानीय लोगों के लिए एक सामाजिक स्थल के रूप में संरक्षण एवं स्थल विकास	गौण	यूपीबीटीवीपी	–	100%	–
03	मालिकों से आवष्यक अनुमति लेने के लिए रात भर ठहरने के लिए कुछ हवेलियों का संरक्षण एवं अनुकूल पुनः उपयोग	गौण	पीपीपी	–	50%	50%
04	मुरली घाट पर होली चबूतरे का सौंदर्यीकरण	गौण	यूपीबीटीवीपी	–	100%	–
05	मुरली घाट का पुनर्विकास	गौण	यूपीबीटीवीपी	–	100%	–
06	सांस्कृतिक एवं धार्मिक महत्व के स्थल के रूप में टेर कदम्ब का कायाकल्प	गौण	यूपीबीटीवीपी	100%	–	–
07	शिविर क्षेत्रों का विकास	गौण	पीपीपी	–	50%	50%

एस (S)– सूक्ष्म सत्र : 1–3 वर्ष ; एम (M)– मध्यम सत्र : 3–10 वर्ष ;एल(L) – वृहद सत्र : 10–20 वर्ष
गौण – 5 करोड़ रूपये तक की लागत वाले
प्रमुख – 5 करोड़ रूपये की लागत से अधिक वाले
यू.पी.बी.टी.वी.पी–उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद

व्यवहार्यता मूल्यांकन

क्र. सं.	परियोजना	निधि व्यय	वित्त पोषण	परियोजना की स्थिति
01	आगंतुक सुविधा केंद्र के रूप में सरकारी बीज गृह का संरक्षण एवं अनुकूल पुनः उपयोग	2	पर्यटन विभाग	प्रस्तावित
02	दाऊ जी चौपाल का स्थानीय लोगों के लिए एक सामाजिक स्थल के रूप में संरक्षण एवं स्थल विकास	0.5	सीएसआर	प्रस्तावित
03	मालिकों से आवष्यक अनुमति लेने के लिए रात भर ठहरने के लिए कुछ हवेलियों का संरक्षण एवं अनुकूल पुनः उपयोग	-	सीएसआर	प्रस्तावित
04	मुरली घाट पर होली चबूतरे का सौंदर्यीकरण	1	उ0प्र0 सरकार	प्रस्तावित
05	मुरली घाट का पुनर्विकास	1	सिचांई विभाग	प्रस्तावित
06	सांस्कृतिक एवं धार्मिक महत्व के स्थल के रूप में टेर कदम्ब का कायाकल्प		राज्य संस्कृति विभाग	प्रस्तावित
07	शिविर क्षेत्रों का विकास	20	सीएसआर	प्रस्तावित

कैपेक्स :– निधि व्यय (रूपया करोड़ में)

समूह 4 : गोकुल महाबन, बलदेव

गोकुल

मध्यम सार्वजनिक परिवहन सुविधा

क्र.सं.	परियोजना	परियोजना का प्रकार	हितधारक	चरण सत्र (प्रतिशत में)		
				एस	एम	एल
01	नए साइकिल पथ एवं पैदल रास्ते – टेलिस/पैनल (2 किमी)	गौण	यूपीबीटीवीपी	–	100%	–
02	यमुना नदी के किनारे ई–रिक्शा डिपो एवं चार्जिंग स्टेशन का विकास	गौण	यूपीबीटीवीपी	–	100%	–
03	बुनियादी बोर्डिंग स्थान (संख्या 11) विद्युत वाहनों का विकास	गौण	यूपीबीटीवीपी	–	100%	–
04	विद्युत वाहन	गौण	यूपीबीटीवीपी	50%	50%	–
05	साइकिलें	गौण	यूपीबीटीवीपी	50%	50%	–
06	मार्ग के उपर एवं ट्रेल साइनेज	गौण	यूपीबीटीवीपी	100%	–	–
07	प्रकाश व्यवस्था (क्षेत्र प्रकाश, मार्ग प्रकाश)	गौण	यूपीबीटीवीपी	50%	50%	–

एस (S)– सूक्ष्म सत्र : 1–3 वर्ष ; एम (M)– मध्यम सत्र : 3–10 वर्ष ; एल(L) – वृहद सत्र : 10–20 वर्ष
गौण – 5 करोड़ रूपये तक की लागत वाले
प्रमुख – 5 करोड़ रूपये की लागत से अधिक वाले
यू.पी.बी.टी.वी.पी–उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद

व्यवहार्यता मूल्यांकन

क्र. सं.	परियोजना	निधि व्यय	वित्त पोषण	परियोजना की स्थिति
01	नए साइकिल पथ एवं पैदल रास्ते – टेलिस/पैनल (2 किमी)	4	पर्यटन विभाग	प्रस्तावित
02	यमुना नदी के किनारे ई–रिक्शा डिपो एवं चार्जिंग स्टेशन का विकास	2.5	उ0प्र0 सरकार	प्रस्तावित
03	बुनियादी बोर्डिंग स्थान (संख्या 11) विद्युत वाहनों का विकास	2.45	उ0प्र0 सरकार	प्रस्तावित
04	विद्युत वाहन	0.5	उ0प्र0 सरकार	प्रस्तावित
05	साइकिलें	0.5	उ0प्र0 सरकार	प्रस्तावित

06	मार्ग के उपर एवं ट्रेल साइनेज	2	उ0प्र0 सरकार	प्रस्तावित
07	प्रकाश व्यवस्था (क्षेत्र प्रकाश, मार्ग प्रकाश)	1.5	राज्य विद्युत विभाग	**प्रस्तावित**

कैपेक्स :– निधि व्यय (रूपया करोड़ में)

यूपीपीसीएल – उत्तर प्रदेश विद्युत विभाग

घाटों एवं नन्दकिला परिसर का कायाकल्प एवं संरक्षण

क्र. सं.	परियोजना	परियोजना का प्रकार	हितधारक	चरण सत्र (प्रतिशत में)		
				एस	एम	एल
01	बैकुंठ द्वार एवं बॉस दरवाजा का संरक्षण (घाटों के निर्मित ताने–बाने का संरक्षण एवं साइट के विकास के लिए प्रावधान, कचरे की सफाई के माध्यम से जल निकाय का पुनरोद्धार, प्रदूशकों को हटाना, आदि एवं अन्य परिदृश्य हस्तक्षेपों के साथ जल निकाय के आसपास स्वदेशी प्रजातियों के पेड़ लगाना)	गौण	यूपीबीटीवीपी	–	100%	–
02	जगन्नाथ घाट, ठकुरानी घाट, एवं यशोदा घाट का संरक्षण (घाटों के निर्मित ताने–बाने का संरक्षण, पीने के पानी एवं चेंजिंग रूम जैसी आगंतुक सुविधाओं सहित साइट के विकास का प्रावधान– शहरी योजनाओं एवं संरक्षण वास्तुकारों के परामर्श से योजना एवं सामग्री एवं क्षेत्र प्रबंधन की तैयारी योजना)	गौण	यूपीबीटीवीपी	100%	–	–
03	डाकघर का संरक्षण (पीने के पानी की सुविधा के प्राविधान के साथ आगंतुकों के लिए ठहराव बिंदु बनाने के लिए डाकघर के चौक पर निर्मित कपड़े एवं लैंडस्केप हस्तक्षेप का संरक्षण)	गौण	यूपीबीटीवीपी	–	100%	–
04	नंदकिला का स्मारक प्रकाश	गौण	यूपीबीटीवीपी	–	100%	–
05	गोकुल स्कूल का संरक्षण एवं अनुकूल पुनः उपयोग	गौण	यूपीबीटीवीपी	–	100%	–
06	नंद द्वार का संरक्षण, एवं काका जी का नोहरा का द्वार	गौण	यूपीबीटीवीपी	–	100%	–

एस (S)– सूक्ष्म सत्र : 1–3 वर्ष ; एम (M)– मध्यम सत्र : 3–10 वर्ष ;एल(L) – वृहद सत्र : 10–20 वर्ष
गौण – 5 करोड़ रूपये तक की लागत वाले

प्रमुख – 5 करोड़ रूपये की लागत से अधिक वाले
यू.पी.बी.टी.वी.पी–उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद

व्यवहार्यता मूल्यांकन

क्र. सं.	परियोजना	निधि व्यय	वित्त पोषण	परियोजना की स्थिति
01	बैकुंठ द्वार एवं बॉस दरवाजा का संरक्षण (घाटों के निर्मित ताने–बाने का संरक्षण एवं साइट के विकास के लिए प्रावधान, कचरे की सफाई के माध्यम से जल निकाय का पुनरोद्धार, प्रदूशकों को हटाना, आदि एवं अन्य परिदृश्य हस्तक्षेपों के साथ जल निकाय के आसपास स्वदेशी प्रजातियों के पेड़ लगाना)	6	राज्य पुरातत्व विभाग	प्रस्तावित
02	जगन्नाथ घाट, ठकुरानी घाट, एवं यशोदा घाट का संरक्षण (घाटों के निर्मित ताने–बाने का संरक्षण, पीने के पानी एवं चेंजिंग रूम जैसी आगंतुक सुविधाओं सहित साइट के विकास का प्रावधान– शहरी योजनाओं एवं संरक्षण वास्तुकारों के परामर्श से योजना एवं सामग्री एवं क्षेत्र प्रबंधन की तैयारी योजना)	-	पर्यटन विभाग	प्रस्तावित
03	डाकघर का संरक्षण (पीने के पानी की सुविधा के प्राविधान के साथ आगंतुकों के लिए ठहराव बिंदु बनाने के लिए डाकघर के चौक पर निर्मित कपड़े एवं लैंडस्केप हस्तक्षेप का संरक्षण)	1.5	राज्य पुरातत्व विभाग / उ0प्र0 सरकार	प्रस्तावित
04	नंदकिला का स्मारक प्रकाश	2	पर्यटन विभाग	प्रस्तावित
05	गोकुल स्कूल का संरक्षण एवं अनुकूल पुनः उपयोग	3	सीएसआर	प्रस्तावित
06	नंद द्वार का संरक्षण, एवं काका जी का नोहरा का द्वार	0.75	राज्य पुरातत्व विभाग	प्रस्तावित

कैपेक्स :– निधि व्यय (रूपया करोड़ में)

गोकुल परिक्रमा मार्ग का विकास

क्र.सं.	परियोजना	परियोजना का प्रकार	हितधारक	चरण सत्र (प्रतिशत में)		
				एस	एम	एल
01	गोकुल परिक्रमा पथों एवं पैदल पगडंडियों का विकास – ट्रेलिस / पैनल (5 किमी)	प्रमुख	यूपीबीटीवीपी	–	100%	–
02	परिक्रमा मार्ग का प्रकाश व्यवस्था (क्षेत्र प्रकाश, मार्ग प्रकाश)	गौण	यूपीबीटीवीपी	–	100%	–

03	मार्ग के उपर एवं ट्रेल साइनेज	गौण	यूपीबीटीवीपी	–	100%	–
04	पर्यटक सुविधाएं	गौण	यूपीबीटीवीपी	–	100%	–

एस (S)– सूक्ष्म सत्र : 1–3 वर्ष ; एम (M)– मध्यम सत्र : 3–10 वर्ष ;एल(L) – वृहद सत्र : 10–20 वर्ष
गौण – 5 करोड़ रूपये तक की लागत वाले
प्रमुख – 5 करोड़ रूपये की लागत से अधिक वाले
यू.पी.बी.टी.वी.पी–उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद

व्यवहार्यता मूल्यांकन

क्र. सं.	परियोजना	निधि व्यय	वित्त पोषण	परियोजना की स्थिति
01	गोकुल परिक्रमा पथों एवं पैदल पगडंडियों का विकास – ट्रेलिस/पैनल (5 किमी)	20	पर्यटन विभाग	प्रस्तावित
02	परिक्रमा मार्ग का प्रकाश (क्षेत्र प्रकाश, मार्ग प्रकाष)	3.75	पर्यटन विभाग	प्रस्तावित
03	मार्ग के उपर एवं ट्रेल साइनेज	2	पर्यटन विभाग	प्रस्तावित
04	पर्यटक सुविधाएं	2	पर्यटन विभाग	प्रस्तावित

कैपेक्स :– निधि व्यय (रूपया करोड़ में)

सड़क के अग्रभाग का सौंदर्यीकरण एवं ऐतिहासिक गलियों का संरक्षण

क्र. सं.	परियोजना	परियोजना का प्रकार	हितधारक	चरण सत्र (प्रतिशत में)		
				एस	एम	एल
01	7 ऐंतिहासिक गलियों (कुंज गली, मान गली, छबीली गली, माखन चोर गली, रंगीली गली, अंधेरी गली) के अग्रभाग का सौंदर्यीकरण : 2.1 किमी	गौण	यूपीबीटीवीपी	30%	30%	40%
02	रोशनी, बोलार्ड, सड़क असबाब, वृक्षारोपण जैसे योजना तत्वों को शामिल करना	प्रमुख	यूपीबीटीवीपी	30%	30%	40%
03	यातायात की बुनियादी बातों का कायाकल्प (6 संख्या)	गौण	यूपीबीटीवीपी	35%	35%	30%

एस (S)– सूक्ष्म सत्र : 1–3 वर्ष ; एम (M)– मध्यम सत्र : 3–10 वर्ष ;एल(L) – वृहद सत्र : 10–20 वर्ष
गौण – 5 करोड़ रूपये तक की लागत वाले
प्रमुख – 5 करोड़ रूपये की लागत से अधिक वाले
यू.पी.बी.टी.वी.पी–उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद

व्यवहार्यता मूल्यांकन

क्र.सं.	परियोजना	निधि व्यय	वित्त पोषण	परियोजना की स्थिति
01	7 ऐतिहासिक गलियों (कुंज गली, मान गली, छबीली गली, माखन चोर गली, रंगीली गली, अंधेरी गली) के अग्रभाग का सौंदर्यीकरण : 2.1 किमी	5	उ0प्र0 सरकार / सीएसआर	प्रस्तावित
02	रोशनी, बोलार्ड, सड़क असबाब, वृक्षारोपण जैसे योजना तत्वों को शामिल करना	15	उ0प्र0 सरकार / सीएसआर	प्रस्तावित
03	यातायात की बुनियादी बातों का कायाकल्प (6 संख्या)	3	पीडब्लूडी	प्रस्तावित

कैपेक्स :– निधि व्यय (रूपया करोड़ में)

नंद यशोदा भवन तक पहुँच मार्ग की गली एवं अग्रभाग सौंदर्यीकरण

क्र.सं.	परियोजना	परियोजना का प्रकार	हितधारक	चरण सत्र (प्रतिशत में)		
				एस	एम	एल
01	नंद यशोदा भवन के पहुंच मार्ग से सटे भवनों के अग्रभाग का सौंदर्यीकरण	गौण	यूपीबीटीवीपी	–	100%	–
02	रोशनी, बोलार्ड, सड़क असबाब, वृक्षारोपण जैसे योजना तत्वों को शामिल करना	गौण	यूपीबीटीवीपी	–	100%	–
03	मंदिर प्रांगण का विकास	गौण	यूपीबीटीवीपी	–	100%	–

एस (S)– सूक्ष्म सत्र : 1–3 वर्ष ; एम (M)– मध्यम सत्र : 3–10 वर्ष ;एल(L) – वृहद सत्र : 10–20 वर्ष
गौण – 5 करोड़ रूपये तक की लागत वाले
प्रमुख – 5 करोड़ रूपये की लागत से अधिक वाले
यू.पी.बी.टी.वी.पी–उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद

व्यवहार्यता मूल्यांकन

क्र. सं.	परियोजना	निधि व्यय	वित्त पोषण	परियोजना की स्थिति
01	नंद यशोदा भवन के पहुंच मार्ग से सटे भवनों के अग्रभाग का सौंदर्यीकरण	1.5	पर्यटन विभाग	प्रस्तावित
02	रोशनी, बोलार्ड, सड़क असबाब, वृक्षारोपण जैसे योजना तत्वों को शामिल करना	1.5	पर्यटन विभाग	प्रस्तावित
03	मंदिर प्रांगण का विकास	2	पर्यटन	प्रस्तावित

			विभाग (धमार्थ विभाग)	

कैपेक्स :– निधि व्यय (रूपया करोड़ में)

पर्यटक हब एवं सुविधाएं

क्र. सं.	परियोजना	परियोजना का प्रकार	हितधारक	चरण सत्र (प्रतिशत में)		
				एस	एम	एल
	गोकुल का पर्यटक प्रवेश द्वार			–	–	–
01	वासुदेव वाटिका का जल वाहन एवं शहर स्तरीय मनोरंजन स्थल के लिए डिपो स्टेशन के रूप में विकास	प्रमुख	यूपीबीटीवीपी		100%	–
02	पर्यटक सुविधाएं	गौण	यूपीबीटीवीपी	–	100%	–
03	आगंतुक पार्किंग	गौण	यूपीबीटीवीपी	–	100%	–
04	जल निकायों एवं आर्द्रभूमि का विकास एवं पुनरोद्धार	गौण	यूपीबीटीवीपी	–	100%	–
05	तीर्थ यात्रियों के शयनगृह का विकास	प्रमुख	यूपीबीटीवीपी	–	100%	–
06	स्थान विशिष्ट व्याख्या केंद्र	प्रमुख	यूपीबीटीवीपी	–	100%	–
07	यशोदा घाट पर तीर्थयात्री सुविधाएं	प्रमुख	यूपीबीटीवीपी	–	100%	–
08	विश्रामगृह का विकास	प्रमुख	पीपीपी	–	100%	–
09	विश्रामालयों का विकास	प्रमुख	पीपीपी	–	100%	–
10	शिविर क्षेत्रों का विकास	गौण	पीपीपी	–	100%	–

एस (S)– सूक्ष्म सत्र : 1–3 वर्ष ; एम (M)– मध्यम सत्र : 3–10 वर्ष ;एल(L) – वृहद सत्र : 10–20 वर्ष
गौण – 5 करोड़ रूपये तक की लागत वाले
प्रमुख – 5 करोड़ रूपये की लागत से अधिक वाले
यू.पी.बी.टी.वी.पी–उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद

व्यवहार्यता मूल्यांकन

क्र.सं.	परियोजना	निधि व्यय	वित्त पोषण	परियोजना की स्थिति
	गोकुल का पर्यटक प्रवेश द्वार		**पर्यटन विभाग**	
01	वासुदेव वाटिका का जल वाहन एवं शहर स्तरीय मनोरंजन स्थल के लिए डिपो स्टेशन के रूप में विकास	48.5	उ0प्र0 सरकार	प्रस्तावित
02	पर्यटक सुविधाएं	3	पर्यटन विभाग	प्रस्तावित
03	आगंतुक पार्किंग	3.5	पर्यटन विभाग	प्रस्तावित

04	जल निकायों एवं आर्द्रभूमि का विकास एवं पुनरोद्धार	2	पर्यटन विभाग	प्रस्तावित
05	तीर्थ यात्रियों के शयनगृह का विकास	18	पर्यटन विभाग	प्रस्तावित
06	स्थान विशिष्ट व्याख्या केंद्र	15	पर्यटन विभाग	प्रस्तावित
07	यशोदा घाट पर तीर्थयात्री सुविधाएं	0.7	पर्यटन विभाग	प्रस्तावित
08	विश्रामगृह का विकास	-	सीएसआर	प्रस्तावित
09	विश्रामालयों का विकास	-	सीएसआर	प्रस्तावित
10	शिविर क्षेत्रों का विकास	5	सीएसआर	प्रस्तावित

कैपेक्स :– निधि व्यय (रूपया करोड़ में)

कमल कुंड एवं बगीची परिसर का संरक्षण एवं पुनरोद्धार

क्र. सं.	परियोजना	परियोजना का प्रकार	हितधारक	चरण सत्र (प्रतिशत में)		
				एस	एम	एल
01	कमल कुंड का संरक्षण एवं पुनरोद्धार	गौण	पीपीपी	–	–	100%
02	कमल कुंड बागीची का संरक्षण	गौण	पीपीपी	–	100%	–
03	पर्यटक सुविधाएं	गौण	यूपीबीटीवीपी	–	100%	–
04	प्रकाश (क्षेत्र प्रकाश, मार्ग प्रकाश)	गौण	यूपीबीटीवीपी	–	100%	–

एस (S)– सूक्ष्म सत्र : 1–3 वर्ष ; एम (M)– मध्यम सत्र : 3–10 वर्ष ;एल(L) – वृहद सत्र : 10–20 वर्ष
गौण – 5 करोड़ रूपये तक की लागत वाले
प्रमुख – 5 करोड़ रूपये की लागत से अधिक वाले
यू.पी.बी.टी.वी.पी–उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद

व्यवहार्यता मूल्यांकन

क्र.सं.	परियोजना	निधि व्यय	वित्त पोषण	परियोजना की स्थिति
01	कमल कुंड का संरक्षण एवं पुनरोद्धार	-	पर्यटन विभाग	प्रस्तावित
02	कमल कुंड बागीची का संरक्षण	-	पर्यटन विभाग	प्रस्तावित
03	पर्यटक सुविधाएं	1.75	पर्यटन विभाग	प्रस्तावित
04	प्रकाश (क्षेत्र प्रकाश, मार्ग प्रकाश)	2.3	पर्यटन विभाग	प्रस्तावित

कैपेक्स :– निधि व्यय (रूपया करोड़ में)

भौतिक एवं सामाजिक अवसंरचना का उन्नयन

क्र.सं.	परियोजना	परियोजना का प्रकार	हितधारक	चरण सत्र (प्रतिशत में)		
				एस	एम	एल
01	गोकुल में मलजल उपचार संयंत्र (एसटीपी) एवं जलनिकासी का विकास	गौण	यूपीबीटीवीपी/जल निगम	–	50%	50%
02	गोकुल आबादी क्षेत्र से यमुना नदी में बैराज के पास गिरने वाले गंदे नालों को नदी में गिरने से पूर्व उपचार करना	गौण	जल निगम	100%	–	–
03	गोकुलमें ठोस अपशिष्ट प्रबंधन	गौण	यूपीबीटीवीपी/ जल निगम	–	50%	50%
04	जल प्रशोधन संयंत्र	प्रमुख	यूपीबीटीवीपी/जल निगम	–	50%	50%
05	आँकडें केंद्र एवं बेतार संचार आधारित संरचना का विकास	गौण	यूपीबीटीवीपी	–	100%	–

एस (S)– सूक्ष्म सत्र : 1–3 वर्ष ; एम (M)– मध्यम सत्र : 3–10 वर्ष ; एल(L) – वृहद सत्र : 10–20 वर्ष
गौण – 5 करोड़ रूपये तक की लागत वाले
प्रमुख – 5 करोड़ रूपये की लागत से अधिक वाले
यू.पी.बी.टी.वी.पी–उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद
जल निगम – उत्तर प्रदेश जल निगम

व्यवहार्यता मूल्यांकन

क्र.सं.	परियोजना	निधि व्यय	वित्त पोषण	परियोजना की स्थिति
01	गोकुल में मलजल उपचार संयंत्र (एसटीपी) एवं जलनिकासी का विकास	3.6	उ0प्र0 सरकार	प्रस्तावित
02	गोकुल आबादी क्षेत्र से यमुना नदी में बैराज के पास गिरने वाले गंदे नालों को नदी में गिरने से पूर्व उपचार करना	4.9	उ0प्र0 सरकार	प्रस्तावित
03	गोकुलमें ठोस अपशिष्ट प्रबंधन	1.5	उ0प्र0 सरकार	प्रस्तावित
04	जल प्रशोधन संयंत्र	6.75	उ0प्र0 सरकार	प्रस्तावित
05	आँकडें केंद्र एवं बेतार संचार आधारित संरचना का विकास	4	उ0प्र0 सरकार	प्रस्तावित

कैपेक्स :– निधि व्यय (रूपया करोड़ में)

नदी किनारे विकास

चिंताहरण महादेव मंदिर घाट

क्र. सं.	परियोजना	परियोजना का प्रकार	हितधारक	चरण सत्र (प्रतिशत में)		
				एस	एम	एल
01	कठोर दृश्यों का जीर्णोद्धार एवं घाटों का निर्मित स्वरूप	गौण	यूपीबीटीवीपी	100%	–	–
02	प्रकाश फर्नीचर आदि जैसे मार्ग के दृश्य तत्वों के प्रावधान के माध्यम से घाट का सौंदर्यीकरण	गौण	यूपीबीटीवीपी	100%	–	–
03	यशोदा घाट एवं चिंतन हरण महादेव के बीच नदी किनारे का विकास	प्रमुख	यूपीबीटीवीपी	–	100%	–

एस (S)– सूक्ष्म सत्र : 1–3 वर्ष ; एम (M)– मध्यम सत्र : 3–10 वर्ष ; एल(L) – वृहद सत्र : 10–20 वर्ष
गौण – 5 करोड़ रूपये तक की लागत वाले
प्रमुख – 5 करोड़ रूपये की लागत से अधिक वाले
यू.पी.बी.टी.वी.पी–उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद

व्यवहार्यता मूल्यांकन

क्र. सं.	परियोजना	निधि व्यय	वित्त पोषण	परियोजना की स्थिति
01	कठोर दृश्यों का जीर्णोद्धार एवं घाटों का निर्मित स्वरूप	0.61	पर्यटन विभाग	पूर्ण
02	प्रकाश फर्नीचर आदि जैसे मार्ग के दृश्य तत्वों के प्रावधान के माध्यम से घाट का सौंदर्यीकरण	0.6	पर्यटन विभाग	पूर्ण
03	यशोदा घाट एवं चिंतन हरण महादेव के बीच नदी किनारे का विकास	12	पर्यटन विभाग	पूर्ण

कैपेक्स :– निधि व्यय (रूपया करोड़ में)

महावन

महावन का पर्यटन प्रवेश द्वार

क्र. सं.	परियोजना	परियोजना का प्रकार	हितधारक	चरण सत्र (प्रतिशत में)		
				एस	एम	एल
01	अतिरिक्त बाई–पास सड़क का विकास : 120 मी.	गौण	राज्य पीडब्ल्यूडी/ यूपीबीटीवीपी	–	100%	–
02	आगंतुक पार्किंग का विकास	गौण	यूपीबीटीवीपी	–	100%	–
03	पर्यटक सुविधा ब्लॉक का विकास	गौण	यूपीबीटीवीपी	–	100%	–
04	नए रास्ते एवं पैदल रास्ते – ट्रेलिस/पैनल (200 मीटर)	गौण	राज्य पीडब्ल्यूडी/ यूपीबीटीवीपी	–	100%	–
05	विद्युत वाहन	गौण	पीपीपी	–	50%	50%
06	साइकिलें	गौण	पीपीपी	–	50%	50%
07	मार्ग के उपर एवं ट्रेल साइनेज	गौण	यूपीबीटीवीपी	–	100%	–
08	प्रकाश व्यवस्था (क्षेत्र प्रकाश, मार्ग प्रकाश)	गौण	यूपीबीटीवीपी	–	100%	–
09	तीर्थ यात्रियों के छात्रावास का विकास	गौण	यूपीबीटीवीपी	–	100%	–

एस (S)– सूक्ष्म सत्र : 1–3 वर्ष ; एम (M)– मध्यम सत्र : 3–10 वर्ष ;एल(L) – वृहद सत्र : 10–20 वर्ष
गौण – 5 करोड़ रूपये तक की लागत वाले
प्रमुख – 5 करोड़ रूपये की लागत से अधिक वाले
यू.पी.बी.टी.वी.पी–उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद
राज्य पीडब्लूडी – लोक निर्माण विभाग

व्यवहार्यता मूल्यांकन

क्र. सं.	परियोजना	निधि व्यय	वित्त पोषण	परियोजना की स्थिति
01	अतिरिक्त बाई–पास सड़क का विकास : 120 मी.	0.12	राज्य पीडब्ल्यूडी	प्रस्तावित
02	आगंतुक पार्किंग का विकास	0.55	पर्यटन विभाग	प्रस्तावित
03	पर्यटक सुविधा ब्लॉक का विकास	0.85	यूपीबीटीवीपी	प्रस्तावित
04	नए रास्ते एवं पैदल रास्ते – ट्रेलिस/पैनल (200 मीटर)	3	उ0प्र0 सरकार	प्रस्तावित

05	विद्युत वाहन	-	उ0प्र0 सरकार	प्रस्तावित
06	साइकिलें	-	उ0प्र0 सरकार	प्रस्तावित
07	मार्ग के उपर एवं ट्रेल साइनेज	0.25	उ0प्र0 सरकार	प्रस्तावित
08	प्रकाश व्यवस्था (क्षेत्र प्रकाश, मार्ग प्रकाश)	0.09	उ0प्र0 सरकार	प्रस्तावित
09	तीर्थ यात्रियों के छात्रावास का विकास	3.35	उ0प्र0 सरकार	प्रस्तावित

कैपेक्स :– निधि व्यय (रूपया करोड़ में)

84 खंबा मंदिर परिसर की सड़क एवं अग्रभाग का सौंदर्यीकरण

क्र. सं.	परियोजना	परियोजना का प्रकार	हितधारक	चरण सत्र (प्रतिशत में)		
				एस	एम	एल
01	84 खंबा मंदिर तक पहुँच मार्ग का अग्रभाग सौंदर्यीकरण : 200 मी.	गौण	यूपीबीटीवीपी	–	100%	–
02	84 खंबा मंदिर परिसर का पुनर्विकास	गौण	यूपीबीटीवीपी	–	100%	–
03	84 खंबा मंदिर की एवं जाने वाले मार्ग पर बोलार्ड, सड़क असबाब, वृक्षारोपण जैसे योजना तत्वों को शामिल करना	गौण	यूपीबीटीवीपी	–	100%	–
04	बुनियादी यातायात का कायाकल्प (02)	गौण	यूपीबीटीवीपी	–	100%	–
05	पर्यटक सुविधाएं	गौण	यूपीबीटीवीपी	–	100%	–

एस (S)– सूक्ष्म सत्र : 1–3 वर्ष ; एम (M)– मध्यम सत्र : 3–10 वर्ष ; एल(L) – वृहद सत्र : 10–20 वर्ष
गौण – 5 करोड़ रूपये तक की लागत वाले
प्रमुख – 5 करोड़ रूपये की लागत से अधिक वाले
यू.पी.बी.टी.वी.पी–उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद

व्यवहार्यता मूल्यांकन

क्र. सं.	परियोजना	निधि व्यय	वित्त पोषण	परियोजना की स्थिति
01	84 खंबा मंदिर तक पहुँच मार्ग का अग्रभाग सौंदर्यीकरण : 200 मी.	3	पर्यटन विभाग	प्रस्तावित
02	84 खंबा मंदिर परिसर का पुनर्विकास	2.5	पर्यटन विभाग	प्रस्तावित
03	84 खंबा मंदिर की एवं जाने वाले मार्ग पर बोलार्ड, सड़क असबाब, वृक्षारोपण जैसे योजना तत्वों को शामिल करना	1.2	वन विभाग / पर्यटन विभाग	प्रस्तावित
04	बुनियादी यातायात का कायाकल्प (02)	0.50	राज्य पीडब्लूडी	प्रस्तावित
05	पर्यटक सुविधाएं	0.85	पर्यटन विभाग	प्रस्तावित

कैपेक्स :– निधि व्यय (रूपया करोड़ में)

ब्रह्मानंद घाट परिसर का कायाकल्प

क्र. सं.	परियोजना	परियोजना का प्रकार	हितधारक	चरण सत्र (प्रतिशत में)		
				एस	एम	एल
01	सर दाईविन प्रवेश द्वार का संरक्षण	गौण	यूपीबीटीवीपी	–	100%	–
02	नंद किला का संरक्षण एवं स्थल विकास	गौण	यूपीबीटीवीपी	–	100%	–
03	तेली का मस्जिद का संरक्षण एवं स्थल विकास	गौण	यूपीबीटीवीपी	–	100%	–
04	ब्रह्माण्ड घाट संरक्षण एवं कायाकल्प	गौण	यूपीबीटीवीपी	100%	–	–
05	पर्यटक सुविधाएं	गौण	यूपीबीटीवीपी	100%	–	–
06	रसखान समाधि परिसर का संरक्षण एवं जीर्णोद्धार	गौण	यूपीबीटीवीपी	100%	–	–
07	संरक्षण एवं बहाली ताज बीबी का मकबरा	गौण	यूपीबीटीवीपी	100%	–	–
08	रसखान समाधी परिसर में व्याख्या केंद्र	गौण	यूपीबीटीवीपी	100%	–	–
09	शिविर क्षेत्रों का विकास	प्रमुख	यूपीबीटीवीपी	–	50%	50%

एस (S)– सूक्ष्म सत्र : 1–3 वर्ष ; एम (M)– मध्यम सत्र : 3–10 वर्ष ; एल(L) – वृहद सत्र : 10–20 वर्ष
गौण – 5 करोड़ रूपये तक की लागत वाले
प्रमुख – 5 करोड़ रूपये की लागत से अधिक वाले
यू.पी.बी.टी.वी.पी–उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद

व्यवहार्यता मूल्यांकन

क्र. सं.	परियोजना	निधि व्यय	वित्त पोषण	परियोजना की स्थिति
01	सर दाईविन प्रवेश द्वार का संरक्षण	0.32	सीएसआर	प्रस्तावित
02	नंद किला का संरक्षण एवं स्थल विकास	0.25	राज्य पुरातत्व विभाग	प्रस्तावित
03	तेली का मस्जिद का संरक्षण एवं स्थल विकास	0.18	राज्य पुरातत्व विभाग	प्रस्तावित
04	ब्रह्माण्ड घाट संरक्षण एवं कायाकल्प	0.67	पर्यटन विभाग	पूर्ण
05	पर्यटक सुविधाएं	0.35	पर्यटन विभाग	पूर्ण
06	रसखान समाधि परिसर का संरक्षण एवं जीर्णोद्धार	2	पर्यटन विभाग	पूर्ण
07	संरक्षण एवं बहाली ताज बीबी का मकबरा	0.46	पर्यटन विभाग	पूर्ण
08	रसखान समाधी परिसर में व्याख्या केंद्र	3.21	पर्यटन विभाग	पूर्ण

09	शिविर क्षेत्रों का विकास	-	पर्यटन विभाग	प्रस्तावित

कैपेक्स :– निधि व्यय (रूपया करोड़ में)

उप निवेशिक धरोहर परिसर का संरक्षण एवं कायाल्प

क्र. सं.	परियोजना	परियोजना का प्रकार	हितधारक	चरण सत्र (प्रतिशत में)		
				एस	एम	एल
01	पुरानी जेल का संरक्षण एवं अनुकूली पुन : उपयोग	गौण	यूपीबीटीवीपी	–	100%	–
02	पर्यटक सुविधा केंद्र के रूप में पुराने औशधालय का संरक्षण एवं अनुकूल पुनः उपयोग	गौण	यूपीबीटीवीपी	–	100%	–
03	पर्यटक व्याख्या केंद्र के रूप में पुराने कोर्ट का संरक्षण एवं अनुकूली पुनः उपयोग	गौण	यूपीबीटीवीपी	–	100%	–
04	सार्वजनिक स्थान बनाने के लिए पुराने डाकघर क्षेत्र का भूनिर्माण	गौण	यूपीबीटीवीपी	–	100%	–
05	आगंतुक सुविधाएं	गौण	यूपीबीटीवीपी	100%	–	–
06	प्रकाश व्यवस्था (क्षेत्र प्रकाश, मार्ग प्रकाश)	गौण	यूपीबीटीवीपी	100%	–	–
07	गौशना टीला को पर्यटक स्थल के रूप में विकसित करना– जिसमें उत्खन्न, बाउण्ड्रीवाल निर्माण और उत्खन्न से प्राप्त मूर्ति आदि के लिए म्यूजियम बनाना	प्रमुख	यूपीबीटीवीपी	–	50%	50%

एस (S)– सूक्ष्म सत्र : 1–3 वर्ष ; एम (M)– मध्यम सत्र : 3–10 वर्ष ; एल(L) – वृहद सत्र : 10–20 वर्ष
गौण – 5 करोड़ रूपये तक की लागत वाले
प्रमुख – 5 करोड़ रूपये की लागत से अधिक वाले
यू.पी.बी.टी.वी.पी–उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद

व्यवहार्यता मूल्यांकन

क्र. सं.	परियोजना	निधि व्यय	वित्त पोषण	परियोजना की स्थिति
01	पुरानी जेल का संरक्षण एवं अनुकूली पुन : उपयोग	0.95	पर्यटन विभाग	प्रस्तावित
02	पर्यटक सुविधा केंद्र के रूप में पुराने औशधालय	0.75	पर्यटन विभाग	प्रस्तावित

	का संरक्षण एवं अनुकूल पुनः उपयोग			
03	पर्यटक व्याख्या केंद्र के रूप में पुराने कोर्ट का संरक्षण एवं अनुकूली पुनः उपयोग	0.55	पर्यटन विभाग	प्रस्तावित
04	सार्वजनिक स्थान बनाने के लिए पुराने डाकघर क्षेत्र का भूनिर्माण	0.55	पर्यटन विभाग	प्रस्तावित
05	आगंतुक सुविधाएं	1.2	पर्यटन विभाग	प्रस्तावित
06	प्रकाश व्यवस्था (क्षेत्र प्रकाश, मार्ग प्रकाश)	2.6	पर्यटन विभाग	प्रस्तावित
07	गौशनाटीला को पर्यटक स्थल के रूप में विकसित करना– जिसमें उत्खन्न, बाउण्ड्रीवाल निर्माण और उत्खन्न से प्राप्त मूर्ति आदि के लिए म्यूजियम बनाना	15	राज्य संस्कृति/राज्य पुरातत्व विभाग/पर्यटन विभाग	प्रस्तावित

कैपेक्स :– निधि व्यय (रूपया करोड़ में)

भौतिक एवं सामाजिक अवसंरचना का उन्नयन

क्र. सं.	परियोजना	परियोजना का प्रकार	हितधारक	चरण सत्र (प्रतिशत में)		
				एस	एम	एल
01	सीवरेज एवं स्वच्छता सुधार	गौण	यूपीबीटीवीपी /नगर पंचायत	–	50%	50%
02	तूफान जल प्रबंधन प्रणाली का प्रावधान	गौण	यूपीबीटीवीपी /नगर पंचायत	–	50%	50%
03	ठोस अपशिष्ट प्रबंधन प्रणाली	गौण	यूपीबीटीवीपी /नगर पंचायत	–	50%	50%
04	आँकडें केंद्र एवं बेतार संचार आधारित संरचना का विकास	गौण	यूपीबीटीवीपी	–	100%	–

एस (S)– सूक्ष्म सत्र : 1–3 वर्ष ; एम (M)– मध्यम सत्र : 3–10 वर्ष ;एल(L) – वृहद सत्र : 10–20 वर्ष
गौण – 5 करोड़ रूपये तक की लागत वाले
प्रमुख – 5 करोड़ रूपये की लागत से अधिक वाले
यू.पी.बी.टी.वी.पी–उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद
नगर पंचायत – नगर पंचायत

व्यवहार्यता मूल्यांकन

क्र. सं.	परियोजना	निधि व्यय	वित्त पोषण	परियोजना की स्थिति
01	सीवरेज एवं स्वच्छता सुधार	3.6	उ0प्र0 सरकार	प्रस्तावित
02	तूफान जल प्रबंधन प्रणाली का प्रावधान	3.21	उ0प्र0 सरकार	प्रस्तावित

03	ठोस अपशिष्ट प्रबंधन प्रणाली	1.5	उ0प्र0 सरकार	प्रस्तावित
04	आँकडें केंद्र एवं बेतार संचार आधारित संरचना का विकास	4	उ0प्र0 सरकार	प्रस्तावित

कैपेक्स :– निधि व्यय (रूपया करोड़ में)

बलदेव

दाऊजी मंदिर परिसर का विकास

क्र. सं.	परियोजना	परियोजना का प्रकार	हितधारक	चरण सत्र		
				एस	एम	एल
01	दाऊजी मंदिर परिसर का विकास एवं सौंदर्यीकरण	गौण	यूपीबीटीवीपी	–	100%	–
02	रेड़ा ताल एवं रेवती कुंड का संरक्षण एवं पुनरोद्धार/जलाशयों का पुनरोद्धार	गौण	यूपीबीटीवीपी	–	100%	–
03	क्षीर सागर कुंड का संरक्षण एवं पुनरोद्वार/जल निकाय का पुनरोद्धार	गौण	यूपीबीटीवीपी	–	100%	–
04	पुलिस स्टेशन का संरक्षण, क्षेत्र विकास एवं अनुकूल पुनः उपयोग	गौण	यूपीबीटीवीपी	–	100%	–
05	कला बहाली के प्रावधान के साथ नदिया एवं नरसिंह द्वार का संरक्षण	गौण	यूपीबीटीवीपी	–	100%	–
06	रेड़ा ताल एवं रेवती कुंड के अन्य परिदृष्य हस्तक्षेपों के साथ–साथ जल निकाय के आसपास स्वदेशी प्रजातियों के पेड़ लगाना	गौण	यूपीबीटीवीपी	–	100%	–
07	यातायात के मार्गदर्षन के लिए श्री दाऊजी मंदिर मार्ग, बलदेव रोड एवं जंक्शनों पर शहरी योजना हस्तक्षेप	गौण	यूपीबीटीवीपी	–	100%	–
07	चिन्हित स्थलों एवं अन्य क्षेत्रों में कचरा निपटान को रोकने के लिए परिसर स्तर पर संग्रह एवं निपटान प्रणाली का कार्यान्वयन	गौण	यूपीबीटीवीपी	–	100%	–
08	सामाजिक–सांस्कृतिक गतिविधियों के लिए समागम स्थल का विकास	गौण	यूपीबीटीवीपी	–	100%	–

एस (S)– सूक्ष्म सत्र : 1–3 वर्ष ; एम (M)– मध्यम सत्र : 3–10 वर्ष ;एल(L) – वृहद सत्र : 10–20 वर्ष
गौण – 5 करोड़ रूपये तक की लागत वाले
प्रमुख – 5 करोड़ रूपये की लागत से अधिक वाले
यू.पी.बी.टी.वी.पी–उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद

व्यवहार्यता मूल्यांकन

क्र. सं.	परियोजना	कैपेक्स	वित्त पोषण	परियोजना की स्थिति
01	दाऊजी मंदिर परिसर का विकास एवं सौंदर्यीकरण	0.35	पर्यटन विभाग (धमार्थ विभाग)	प्रस्तावित
02	रेड़ा ताल एवं रेवती कुंड का संरक्षण एवं पुनरोद्धार/जलाशयों का पुनरोद्धार	0.37	सीएसआर	प्रस्तावित
03	क्षीर सागर कुंड का संरक्षण एवं पुनरोद्वार/जल निकाय का पुनरोद्धार	0.27	सीएसआर	प्रस्तावित
04	पुलिस स्टेशन का संरक्षण, क्षेत्र विकास एवं अनुकूल पुनः उपयोग	0.45	उ0प्र0 सरकार	प्रस्तावित
05	कला बहाली के प्रावधान के साथ नदिया एवं नरसिंह द्वार का संरक्षण	0.18	सीएसआर	प्रस्तावित
06	रेड़ा ताल एवं रेवती कुंड के अन्य परिदृष्य हस्तक्षेपों के साथ–साथ जल निकाय के आसपास स्वदेशी प्रजातियों के पेड़ लगाना	0.09	वन विभाग	प्रस्तावित
07	यातायात के मार्गदर्शन के लिए श्री दाऊजी मंदिर मार्ग, बलदेव रोड एवं जंक्शनों पर शहरी योजना हस्तक्षेप	1.89	उ0प्र0 सरकार	प्रस्तावित
07	चिन्हित स्थलों एवं अन्य क्षेत्रों में कचरा निपटान को रोकने के लिए परिसर स्तर पर संग्रह एवं निपटान प्रणाली का कार्यान्वयन	0.03	उ0प्र0 सरकार/ पीडब्लूडी	प्रस्तावित
08	सामाजिक–सांस्कृतिक गतिविधियों के लिए समागम स्थल का विकास	0.55	उ0प्र0 सरकार	प्रस्तावित

कैपेक्स :– निधि व्यय (रूपया करोड़ में)

संरक्षण एवं अनुकूली पुनः उपयोग

क्र. सं.	परियोजना	परियोजना का प्रकार	हितधारक	चरण सत्र (प्रतिशत में)		
				एस	एम	एल
01	पुलिस थाने का संरक्षण, क्षेत्र विकास एवं अनुकूल पुनः उपयोग	गौण	यूपीबीटीवीपी	–	100%	–
02	सब्जी मंडी परिसर का स्थानिक पुनर्विन्यास/पुनः संयोजन एवं विकास	गौण	यूपीबीटीवीपी	–	100%	–

03	पुराने डाकघर का संरक्षण	गौण	यूपीबीटीवीपी	–	100%	–
04	गलियों में रोशनी की व्यवस्था, वृक्षारोपण एवं नालियों सहित सड़कों का उन्नयन, अहाते में नाली को ढकना।	गौण	यूपीबीटीवीपी	–	100%	–

एस (S)– सूक्ष्म सत्र : 1–3 वर्ष ; एम (M)– मध्यम सत्र : 3–10 वर्ष ;एल(L) – वृहद सत्र : 10–20 वर्ष
गौण – 5 करोड़ रूपये तक की लागत वाले
प्रमुख – 5 करोड़ रूपये की लागत से अधिक वाले
यू.पी.बी.टी.वी.पी–उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद

व्यवहार्यता मूल्यांकन

क्र. सं.	परियोजना	निधि व्यय	वित्त पोषण	परियोजना की स्थिति
01	पुलिस थाने का संरक्षण, क्षेत्र विकास एवं अनुकूल पुनः उपयोग	0.45	उ0प्र0 सरकार	प्रस्तावित
02	सब्जी मंडी परिसर का स्थानिक पुनर्विन्यास/पुनः संयोजन एवं विकास	0.35	उ0प्र0 सरकार	प्रस्तावित
03	पुराने डाकघर का संरक्षण	0.45	राज्य पुरातत्व विभाग	प्रस्तावित
04	गलियों में रोशनी की व्यवस्था, वृक्षारोपण एवं नालियों सहित सड़कों का उन्नयन, अहाते में नाली को ढकना।	0.89	उ0प्र0 सरकार	प्रस्तावित

कैपेक्स :– निधि व्यय (रूपया करोड़ में)

पर्यटक सुविधाएं

क्र.सं.	परियोजना	परियोजना का प्रकार	हितधारक	चरण सत्र (प्रतिशत में)		
				एस	एम	एल
01	पर्यटक सुविधा ब्लॉक का विकास	गौण	यूपीबीटीवीपी	–	100%	–
02	बलदेव टीएफसी का विकास	गौण	यूपीबीटीवीपी	–	100%	–
03	तीर्थ यात्रियों के छात्रावास का विकास	गौण	यूपीबीटीवीपी	–	100%	–
04	मेला क्षेत्र एवं ओएटी का विकास	गौण	यूपीबीटीवीपी	–	100%	–

एस (S)– सूक्ष्म सत्र : 1–3 वर्ष ; एम (M)– मध्यम सत्र : 3–10 वर्ष ;एल(L) – वृहद सत्र : 10–20 वर्ष
गौण – 5 करोड़ रूपये तक की लागत वाले

प्रमुख – 5 करोड़ रूपये की लागत से अधिक वाले
यू.पी.बी.टी.वी.पी–उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद

व्यवहार्यता मूल्यांकन

क्र. सं.	परियोजना	निधि व्यय	वित्त पोषण	परियोजना की स्थिति
01	पर्यटक सुविधा ब्लॉक का विकास	0.85	पर्यटन विभाग	प्रस्तावित
02	बलदेव टीएफसी का विकास	1.25	पर्यटन विभाग	प्रस्तावित
03	तीर्थ यात्रियों के छात्रावास का विकास	1.35	सीएसआर	प्रस्तावित
04	मेला क्षेत्र एवं ओएटी का विकास	0.75	उ0प्र0 सरकार	प्रस्तावित

कैपेक्स :– निधि व्यय (रूपया करोड़ में)

भौतिक एवं सामाजिक अवसंरचना का उन्न्यन

क्र. सं.	परियोजना	परियोजना का प्रकार	हितधारक	चरण सत्र (प्रतिशत में)		
				एस	एम	एल
01	बलदेव में मलजल उपचार संयंत्र (एसटीपी) एवं जल निकासी का विकास	गौण	यूपीबीटीवीपी / नगर पंचायत	–	50%	50%
02	बलदेव में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन	गौण	यूपीबीटीवीपी / नगर पंचायत	–	50%	50%
03	जल प्रशोधन संयंत्र	गौण	यूपीबीटीवीपी / नगर पंचायत	–	50%	50%
04	आँकडें केंद्र एवं बेतार संचार आधारित संरचना का विकास	गौण	यूपीबीटीवीपी	–	100%	–

एस (S)– सूक्ष्म सत्र : 1–3 वर्ष ; एम (M)– मध्यम सत्र : 3–10 वर्ष ;एल(L) – वृहद सत्र : 10–20 वर्ष
गौण – 5 करोड़ रूपये तक की लागत वाले
प्रमुख – 5 करोड़ रूपये की लागत से अधिक वाले
यू.पी.बी.टी.वी.पी–उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद
नगर पंचायत – नगर पंचायत

व्यवहार्यता मूल्यांकन

क्र. सं.	परियोजना	निधि व्यय	वित्त पोषण	परियोजना की स्थिति
01	बलदेव में मलजल उपचार संयंत्र (एसटीपी) एवं जल निकासी का विकास	3.6	उ0प्र0 सरकार	प्रस्तावित
02	बलदेव में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन	3.21	उ0प्र0 सरकार	प्रस्तावित
03	जल प्रशोधन संयंत्र	1.5	उ0प्र0 सरकार	प्रस्तावित
04	आँकडें केंद्र एवं बेतार संचार आधारित संरचना का विकास	4	उ0प्र0 सरकार	प्रस्तावित

कैपेक्स :– निधि व्यय (रूपया करोड़ में)

4. आगामी संभावित गंतव्यों के लिए परियोजनाओं की सूची

छाता

शाही सराय परिसर

क्र. सं.	परियोजना	परियोजना का प्रकार	हितधारक	चरण सत्र (प्रतिशत में)		
				एस	एम	एल
01	संरक्षण एवं स्थल विकास कार्य	गौण	राज्य पीडब्ल्यूडी	–	–	100%
02	पुरानी तहसील का संरक्षण एवं अनुकूल पुनः उपयोग	गौण	पीपीपी	–	–	100%
03	पुराने डाकघर का संरक्षण एवं अनुकूल पुनः उपयोग	गौण	पीपीपी	–	–	100%
04	पुरानी जेल का संरक्षण एवं अनुकूल पुनः उपयोग	गौण	पीपीपी	–	–	100%
05	चंद्र सरोवर एवं सूरज कुंड का संरक्षण एवं पुनरोद्धार	गौण	पीपीपी	–	–	100%
06	आगरा गेट एवं चंद्र सरोवर के बीच के खंड को बाजार गली के रूप में विकसित करना	प्रमुख	पीपीपी	–	–	100%
07	प्रकाश व्यवस्था (क्षेत्र प्रकाश, मार्ग प्रकाश)	गौण	राज्य विद्युत बोर्ड	–	–	100%
08	आगंतुक सुविधाओं का प्रावधान	गौण	पर्यटन विभाग	–	–	100%
09	परिसर में मौजूदा शौचालय एवं पार्किंग सुविधाओं का उन्नयन	गौण	नगर निगम	–	–	100%
10	आगरा गेट एवं चंद्र सरोवर के बीच के	प्रमुख	नगर निगम	–	–	100%

	खंड में स्थानीय भोजनालयों एवं दुकानों का उन्नयन					
11	चंद्र सरोवर एवं सूरज कुंड के निकट शौचालय एवं पेयजल की सुविधा का प्राविधान	गौण	नगर निगम	–	–	100%
12	परिसर में स्ट्रीट लाइटिंग की व्यवस्था	गौण	राज्य विद्युत बोर्ड	–	–	100%

एस (S)– सूक्ष्म सत्र : 1–3 वर्ष ; एम (M)– मध्यम सत्र : 3–10 वर्ष ;एल (L) – वृहद सत्र : 10–20 वर्ष
गौण – 5 करोड़ रूपये तक की लागत वाले
प्रमुख – 5 करोड़ रूपये की लागत से अधिक वाले

कोसी कलां

रत्नाकर कुंड परिसर

क्र. सं.	परियोजना	परियोजना का प्रकार	हितधारक	चरण सत्र (प्रतिशत में)		
				एस	एम	एल
01	संरक्षण एवं स्थल विकास कार्य	गौण	राज्य पीडब्ल्यूडी	–	–	100%
02	सराय का संरक्षण	गौण	पीपीपी	–	–	100%
03	रत्नाकर कुंड का संरक्षण एवं पुनरोद्धार	गौण	पीपीपी	–	–	100%
04	गोमती कुंड का संरक्षण एवं पुनरोद्धार	गौण	पीपीपी	–	–	100%
05	आगंतुक सुविधाओं का प्राविधान	गौण	नगर निगम	–	–	100%
06	परिसर में मौजूदा शौचालय एवं पार्किंग सुविधाओं का उन्नयन	गौण	नगर निगम	–	–	100%
07	आगरा गेट के समीप मौजूदा स्थानीय भोजनालयों एवं दुकानों का उन्नयन	प्रमुख	नगर निगम	–	–	100%
08	रत्नाकर कुंड एवं गोमती कुंड के समीप शौचालय एवं पेयजल की सुविधा का प्राविधान	गौण	नगर निगम	–	–	100%
09	परिसर में मार्गो पर प्रकाश व्यवस्था	गौण	राज्य विद्युत बोर्ड	–	–	100%
10	मुख्य पहुँच मार्ग एवं चौकों पर डिजाइन हस्क्षेप	प्रमुख	राज्य पीडब्ल्यूडी	–	–	100%
11	मुख्य पहुंच मार्ग यानी पुरानी जीटी रोड पर शहरी योजना हस्तक्षेप	प्रमुख	राज्य पीडब्ल्यूडी	–	–	100%
12	चौकों पर शहरी डिजाइन और भूदर्शय विकास हस्तक्षेप, उदाहरण के लिए, घंटाघर जंक्शन	प्रमुख	राज्य पीडब्ल्यूडी	–	–	100%

13	परिसर में पहुँच मार्गों/गलियों का उन्नयन	प्रमुख	राज्य पीडब्ल्यूडी	–	–	100%

एस (S)– सूक्ष्म सत्र : 1–3 वर्ष ; एम (M)– मध्यम सत्र : 3–10 वर्ष ;एल (L) – वृहद सत्र : 10–20 वर्ष
गौण – 5 करोड़ रूपये तक की लागत वाले
प्रमुख – 5 करोड़ रूपये की लागत से अधिक वाले

5. तत्काल कार्यवाही के लिए परियोजनाओं की सूची

क्र.सं.	परियोजना
01	एक "शहरी विकास, धरोहर एवं पारिस्थिति की प्रबंधन प्रकोष्ट" की स्थापना
02	ब्रज विकास योजना कार्यान्वयन से सम्बद्व प्रकोष्ठ को सौपें गये कार्यो के निरीक्षण/समीक्षा हेतु एक परियोजना प्रबंधन परामर्शीय (शहरी विकास, धरोहर संरक्षण, पारिस्थितिकी सलाहकार) दल का गठन
03	"शहरी विकास, धरोहर एवं परिस्थिति की प्रबंधन प्रकोष्ट" सहित यूपीबीटीवीपी एवं एमवीडीए के लिए संस्थागत ढांचा : योजना, धरोहर प्रबंधन एवं पारिस्थितिकी के जनादेश के अनुपालनएवं कार्यान्वयन के लिएतैयार करना
04	धरोहर प्रबन्धन योजना का निरूपण
04 a	ब्रज विकास योजना में अधिसूचित करने के लिये धरोहर संरचनाओं की सूची की पहचान और उनका मौके पर भौतिक सत्यापन
04 b	अधिसूचित किए जाने वाले वन एवं कुंडों की सूची की पहचान और उनका मौके पर भौतिक सत्यापन
04 c	एएसआई या राज्य संरक्षित होने वाली संरचनाओं की सूची की पहचान
04 d	ब्रज की धरोहरएवं इसकी प्रारूपिकी पर प्रकाशन (छवि सुधार चित्र/ड्रोन छवि/नेतृत्व सर्वेक्षण के साथ प्रकाशन की परियोजना)
05	परियोजना के उद्देष्य के प्रबंधन एवं पहचान के लिए ब्रज विकास योजना के लिए बनाया गया जीआईएस मानचित्र (अधिसूचना सूची एवं परिसर/क्षेत्रों में पहचाने गए सभी संसाधनों का मानचित्रण, पारिस्थितिक संवेदनशील संसाधनों का मानचित्रण अधिसूचित, धरोहर परिसर एवं शहरी नियोजन क्षेत्र एवं संकुल का मानचित्रण)
06	ब्रज के लिए एककोश बैंक की स्थापना : शहरी विकास, धरोहर एवं पारिस्थितिकी प्रबंधन कोश में अभिलेखीय दस्तावेजों एवं छवियों, प्रकाशनों, पिछली योजना परियोजना रिपोर्ट, चल रहे एवं वर्तमान शोध कार्यों, चित्र एवं रिपोर्ट इत्यादि सहित
07	यूपीबीटीवीपी द्वारा जल निकायों, वनों एवं निर्मित धरोहरों की अधिसूचना की प्रक्रिया शुरू करने के लिए – पहचाने गए धरोहर स्थलों की सीमाओं के साथ–साथ वनों एवं जल निकायों की सीमाओं के अनुरूप, उपनियमों एवं सार्वजनिक अधिसूचनाओं की स्थापना की प्रक्रिया
08	धरोहर कोर एवं विनियमित बफर्स की अधिसूचना
09	क्षेत्रीय हस्तक्षेप का पहला चरण
09 a	मथुरा वृंदावन बाईपास : ब्रज तीर्थ पथ एवं गोवर्धन कनेक्ट
09b	वृंदावन मथुरा एवं गोकुल – जल यान परियोजना
09c	धार्मिक परिसरों की क्षेत्रीय कनेक्टिविटी : 84 कोस परिक्रमा

10.	संकुल स्तर के हस्तक्षेप
10 a	मथुरा वृंदावन रेल्वे छोटी लाइन का पुनर्विकास एवं पुनरोद्धार
10 b	वृंदावन कन्वेंशन सेंटर – संत मीरा बाई सम्मेलन केंद्र एवंअतिथि ग्रह की स्थापना
10 c	वृषभानु कुंड के साथ पड़ाव स्थल का योजना विकास एवं निष्पादन
10 d	गोर्वधन, बरसाना एवं नंदगाँव के बीच 4 लेन सड़क संपर्क का विकास
10 e	गोकुल एवं महावन चिंताहरण तथा ब्रह्माण्ड घाट के बीच ई–रिक्शा ट्रेल का कार्यान्वयन
11	परिसर एवं बसाव स्तर के हस्तक्षेप : स्थल विकास, धरोहरएवं पारिस्थितिकी संरक्षण परियोजनाओं का पहला चरण
11a	वृंदावन : रंगजी मंदिर परिसर
	एमएलसीपी का विकास अथवा वृन्दावन शहर को ट्रैफिक जाम से बचाने के लिए वृंदावन की प्रत्येक आवक सड़क पर पार्किंग का प्राविधान
	आवश्यक सौर पार्किंग, चार्जिंग स्टेशन एवं प्रस्थानालय के साथ शहरी मध्यवर्ती परिवहन योजना का विकास एवं कार्यान्वयन
	बांके बिहारी मंदिर के लिए पर्यटक सुविधा एवं फोरकोर्ट बफर का विकास
	यमुना के किनारे पुराने घाट का कायाकल्प जैसे जुगल किशोर घाट
	सड़कों का पुनर्विकास, साइनेज एवं सड़क बेंच, परिदृश्य एवं वृक्षारोपण
	रंगीजी उद्यान एवं बारादरी के संरक्षण हेतु डीपीआर
	रंगजी मंदिर वन एवं टटिया स्थान के निकट हरित क्षेत्र का संरक्षण
11b	बरसाना : जयपुर मंदिर एवं वन परिसर
	वनों का संरक्षण/ अधिसूचना एवं पुनरूद्धार
	परिसर के भीतर क्षेत्र का विकास, रूकाव बिंदु, ठहराव बिंदु, निर्गमन बिंदु, सुविधाएं, भूदृश्य, साइनेज प्रकाश व्यवस्था एवं पथ, बेंच आदि की व्यवस्था
	प्रिया कुंड के समीप आगंतुक पार्किंग एवं सम्मेलन केंद्र का विकास
	गोवर्धन नाले के पास पर्यटक सुविधा केंद्र का विकास
	राधा रानी मंदिर परिसर के लिए रोपवे का विकास
	अन्य सुविधाओं के साथ बरसाना परिक्रमा का विकास
11c	गोवर्धन : मानसी गंगा (छतरियाँ एवं द्वार, मंदिर, हवेलियाँ)
	परिसर के भीतर क्षेत्र का विकास, रूकाव बिंदु, ठहराव बिंदु, निर्गमन बिंदु, सुविधाएं, भूदृश्य, साइनेज प्रकाश व्यवस्था एवं पथ, बेंच आदि की व्यवस्था
	परिक्रमा मार्ग की बाहरी परिधि पर आगंतुक अड्डे का विकास
	आवश्यक सौर अड्डा, चार्जिंग स्टेशन एवं बोर्डिंग स्टेशनों के साथ शहरी मध्यवर्ती परिवहन योजना का विकास एवं कार्यान्वयन
	घाटों एवं छतरियों का संरक्षण

	कचरा सफाई एवं जल निकाय का पुनरूद्धार
11d	गोकुल : घाट एवं नंद भवन परिसर एवं सड़क के साथ पोतरा कुंड परिसर
	परिसर के भीतर क्षेत्र का विकास, रूकाव बिंदु, ठहराव बिंदु, निर्गमन बिंदु, सुविधाएं, भूदृश्य, साइनेज प्रकाश व्यवस्था एवं पथ, बेंच आदि की व्यवस्था
	घाटों एवं पोतरा कुंड का संरक्षण, पोतरा कुंड की सफाई, सफाई एवं पुनरूद्धार
	पंक्तिबद्ध सडक अबसास, साइनेज, प्रकाश सहित सड़कों एवं चौकों का पुनर्विकास
	सुविधाओं का प्रावधान : पीने के पानी, ठहराव बिंदु, निर्गमन बिंदु, शौचालय एवं सूचना केंद्र
	गेकुल के लिए पर्यटक प्रवेश द्वार का विकास : वासुदेव वाटिका जल विहार बिंदु, आगंतुक अड्डा, आगंतुक भोजनालय के रूप में एवं मनोरंजन स्थान
11e	नंदगॉव : उद्धव क्यारी के साथ कृष्णा कुंड परिसर
	सड़क के फर्नीचर एवं पर्याप्त सुविधाओं के साथ रंगीली चौक को सार्वजनिक चौराहे के रूप में विकसित करना
	कृष्ण कुण्ड एवं उद्धव क्यारी का संरक्षण एवं पुनर्विकास
	परिसर के भीतर क्षेत्र का विकास, रूकाव बिंदु, ठहराव बिंदु, निर्गमन बिंदु, सुविधाएं, भूदृश्य, साइनेज प्रकाश व्यवस्था एवं पथ, बेंच आदि की व्यवस्था
	गोकुल के लिए व्याख्यात्मक सामग्री तैयार करना

6. ब्रज विकास योजना में निर्धारित विभागवार लक्ष्य आंवटन

क्र0सं0	कार्य का विवरण	लक्ष्य	टिप्पणी
		संख्या	
01	उ0प्र0 ब्रज तीर्थ विकास परिषद		
01a	प्राकृतिक एवं सांस्कृतिक धरोहरों के प्रबंधन हेतु संस्था की स्थापना		
01b	ब्रज क्षेत्र के एकीकृत विकास में आंशिक एवं प्रत्यक्ष रूप से संबंधित वर्तमान और आगामी परियोजना के लिए सभी हितधारकों (निजी/सरकारी) के साथ समन्वय स्थापित कर उन्हें नयी दिशा प्रदान करना।	स्थानीय जरूरतों व पर्दापित श्रद्धालुओं की संख्या के अनुसार	-----
01c	संस्थान परियोजनाओं की सूची में से प्रत्येक वर्ष चरणवार दस परियोजनाओं का चयन करेगा और विस्तृत डी.पी.आर के माध्यम से निष्पादन के लिए उन्हें कार्यदायी एजेन्सियों के लिए वर्गीकृत कर, चयनित परियोजनाओं का मूल्यांकन कर, उन्हें राज्य एवं केन्द्र सरकार के माध्यम से प्रतिपादित करायेगा।	न्यूनतम 10 परियोजनायें प्रतिवर्ष	परियोजना पूर्व अनुमोदित रणनीति योजना पर आधारित होगी और ब्रज के समग्र विकास के पहलूओं को ध्यान में रखते हुए धरातल पर उतारी जायेगी।
01d	संगठन, धमार्थ एवं उ0प्र0 पर्यटन विभाग के माध्यम से वित्त पोषण के द्वारा निम्नलिखित परियोजनाओं को प्रतिपादित करायेगा।	स्थानीय जरूरतों व पर्दापित श्रद्धालुओं की संख्या के अनुसार	संगठन धार्मिक एवं पर्यटन विकास से जुडे सभी संबन्धित विभागों के मार्गदर्शन में महत्वपूर्ण भूमिका निभायेगा। मथुरा–वृन्दावन प्राधिकरण, तथा नगर निगम मथुरा–वृन्दावन की सीमा से परे विरासत और सांस्कृतिक स्थल और ट्रेल्स को सुविधाजनक बनाने के लिए परिषद जरूरी उपनियम एवं विकास नियंत्रण हेतु मार्ग निर्देश बनायेगा।
	दर्शनार्थी सुविधा केन्द्र	न्यूनतम 2 प्रतिवर्ष	
	परिक्रमा मार्ग का सुदृढीकरण एवं कायाकल्प	न्यूनतम 1 प्रतिवर्ष	
	सांस्कृतिक मार्गो का चयन एवं कायाकल्प	न्यूनतम 1 प्रतिवर्ष	
	पड़ाव स्थलों का विकास एवं उन्नयन	न्यूनतम 2 प्रतिवर्ष	
	ब्रज क्षेत्र की लुप्त हो रही सांस्कृतिक गतिविधियों एवं संस्कारों का संवर्धन		
	लुप्त हो रहे जलाशयों का कायाकल्प	न्यूनतम 2 प्रतिवर्ष	
	ब्रज महोत्सव और मिनी कुम्भ के प्रबंधन पर्यवेक्षण में योगदान एवं समर्थन	स्थानीय जरूरतों व पदार्पित श्रद्धालुओं की संख्या के अनुसार	

	ब्रज के वार्षिक कलेन्डर का प्रकाशन		
	ब्रज के अध्यात्मिक पर्यटन की ब्रान्ड वेल्यू में सुधार करने के उद्देश्य से ब्रज क्षेत्र के सामाजिक सांस्कृतिक महत्व के नये आयामों की पहचान करना।	स्थानीय जरूरतों व पदार्पित श्रद्धालुओं की संख्या के अनुसार	
02	मथुरा–वृन्दावन विकास प्राधिकरण, मथुरा		
02a	ब्रज क्षेत्र के पर्यटन एवं अध्यात्मिक एवं संवर्धन के प्रचार–प्रसार हेतु नगर नियोजन योजना की सीमाओं का विस्तार करना	स्थानीय जरूरतों व पदार्पित श्रद्धालुओं की संख्या के अनुसार	-----
02b	चयनित विरासत क्षेत्रों एवं सांस्कृतिक स्थलों को उनकी निर्धारित सीमाओं के अन्तर्गत हो रहे निर्माण कार्य हेतु निर्धारित उपनियमों में संशोधन करना और विकास पर नियंत्रण रखना।	स्थानीय जरूरतों व पदार्पित श्रद्धालुओं की संख्या के अनुसार	-----
02c	ब्रज विकास योजनान्तर्गत भूमि की उपलब्धता एवं आगामी परियोजनाओं के मानचित्रण की स्वीकृति के लिए उत्तरदायी होगा।	न्यूनतम 10 एकड़ प्रतिवर्ष	
02d	वर्तमान स्थित सभी आवासीय एवं व्यावसायिक क्षेत्रों में भवन निर्माण संहिता एवं क्षेत्र विकास योजना का पालन करते हुए कायाकल्प करना।	न्यूनतम 2 गली/सड़क/क्षेत्र प्रतिवर्ष	प्रशासन की मदद से सभी अनाधिकृत आवासीय और व्यवसायिक गतिविधियों वाले क्षेत्रों का उन्नयन किया जाये।
02e	निम्न क्षेत्रों में पुनरूद्धार, निकास और प्रबन्धन कार्य किये जायेगें।		सामाजिक और भौतिक मूलभूत आवश्यकताओं के दृष्टिगत शहरी क्षेत्र की ब्राण्ड मूल्य में सुधार के लिए विकास प्राधिकरण समग्र विकास हेतु तत्पर रहेगा।
	स्थानीय यातायात हेतु तात्कालिक एवं प्रस्तावित पार्किंग की व्यवस्था	कम से कम एक पार्किंग प्रतिवर्ष – (2.5–3.0 एकड़)	
	ई–रिक्शा पथ	दस किलोमीटर प्रतिवर्ष	
	पैदल पथ एवं गलियारों का विकास	न्यूनतम 2 पथ (10 किलोमीटर) प्रतिवर्ष	
	साईकिल ट्रैक एवं पार्किंग	1 प्रतिवर्ष (5 किलोमीटर)	
	सिटी पार्क की स्थापना एवं विकास	5 वर्ष में 1 न्यूनतम	

	सोलर चार्जिंग स्टेशन	5 प्रति वर्ष (250 वर्गमीटर प्रतियूनिट)	
	नगरीय दिशा–निर्देशों एवं मार्ग संकेतों की स्थापना	न्यूनतम 2 क्षेत्र प्रतिवर्ष (एरिया 50 वर्ग किलोमीटर)	
	विरासत क्षेत्रों एवं मन्दिर परिसरों से संलग्न क्षेत्रों, पहुँच मार्ग एवं चौराहों का विकास एवं सौन्दर्यीकरण	न्यूनतम 2 जंक्शन प्रतिवर्ष (एरिया 2 एकड़)	
	जनसुविधा परिसरों की स्थापना एवं संचालन	न्यूनतम 1 प्रतिवर्ष (100–150 वर्गमीटर प्रति यूनिट)	
	धार्मिक क्षेत्रों एवं संरक्षित क्षेत्रों के समीप ई–सुविधा केन्द्रों का विकास एवं संचालन	न्यूनतम 1 प्रतिवर्ष (10000 जंनसख्या प्रति यूनिट)	
	नगर में स्थित पारम्परिक बाजारों, दिवस बाजारों, हाटों का पुर्नविकास एवं नियमन	न्यूनतम 1 प्रतिवर्ष (4–5 एकड़ एरिया)	
	वेट लैण्ड का संरक्षण एवं संवर्धन	न्यूनतम 1 प्रतिवर्ष	
	नगर परिसीमा के अन्तर्गत जल निकायों का संरक्षण एवं संवर्धन	न्यूनतम 2 प्रतिवर्ष	
02f	संरक्षित क्षेत्रों एवं प्रमुख तीर्थ स्थलों के आसपास पैदल मार्गो का विकास संवर्धन, प्रकाश व्यवस्था, स्ट्रीट फर्नीचर एवं छायादार बैठक का प्राविधान	2 मार्ग प्रति वर्ष (10 कि मी तक)	संरक्षित क्षेत्रों में पैदल मार्गो का संवर्धन एवं प्रोत्साहन ।
02g	भव्य नगरद्वारों का विकास, सौन्दर्यीकरण और रखरखाव	न्यूनतम 2 प्रतिवर्ष	-----
03	नगर निगम मथुरा–वृन्दावन, मथुरा		
03a	नगरीय सीमाओं के अन्तर्गत सभी पर्यटन एवं धार्मिक क्षेत्रों से संबंधित मूलभूत संरचनाओं की सफाई	स्थानीय जरूरतों व पदार्पित श्रद्धालुओं की संख्या के अनुसार	नगर की सीमा के अन्तर्गत कुण्डों, प्राकृतिक जलाशयों से कचरे की सफाई एवं प्रदूषकों को हटाना।
03b	संरक्षित क्षेत्रों, तीर्थ स्थानों एवं चयनित पर्यटक स्थलों के आसपास समुचित जल निकासी की व्यवस्था, सीवर प्रणाली का नियोजन विकास एवं रखरखाव	5 एम.एल.डी / प्रति 3 वर्ष	पर्यटन के दृष्टिगत चयनित सभी उत्कृष्ट स्थानों पर जल संशोधन संयत्र एवं मलसंशोधन संयत्र नगर निगम द्वारा स्थापित किया जायेगा।
03c	शहरी सीमा के अन्तर्गत सभी पर्यटन स्थानों पर और स्वास्थ्य के दृष्टिगत सार्वजनिक शौचालय, पेयजल व्यवस्था	5 एम.एल.डी क्षमता प्रति 3 वर्ष	नगर निगम मथुरा जनपद में होने वाली विशेष आयोजनों, त्योहारों, मेला, मिनी कुम्भ

	एवं प्राथमिक उपचार सुविधा केन्द्रों का विकास एवं संचालन		एवं परिक्रमा के दौरान स्वास्थ्य एवं स्वच्छता के संबंध में निकायों को नियमबद्व तरीके से सहयोग प्रदान करेगा।
03d	नगर की सीमा के अन्तर्गत आने वाले सभी पर्यटक एवं धार्मिक क्षेत्रों पर कचरा संग्रहण एवं निस्तारण	40 टन प्रति दिन क्षमता का विकास प्रत्येक 3 वर्ष के क्रमिक अन्तराल पर	निकाय प्रतिवर्ष स्वच्छता सर्वेक्षण अभियान में पर्यटन स्थलों सहित शहर को स्वच्छ श्रेणी में लाने के लिए उपयुक्त सभी क्रियाकलापों के उत्तरदायी होगा।
03e	डाटा सेन्टर एवं वायरलेस सिस्टम का विकास	न्यूनतम 2 यूनिट प्रतिवर्ष	नगर निगम यह सुनिश्चित करेगा कि हर क्षेत्र में प्रस्तावित डाटा सेन्टर और नेटवर्क ट्राई के नियमों का पालन करेगें।
03f	सभी शहरों क्षेत्रों और चयनित पर्यटक क्षेत्रों में सुचारू रूप से प्रकाश व्यवस्था	न्यूनतम 10 वर्ग किलोमीटर	नगर निगम अनुकूल रात्रि वातावरण सुनिश्चित करेगा।
03g	नगर निगम निम्न आय वर्ग वाले तीर्थ यात्रियों एवं पर्यटकों को रेनवसेरा/आवास प्रदान करेगा	स्थानीय जरूरतों व पर्दापित श्रद्धालुओं की संख्या के अनुसार	निकाय रेनवसेरों पर समुचित प्रकाश व्यवस्था के साथ उन स्थानों पर यात्री पहचान पत्र के आधार पर मूलभूत सुविधाऐं (टेन्ट, शयन सामग्री, भोजन, उपचार व्यवस्था, प्रसाधन आदि) कम दरों पर सुनिश्चित करेगा।
03h	नगर निगम अर्न्तस्थानीय यातायात संचालन के लिए ग्रीन और सतत् परिवहन प्रणाली का प्रर्वधन करेगा	स्थानीय जरूरतों व पदार्पित श्रद्धालुओं की संख्या के अनुसार	नगर निगम विरासत स्थलों एवं धार्मिक क्षेत्रों एवं रास्तों पर आवश्यकतानुसार ई–वाहनों की संख्या एवं उनका नियमीकरण ।
03i	सभी पर्यटकों स्थलों एवं पथों पर ट्रैफिक मैनेजमेन्ट और सिक्योरिटी कन्ट्रोल सिस्टम की स्थापना/विभाग सभी मूर्त धरोहर, स्मारकों की सुरक्षा सुनिश्चित करेगा।	स्थानीय जरूरतों व पदार्पित श्रद्धालुओं की संख्या के अनुसार	
04	उत्तर प्रदेश जल निगम		
04a	सभी ऐतिहासिक स्थलों में पेयजल/पोर्टेवल जल की आपूर्ति	3 एम.एल.डी का प्राविधान प्रतिवर्ष	जल निगम ब्रज महोत्सव और मिनी कुम्भ जैसे त्योहारों एवं विशेष अवसरों पर आने वाली अस्थाई पर्यटन आवागमन हेतु पेयजल एवं पोर्टेवल जल की आपूर्ति करेगा।

04b	निगम विरासत क्षेत्रों पर्यटन स्थलों एवं धार्मिक क्षेत्रों पर स्थित हरित क्षेत्रों की सिचांई, सफाई एवं रखरखाव के लिए आवश्यक संशोधित जल की आपूर्ति करेगा	स्थानीय जरूरतों व पदार्पित श्रद्धालुओं की संख्या के अनुसार	-----
04c	निगम जिले में स्थित सभी पर्यटक एवं दर्शनीय स्थलों पर जल संचय एवं संरक्षण में उपयुक्त सभी नियमों का पालन कराने के लिए उत्तरदायी होगा	स्थानीय जरूरतों व पदार्पित श्रद्धालुओं की संख्या के अनुसार	निकाय जल संरक्षण हेतु स्थानीय सभी निकायों के समन्वय से जागरूकता अभियान चलाने के लिए तत्पर होगा।
05	नगर पंचायत/ग्राम पंचायत/ग्राम सभा		
05a	नगरीय सीमाओं के बाहर सभी पर्यटन एवं धार्मिक क्षेत्रों से संबंधित मूलभूत संरचनाओं की सफाई	स्थानीय जरूरतों व पदार्पित श्रद्धालुओं की संख्या के अनुसार	नगर की सीमा के बाहर कुण्डों, प्राकृतिक जलाशयों से कचरे की सफाई एवं प्रदूषकों को हटाना।
05b	संरक्षित क्षेत्रों, तीर्थ स्थानों एवं चयनित पर्यटक स्थलों के आसपास समुचित जल निकासी की व्यवस्था, सीवर प्रणाली का नियोजन विकास एवं रखरखाव	न्यूनतम 1 एम.एल.डी का प्राविधान प्रति 3 वर्ष जिला पंचायत द्वारा न्यूनतम 2 एम.एल.डी क्षमता वृद्वि/प्रति 3 वर्ष ग्राम पंचायत द्वारा	पर्यटन के दृष्टिगत चयनित सभी उत्कृष्ट स्थानों पर जल संशोधन संयत्र एवं मलसंशोधन संयत्र स्थानीय निकाय द्वारा स्थापित किया जायेगा।
05c	शहरी सीमा के बाहर सभी पर्यटन स्थानों पर स्वच्छता और स्वास्थ्य के दृष्टिगत सार्वजनिक शौचालय, पेयजल व्यवस्था एवं प्राथमिक उपचार सुविधा केन्द्रों का विकास एवं संचालन (पॉच बूथ प्रतिवर्ष)	2 एम.एल.डी जल प्रति 3 वर्ष नगर पंचायत 0.5 एम.एल.डी जल प्रति 3 वर्ष ग्राम पंचायत	नगर पंचायत/ग्राम पंचायत में होने वाली विशेष आयोजनों, त्योहारों, मेला, एवं परिक्रमा के दौरान स्वास्थ्य एवं स्वच्छता के संबंध में निकायों को नियमबद्व तरीके से सहयोग प्रदान करेगा।
05d	नगर की सीमा के अन्तर्गत आने वाले सभी पर्यटक एवं धार्मिक क्षेत्रों पर कचरा संग्रहण एवं निस्तारण	20 टन क्षमता वृद्वि प्रतिदिन 3 प्रतिवर्ष नगर पंचायत के अन्तर्गत 07 टन प्रतिदिन क्षमता वृद्वि जल प्रति 3 वर्ष ग्राम पंचायत के अन्तर्गत	निकाय प्रतिवर्ष स्वच्छ सर्वेक्षण अभियान में पर्यटन स्थलों सहित शहर को स्वच्छ श्रेणी में लाने के लिए उपयुक्त सभी क्रियाकलापों के उत्तरदायी होगा।
05e	डाटा सेन्टर एवं वायरलेस सिस्टम का विकास	स्थानीय जरूरतों व पदार्पित श्रद्धालुओं की संख्या के अनुसार	नगर पंचायत/ग्राम पंचायत यह सुनिश्चित करेगा कि हर क्षेत्र में प्रस्तावित डाटा सेन्टर

			और नेटवर्क ट्राई के नियमों का पालन करेगें।
05f	शहर/ग्राम की सीमा के भीतर अन्तिम मील तक संचार व्यवस्था सुनिश्चित करने के उद्देश्य से पहुँच एवं सम्पर्क मार्ग का विकास रखरखाव	स्थानीय जरूरतों व पदार्पित श्रद्धालुओं की संख्या के अनुसार	नगर एवं ग्राम पंचायत ब्रज क्षेत्र की धार्मिक एवं सांस्कृतिक महत्व वाले शासकीय भूमि की सुरक्षा की जिम्मेदारी एवं पर्यटन और सांस्कृतिक विकास के लिए भूमि की उपलब्धता सुनिश्चित करेगें।
05g	स्थानीय निकाय हर गॉव कस्बे में परिक्रमा के दौरान पर्यटकों एवं तीर्थ यात्रियों को मूलभूत सुविधाऐं प्रदान करने वाली संरचनाओं की स्थापना एवं संचालन करेगा, जहॉ से परिक्रमा गुजर रही हो	स्थानीय जरूरतों व पदार्पित श्रद्धालुओं की संख्या के अनुसार	इस कार्य हेतु ब्रज तीर्थ विकास परिषद एवं जिला प्रशासन स्थानीय निकायों को परिक्रमा से पूर्व ही सूचित कर उनका मार्गदर्शन करेगा।
06	**राज्य विद्युत बोर्ड**		
06a	निकाय ब्रज क्षेत्र में घोषित सभी हेरिटेज जोन, पर्यटन स्थल एवं धार्मिक स्थल में बिजली की मॉग एवं आपूर्ति पूरी करेगा	स्थानीय जरूरतों व पदार्पित श्रद्धालुओं की संख्या के अनुसार	विभाग यह भी सुनिश्चित करेगा जहॉ तो सम्भव हो तो एच–टी एवं एल–टी लाइन भूमिगत की जाये।
06b	विद्युत विभाग सांस्कृतिक धरोहरों, पर्यटन स्थलों एवं धार्मिक केन्द्रों तथा परिक्रमा पथों में ट्रांसफामर एवं विद्युत उपकेन्द्रों की स्थापना एवं संचालन करेगा	स्थानीय जरूरतों व पदार्पित श्रद्धालुओं की संख्या के अनुसार	विभाग यह भी सुनिश्चित करेगा कि ब्रज महोत्सव, मिनी कुम्भ और मुडिया पूनो जैसे विशेष अवसरों पर संबंधित विभागों की मॉग पर विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करेगा।
07	**उत्तर प्रदेश लोक निर्माण विभाग**		
07a	प्रकाश और हरित पर्यावरण सहित सभी मुख्य मार्गो, पहुँच मार्गो और चौराहों की डिजाइन, संयोजन एवं प्रबंधन	स्थानीय जरूरतों व पदार्पित श्रद्धालुओं की संख्या के अनुसार	विभाग सभी पहुँच मार्गो से संलग्न छायादार पैदल पथ सुनिश्चित करेगा।
07b	पर्यटन स्थल और तीर्थ परिसरों में पहुँच मार्गो का संयोजन एवं उन्नयन	स्थानीय जरूरतों व पदार्पित श्रद्धालुओं की संख्या के अनुसार	-----
07c	नगरीय परिक्रमा मार्ग का उन्नयन और रखरखाव (वाहन एवं पैदल)	स्थानीय जरूरतों व पदार्पित श्रद्धालुओं की संख्या के अनुसार	-----
07d	नगरीय सीमाओं के बाहर नगर द्वारों का विकास एवं रखरखाव	2 गेट प्रतिवर्ष	-----
07e	जनहित में ध्यान में रखते हुए अतिरिक्त वाईपास रोड और अण्डर पास का विकास एवं रखरखाव	स्थानीय जरूरतों व पदार्पित श्रद्धालुओं की संख्या के अनुसार	-----
07f	नगरीय सीमा से बाहर आवश्यक	स्थानीय जरूरतों व	-----

	संरचनाओं का विकास (जैसे–विश्रामगृह, शयनगृह)	पदार्पित श्रद्धालुओं की संख्या के अनुसार	
07g	ब्रज क्षेत्र में स्थित राजमार्ग मुख्य जिला मार्ग, उपजिला मार्ग एवं वहिर्वेदी 84 कोस परिक्रमा मार्ग का नियोजन, विकास और रखरखाव, साथ ही उनसे संलग्न जनसुविधा केन्द्रों का विकास एवं प्रबंधन	स्थानीय जरूरतों व पदार्पित श्रद्धालुओं की संख्या के अनुसार	-----
08	**भारतीय रेलवे**		
08a	लाईट रेल, मेट्रो ट्रांजिस्ट/स्टेशन/टर्मिनस का विकास एवं प्रबंधन	स्थानीय जरूरतों व पदार्पित श्रद्धालुओं की संख्या के अनुसार	भारतीय रेलवे मथुरा जिले में हो रहे त्योहारों और विशेष अवसरों के दौरान ट्रेनों के फेरे एवं विशेष ट्रेनों के प्राविधान को बढ़ाना सुनिश्चित करेगा।
08b	सभी श्रेणी के पर्यटक और तीर्थ यात्रियों की सुविधा हेतु मथुरा स्थित स्टेशनों पर ट्रेनों के ठहराव सुनिश्चित करना	स्थानीय जरूरतों व पदार्पित श्रद्धालुओं की संख्या के अनुसार	-----
08c	भारतीय रेलवे स्टेशन/टर्मिनल परिसरों में यात्री सुविधा केन्द्र, पर्यटन सूचना केन्द्र, आर्थिक आवास एवं भोजन की सुविधा सुनिश्चित करेगा	स्थानीय जरूरतों व पदार्पित श्रद्धालुओं की संख्या के अनुसार	-----
08d	मथुरा जिले में स्थित रेलवे ट्रैक का पुर्नविकास	स्थानीय जरूरतों व पदार्पित श्रद्धालुओं की संख्या के अनुसार	-----
09	**राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (सडक़ परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय, भारत सरकार)**		
09a	चौरासी कोस परिक्रमा मार्ग का विकास कार्य, प्रबंधन एवं रखरखाव	स्थानीय जरूरतों व पदार्पित श्रद्धालुओं की संख्या के अनुसार	
09b	ब्रज क्षेत्र के आसपास एवं इससे गुजरने वाले सभी राष्ट्रीय राजमार्गो का नियोजन, विकास एवं रखरखाव	स्थानीय जरूरतों व पदार्पित श्रद्धालुओं की संख्या के अनुसार	विभाग हर हाल्ट पर पेट्रोल पम्प, गैस स्टेशन, इलेक्ट्रिक चार्जिंग स्टेशन एवं जनसुविधाऐं सुनिश्चित करेगा।
09c	राष्ट्रीय राजमार्ग पर तीर्थ एवं पर्यटक सुविधा केन्द्रों का विकास एवं संचालन	स्थानीय जरूरतों व पदार्पित श्रद्धालुओं की संख्या के अनुसार	-----
09d	चौरासी कोस परिक्रमा मार्ग से संलग्न पड़ाव स्थलों का विकास मय पार्किंग, वोर्डिंग और लोजिंग व्यवस्था के।	स्थानीय जरूरतों व पदार्पित श्रद्धालुओं की संख्या के अनुसार	-----
10	**उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम**		
10a	विभाग तीर्थ यात्रियों और पर्यटकों की आगामी यात्रा को पूरा करने के लिए	स्थानीय जरूरतों व पदार्पित श्रद्धालुओं की	विभाग ग्रीन परिवहन उपलब्ध कराकर मथुरा क्षेत्र

	उत्तर प्रदेश और भारत के अन्य हिस्सों से मथुरा जिले की अर्न्तजिला एवं अन्तर राज्य आवागमन हेतु आवश्यक संख्या में बसों का संचालन सुनिश्चित करेगा	संख्या के अनुसार	का पर्यावरण संरक्षण भी सुनिश्चित करेगा।
10b	अन्तर क्षेत्रीय संचालन के लिये कम दरों पर बसों का प्राविधान	स्थानीय जरूरतों व पदार्पित श्रद्धालुओं की संख्या के अनुसार	विभाग सस्ती दिवसीय पर्यटन दौरों की सुविधा सुनिश्चित करेगा।
11	**उत्तर प्रदेश राज्य सेतु निगम**		
11a	यमुना नदी पर स्थित एवं प्रस्तावित सभी प्रकार के पुलों का नियोजन, विकास एवं रखरखाव	न्यूनतम 1 पुल प्रति 3 वर्ष	-----
11b	ब्रज क्षेत्र के अन्तर्गत पैदल पुल, फ्लाईओवर, रेल ओवर ब्रिज का नियोजन, विकास एवं रखरखाव	स्थानीय जरूरतों व पदार्पित श्रद्धालुओं की संख्या के अनुसार	-----
12	**उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग**		
12a	पर्यटन विभाग ब्रज क्षेत्र के सभी धार्मिक और पर्यटन स्थलों में और उनके आसपास सभी सामाजिक आर्थिक समूहों के लिए तीर्थ/पर्यटक सुविधा केन्द्र एवं प्रवासीय सुविधाऐं सुनिश्चित करेगा	स्थानीय जरूरतों व पदार्पित श्रद्धालुओं की संख्या के अनुसार	-----
12b	ब्रज क्षेत्र के पर्यटन और अध्यात्मिक पर्यटन का संवर्धन एवं प्रचार–प्रसार के लिये उपयुक्त सभी नियोजनों में पर्यटन विभाग वृद्धि सुनिश्चित करेगा।	स्थानीय जरूरतों व पदार्पित श्रद्धालुओं की संख्या के अनुसार	विभाग ब्रज क्षेत्र की पर्यटन ब्राण्ड मूल्य सुनिश्चित करेगा।
12c	विभाग ब्रज के समस्त पर्यटन स्थलों, धार्मिक केन्द्रों, मन्दिर परिसरों का जीर्णोद्धार/पुर्नविकास एवं कायाकल्प को अग्रसरित सभी योजनाओं का प्रतिपादन एवं संचालन करेगा।	स्थानीय जरूरतों व पदार्पित श्रद्धालुओं की संख्या के अनुसार	-----
12d	विभाग सभी पर्यटन स्थलों हेरिटेज जोन, मन्दिरों परिसरों में मूलभूत सुविधाओं की स्थापना एवं संचालन करेगा।	स्थानीय जरूरतों व पदार्पित श्रद्धालुओं की संख्या के अनुसार	पर्यटकों/तीर्थ यात्रियों के बेहतर अनुभव के लिए जनसुविधा परिसरों के संचालन में उनके स्वास्थ्य और स्वच्छता को सुनिश्चित करेगा।
12e	ईको–टूरिजम, हेरिटेज वॉक का प्रबंधन एवं संचालन	न्यूनतम 1 ईको–टूरिज्म एवं एक हेरिटेज वाक/ट्रेल प्रति 3 वर्ष	
12f	प्रत्येक गन्तव्य स्थल, विरासत परिसर में ऑडियो गाइड टूल एवं कुशल/प्रशिक्षित टूरिस्ट गाइड का प्राविधान	स्थानीय जरूरतों व पदार्पित श्रद्धालुओं की संख्या के अनुसार	विभाग बहुभाषी पर्यटक गाइड का सुनिश्चिकरण उनके सभी सामाजिक, सांस्कृतिक, धार्मिक ज्ञान के आधार पर करेगा।
12g	ब्रज क्षेत्र की कला एवं शिल्प कला के	न्यूनतम 1 कौशल कला	विभाग स्थानीय अर्थ व्यवस्था

	संवर्धन के लिए विभाग कौशल विकास केन्द्रों एवं व्यवसायिक प्रशिक्षण केन्द्रों का विकास एवं संचालन करेगा	प्रशिक्षण केन्द्र प्रति 3 वर्ष	को बढ़ाने के लिए पर्यटन से संबंधित व्यवसायिक गतिविधियों का संचालन सुनिश्चित करेगा।
12h	विभाग पर्यटन सूचना केन्द्रों का विकास प्रचार एवं आवश्यक स्थानों पर व्याख्या केन्द्रों की स्थापना एवं संचालन करेगा	स्थानीय जरूरतों व पदार्पित श्रद्धालुओं की संख्या के अनुसार	विभाग प्रतिवर्ष गन्तव्य स्थलों के अनुसार आगणित प्रतिवर्ष पर्यटकों की संख्या का आंकलन सुनिश्चित करेगा।
12i	सांस्कृति महत्व वाले सभी विरासत एवं संसाधानों का अनूकुल पुर्नउपयोग	न्यूनतम 1 हेरिटीज साइट प्रतिवर्ष	-----
12j	पर्यटन स्थलों और तीर्थ स्थलों पर जल निकायों का संरक्षण एवं रखरखाव	न्यूनतम 2 जल निकाय प्रतिवर्ष (एरिया 5 एकड़)	-----
12k	समस्त पर्यटन स्थलों के नियंत्रण एवं प्रबंधन हेतु पर्यटन पुलिस प्रकोष्ठ की स्थापना	न्यूनतम 1 पर्यटन पुलिस प्रकोष्ठ प्रतिवर्ष	-----
13	**राज्य संस्कृति विभाग**		
13a	ब्रज की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की पहचान, संरक्षण, संवर्धन और प्रचार	स्थानीय जरूरतों व पदार्पित श्रद्धालुओं की संख्या के अनुसार	विभाग, लुप्त हो रहे सभी पारिम्परिक कौशल, ज्ञान, कलाऐं, शिल्प, संगीत, नृत्य, भाषा, भोजन शैली, त्यौहार, आयोजन, मन्दिर एवं परम्पराओं का दस्तावेजीकरण सुनिश्चित करेगा।
13b	सांस्कृतिक केन्द्रों, सम्मेलन केन्द्रों एवं प्रदर्शन कला केन्द्रों का नियोजन, विकास एवं संचालन	न्यूनतम 1 सेन्टर प्रति 5 वर्ष	-----
13c	ब्रज क्षेत्र की समस्त कलाओं के संवर्धन हेतु प्रशिक्षण केन्द्रों की स्थापना एवं संचालन	स्थानीय जरूरतों व पदार्पित श्रद्धालुओं की संख्या के अनुसार	विभाग लाभार्थियों को उसकी योग्यतानुसार मदद सुनिश्चित करेगा।
13d	ब्रज के अभिलेखागार, सांस्कृतिक संग्रह केन्द्रों की स्थापना एवं संचालन	न्यूनतम 1 सेन्टर प्रति 5 वर्ष	-----
13e	ब्रज में स्थित/प्रस्तावित संग्रहालयों का विकास, संचालन एवं रखरखाव	न्यूनतम 1 सेन्टर प्रति 5 वर्ष	-----
14	**राज्य एवं केन्द्रीय पुरातत्व विभाग**		
14a	ब्रज में सभी मूर्त सांस्कृतिक विरासत एवं पुरातात्विक स्थलों की पहचान, सूचीकरण और वर्गीकरण	स्थानीय जरूरतों व पदार्पित श्रद्धालुओं की संख्या के अनुसार	विभाग सरकारी/निजी संस्थानों के माध्यम से धरोहर सम्पत्तियों का दस्तोवजीकरण और मानचित्रण सुनिश्चित करेगा।
14b	ब्रज में स्थित सभी मूर्त सांस्कृतिक विरासत और पुरातत्व स्थलों का संरक्षण एवं रखरखाव	स्थानीय जरूरतों व पदार्पित श्रद्धालुओं की संख्या के अनुसार	-----

14c	हेरिटेज जोन की सीमाओं का नियमीकरण	स्थानीय जरूरतों व पदार्पित श्रद्धालुओं की संख्या के अनुसार	-----
14d	विभाग राज्य पर्यटन एवं केन्द्रीय पर्यटन विभाग के सहयोग से संरक्षित स्थलों पर मूलभूत पर्यटक सुविधाओं की संरचना विकास एवं संचालन	स्थानीय जरूरतों व पदार्पित श्रद्धालुओं की संख्या के अनुसार	-----
14e	विभाग पर्यटन विभाग को संरक्षित स्थलों में जनहित में आने वाली किसी भी पर्यटन अवसंचरना सृजित करने में सहयोगी होगा	स्थानीय जरूरतों व पर्दापित श्रद्धालुओं की संख्या के अनुसार	-----
14f	विरासत सम्पदा के अनूकुल पुर्नपयोग हेतु पर्यटन विभाग एवं अन्य शासकीय अभिकरणों को सहयोग सुनिश्चित करेगा	स्थानीय जरूरतों व पर्दापित श्रद्धालुओं की संख्या के अनुसार	-----
14g	उत्खनन कार्य एवं उत्खनन से प्राप्त कलाकृतियों का संग्रहण, संरक्षण एवं उस स्थल को पर्यटक स्थल के रूप में विकसित करना	स्थानीय जरूरतों व पर्दापित श्रद्धालुओं की संख्या के अनुसार	-----
14h	हेरिटेज जोन में आने वाले जल निकायों का संरक्षण एवं विकास	न्यूनतम 2 जल निकाय प्रतिवर्ष	-----
15	**वन विभाग**		
15a	विभाग पारिपुर्नस्थापना पद्धति द्वारा पौराणिक वनों को फिर से स्थापित (प्राकट्य) करेगा	न्यूनतम 50 हेक्टेयर प्रतिवर्ष	स्वदेशी प्रजातियों, वैदिक और पर्यावरण वहाली से संबंधित प्रजातियों के वृक्षारोपण पर पुर्नजोर एवं पौराणिक वन की पहचान एवं पारिपुर्नस्थापना का सुनिश्चीकरण विभाग द्वारा किया जायेगा।
15b	ब्रज क्षेत्र की वन एवं देशी प्रजातियों की पहचान, सूचीकरण एवं वर्गीकरण के साथ–साथ मृदा संरक्षण	स्थानीय जरूरतों की संख्या के अनुसार	-----
15c	पहाड़ी क्षेत्र एवं संरक्षित वन क्षेत्र की सीमाओं की पहचान एवं सीमाकंन	स्थानीय जरूरतों की संख्या के अनुसार	-----
15d	प्राकृतिक पुर्नजनन के लिए ए.एन.आर हस्तक्षेपों और सिल्बी कल्चरल कार्य कलापों हस्तक्षेपों को बढ़ावा देना	स्थानीय जरूरतों की संख्या के अनुसार	उक्त के लिये विभाग प्रशिक्षण केन्द्रों की स्थापना एवं संचालन सुनिश्चित करेगा।
15e	ब्रज क्षेत्र में वन संरक्षण नीतियों का निर्माण, कार्यान्वयन एवं संचालन	स्थानीय जरूरतों की संख्या के अनुसार	-----
15f	वेटलैण्ड का विकास	न्यूनतम 1 प्रतिवर्ष	
15g	ईको–फोरिस्ट एवं जैव विविधता उद्यान का विकास एवं रखरखाव	न्यूनतम 1 प्रति 3 वर्ष	
15h	जल निकायों का संरक्षण एवं पुर्नरोद्धार	न्यूनतम 2 प्रतिवर्ष	

15i	स्थानीय प्रजातियों वाले पेड़ों और वनस्पतियों हेतु नर्सरी एवं इनक्यूवेटर की स्थापना	न्यूनतम 1 प्रति 3 वर्ष	
16	**उद्यान विभाग**		
16a	ब्रज क्षेत्र की सांस्कृतिक एवं प्राकृतिक परिदृश्य की पहचान एवं सूचीकरण	स्थानीय जरूरतों की संख्या के अनुसार	-----
16b	स्थानीय वृक्षों एवं वनस्पतियों की पहचान एवं सूचीकरण	स्थानीय जरूरतों की संख्या के अनुसार	-----
16c	विभाग, सभी तीर्थ/पर्यटन स्थलों पर वृक्षारोपण एवं स्थल विकास कार्यो की आपूर्ति एवं रखरखाव के साथ–साथ सभी विरासत एवं पर्यटन क्षेत्रों के समीप हरित वातावरण का निर्माण सुनिश्चित करेगा।	स्थानीय जरूरतों की संख्या के अनुसार	विभाग नगरीय परिक्रमा में भूदृश्य का विकास एवं अनुरक्षण भी सुनिश्चित करेगा।
16d	स्थानीय प्रजातियों वाले पेड़ों और वनस्पतियों हेतु नर्सरी एवं इनक्यूवेटर	न्यूनतम 1 नर्सरी प्रति 3 वर्ष	-----
16e	निचले पहाड़ी क्षेत्रों, स्थलाकृतिक संरचना एवं प्राकृतिक परिदृश्यों का संरक्षण एवं विकास	स्थानीय जरूरतों की संख्या के अनुसार	विभाग नगरीय सीमा के अन्दर आने वाले और सीमा से बाहरी स्थित सभी चयनित पर्यटन स्थलों में ग्रीन पार्क एवं लैण्डस्केप का कार्य सुनिश्चित करेगा।
17	**सिंचाई विभाग**		
17a	पारिस्थितिकी के अनुरूप महत्वपूर्ण आर्द्रभूमि और प्राकृतिक जल निकायों (कुण्डों, तालाबों, नहरों) की बहाली	न्यूनतम 2 प्रतिवर्ष	उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद द्वारा सभी मानव निर्मित एवं प्राकृतिक जल निकायों की सूची एवं वर्गीकरण पूर्ववत ही तैयार कर ली गई है।
17b	वाटर सेड और जलग्रहण क्षेत्र का प्रबंधन	स्थानीय जरूरतों की संख्या के अनुसार	-----
17c	यमुना तलहटी जल विज्ञान और बाढ़ के मैदानों का वर्गीकरण, दस्तोवजीकरण, विकास एवं संचालन	स्थानीय जरूरतों की संख्या के अनुसार	-----
17d	यमुना नदी के तटीय क्षेत्रों, तट बन्धों का संरक्षण	स्थानीय जरूरतों की संख्या के अनुसार	-----
17e	मथुरा जिले के अन्तर्गत यमुना नदी, प्राकृतिक जल निकाय और मानव निर्मित जल चैनलों का सुदृढीकरण एवं विकास	स्थानीय जरूरतों की संख्या के अनुसार	विभाग ब्रज क्षेत्र में प्राकृतिक एवं मानव निर्मित वन, हरित आवरण, वनस्पति क्षेत्र एवं वृक्षारोपण की सिंचाई के लिए वन विभाग एवं उद्यान विभाग की सहायता करना भी सुनिश्चित करेगा।
17f	मथुरा जिले में यमुना नदी के घाटों का	स्थानीय जरूरतों व	-----

	जीर्णोद्धार, विकास एवं सुदृढ़ीकरण	पदार्पित श्रद्धालुओं की संख्या के अनुसार	
17g	घाटों पर सार्वजनिक सुविधाओं, अनुष्ठान के लिए बुनियादी ढ़ाचों, आरती/वन्दना स्थलों का विकास एवं संचालन	स्थानीय जरूरतों व पदार्पित श्रद्धालुओं की संख्या के अनुसार	-----
17h	वाटर टैक्सी और जैटी निहित जलमार्गो का विकास	स्थानीय जरूरतों व पदार्पित श्रद्धालुओं की संख्या के अनुसार	-----
18	**जिला प्रशासन**		
18a	पर्यटन एवं तीर्थ यात्रियों के स्थायत्वि के संबंध में शहर के विकास के लिए आवश्यक निर्णय हेतु जिला प्रशासन एक प्रमुख हितधारक की भूमिका निभायेगा एवं साथ ही अन्तरविभागीय समन्वय स्थापित करेगा	स्थानीय जरूरतों व पदार्पित श्रद्धालुओं की संख्या के अनुसार	-----
18b	सभी पर्यटक स्थलों, तीर्थ स्थानों एवं परिक्रमा मार्गो पर जनसूचना अवयव एवं सी.सी.टी.वी की स्थापना	स्थानीय जरूरतों व पर्दापित श्रद्धालुओं की संख्या के अनुसार	प्रशासन ब्रज क्षेत्र में पदार्पित तीर्थ यात्रियों एवं पर्यटकों की सुरक्षा एवं सुखद अनुभव हेतु सुरक्षित वातावरण सुनिश्चित करेगा।
18c	सभी पर्यटन स्थलों एवं परिक्रमा मार्गो पर यातायात प्रबंधन एवं सुरक्षा नियत्रण प्रणाली का संचालन। प्रशासन सभी मूर्त विरासतों की सुरक्षा सुनिश्चित करेगा।	स्थानीय जरूरतों व पदार्पित श्रद्धालुओं की संख्या के अनुसार	जिला प्रशासन मेला सीजन एवं विशेष अवसरों के दौरान पूर्ववत ही यातायात प्रबंधन योजना का नियोजन एवं संचालन करेगा।
18d	ब्रज क्षेत्र के पर्यटन विकास से जुडे सभी गैर सरकारी संगठनों एवं निजी निकायों का नियमितीकरण	स्थानीय जरूरतों व पदार्पित श्रद्धालुओं की संख्या के अनुसार	-----
18e	जिला प्रबंधन प्रकोष्ठ मेले एवं अन्य त्योहारों के दौरान किसी भी आपदा भगदड़ की स्थिति या अन्य आपतकालीन स्थितियों के लिए आपदा प्रबंधन योजना तैयार कर उनका संचालन करेगा	स्थानीय जरूरतों व पदार्पित श्रद्धालुओं की संख्या के अनुसार	-----
18f	शहर के पर्यटन विकास के दृष्टिगत जागरूकता अभियानों का उन्नयन एवं अधिनियमतीकरण	स्थानीय जरूरतों व पदार्पित श्रद्धालुओं की संख्या के अनुसार	-----
19	**यमुना एक्सप्रेस–वे औद्योगिक विकास प्राधिकरण**		
19a	विभाग यमुना नदी के दूसरी ओर सभी	स्थानीय जरूरतों व	नयी टाउनशिप एक उप

	शहरी सुविधाओं से युक्त एकीकृत टाउनशिप का निर्माण करेगा	पदार्पित श्रद्धालुओं की संख्या के अनुसार	नगरीय क्षेत्र की तरह काम करेगी जो कि वृन्दावन के धार्मिक क्षेत्रों को भीड़ मुक्त करने में सहायक होगी।
19b	विभाग पुराने और नये दोनों वृन्दावन क्षेत्रों के मध्य यातायात संचालन सुनिश्चित करेगा	स्थानीय जरूरतों व पदार्पित श्रद्धालुओं की संख्या के अनुसार	
19c	नयी उप नगरीय योजना प्रवासीय आवास एवं श्रद्धालु सुविधा केन्द्र आदि को विकसित करेगा।	स्थानीय जरूरतों व पदार्पित श्रद्धालुओं की संख्या के अनुसार	नयी उप नगरीय योजना की नीति में श्रद्धालुओं एवं पर्यटकों के मनोरंजन हेतु सुविधाओं का नियोजन सुनिश्चित करेगा।

7. कार्य योजना

हस्तक्षेप	लक्षित लाभार्थी	उत्पादन / अपेक्षित परिणाम	उप–कार्य जो किए जाने है	प्राधिकरण उत्तरदायी	अन्य कार्यान्वयन संस्था	अन्य हितधारक	अस्थायी बजट (धनराशि रू0)	ई संचालन एवं रखरखाव	अभ्युक्ति
मौजूदा संस्थान का सुदृढ़ीकरण									
धरोहर से संबंधित प्रक्रियाओं को सक्षम करने के लिए मौजूदा ढांचे को मजबूत करना एवं स्थानीय प्राधिकरण को सशक्त बनाना									
''ब्रज धरोहर संरक्षण एवं प्रबंधन केंद्र'' की स्थापना		धरोहर क्षेत्र से संबंधित मानव संसाधन एवं परियोजनाओं को प्रशिक्षित करने के साथ–साथ प्रबंधन, निगरानी के लिए एक संस्थागत ढांचे की स्थापना करना। स्थिति अनुसार विश्लेषण। धरोहर संबंधी सभी कार्यों के लिए नोडल तकनीकी संस्था। जैसे समन्वय, परियोजनाओं को आरंभ करना, आरएफपी तैयार करना, सलाहकारों के साथ समन्वय करना, क्षमता निर्माण करना। संरक्षण की परियोजनाओं पर गुणवत्ता नियंत्रण।	प्रस्तावित यूपीबीटीवीपी कार्यालय के हिस्से के रूप में प्राकृतिक एवं सांस्कृतिक धरोहर के प्रबंधन के लिए एक संस्थान की स्थापना	यूपीबीटीवीपी	तकनीकी शिक्षा एवं औद्योगिक प्रशिक्षण विभाग, उत्तर प्रदेश सरकार	एमवीडीएपर्यटन विभाग, एएसआई, राज्य पुरातत्व विभाग	2500000		
			मानव संसाधन प्रणाली की स्थापना–धरोहर प्रबंधन के लिए टीम संस्थागत लिंकेज एवं टाई–अप के लिए विस्तृत संस्थागत रूपरेखा योजना तैयार करना एवं नीतिगत ढांचा तैयार करना : संस्था नीति के लिए।	यूपीबीटीवीपी	तकनीकी शिक्षा एवं औद्योगिक प्रशिक्षण विभाग, उत्तर प्रदेश सरकार	एमवीडीएपर्यटन विभाग, एएसआई, राज्य पुरातत्व विभाग,	42000000	7 लाख वेतन प्रति माह, 5 साल के लिए योजना–ऊष्मायन अवधि संचालन एवं रखरखाव के लिए 5	

								लाख	
				एमओयू / प्रबंधन संस्थान एवं नीति विशेषज्ञों के साथ सहयोग		एएसआई, राज्य पुरातत्व विभाग, डब्ल्यूएक्यूएफ, नगर पंचायत, देवस्थान, स्थानीय समुदाय एवं परोपकारी एवं सांस्कृतिक संरक्षक	4000000		
अनुसंधान एवं दस्तावेज प्रबंधन योजना									
पारंपरिक ज्ञान, ब्रज एवं उसके लोगों के जीवन के सार के भंडार के रूप में धरोहर को परिभाषित करना एवं सांस्कृतिक संसाधनों की पहचान करना									

धरोहर संसाधनों का विस्तृत प्रलेखन	यूपीबीटीवीपी, स्थानीय समुदाय, भविष्य की नीति बनाने के लिए स्थानीय सरकार, पर्यटन विभाग, पर्यटन मंत्रालय	यूपीबीटीवीपी/एम.वी.डी.ए के साथ एक दस्जावेज संसाधन बैंक की स्थापना, जिसमें चल रहे प्रलेखन मैनुअल, प्रकाशन, जीआईएस, फोटो इत्यादि शामिल हैं जो धरोहर संसाधन बैंक के रूप में कार्य करेगें हैं एवं जीआईएस प्रारूपों के लिए तैयार एक व्यापक डाटाबेस भी शामिल हो।	निर्मित धरोहर संसाधनों की सूचीः एक व्यापक सूची पहले ही तैयार की जा चुकी है, सीमाओं के कारण कुछ अंतराल हैं जिन्हें ''ब्रज धरोहर संरक्षण एवं प्रबंधन केंद्र'' द्वारा पूण कराये जाने की सिफारिश की गई है।	सहायता के लिए बाहरी सलाहकार के साथ ''ब्रज धरोहर संरक्षण एवं प्रबंधन केंद्र' एवं यूपीबीटीवीपी ' द्वारा समन्वय बनाना	तकनीकी शिक्षा एवं औद्योगिक प्रशिक्षण विभाग, उत्तर प्रदेश सरकार	एएसआई, राज्य पुरातत्व विभाग, डब्ल्यूएक्यूएफ, (वक्फ)नगर पंचायत, नगर निगम, देवस्थान, स्थानीय समुदाय एवं परोपकारी सांस्कृतिक संरक्षक	7500000		
		ग्रेड I*, I ,और IIA में वर्गीकृत संरचनाओं का प्रकाशन	ग्रेड I*, I,IIA में वर्गीकृत साइटों के लिए एक विस्तृत डेटा बेसः इसके लिए ऐतिहासिक अनुसंधान, वास्तु विवरण, कलात्मक मूल्यों एवं निर्मित धरोहर संसाधनों से जुड़ी सांस्कृतिक प्रथाओं को संकलित करने की आवश्यकता है। इसमें स्थानीय समुदाय के मौखिक आख्यानों को भी शामिल किया जाये।	''ब्रज हेरिटेज कंजर्वेशन एण्ड मैनेजमेंट सेंटर'' एवं यूपीबीटीवीपी	डेटाबेस तैयार करने के लिए बाहरी सलाहकारः इतिहासकार, कला इतिहासकार, संरक्षण वास्तुकार, वास्तुकार, पर्यावरण विषेषज्ञ, डिजाइनर आदि को चिन्हित कर मदद की जाये।		3500000		
		ब्रज के व्यापक स्थापत्य इतिहास एवं भूगोल पर एक अध्याय	ब्रज क्षेत्र का व्यापक वास्तुकला इतिहास अनुसंधान एवं सांस्कृतिक परिदृश्य इतिहास।	''ब्रज हेरिटेज कंजर्वेशन एण्ड मैनेजमेंट सेंटर'' एवं यूपीबीटीवीपी	बाहरी सलाहकार इतिहासकार एवं भूगोलवेत्ता को चिन्हित कर मदद ली जानी है।		750000		

		जीआईएस डाटा बेस, क्षेत्रीय स्तर गन्तव्य स्तर और परसर स्तर पर नीति निर्माण के लिए प्रलेखन एवं परियोजना निरूपण में सहायक क्विरी मानचित्र तैयार कराना।	प्राकृतिक एवं सांस्कृतिक संसाधनों की संपूर्ण सूची के लिए जीआईएस डाटा बेस बनाया जायेगा।	''ब्रज हेरिटेज कंजर्वेशन एण्ड मैनेजमेंट सेंटर'' एवं यूपीबीटीवीपी	जीआईएस बाहरी सलाहकार		10000000		
		वैन, पवित्र बगीचों और परिसरों के लिए क्षेत्र स्तरीय प्रलेखन का विस्तृत हवाई सर्वेक्षण	दो पायलट साइटों के लिए हवाई सर्वेक्षण	''ब्रज हेरिटेज कंजर्वेशन एण्ड मैनेजमेंट सेंटर'' एवं यूपीबीटीवीपी	दो पायलट परियोजनाओं के लिए हवाई सर्वेक्षण विशेषज्ञ (स्कूल ऑफ प्लानिंग एंड आर्किटेक्चर विजयवाड़ा के साथ समझौता ज्ञापन)		1200000		
		सांस्कृतिक एवं प्राकृतिक संसाधनों का एक विस्तृत फोटो प्रलेखन	प्रकाशन के लिए फोटोग्राममेट्री का उपयोग करते हुए ग्रेड I*, I एवं IIA के लिए एक विस्तृत फोटो प्रलेखन, परामर्शदता, परियोजना प्रबंधन टीम/संरचना को किराए पर लेना, छवियों का संग्रह एवं डेटा बेस जीआईएस पर उत्पादन को अपडेट करना (कार्य 6 चरणों में कराया जायेगा)	''ब्रज हेरिटेज कंजर्वेशन एण्ड मैनेजमेंट सेंटर'' एवं यूपीबीटीवीपी	स्कूल ऑफ प्लानिंग एंड आर्किटेक्चर विजयवाड़ा के साथ समझौता ज्ञापन		9000000	प्रत्येक चरण के लिए 15 लाख	

		ग्रेड I*, एवं I संरचनाओं के विस्तृत चित्र एवं दस्तावेजीकरणः आधुनिक तकनीकों का उपयोग करें जैसे कि लेजर स्कैनिंग, फोटोग्रामेट्री, लिडर सर्वेक्षण आदि।	प्रकाशन के लिए फोटोग्रामेट्री का उपयोग करते हुए ग्रेड I*, I एवं IIA के लिए एक विस्तृत फोटो प्रलेखन, परामर्शदता, परियोजना प्रबंधन टीम/संरचना को किराए पर लेना, छवियों का संग्रह एवं डेटा बेस जीआईएस पर उत्पादन को अपडेट करना (कार्य 6 चरणों में किया गया)	''ब्रज हेरिटेज कंजर्वेशन एण्ड मैनेजमेंट सेंटर'' एवं यूपीबीटीवीपी	स्कूल ऑफ प्लानिंग एंड आर्किटेक्चर विजयवाड़ा के साथ समझौता ज्ञापन (एम0ओ0यू0)				
'ब्रज के सांस्कृतिक भंडार बैंक' की स्थापना		ब्रज संरक्षण एवं प्रबंधन केंद्र के साथ ब्रज की प्राकृतिक व साथ ही सांस्कृतिक धरोहर के लिए एक पुस्तकालय, डिजिटल पुस्तकालय, प्रलेखन केंद्र, अभिलेखीय केंद्र के रूप में उपयोग किया जाने वाला एक डेटाबेस बैंक स्थापित करना।	संस्थाओं के लिए एक सॉफ्ट डाटाबेस ड्राइव की स्थापना : फोटो, मानचित्र, चित्र, पाठ आदि	''ब्रज हेरिटेज कंजर्वेशन एण्ड मैनेजमेंट सेंटर'' एवं यूपीबीटीवीपी	एम.बी.डी.ए, पर्यटन विभाग, एएसआई, पुरातत्व विभाग, पर्यटन मंत्रालय	एएसआई, राज्य पुरातत्व विभाग, डब्ल्यूएक्यूएफ, (वक्फ)नगर पंचायत, नगर निगम, देवस्थान, स्थानीय समुदाय एवं परोपकारी सांस्कृतिक संरक्षक	200000		
			ब्रज धरोहर प्रबंधन केंद्र ,द्वारा किए गए कार्य एवं पूर्व में किए गए कार्य के लिए पुस्तकों, नक्शों की हार्ड कॉपी, ड्राइंग, रिपोर्ट पुस्तकें एवं अन्य पाठ्य सामग्री, चित्र आदि के लिए एक डाटा बेस लाइब्रेरी स्थापित करना यूपीबीटीवीपी या केंद्रीय, राज्य या स्थिनीय सरकार के सहयोग से अन्य विद्वान	ब्रज धरोहर संरक्षण एवं प्रबन्धन केन्द्र तथा यूपीबीटीवीपी			250000		

			भौतिक संस्थाओं के लिए एक डेटा बैंक की स्थापना : जहॉ संधारित उच्च वास्तुशिल्प मूल्य के तत्वों को संग्रहित किया जा सके। है, जो इमारत से टूटकर अलग हो जाते हैं एवं गिर जाते हैं एवं अप्राप्य हो जाते हैं, उन्हें पुनः संरक्षित किया जा सके।				450000		
स्थानीय समुदाय एवं पंचायतों को अनुसंधान एवं प्रलेखन प्रक्रिया में भाग लेने में सक्षम बनाना		स्थानीय मौखिक कथाओं एवं समुदायों की पहचान का संग्रह	आयोजनों का वार्षिक कलैण्डर तैयार करना	''ब्रज हेरिटेज कंजर्वेशन एण्ड मैनेजमेंट सेंटर'' एवं यूपीबीटीवीपी			200000	20 लाख वार्षिक	
			8 गंतव्यों में स्थानीय समुदायों के साथ कार्यशालाओं का आयोजन						
			स्थानीय सरकारी निकायों एवं पंचायतों को सशक्त बनाने के लिए कार्यशालाएं						

सांस्कृतिक संरक्षण योजना									
ब्रज की असंरक्षित निर्मित सांस्कृतिक धरोहर की सुरक्षा एवं संरक्षण									
मास्टर प्लान में सांस्कृतिक धरोहर संसाधनों की अधिसूचना	स्थानीय समुदाय एवं स्थानीय सरकार एवं राज्य पर्यटन विभाग	निर्मित धरोहरों के संरक्षण हेतु संशोधन अधिसूचना	ग्राउंड टुथिंग : स्थानीय सरकारी एवं पंचायतों के परामर्श से ग्रेड I*,I एवं IIA सांस्कृतिक धरोहर स्थलों की पहचान, जहां मथुरा–वृंदावन विकास प्राधिकरण के मास्टर प्लान में इन साइटों की अधिसूचना के लिए व्यवहार्यता जांच की जाती है	एम.बी.डी.ए एवं यूपीबीटीवीपी	तहसील एवं पंचायत		500000		
			अधिसूचना के लिए दस्तावेज तैयार करना				500000		
		निर्मित धरोहरों के संरक्षण हेतु संशोधन अधिसूचना	स्थानीय सरकारों एवं पंचायतों के परामर्श से जमीन पर ग्रेड II B सांस्कृतिक धरोहर स्थलों की पहचान, जहां संशोधन अधिसूचना के लिए पुनर्विचार साइटों के वर्गीकरण के मानदंड के लिए व्यवहार्यता जांच की जानी है।	यूपीबीटीवीपी	तहसील एवं पंचायत		500000		

		ब्रज (मथुरा जिला) की असंरक्षित धरोहर के संरक्षण हेतु दस्तावेज	विभिन्न प्रकारों की वास्तुकला कार्य में ब्रज (मथुरा जिला) की असुरक्षित धरोहर के लिए धरोहर उपनियम तैयार करना, बहुत अनिवार्य रूप से यह देखते हुए कि साइटें सूचीबद्ध हैं, अधिसूचना के लिए पहचानी गई हैं एवं यह दस्तावेज केवल ऐसे चिन्हित स्थलों के लिए उपनियमों पर विचार करेगा।	यूपीबीटीवीपी	मंदिर ट्रस्टों, (वक्फ) बोर्ड, चर्च संघों, नगर पंचायतों, नगर निगमों, देवस्थान, स्थानीय समुदाय एवं निजी संरचनाओं के मालिकों, मास्टर प्लान में अधिसूचित किसी भी असुरक्षित संरचना के मालिकों एवं परोपकारी और सांस्कृतिक संरक्षकों से समन्वय एवं परामर्श कर संरक्षण सुनिश्चित करना।		500000		
		निर्मित धरोहरों के संरक्षण हेतु संशोधन अधिसूचना	मथुरा एवं वृंदावन क्षेत्र के आगामी मास्टर प्लान में ब्रज की असंरक्षित धरोहर एवं उनकी उपविधियों की अधिसूचना।	एम.बी.डी.ए एवं यूपीबीटीवीपी			500000		

पृथक स्मारकों एवं संरचनाओं से परे धरोहर की पहचान 'ऐतिहासिक रूप से महत्वपूर्ण धरोहर संसाधनों में समृद्ध क्षेत्रों एवं ऐतिहासिक शहर के विकास के लिए एक स्तंभ के रूप में धरोहर की पहचान एवं संसाधनों को शामिल करके निपटान के विस्तार के लिए एक महत्वपूर्ण घटक के रूप में इसके अस्तित्व की परिकल्पना बस्तियों के लिए नीति बनाना एवं योजना बनाना	स्थानीय समुदाय, राज्य पर्यटन विभाग, मंदिर ट्रस्ट एवं निजी संरचनाओं के मालिक	सांस्कृतिक प्रथाओं को बनाए रखने के लिए एकीकृत संरक्षण एवं साइट विकास, साइटों के बीच अंतर्संबंध एवं साथ ही बेहतर पर्यटक अनुभव विकसित करने के लिए।	मथुरा में ब्रज क्षेत्र के ऐतिहासिक कोर के रूप में मास्टर प्लान में परिसर का चिहाकंन। सटीक सीमाओं, समावेशन एवं बहिष्करण पर विचार करने के लिए जमीन पर पुनरीक्षण करना।				300000		
			परिसर के भीतर ऐतिहासिक स्थलों के संपूर्ण परिसर के विकास एवं संरक्षण के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार करके साइट विकास कार्य करना। इस दस्तावेज में परिसर की पहचान की गई है, संरक्षण योजना एवं साइट विकास योजना के लिए किए जाने वाले कार्यों की रूपरेखा इस दस्तावेज के अध्याय III में सूचीबद्ध प्रस्तावों के रूप में पहचानी गई है।						गंतव्य विकास बजट में शामिल
परिसर स्तर साइट विकास, संरक्षण एवं पुनरोद्धार कार्य			गंतव्य बरसाना, गंतव्य बलदेव, गंतव्य गोकुल, गंतव्य नंदगांव, गंतव्य महावन, गंतव्य मथुरा, गंतव्य गोवर्धन, गंतव्य	एम.बी.डी.ए एवं यूपीबीटीवीपी,	शहरी विकास मंत्रालय, ग्रामीण विकास मंत्रालय	पीडब्ल्यूडी, एएसआई, राज्य पुरातत्व विभाग, धरोहर संरचनाओं के	1276000000		गंतव्य विकास बजट में शामिल

			वृंदावन			रूप में पहचाने गए संपत्तियों के अन्य सार्वजनिक मालिकों के साथ संपर्क।	618000000 789000000 1350000000 550000000 5000000000 5000000000 5000000000		
84 कोस परिक्रमा में आठ गन्तव्य स्थलों की शहरी नियोजन नीतियों में एकीकृत किए जाने वाले परित्यक्त सार्वजनिक संरचनाओं का संरक्षण एवं अनुकूल पुनः उपयोग			परिक्षेत्र में पहचाने गए स्थलों के लिए डीपीआर तैयार करना	एम.बी.डी.ए एवं यूपीबीटीवीपी,	शहरी विकास मंत्रालय, ग्रामीण विकास मंत्रालय	एएसआई, राज्य पुरातत्व विभाग, पीडब्ल्यूडी			गंतव्य विकास बजट में शामिल
संरक्षित स्थलों का संरक्षण एवं उन्नयन और इन स्थलों का परिसर में एकीकरण ताकि आगंतुकों को स्मारकीय धरोहर के हिस्से के रूप में ब्रज की संस्कृति का अनुभव हो सके।	राज्य पर्यटन विभाग, एएसआई एवं राज्य पुरातत्व विभाग, स्थानीय समुदाय	संरक्षित धरोहर की प्रामाणिक सेटिंग, बरकरार अखंडता एवं उन्नत आगंतुक अनुभव के साथ संरक्षित निर्मित साइट का संरक्षण एवं पर्यटन विकास।	28 संरक्षित स्थलों के संरक्षण, स्थल विकास एवं पर्यटन सुविधाओं के उन्नयन के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर), जिसमें संरक्षित 28 स्थलों का रखरखाव एवं योजना शामिल है।	एएसआई, एवं राज्य पुरातत्व विभाग	संस्कृति मंत्रालय एवं पुरातत्व एवं सांस्कृतिक मामलों के विभाग				गंतव्य विकास बजट में शामिल

प्रकृति एवं पारिस्थितिकी के साथ एकीकरण के लिए योजना									
ब्रज को एक सांस्कृतिक परिदृष्य के रूप में मान्यता देना : ब्रज के सांस्कृतिक संसाधनों एवं प्राकृतिक संसाधनों के लिए ब्रज एवं उसके परिदृश्य दोनों को अभिन्न अंग मानते हुए एक समग्र दृष्टि विकसित करना									
उच्च महत्व के प्राकृतिक निकायों, वनस्पतियों एवं जीवों के संरक्षण की स्थिति का प्रावधान जो स्थानीय एवं क्षेत्रीय पारिस्थिति की में योगदान करतें हैं	स्थानीय समुदाय, ब्रज का पर्यावास, पक्षियों की प्रवासी प्रजातियाँ, स्वदेशी प्रथाओं एवं व्यापार वाले समुदाय	प्राकृतिक धरोहर का संरक्षण एवं निर्मित धरोहर और जल निकायों की प्राकृतिक सेटिंग को पुनर्जीवित करके क्षेत्र की अखंडता एवं प्रामाणिकता को बनाए रखना	ब्रज के इन पॉकेटों में जल निकायों, वनों, उपवनों, वृक्षों तथा जलधाराओं की विस्तृत सूची	''ब्रज हेरिटेज कंजर्वेशन एण्ड मैनेजमेंट सेंटर'' और यूपीबीटीवीपी	पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय एवं राज्य पर्यावरण विभाग	नगर पंचायत, नगर निगम, स्थानीय समुदाय	500000		
			अधिसूचित किए जाने वाले वनस्पतियों, जीवों, एवं संबंधित प्राकृतिक संसाधनों की सूची की पहचान करना।	''ब्रज हेरिटेज कंजर्वेशन एण्ड मैनेजमेंट सेंटर'' और यूपीबीटीवीपी	पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय एवं राज्य पर्यावरण विभाग				
			मास्टर प्लान में सभी जल निकायों एवं सूचीबद्ध वन की अधिसूचनाः अधिसूचित निर्मित धरोहरों से जुडे सभी जल निकायों को संरक्षण का दर्जा देने एवं मास्टर प्लान में अधिसूचित होने की अधिसूचना एवं सभी उद्यान, बागीचियां, वन उपवन अधिसूचित होने के लिए मास्टर प्लान में, निर्मित संसाधनों से जुड़े लोगों को प्रामाणिक				1500000		

			संरक्षण कार्यों को सुनिश्चित करने और इन स्थलों की अखंडता को बनाए रखने के लिए एक जटिल एवं निर्मित संसाधनों के हिस्से के रूप में पहचाने जाने की आवश्यकता है।						
			इन अधिसूचित संपत्तियों के लिए दिशानिर्देश एवं उपनियम तैयार करना जैसा कि ब्रज की असुरक्षित धरोहर के लिए प्रस्तावित है।				2500000		
हरित स्थानों का जीर्णोद्धार एवं संरक्षण	ब्रज क्षेत्र की वनस्पति एवं जीव, स्थानीय समुदाय विशेष रूप से स्वदेषी पारंपरिक सांस्कृतिक गतिविधियों का अभ्यास, स्थानीय समुदाय जीवन के जीने के तरीके एवं जीवन की गुणवत्ता के	खुली जगह, वन प्रकार आदि का पुनरोद्धार, खुले एवं हरित स्थानों की बहाली	मास्टर प्लान में अधिसूचित किए जाने वाले खुले स्थानों एवं हरित क्षेत्रों के क्लस्टर/पूर्व/क्षेत्रों की पहचान				2500000		
			निर्मित धरोहरों से जुड़े बगीचों एवं उद्यानों के जीर्णोद्धार हेतु विस्तृत परियोजना प्रतिवेदन तैयार करना।						परिसर एवं गंतव्य स्तर में विस्तृत बजट

	लिए। पर्यटन मंत्रालय, उत्तर प्रदेश राज्य सरकार		मास्टर प्लान में अधिसूचित क्षेत्रों के रूप में पहचाने गए क्षेत्रों के लिए देशज प्रजातियों के पौधों के साथ पूरे ब्रज क्षेत्र के लिए पुनरोद्धार योजना, परिदृश्य योजना एवं वृक्षारोपण योजना तैयार करना।				10000000		
ब्रज के नीले स्थानों को संरक्षित करके सांस्कृतिक प्रथाओं की रक्षा के लिए भूमि–जल इंटरफेस पर इंटरलिंकेज एवं इंटरैक्शन को बनाए रखना।			सभी कुंडों के लिए संरक्षण एवं जीर्णोद्धार योजना तैयार करना, जिसमें पानी की सफाई एवं गाद निकालना, रिटेनिंग वॉल को हटाना, वृक्षारोपण एवं किनारे का सुधार शामिल है						परिसर एवं गंतव्य स्तर में विस्तृत बजट
	घाट परिसर के आसपास एवं घाटों के आसपास रहने वाले स्थानीय समुदाय, घाटों के किनारे स्वदेशी धार्मिक एवं सांस्कृतिक प्रथाओं का अभ्यास करने वाले समुदाय	घाटों एवं नदी किनारों का पुनरोद्धार	घाटों एवं नदी के किनारों का जीर्णोद्धार, घाटों की क्षरित एवं टूटी हुई विशेषताओं को पुर्नस्थापित एवं समेकित करना, असंगत परिवर्धन को हटाना, तत्काल अग्रभाग की बहाली एवं घाटों की धरोहर पहचान को पुनर्जीवित करना, घाटों पर कार्यात्मक स्थानों का पुनर्गठन, घाटों से कनेक्टिविटी एवं पहुँच में सुधार करना, धरोहर की अखंडता एवं दृश्य पहचान को संरक्षित करने के लिए	एम.बी.डी.ए एवं यूपीबीटीवीपी,	पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, पर्यटन मंत्रालय				

			घाटों के अग्रभाग को पुनर्स्थापित करना। सार्वजनिक सुविधाएं प्रदान करना। जो पर्यटक/आगंतुक अनुभव को बेहतर बनाती है।						
			गोकुल				50000000		
			वृंदावन				15000000		
			मथुरा				20000000		

विश्व धरोहर स्थलों की सूची में शामिल करने के लिए यूनेस्को हेतु उत्कृष्ट सार्वभौमिक मूल्य के स्थलों का नामांकन।	पर्यटन मंत्रालय MVDA, UPBTVP	विश्व धरोहर स्थल के रूप में ब्रज के सीमांकित संरेखन का नामांकन	सांस्कृतिक परिदृश्य के रूप में ब्रज के लिए नामांकन डोजियर तैयार करना, ब्रज के सांस्कृतिक परिदृश्य के लिए प्रबंधन योजना तैयार करना जिसमें संरक्षण एवं परिदृष्य योजना, पर्यटन एवंसेवा संस्था की सहायता योजना, जोखिम न्यूनीकरण योजना, विश्व धरोहर नामांकन के लिए पहचानी गई सीमाओं के लिए क्षेत्रीय विकास योजना शामिल है।				7500000		

स्तत पर्यटन एवं क्षेत्रीय विकास योजना									
मथुरा जिले में ब्रज क्षेत्र की धरोहर की सराहना एवं दृष्यता को बढ़ाने के लिए									
साइट पर, क्षेत्रीय स्तर पर एवं स्थानीय स्तर की घटनाओं में व्याख्या सुविधाओं का प्राविधान, जो हितधारकों एवं आगंतुकों को उनकी सांस्कृतिक संपत्ति के साथ जुड़ने के लिए प्रोत्साहित करते हैं।	पर्यटन मंत्रालय, एम.बी.डी.ए/ यूपीबीटीवीपी, राज्य पर्यटन विभाग, एएसआई, सांस्कृतिक मामलों एवं पुरातत्व के राज्य विभाग, स्थानीय समुदाय, सांस्कृतिक संस्थान	व्याख्यात्मक सामग्री के लिए आरएफपी	सभी गंतव्यों के लिए मास्टर प्लान के लिए आरएफपी एवं निविदा दस्तावेज तैयार करना।	''ब्रज हेरिटेज कंजर्वेशन एण्ड मैनेजमेंट सेंटर'' एवं यूपीबीटीवीपी,			500000		
		व्याख्यात्मक सामग्री दस्तावेज	ब्रज तीर्थ क्षेत्र के 8 गन्तव्य स्थलों के लिए व्यापक सांस्कृतिक धरोहर व्याख्या मास्टरप्लान तैयार करना, जिसमें क्षेत्रीय स्तर, बस्ती एवं परिसर स्तर तथा साइट स्तर के लिए व्याख्यात्मक, दिशात्कम, निर्देशात्मक संकेतों की शब्दावली का डिजाइन और विकास शामिल है, व्याख्या के लिए मूल सामग्री की पहचान करना : अनुसंधान एवं पहचान, मथुरा जिले में ब्रज क्षेत्र के 8 गंतव्यों के लिए व्याख्यात्मक सामग्री का निर्माण, मुद्रित व्याख्यात्मक सामग्री (पैनल, पत्रक, ब्रोशर साइट मानचित्र, टिकट इत्यादि) के लिए 8 साइट के लिए दिशानिर्देश एवं टेम्पलेट तैयार करें, व्याख्यात्मक, दिशात्मक, मे उपयोग की जाने वाली				10000000		

			व्याख्या सामग्री विभिन्न प्रारूपों / मीडिया / लक्षित समूहों के लिए उपयुक्त सामग्री का अवस्थितिक एवं वर्णनात्मक संकेत, निष्कर्ष, विकास एवं डिजाइन, अद्वितीय ब्रांडिंग, अभिनव डिजाइन, प्रभावशाली प्रस्तुति, एवं विभिन्न प्रारूपों / मीडिया / लक्षित समूहों के लिए योजना स्थापित करना, ऑडियो गाइड सामग्री के लिए अनुसंधान एवं डेटा मिलान (आर्काक ऑडियो व्याख्या सामग्री निश्चित प्रस्तुति (वेब, एमपी 3 प्लेयर, आईफोन / एंड्रॉयड आदि) के माध्यम से, तकनीकी विशिष्टताओं को तैयार करना एवं मल्टीमीडिया उत्पादों एवं इंटरैक्टिव प्रदर्शन (वेबसाइट,पॉडकास्ट, ऑडियो–विजुअल प्रस्तुतियाँ आदि) के लिए विकल्पों की सिफारिश करना।						
व्याख्यात्मक कार्यक्रमों एवं सामग्रियों को विकसित एवं	स्थानीय समुदाय, सांस्कृतिक संस्थान		ब्रज की धरोहर के लिए विषयगत एवं उप–विषयक शब्दावली विकसित करना, सांस्कृतिक एवं प्राकृतिक				350000000		

कार्यान्वित करना जिन्हें मौजूदा शिक्षा क्षेत्र, प्रशिक्षण एवं विकास क्षेत्र, छोटे पैमाने के कुटीर उद्योगों के साथ–साथ अन्य संगत संगठनों में शामिल किया जा सकता है।			संपत्ति वाली धरोहर की सैर की पहचान, अमूर्त धरोहरः नृत्य रूप, संगीत, कला एवं शिल्प, संग्रहालय, भोजन आदि, गाइड के लिए प्रशिक्षण मैनुअल एवं औपचारिक गाइड प्रशिक्षण 8 गंतव्य।						
प्रत्येक इंच मायने रखता है– स्थानीय समुदाय के लिए सामुदायिक स्थानों के रूप में स्थानीय प्राधिकरणों एवं निकायों के भीतर नियोजन क्षेत्रों में अप्रयुक्त शहरी/ग्रामीण/ परिव्यिक्त स्थानों को समाहित करना!			परिसर में पर्याप्त व्याख्या सामग्री एवं सार्वजनिक उपयोग हेतु कम उपयोग किए जाने वाले स्थानों एवं निष्क्रिय स्थानों को विकसित करने के लिए डीपीआर तैयार करना।						परिसर एवं गंतव्य स्तर में विस्तृत बजट
			परिसर में पर्याप्त व्याख्या सामिग्री एवं सार्वजनिक उपयोग हेतु कम उपयोग किए जाने वाले स्थानों एवं निष्क्रिय स्थानों के लिए डीपीआर तैयार करनामुख्य संपर्क सड़कों एवं छोटी सड़कों, चौकों एवं खुली जगहों पर स्थित इन रिक्त स्थलों				500000000		

			को इसमें शामिल किया जाये।						
इन स्थानों के पर्याप्त उपयोग, रखरखाव एवं प्रबंधन द्वारा स्थानीय समुदाय एवं आगंतुकों के बीच बस्ती एवं ब्रज क्षेत्र के गौरव एवं स्वामित्व की भावना का संचार करना।			स्थानीय समुदायों के बीच एम.एस.डब्लू.ए।(माई स्पेस वेलफेयर एसोसिएशन) नाम के संगठन बनाना।				3000000		300000 वार्षिक बजट
			एम.एस.डब्लू.ए (माई स्पेस वेलफेयर एसोसिएशन) जैसें संगठनों के लिए क्षमता निर्माण कार्यशालाओं एवं समुदायों के साथ जुड़ाव के लिए कार्यशालाओं का वार्षिक कैलेंडर विकसित करना एवं उन्हें अपने क्षेत्र की गरिमा और स्वामित्व की भावना के साथ बनाए रखने के लिए सशक्त बनाना।						
एकीकृत गंतव्य परियोजनाएं : सुविधाओं के लिए एवं क्षेत्र की गतिशीलता योजना में पैदल यात्रीकरण			परिसर के दो ठहराव बिंदुओं के बीच स्थल विकास						परिसर एवं गंतव्य स्तर में विस्तृत बजट
			परिसर के भीतर शौचालय, पेयजल, बैठने की जगह की व्यवस्था						

एवं सार्वजनिक परिवहन की भूमिका को बढाने के लिए परियोजना बनाना।			दो गंतव्यों के बीच साइट विकास						
							2125835000		

अनुलग्नक

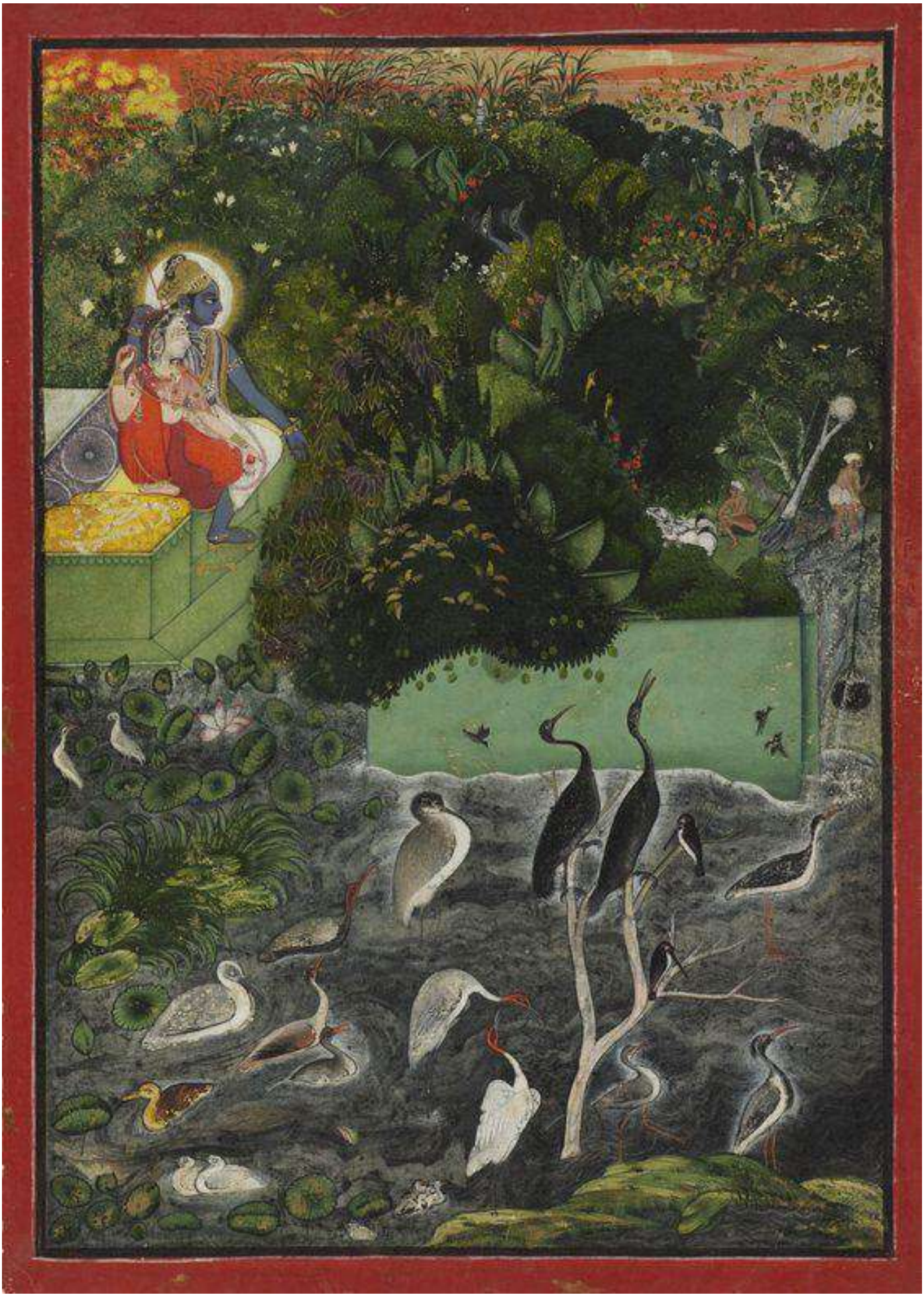

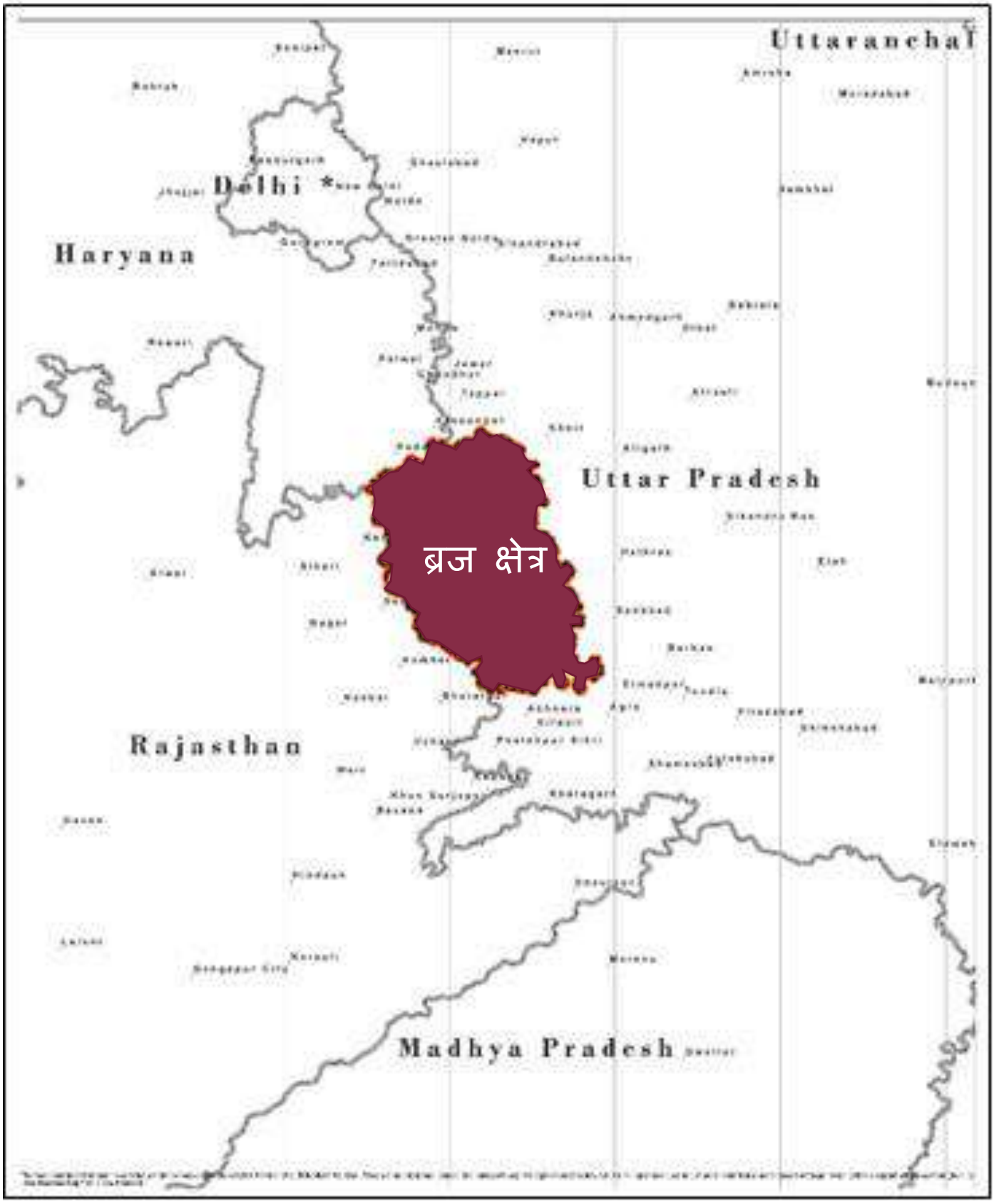
Uttaranchal
Delhi
Haryana
Uttar Pradesh
ब्रज क्षेत्र
Rajasthan
Madhya Pradesh

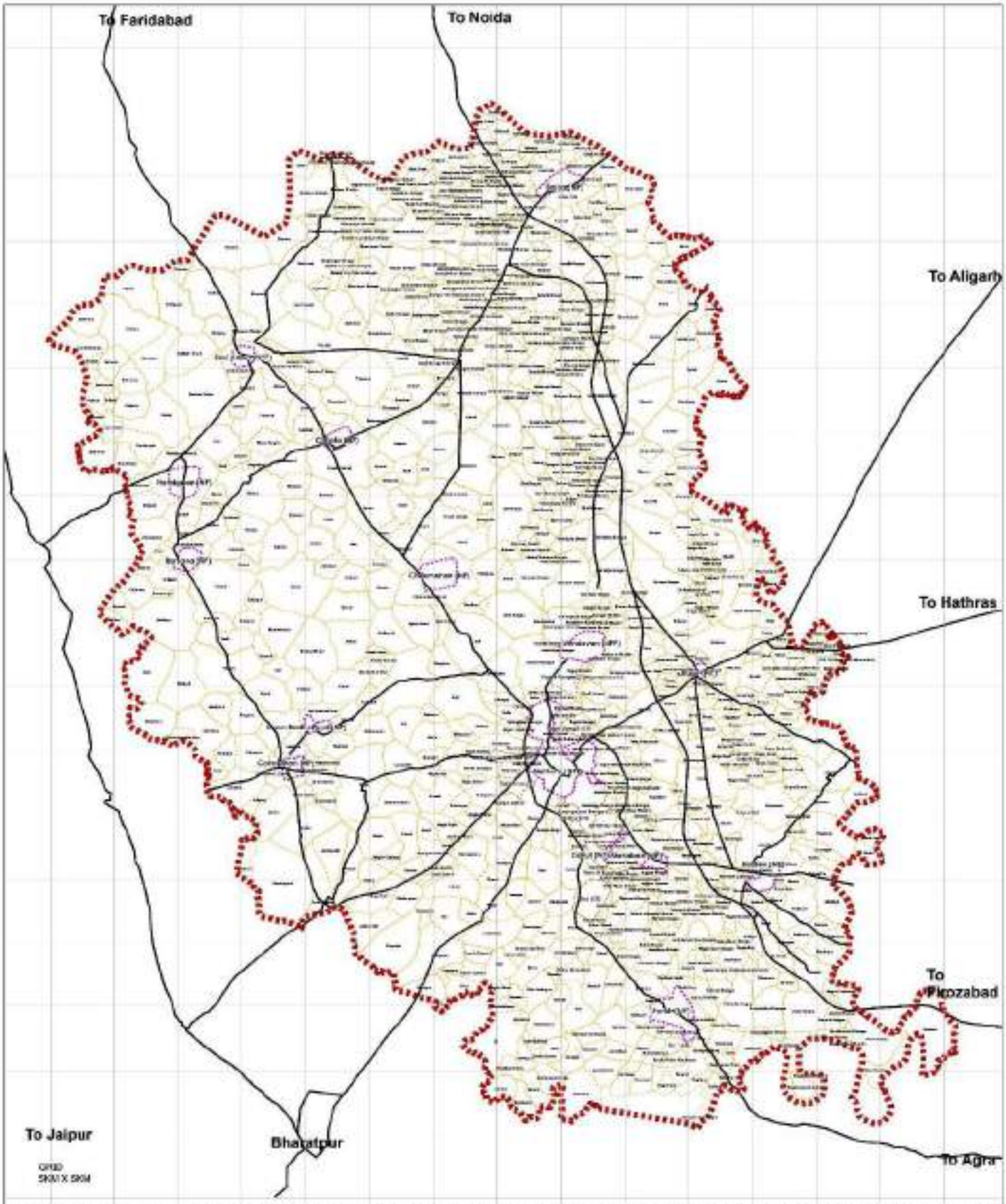

Legend

- Planning Area Boundary
- Urban Area
- Census Town
- Village Boundary
- Major Roads

Map Title
ADMIN BOUNDARIES

Date | Dwg No
Source: Census of India - 2011

Scale: 0 3.25 6.5 13 (Kilometers) N

Project:
BRAJ DEVELOPMENT PLAN
BRAJ REGION, UTTAR PRADESH

PREPARED FOR: UTTAR PRADESH BRAJ TIRTH VIKAS PARISHAD

PREPARED BY: EcoUrbs EcoUrbs Consultants PVT. LTD.

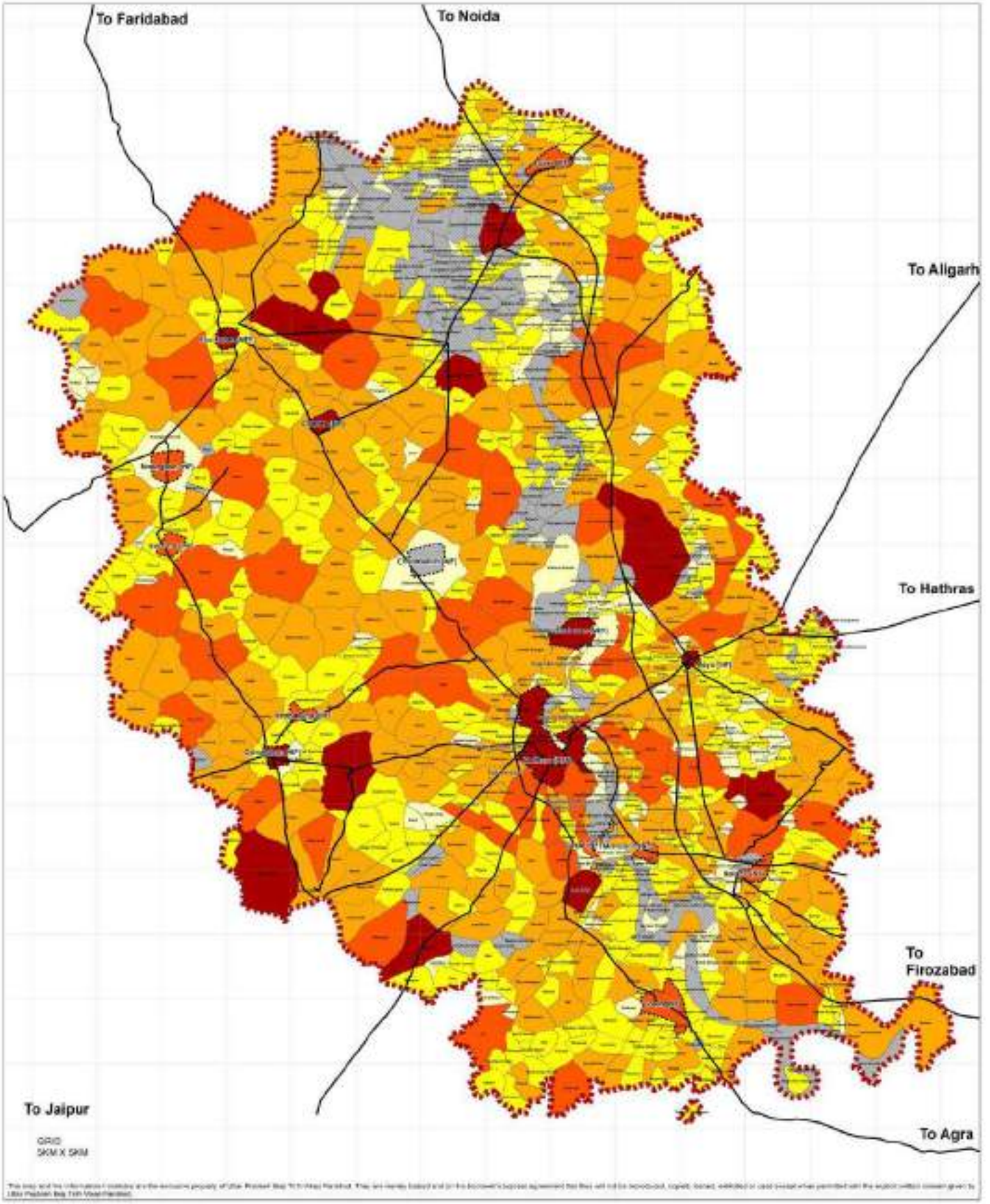

Legend

- Planning Area Boundary
- Urban Area
- Census Town
- Village Boundary
- Major Roads

Population Distribution

- Below 500
- 500 - 2,000
- 2,000 - 5,000
- 5,000 - 10,000
- Above 10,000
- Data Not Available

Map Title

POPULATION DISTRIBUTION 2001

Source: Census of India - 2001

Scale

N

Project:

BRAJ DEVELOPMENT PLAN

BRAJ REGION, UTTAR PRADESH

PREPARED FOR: UTTAR PRADESH BRAJ TIRTH VIKAS PARISHAD

PREPARED BY: INDIAN ASSOCIATES ARCHITECTS; Ecoliers EcoMbs Consultants Pvt. Ltd.

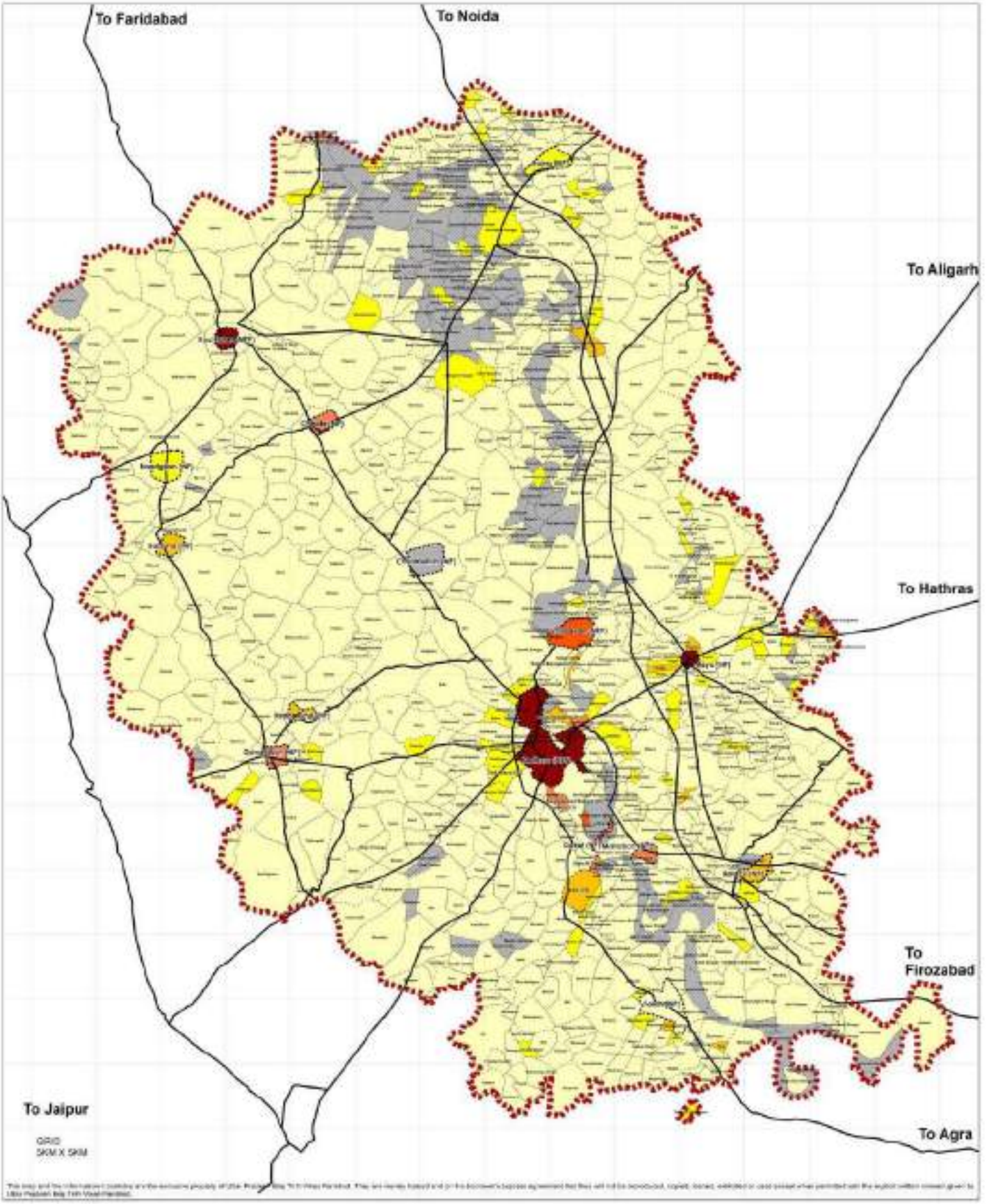

Legend

- Planning Area Boundary
- Urban Area
- Census Town
- Village Boundary
- Major Roads

Population Density (PPH)

- Below 10
- 11 - 20
- 21 - 40
- 41 - 80
- 61 - 100
- 101 - 120
- Above 120
- Data Not Available

Map Title

POPULATION DENSITY (PPH) 2001

Source: Census of India - 2001

Map No.

Scale

N

Project:

BRAJ DEVELOPMENT PLAN

BRAJ REGION, UTTAR PRADESH

PREPARED FOR: UTTAR PRADESH BRAJ TIRTH VIKAS PARISHAD

PREPARED BY: EcoUrbs Ecoturbo Consultants Pvt. Ltd.

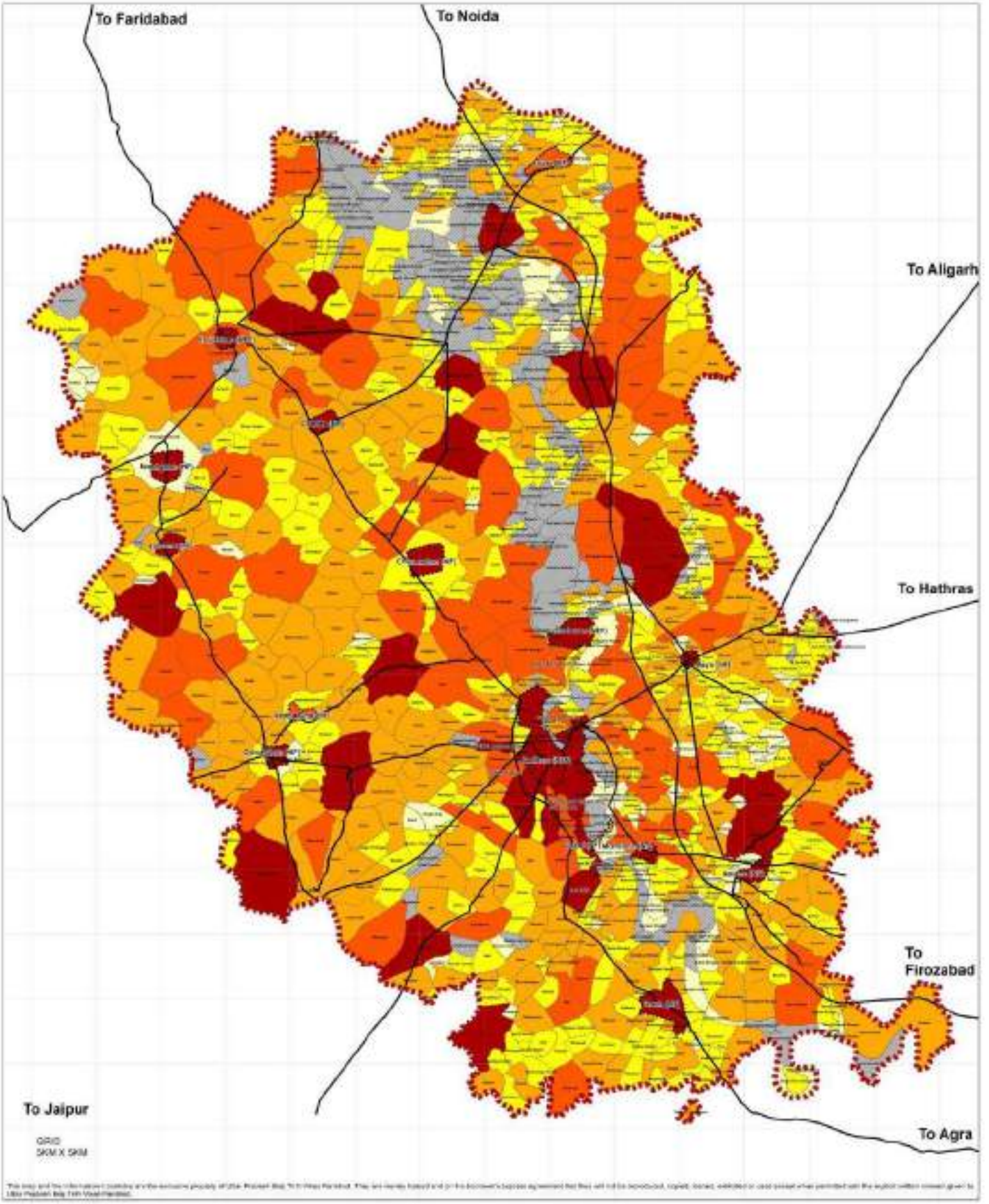

Legend

- Planning Area Boundary
- Urban Area
- Census Town
- Village Boundary
- Major Roads

Population Distribution

- Below 500
- 500 - 2,000
- 2,000 - 5,000
- 5,000 - 10,000
- Above 10,000
- Data Not Available

Map Title

POPULATION DISTRIBUTION 2011

Map No.

Source: Census of India - 2011

Scale

N

Project:

BRAJ DEVELOPMENT PLAN

BRAJ REGION, UTTAR PRADESH

PREPARED FOR: UTTAR PRADESH BRAJ TIRTH VIKAS PARISHAD

PREPARED BY: EcoUrbs EcoUrbs Consultants Pvt. Ltd.

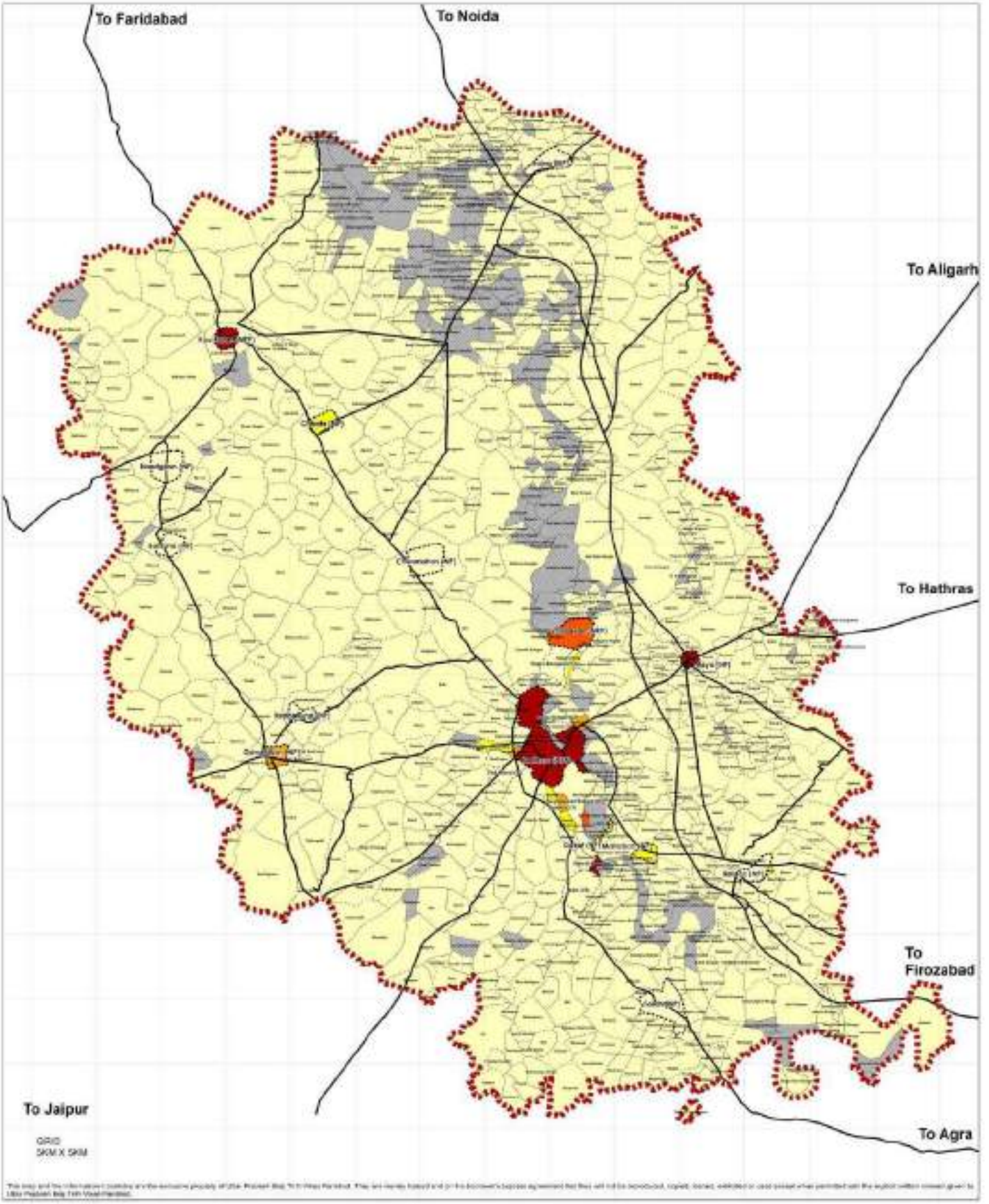

Legend

- Planning Area Boundary
- Urban Area
- Census Town
- Village Boundary
- Major Roads

Population Densuty (PPH)

- Below 40
- 41 - 80
- 81 - 100
- 101 - 120
- Above 120
- Data Not Available

Map Title

POPULATION DENSITY (PPH) 2011

Map No.

Source: Census of India - 2011

Scale:

N

Project:

BRAJ DEVELOPMENT PLAN

BRAJ REGION, UTTAR PRADESH

PREPARED FOR: UTTAR PRADESH BRAJ TIRTH VIKAS PARISHAD

PREPARED BY: EcoUrbs Ecourbs Consultants Pvt. Ltd.

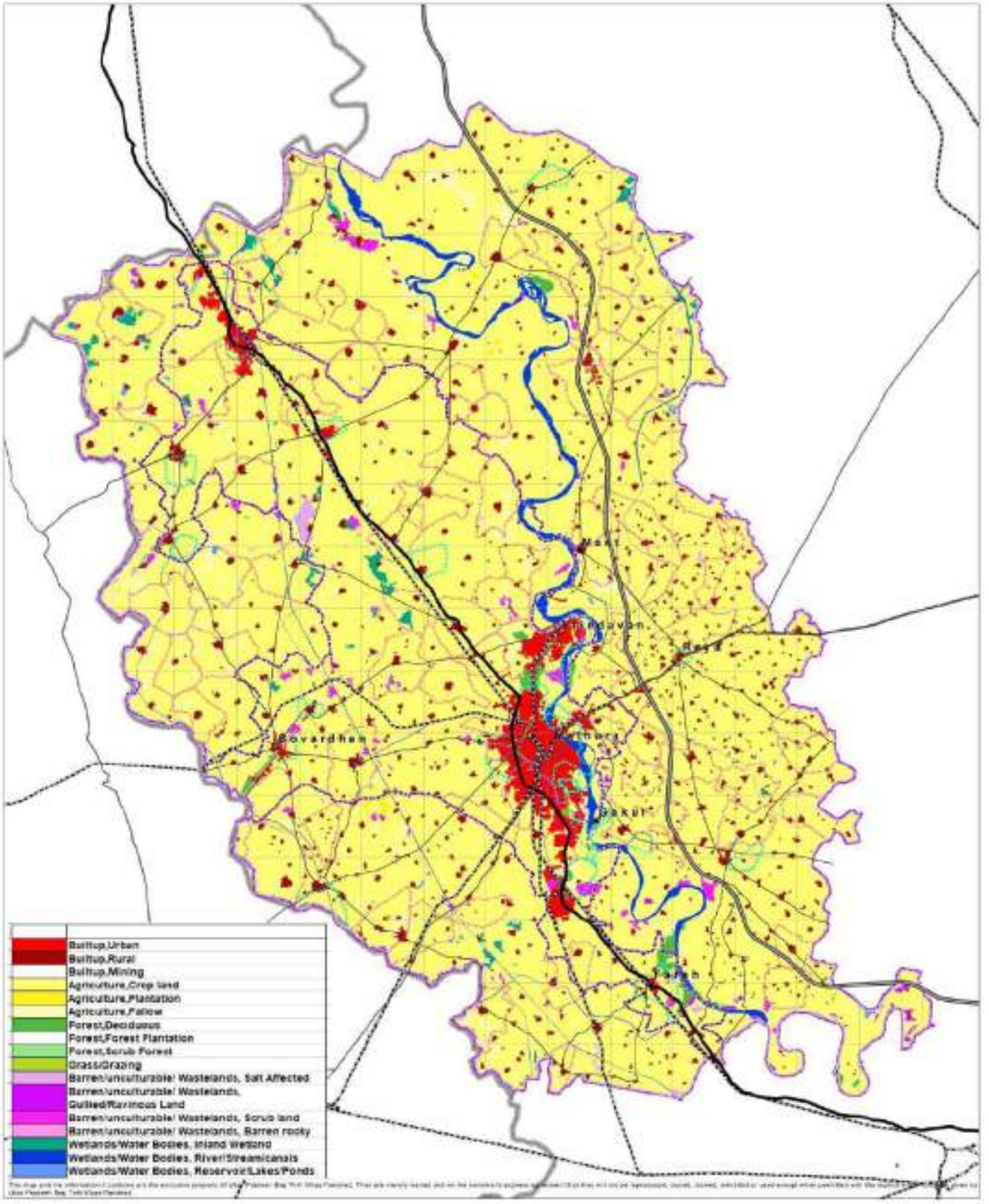

Legend

- Planning Area Boundary
- MVDA_Boundary
- Villages More then 5000 Population
- Urban Area 2011
- railways
- Express Way
- Major Roads
- National Highway
- State Highway

Map Title

LAND USE LAND COVER BHUVAN- 2015-16

Date

Source: Census of India - 2011

Scale: 0 0.25 0.5 1 Kilometers

N

Project:

BRAJ DEVELOPMENT PLAN

BRAJ REGION, UTTAR PRADESH

PREPARED FOR: UTTAR PRADESH BRAJ TIRTH VIKAS PARISHAD

PREPARED BY: EcoUrbs EcoUrbs Consultants PVT. LTD.

To Faridabad

To Noida

To Aligarh

To Hathras

To Firozabad

To Jaipur

Bharatpur

To Agra

GRID
5KM X 5KM

Legend

Urban Area

Village Boundary

Urban Villages Population

5000 - 6000

6000- 10000

10000 - 15429

Urban Area Population

4916 - 10000

10000 - 20000

20000 - 50000

50000 - 100000

100000 - 349909

Major Roads

Express Way

National Highway

State Highway

Major Roads

Map Title

URBAN AREAS & URBAN VILLAGES

Date

Map No.

Source

Census of India - 2011

Scale

0 3 6 12

Kilometers

N

Project:

BRAJ DEVELOPMENT PLAN

BRAJ REGION, UTTAR PRADESH

PREPARED FOR:

UTTAR PRADESH BRAJ TIRTH VIKAS PARISHAD

upbtvp

PREPARED BY:

INDIAN ASSOCIATION

EcoUrbs

EcoUrbs Consultants PVT. LTD.

To Faridabad

To Noida

To Aligarh

To Hathras

To Firozabad

To Agra

Bharatpur

To Jaipur

Sheshshai

Kotwan

Koel

Bathain Kalan

Polgaon

Shergarh

Nandgaon

Bakshvan Seu

Barsana

Kaamvan

Kedarnath

Mant

Vrindavan

Pasaupa

Seu

Bahulavan

Mathura

Mukhrai

Lohavan

Deeg

Balaji

Jatipura

Chandra-sarovar

Madhuban

Kumudvan

Baldeo

Legend

- Braj Chaurasi Kos Padev Sthal
- Braj Chaurasi Kos Parikrama Marg
- Urban Areas
- Railways

Major Roads

- Express Way
- National Highway
- State Highway
- Major Roads

Map Title: **BRAJ CHAURASI KOS PARIKRAMA & PADAV STHAL**

Date:

Source: Census of India - 2011

Map No.

Scale: 0 3.5 7 14 Kilometers

N

Project:

BRAJ DEVELOPMENT PLAN

BRAJ REGION, UTTAR PRADESH

PREPARED FOR: UTTAR PRADESH BRAJ TIRTH VIKAS PARISHAD

upbtvp

PREPARED BY: INDIAN ASSOCIATE INC.

EcoUrbs Eco Urbs Consultants PVT. LTD.

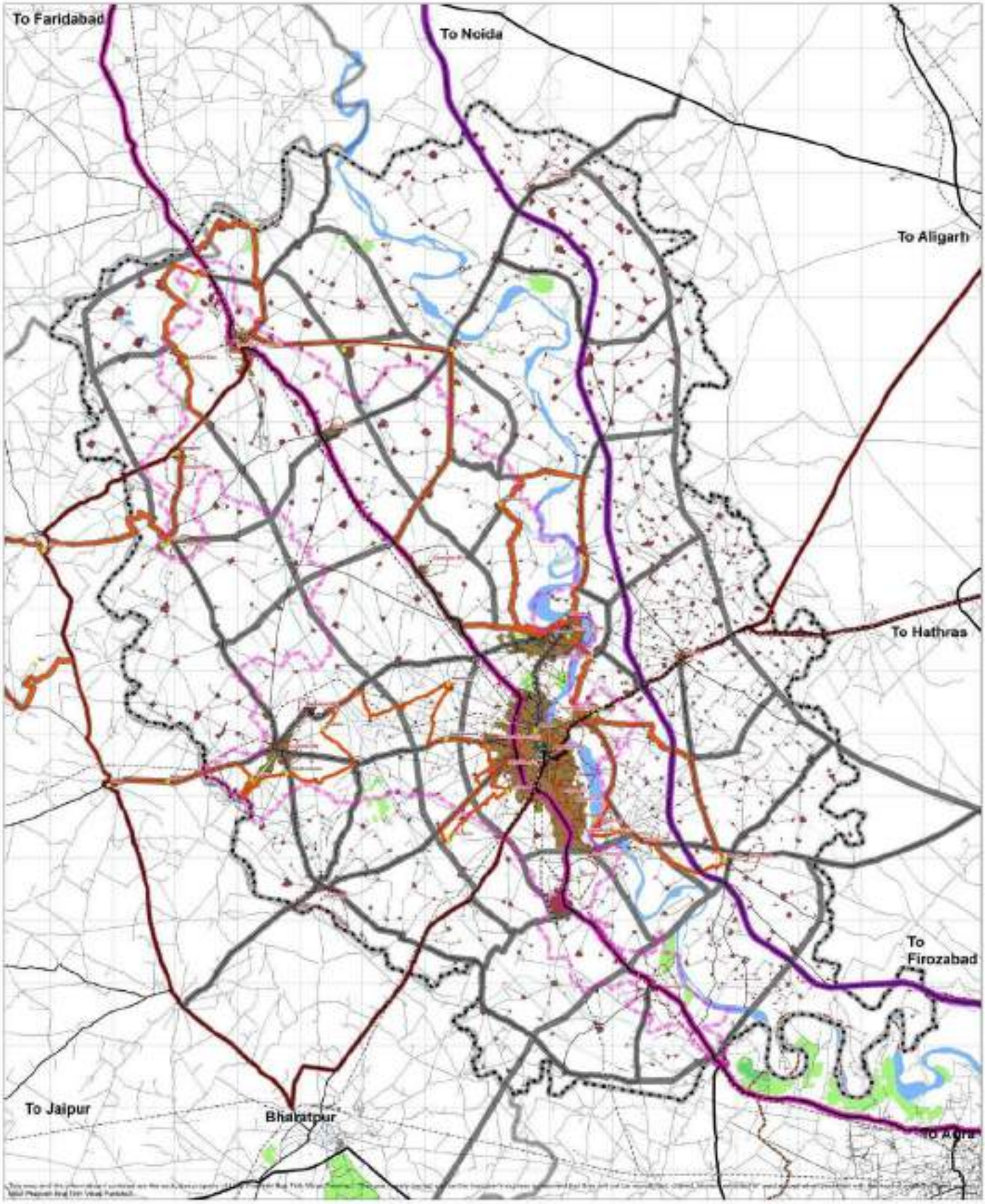

Legend

- Urban Areas
- Chorasi_Kos_Parikrama_Marg_Full_Route

Concept_1_Road

- National Highway
- State Highway
- Express Way
- Proposed Major Conceptual Roads

Major Roads

Class

- Express Way
- National Highway
- State Highway
- Major Roads

Map Title

Proposed Regional Roads

Source: Census of India - 2011

Scale: 0 3 6 12

N

Project:

BRAJ DEVELOPMENT PLAN

BRAJ REGION, UTTAR PRADESH

PREPARED FOR: UTTAR PRADESH BRAJ TIRTH VIKAS PARISHAD

PREPARED BY: BRISH ARCHITECTURE; Ecoliks Consultants Pvt. Ltd.

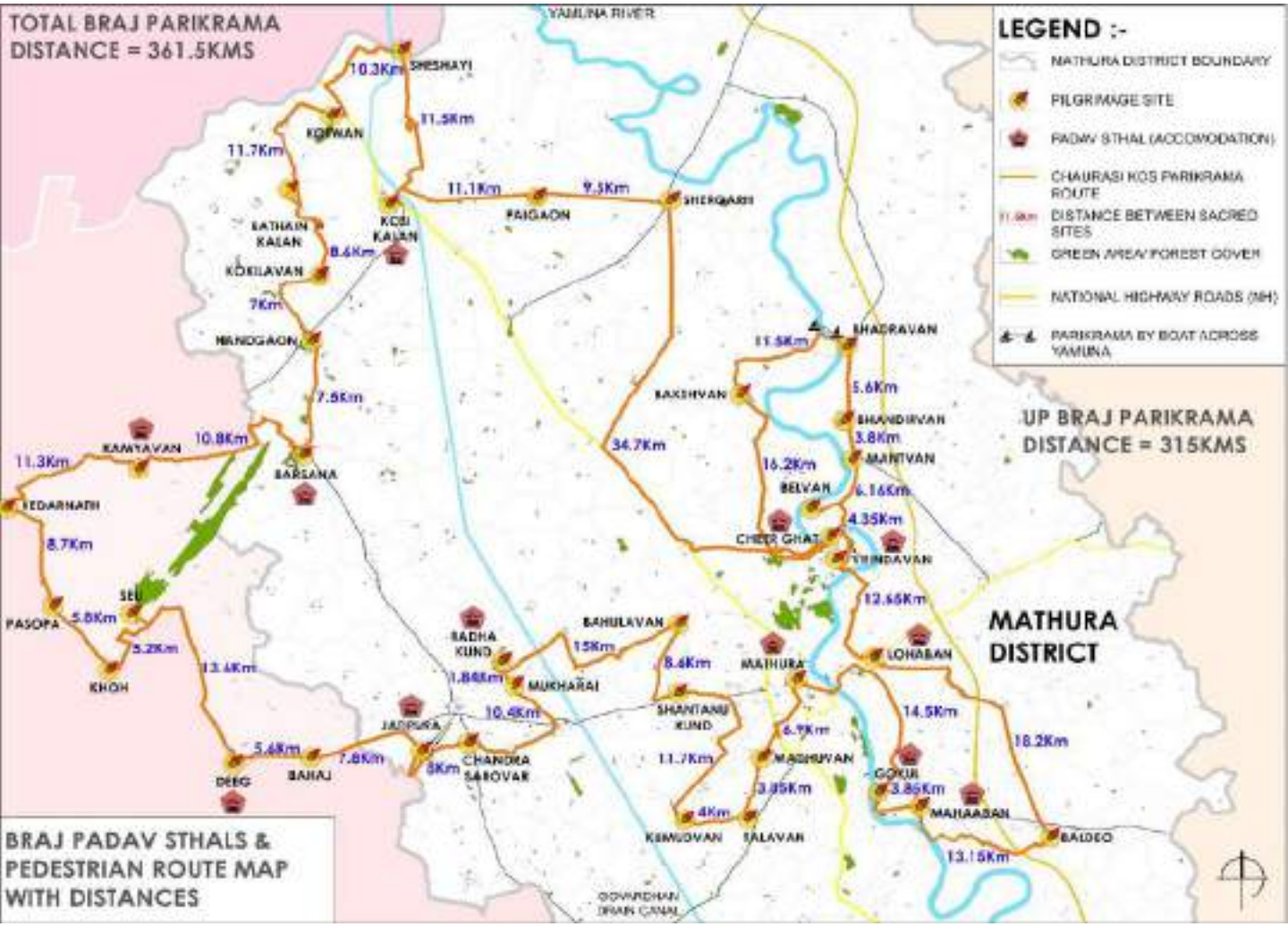
TOTAL BRAJ PARIKRAMA DISTANCE = 361.5KMS
YAMUNA RIVER
LEGEND :-
NATHURA DISTRICT BOUNDARY
PILGRIMAGE SITE
PADAV STHAL (ACCOMODATION)
CHAURASI KOS PARIKRAMA ROUTE
DISTANCE BETWEEN SACRED SITES
GREEN AREA/FOREST COVER
NATIONAL HIGHWAY ROADS (NH)
PARIKRAMA BY BOAT ACROSS YAMUNA
UP BRAJ PARIKRAMA DISTANCE = 315KMS
MATHURA DISTRICT
SHESHAYI
KOSWAN
KOSI KALAN
BATHAIN KALAN
KOKILAVAN
NANDGAON
BARSANA
KAMYAVAN
KEDARNATH
SEU
PASOPA
KHOH
DEEG
BAHAJ
JATIPURA
CHANDRA SAROVAR
BADHA KUND
MUKHARAI
BAHULAVAN
PAIGAON
SHERGARH
BAKSHVAN
BHADRAVAN
BHANDIRVAN
MANTVAN
BELVAN
CHEER GHAT
VRINDAVAN
MATHURA
SHANTANU KUND
MADHUVAN
KUMUDVAN
TALAVAN
LOHABAN
GOKUL
MAHAABAN
BALDEO
GOVARDHAN DRAIN CANAL
BRAJ PADAV STHALS & PEDESTRIAN ROUTE MAP WITH DISTANCES

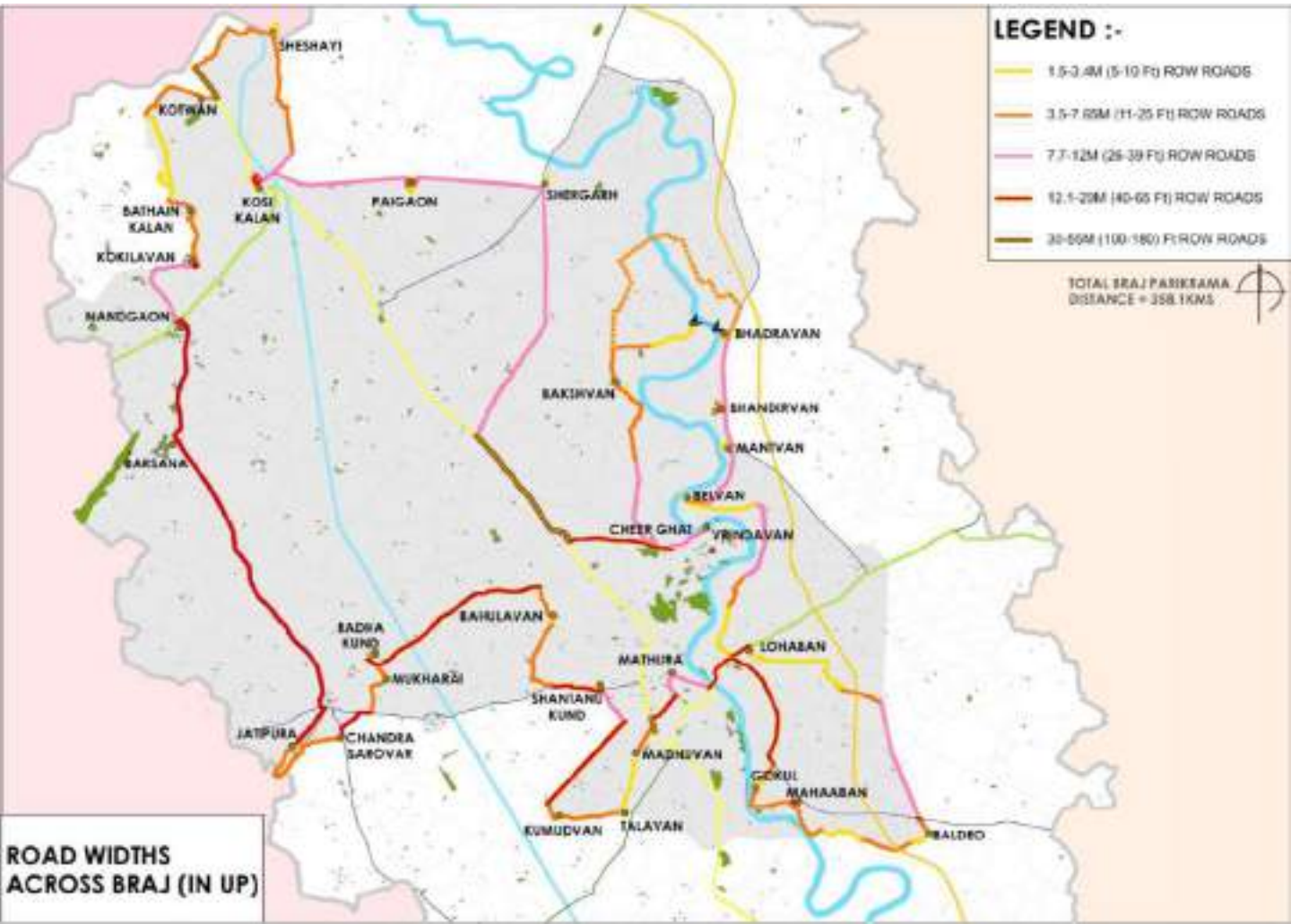
LEGEND :-
1.5-3.4M (5-10 Ft) ROW ROADS
3.5-7.65M (11-25 Ft) ROW ROADS
7.7-12M (26-39 Ft) ROW ROADS
12.1-29M (40-65 Ft) ROW ROADS
30-55M (100-180) Ft ROW ROADS
TOTAL BRAJ PARIKRAMA DISTANCE = 358.1KMS
SHESHAYI
KOSWAN
KOSI KALAN
BATHAIN KALAN
KOKILAVAN
NANDGAON
BARSANA
PAIGAON
SHERGARH
BHADRAVAN
BAKSHVAN
BHANDIRVAN
MANTVAN
BELVAN
CHEER GHAT
VRINDAVAN
BAHULAVAN
BADHA KUND
MUKHARAI
MATHURA
LOHABAN
SHANTANU KUND
JATIPURA
CHANDRA SAROVAR
MADHUVAN
GOKUL
MAHAABAN
KUMUDVAN
TALAVAN
BALDEO
ROAD WIDTHS ACROSS BRAJ (IN UP)

ब्रज क्षेत्रीय कनेक्टिविटी

ब्रज क्षेत्र आगंतुक जनसंख्या 2019 – 2.73 करोड़
ब्रज क्षेत्र आगंतुक जनसंख्या 2041 – 6.06 करोड़

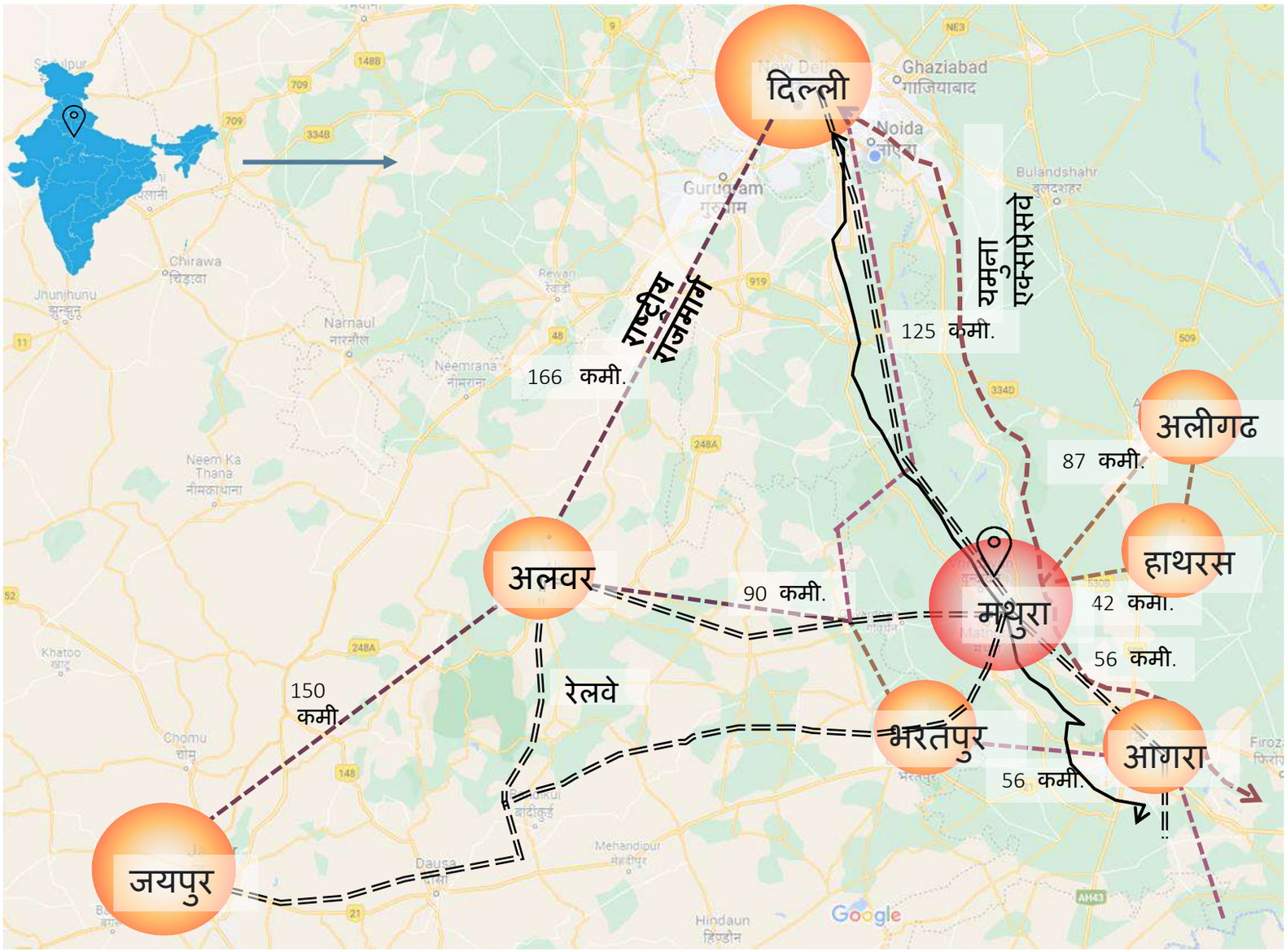

शहर	आगंतुक जनसंख्या
मथुरा	67,07,385
वृंदावन	76,35,675
गोवर्धन	55,12,617
बरसाना	36,68,240
नंदगांव	10,26,125
गोकुल	17,89,070
महाबान	2,62,873
बेलदेव	7,12,450

ब्रज क्षेत्र की भौतिक रचना

गोवर्धन पर्वत

कुंड

नि धवन, वृंदावन

ब्रज के प्रमुख तीर्थ स्थल

नंदबाबा मंदिर, नंदगांव

राधा रानी मंदिर, बरसाना

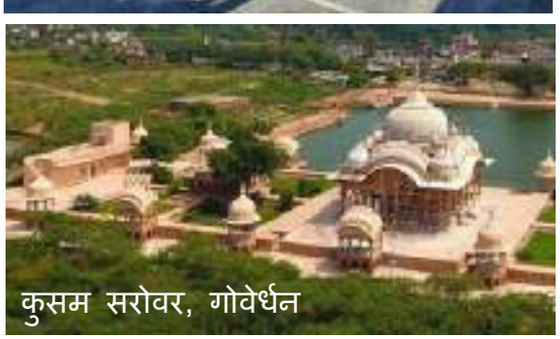
कुसम सरोवर, गोवेर्धन

जुगल कशोर टेम्पल, वृन्दावन

ब्रज के प्रमुख तीर्थ स्थल

प्रथम समूह में बरसाना . नंदगाँव

1. मौजूदा तीर्थ आबादी (2021) - 783
2. अपे क्षत तीर्थ आबादी (2041) - 21010
3. त्योहार के दौरान आगंतुक(2021) - 11,00,000
4. मौजूदा आवास (2021) – 150

द्वितीय समुह में गोवर्धन

1. मौजूदा तीर्थ आबादी (2021) - 940
2. अपे क्षत तीर्थ आबादी (2041) - 35016
3. त्योहार के दौरान आगंतुक (2021) - 15,75,000
4. मौजूदा आवास (2021) - 1810

तीसरे समूह में गोकुल महावन एवं बलदेव

1. मौजूदा तीर्थ आबादी (2021) - 105
2. अपे क्षत तीर्थ आबादी (2041) - 7003
3. त्योहार के दौरान आगंतुक (2021) - 1,50,000
4. मौजूदा आवास (2021) - 310

चौथे समूह में मथुरा वृन्दावन

1. मौजूदा तीर्थ आबादी (2021) - 22672
2. अपे क्षत तीर्थ आबादी (2041) - 77036
3. त्योहार के दौरान आगंतुक (2021) - 20,00,000
4. मौजूदा आवास (2021) - 6300

ब्रज के प्रमुख 8 तीर्थ स्थल

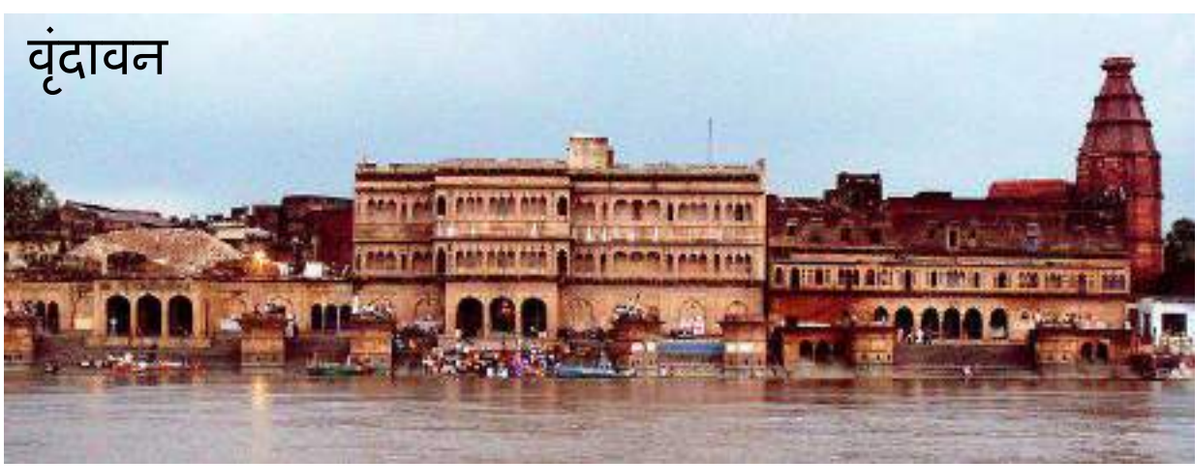

ब्रज की **अप्रत्यक्ष** विरासत -

• क्षेत्रीय मान्यताएं

अनुष्ठान

• मंदिर परंपराएं

• कला प्रदर्शन

• उत्सव

• हस्तशिल्प एवं जीवन शैली

ब्रज की प्रत्यक्ष विरासत - प्ररूप-वर्गीकरण

निवास योग्य

RESIDENCE AT MANSI GANGA

KATARA HAVELI BARSANA

SRI BALLABHDAS KARSANDAS NATHA DHARAMSHALA, GOKUL

VRINDAVAN

संस्थागत

DAMPIER HOSPITAL, GOVARDHAN

HOSPITAL, BARSANA

GOKUL VIDHYALA

PREM MAHAVIDHYALA, VRINDAVAN

धा र्मक

VISHRAM GHAT, MATHURA

RADHAGOPAL MANDIR, VRINDAVAN

स्मारक

LAL PATHAR, GOVARDHAN

BHARATPUR RAJA'S CHHATRI, GOVARDHAN

RADHAGOPAL MANDIR, VRINDAVAN

RAS KHAN SAMADHI, GOKUL

कला

KANS QILA, MATHURA

BHARATPUR KING'S FORT KOTVAN, MATHURA

ADEENG FORT, MATHURA

CITADEL BARSANA

ब्रज 84 कोस परिक्रमा

1. परिक्रमा पथ

- ब्रज परिक्रमा पथ एन-एच, एस-एच , एमडीआर, ओडीआर, टाउन रोड, ग्राम रोड, चक रोड, पगडंडी से होकर गुजरता है।
- यह परिक्रमा सड़क, नहरों, नदी, जंगलों और रेलवे को पार करती है

3. पड़ाव स्थल

- ब्रज 84 कोस परिक्रमा मार्ग में कुल 36 पड़व स्थल हैं जिनमें से 28 उत्तर प्रदेश के अंतर्गत आते हैं। प्रत्येक पड़ाव स्थल के बीच की औसत दूरी 10.5 कि.मी. तीर्थयात्री और भक्त आराम, भोजन और सुविधाओं के साथ-साथ रात्रि विश्राम के लिए यहां रुकते हैं।

2. तीर्थ स्थल

- तीर्थ स्थान कृष्ण की लीलाओं से जुड़े स्थान हैं जो चारों ओर फैले हुए हैं:-
- 3340 वर्ग कि.मी.
- कस्बे (25) और
- गांव (874)
- कुंड,
- बावली और सरोवर
- यमुना नदी
- 12 वन & 24 उपवन.
- पहाड़ी , गलियाँ ,खड्ड।

ब्रज तीर्थ गंतव्य योजना – गोवर्धन

प्रसाद योजना के तहत वक सत

ब्रज तीर्थ गंतव्य योजना – टेबल टॉप नोड डिजाइन

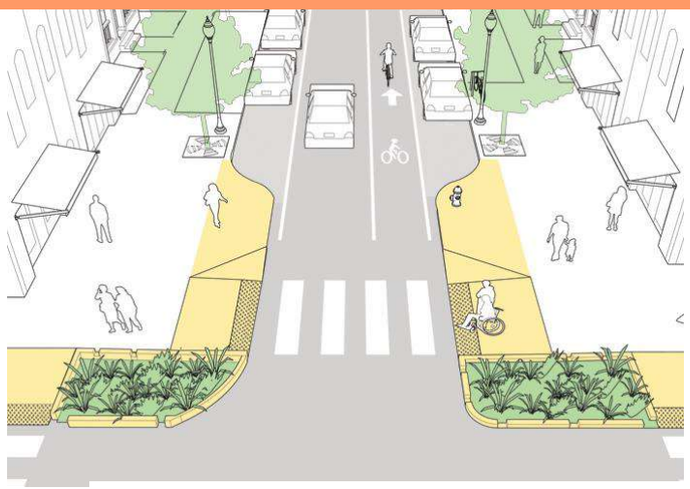

Refuge area

Safe Bicycle parking

Traffic signals

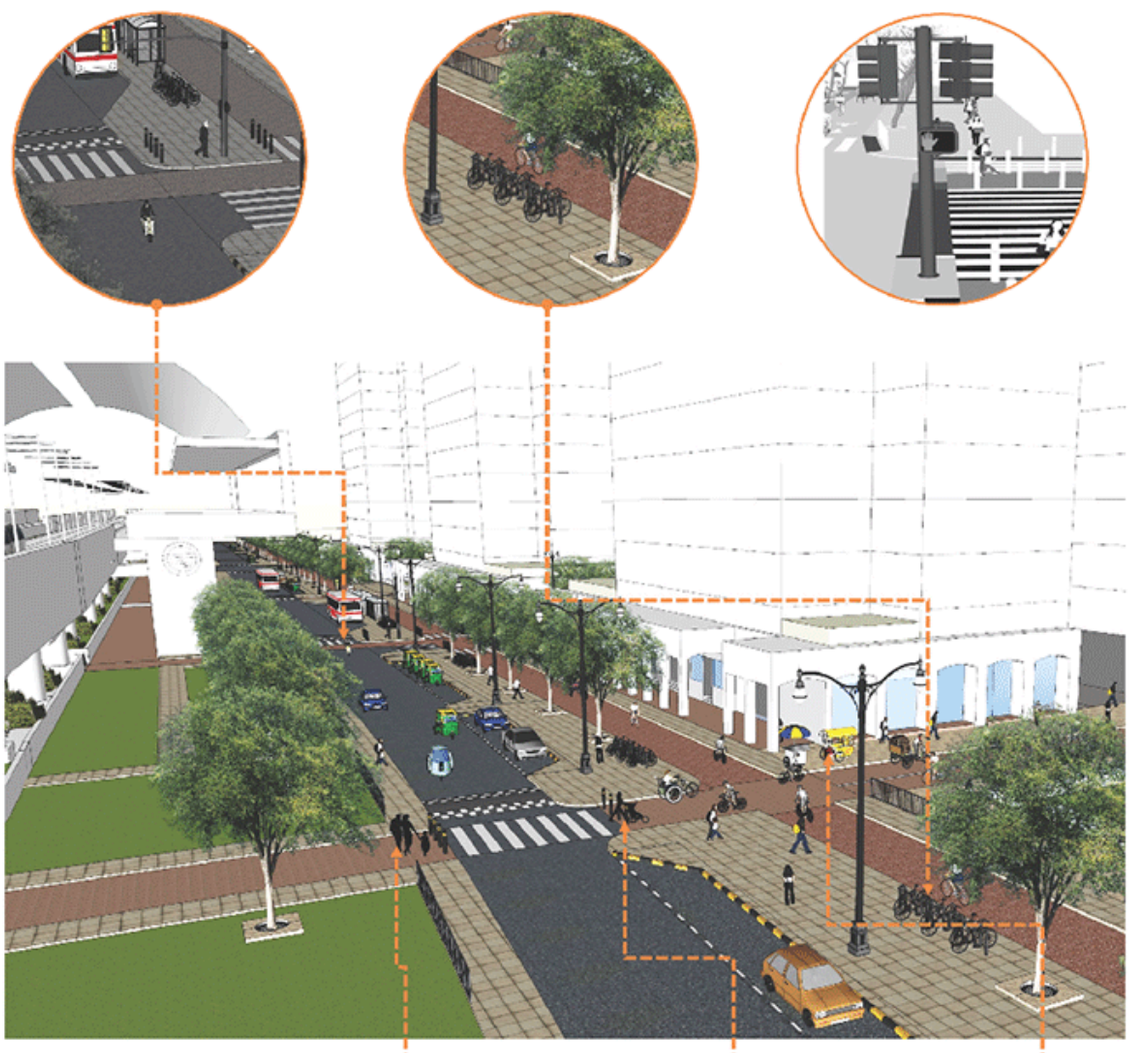

Street Furniture

Segregated and connected NMT routes

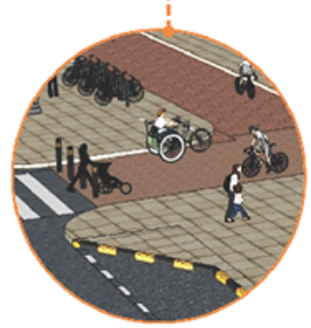

Pedestrian Ramps

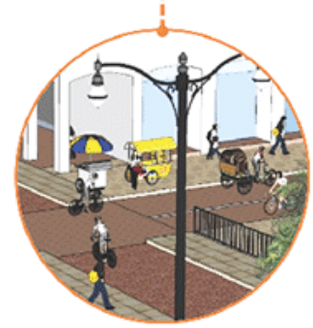

Street Vendor

नंदगांव में ऑडियो टूर और क्यूआर कोड साइनेज

1. ऑ डयो गाइड

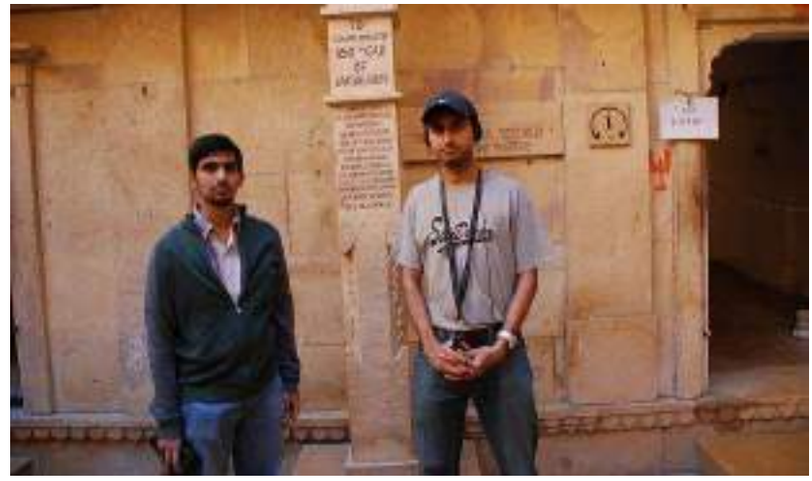

2. स्मारकों के लए साइनेज

धातु पर नक़्क़ाशी द्वारा

3. स्मारकों पर क्यूआर कोड

शहरी और उपनगरीय प्रस्तावित तीर्थयात्रियों के लिये सुविधाएं

FACILITY REQUIRED	PADAV STHAL LOCATION 01 (FOR 200 PERSONS)	PADAV STHAL LOCATION 02 (FOR 500 PERSONS)	PADAV STHAL LOCATION 03 (FOR 1000 PERSONS)
SITE REQUIRED	**1.25 ACRE**	**3 ACRE**	**6 ACRE**
HOLDING AREA (SQ.M.) AREA PER BED = 5.4 SQ.M.	1080	2700	5400
TENTING AREA (SQ.M.) AREA PER TENT = 92.4 SQ.M. (8 PERSON/PER TENT)	2310	5775	11,550
TOILETS (SQ.M.) AREA PER PERSON = 3 SQ.M.	177 (32 MALE & 22 FEMALE)	353 (65 MALE &53 FEMALE)	705 (130 MALE & 105 FEMALE)
KITCHEN + POT WASH AREA IN SQ.M.	75	150	300
STORE AREA IN SQ.M.	15	30	60
DINING AREA (SQ.M.)	200	500	1000
SATSANG HALL/ KATHA STHAL (SQ.M.)	200	500	1000
ROOMS WITH ATTACHED TOILET (25 SQMT /ROOM)	2 (AREA = 50 SQ.M.)	4 (AREA = 100 SQ.M.)	8 (AREA = 200 SQ.M.)
TOTAL AREA (SQ.M.)	**4107**	**10,108**	**20,165**
SERVICES			
ESS			
UGT & PUMP ROOM			
GUARD ROOM			

पड़ाव स्थल

SITE AREA=1.25 ACER
(200 PILGRIMS)

FACALITIES:

1. BUS & CAR PARKING
2. KITCHEN & STORAGE
3. DINING AREA
4. SATSANG HALL
5. MALE/FEMALE TOILETS
6. ROOMS
7. TENTING SPACE

पड़ाव स्थल

SITE AREA= 3.0 ACER
(500 PILGRIMS)

FACALITIES:

1. BUS & CAR PARKING
2. KITCHEN & STORAGE
3. DINING AREA
4. SATSANG HALL
5. MALE/FEMALE TOILETS
6. ROOMS
7. TENTING SPACE

पड़ाव स्थल

SITE AREA= 6.0 ACER
(500 PILGRIMS)

FACALITIES:

1. BUS & CAR PARKING
2. KITCHEN & STORAGE
3. DINING AREA
4. SATSANG HALL
5. MALE/FEMALE TOILETS
6. ROOMS
7. TENTING SPACE

ग्राहकों की संख्या

S. NO.	LOCATIONS	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
		Visitors	Mathura	Vrindavan	Barsana	Nandgaon	Govardhan	Kusum Sarovar	Gokul	Radha Kund	Mahavan	Baldeo	**Total**
2013	Indian	6,600,000	3,925,000	3,285,000	1,873,000	8,370,000	2,360,000	1,018,000	4,160,000	416,500		**32,007,500**
	International	24,700	18,800	1,820	1,350	4,450	1,420	1,050	1,550	420		**55,560**
	Total Visitors	6,624,700	3,943,800	3,286,820	1,874,350	8,374,450	2,361,420	1,019,050	4,161,550	416,920	-	**32,063,060**
2014	Indian	6,620,500	4,015,000	3,302,000	1,881,500	8,450,000	2,366,000	1,025,000	4,190,000	430,000		**32,280,000**
	International	24,950	19,050	1,870	1,380	4,850	1,460	1,080	1,800	470		**56,910**
	Total Visitors	6,645,450	4,034,050	3,303,870	1,882,880	8,454,850	2,367,460	1,026,080	4,191,800	430,470	-	**32,336,910**
2015	Indian	6,626,000	12,600,000	3,310,500	1,890,000	12,050,000	2,375,000	1,030,000	4,560,000	440,000		**44,881,500**
	International	25,000	47,890	1,900	1,400	8,500	1,500	1,100	1,950	480		**89,720**
	Total Visitors	6,651,000	12,647,890	3,312,400	1,891,400	12,058,500	2,376,500	1,031,100	4,561,950	440,480		**44,971,220**
2016	Indian	6,630,000	12,650,000	3,316,000	1,894,000	12,090,000	2,378,000	1,032,000	4,570,000	445,000	1,500,000	**46,505,000**
	International	25,100	48,000	1,950	1,420	8,600	1,550	1,120	2,000	500	1,150	**91,390**
	Total Visitors	6,655,100	12,698,000	3,317,950	1,895,420	12,098,600	2,379,550	1,033,120	4,572,000	445,500	1,501,150	**46,596,390**
2017	Indian	7,226,700	13,788,500	3,614,440	2,064,460	13,178,100	2,592,020	1,124,880	4,981,300	485,050	1,625,500	**50,680,950**
	International	26,605	50,880	2,070	1,505	9,115	1,645	1,185	2,120	530	1,220	**96,875**
	Total Visitors	7,253,305	13,839,380	3,616,510	2,065,965	13,187,215	2,593,665	1,126,065	4,983,420	485,580	1,626,720	**50,777,825**
2018	Indian	7,660,300	14,850,200	3,885,400	2,184,200	15,989,700	2,729,550	1,160,150	5,155,800	510,250	1,803,900	**55,929,450**
	International	27,910	53,980	2,200	1,560	10,660	1,870	1,215	2,175	555	1,280	**103,405**
	Total Visitors	7,688,210	14,904,180	3,887,600	2,185,760	16,000,360	2,731,420	1,161,365	5,157,975	510,805	1,805,180	**56,032,855**
2019	Indian	8,240,400	16,036,100	4,265,700	2,400,500	16,889,400	2,902,300	5,598,900	1,257,800	575,150	2,070,600	**60,236,850**
	International	29,435	56,960	2,540	1,750	11,200	1,992	2,400	1,365	617	1,420	**109,679**
	Total Visitors	8,269,835	16,093,060	4,268,240	2,402,250	16,900,600	2,904,292	5,601,300	1,259,165	575,767	2,072,020	**60,346,529**

Office of the Executive Engineer, Construction Division, U.P. Jal Nigam (Urban), Mathura

Details of Water Supply and Sewerage in ULB of Mathura District

S.No.	Census Code (as per Census 2011)	Name of ULB	Population			Demand of Water in MLD			Demand of Sewage Generation in MLD			Existing facilities at persent for water supply					Existing facilities at persent for Sewerage				Remark
												Tube Wells		Total Storage (Kl.)	D.S. (Km.)	Capacity of WTP (MLD)	Tapped House connection_Sewerage	Untapped Household Connection_Sewerage	Total Treatment facility available in STPs (MLD)	GAP in Treatment facility (MLD)	
			2025	2040	2055	2025	2040	2055	2025	2040	2055	Working	Needs Rebore								
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22
1	800789	Bajna	11652	15148	19692	1.81	2.35	3.06	1.26	1.64	2.13	2	1	200	5	0	0	2664	0	1.26	
2	800793	Baldeo	15310	19903	25874	2.38	3.09	4.02	1.65	2.15	2.79	3	2	450	9.86	0	0	3500	0	1.65	
3	800786	Barsana	14495	18844	24497	2.25	2.93	3.80	1.57	2.04	2.65	6	0	950	10	0	0	3314	0	1.57	
4	800788	Chaumuhan	17073	22195	28853	2.65	3.45	4.48	1.84	2.40	3.12	8	0	550	10	0	0	3903	0	1.84	
5	800787	Chhata	30504	39655	51552	4.74	6.16	8.00	3.29	4.28	5.57	8	3	1450	25	0	0	6974	0	3.29	6 MLD STP sanctioned under Namami Gange
6	800794	Farah	13494	17542	22805	2.09	2.72	3.54	1.46	1.89	2.46	4	0	300	15.6	0	0	3085	0	1.46	
7	800791	Gokul	6371	8282	10767	0.99	1.29	1.67	0.69	0.89	1.16	3	2	550	4.5	0	0	1457	0	0.69	1.3 MLD STP proposed under SBM- 2.0
8	800797	Goverdhan	48762	63391	82408	7.57	9.84	12.79	5.27	6.85	8.90	13	2	1300	21	0	2003	9145	2.76	2.51	4.5 MLD STP proposed under SBM- 2.0
9	800784	Kosikalan	69085	89811	116754	10.73	13.94	18.13	7.46	9.70	12.61	16	0	900	46	0	0	15795	0	7.46	12 MLD STP sanctioned under Namami Gange
10	800792	Mahavan	14250	18525	24083	2.21	2.88	3.74	1.54	2.00	2.60	6	1	400	7.5	0	0	3258	0	1.54	1.2 MLD STP proposed under SBM- 2.0
11	800800	Mathura cantt.	19227	24995	32494	2.98	3.88	5.04	2.08	2.70	3.51	1	0	500	6	0	0	4396	0	2.08	
12	800799	Mathura-Vrindavan	851531	1106990	1439087	132.20	171.86	223.42	91.97	119.55	155.42	355	0	44448	650	101	44941	149739	79.3	12.67	13 MLD STP (Vrindavan) and 60 MLD STP (Mathura) sanctioned under Namami Gange
13	800785	Nandgaon	14926	19404	25225	2.32	3.01	3.92	1.61	2.10	2.72	5	0	200	12	0	0	3412	0	1.61	
14	800796	Radha Kund	11331	14730	19149	1.76	2.29	2.97	1.22	1.59	2.07	5	0	200	6.8	0	0	2591	0	1.22	
15	800790	Raya	27662	35961	46749	4.29	5.58	7.26	2.99	3.88	5.05	12	0	850	18	0	0	6324	0	2.99	
16	800798	Senkh	12384	16099	20929	1.92	2.50	3.25	1.34	1.74	2.26	4	2	700	9	0	0	2831	0	1.34	

Executive Engineer

पेयजल सुविधा, सीवेज उपचार और ठोस अपशिष्ट उपचार की वर्तमान स्थिति

Water Bodies (Mathura District)

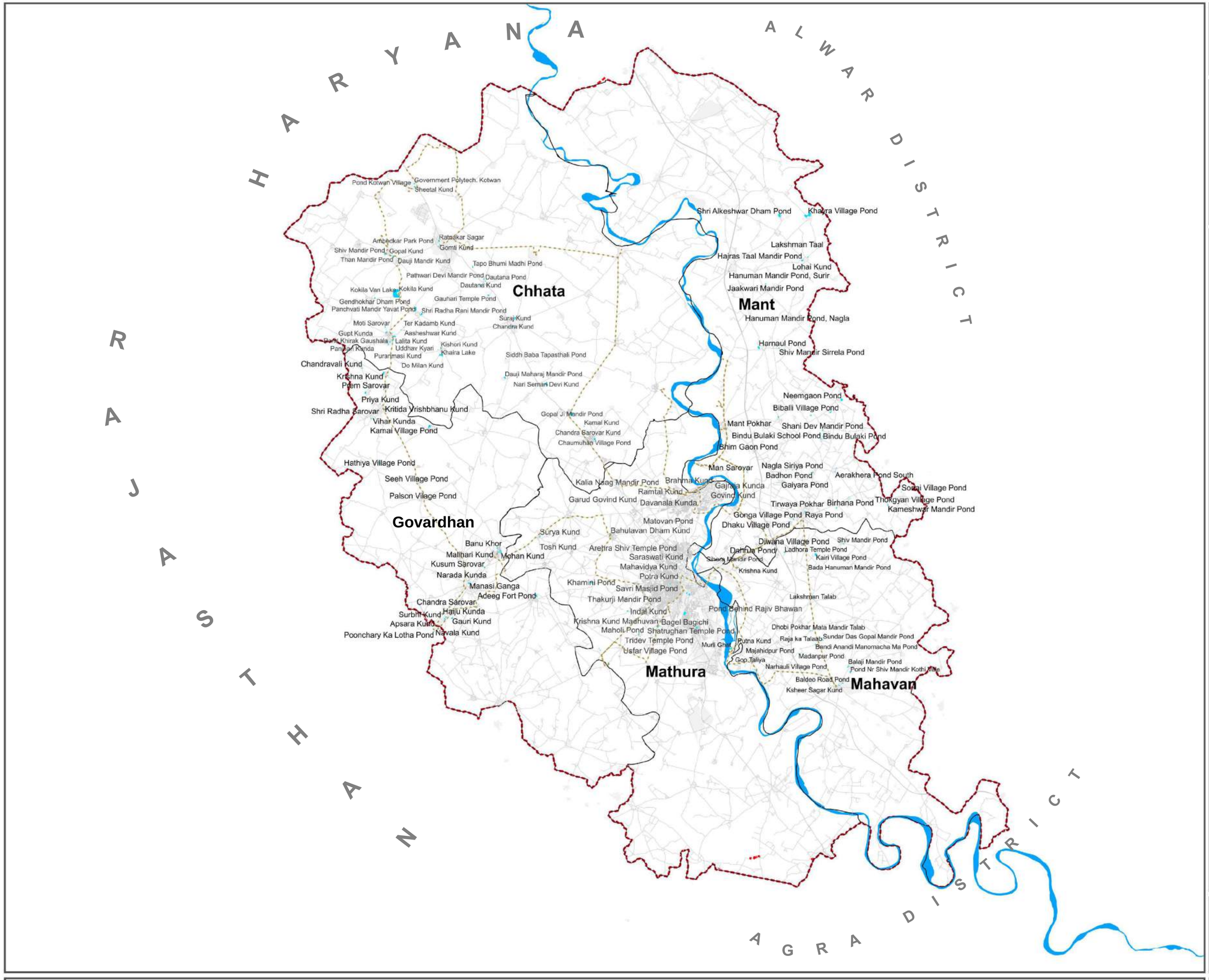

Inset

Inset Maps Not to Scale

Legend

- Mathura District Boundary
- Tehsil Boundary
- Yamuna River
- Water Bodies
- Roads
- 84 Kos Parikrama
- Builtup Area

Scale

R.F- 2,00,000

0 4 8 12 16 20 km

N

Water and Forest Conservation Plan for Natural Landscapes of Braj

Prepared By StelloPolis Inc. For Design Associates Inc.

Water Bodies (Chhata Tehsil)

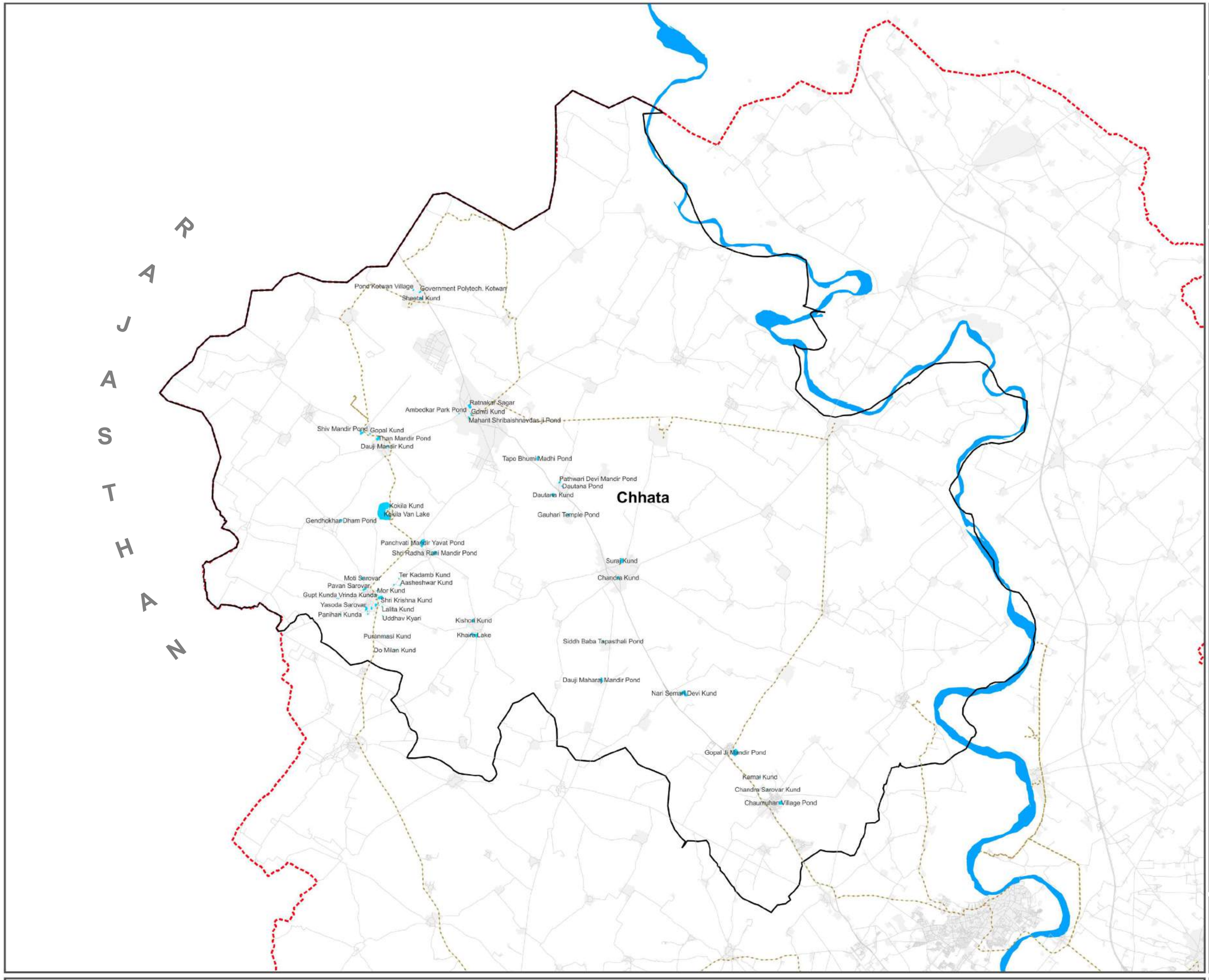

Inset

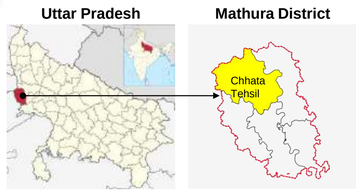

Inset Maps Not to Scale

Legend

- Mathura District Boundary
- Chhata Tehsil Boundary
- Yamuna River
- Water Bodies
- Roads
- 84 Kos Parikrama
- Builtup Area

Scale

R.F- 1,00,000

0 2 4 6 8 10 km

N

Water and Forest Conservation Plan for Natural Landscapes of Braj

Prepared By StelloPolis Inc. For Design Associates Inc.

Water Bodies (Govardhan Tehsil)

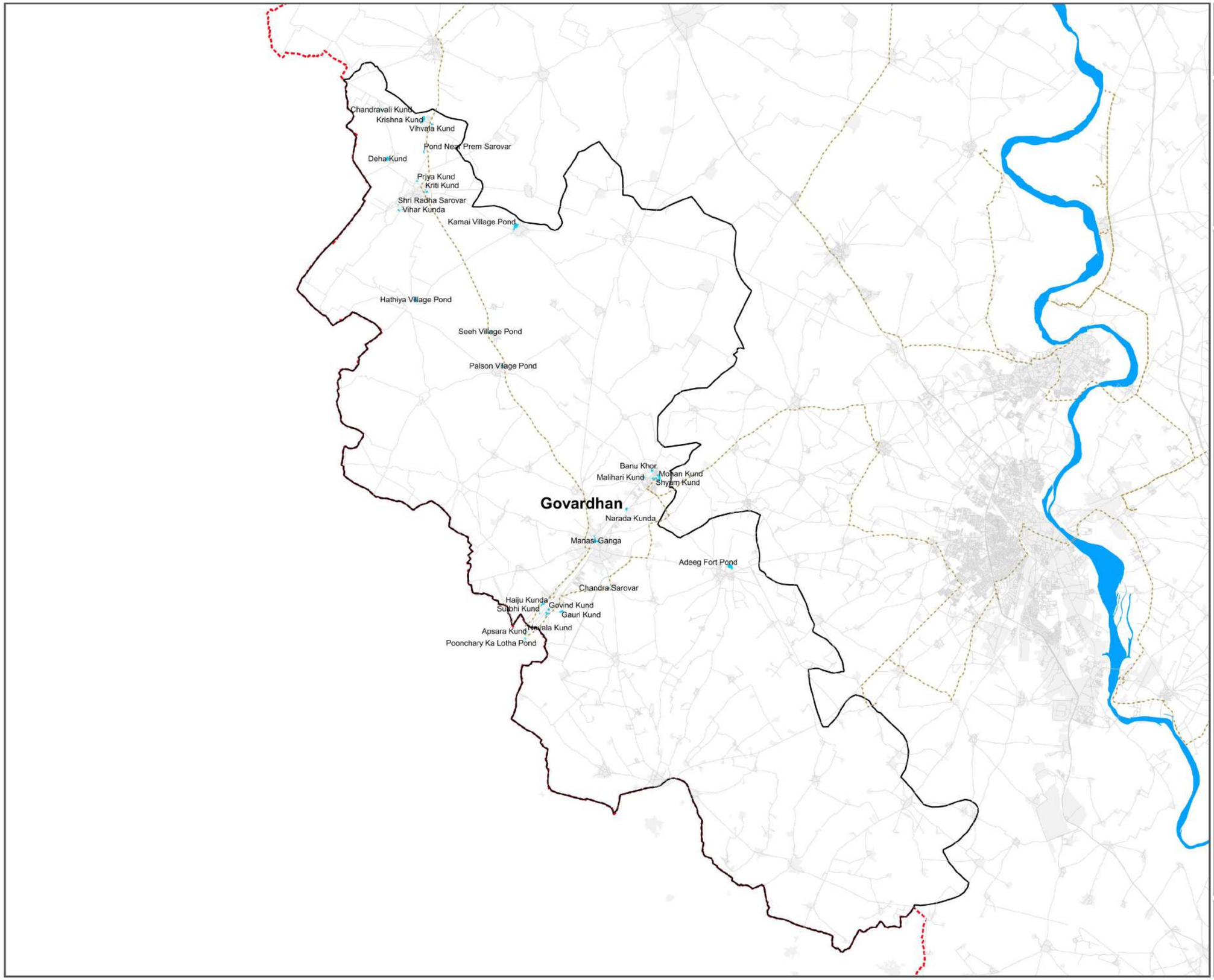

Inset

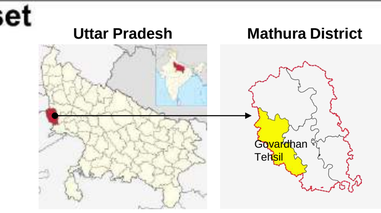

Legend

- Mathura District Boundary
- Govardhan Tehsil Boundary
- Yamuna River
- Water Bodies
- Roads
- 84 Kos Parikrama
- Builtup Area

Scale

R.F- 1,00,000

0 2 4 6 8 10 km

N

Water and Forest Conservation Plan for Natural Landscapes of Braj

Prepared By StelloPolis Inc. For Design Associates Inc.

Water Bodies (Mahavan Tehsil)

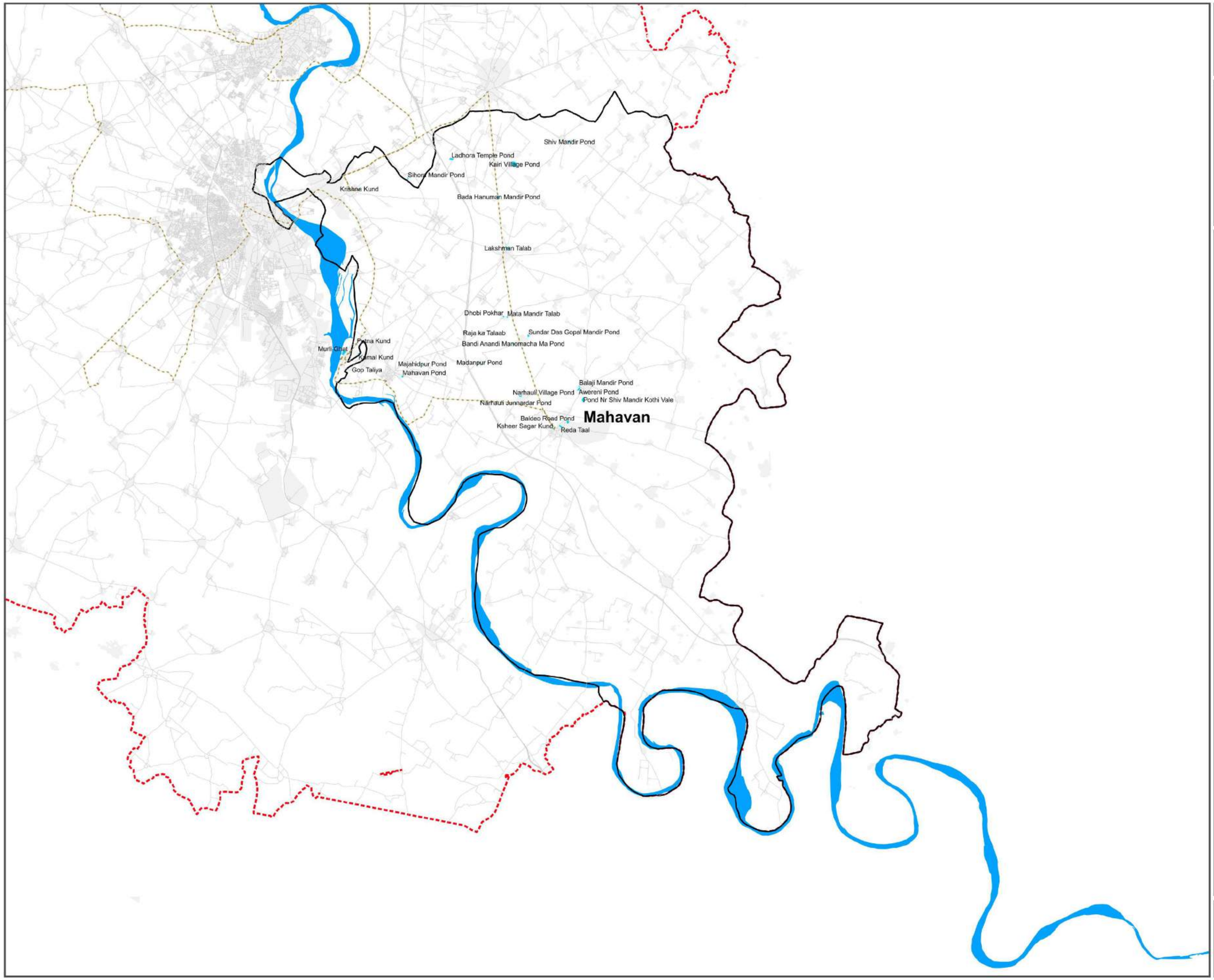

Inset

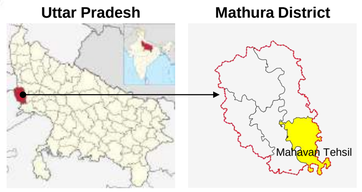

Inset Maps Not to Scale

Legend

- Mathura District Boundary
- Mahavan Tehsil Boundary
- Yamuna River
- Water Bodies
- Roads
- 84 Kos Parikrama
- Builtup Area

Scale

R.F- 1,00,000

0 2 4 6 8 10 km

N

Water and Forest Conservation Plan for Natural Landscapes of Braj

Prepared By StelloPolis Inc. For Design Associates Inc.

Water Bodies (Mant Tehsil)

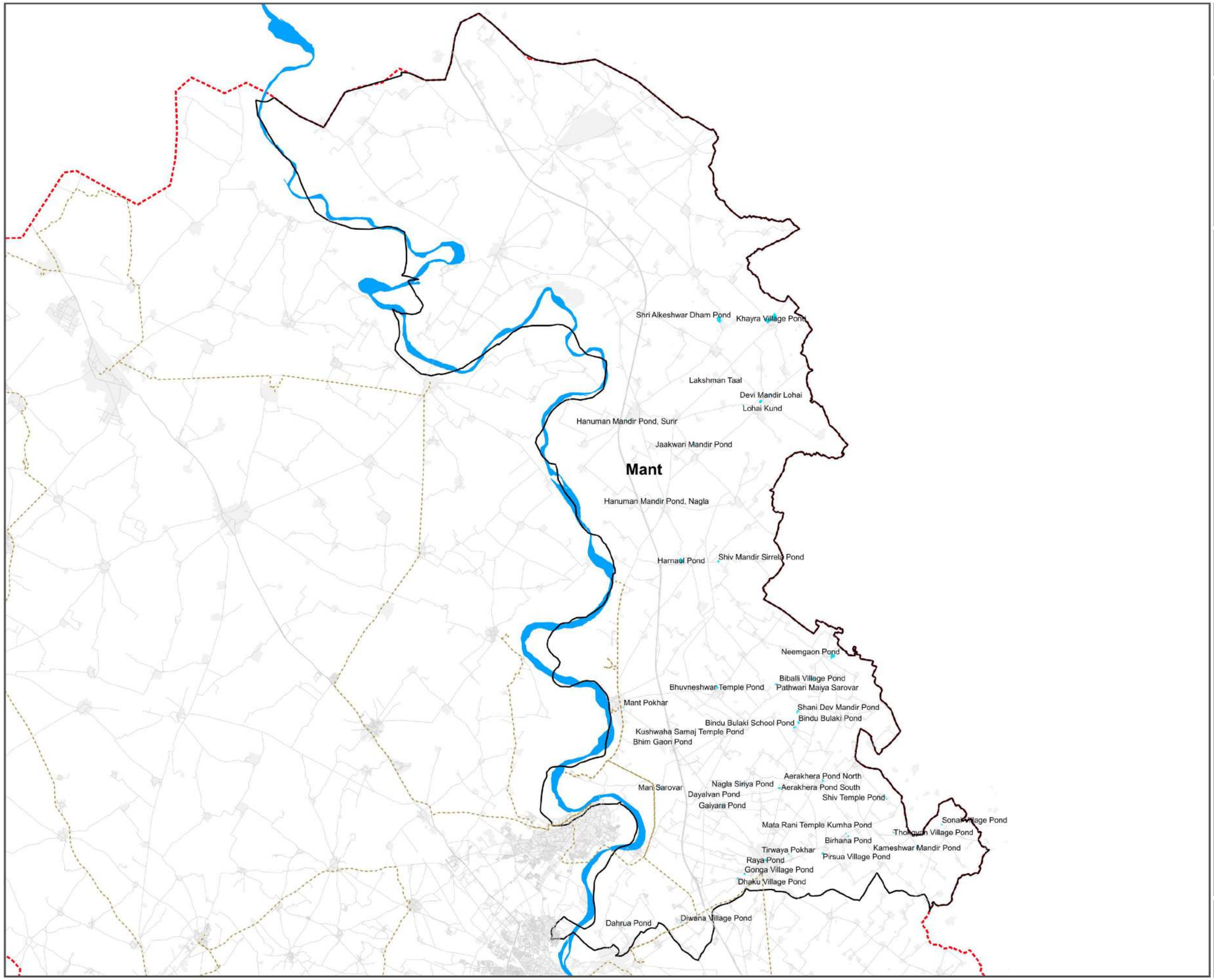

Inset

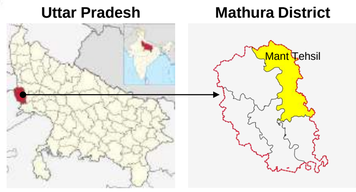

Inset Maps Not to Scale

Legend

- Mathura District Boundary
- Mant Tehsil Boundary
- Yamuna River
- Water Bodies
- Roads
- 84 Kos Parikrama
- Builtup Area

Scale

R.F- 1,00,000

0 2 4 6 8 10 km

N

Water and Forest Conservation Plan for Natural Landscapes of Braj

Prepared By StelloPolis Inc. For Design Associates Inc.

Water Bodies (Mathura Tehsil)

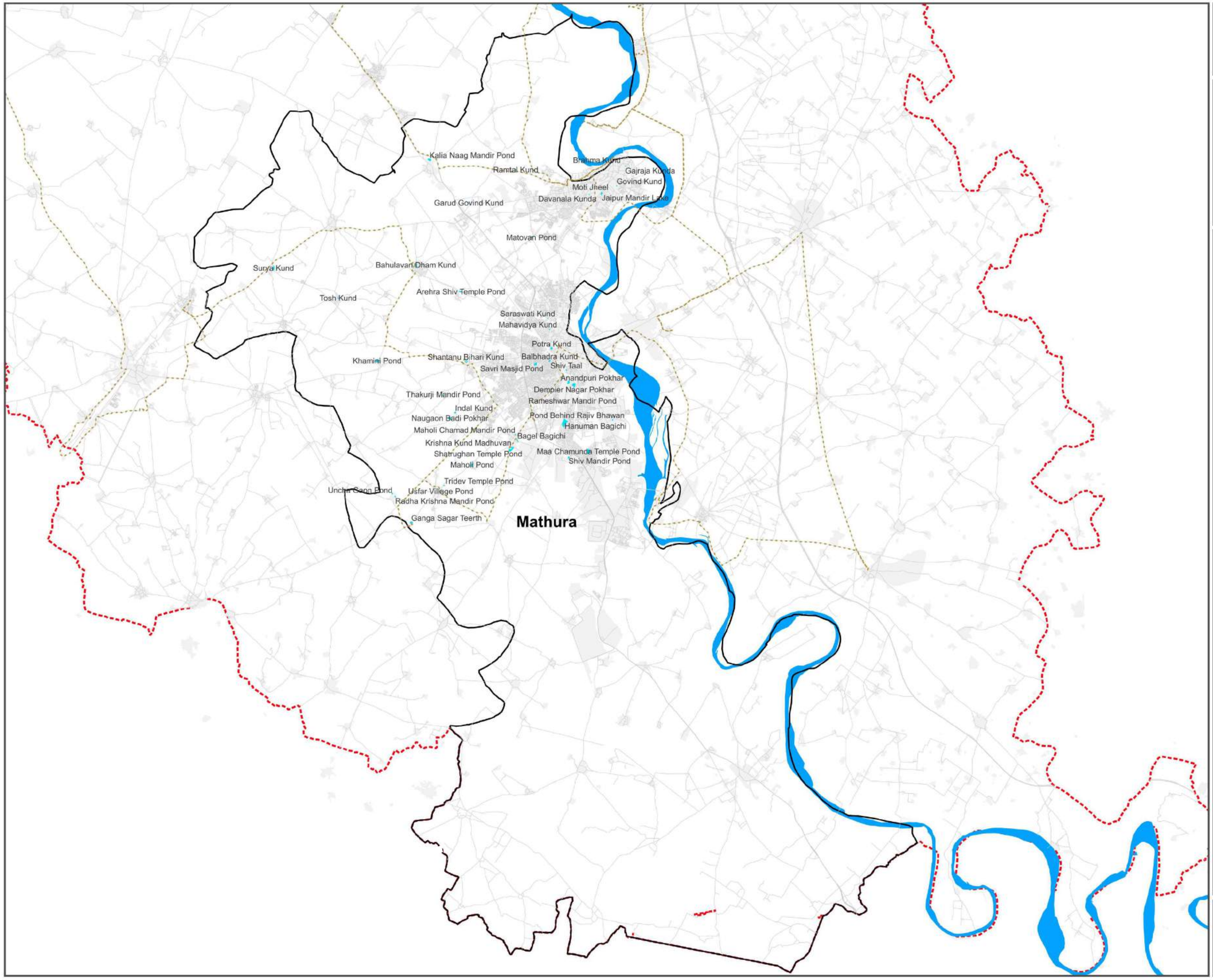

Inset

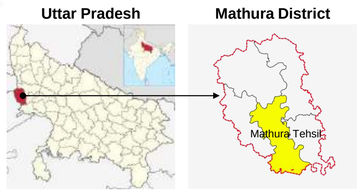

Inset Maps Not to Scale

Legend

- Mathura District Boundary
- Mathura Tehsil Boundary
- Yamuna River
- Water Bodies
- Roads
- 84 Kos Parikrama
- Builtup Area

Scale

R.F- 1,00,000

0 2 4 6 8 10 km

N

Water and Forest Conservation Plan for Natural Landscapes of Braj

Prepared By StelloPolis Inc. For Design Associates Inc.

Forest & Horticulture Area (Mathura District)

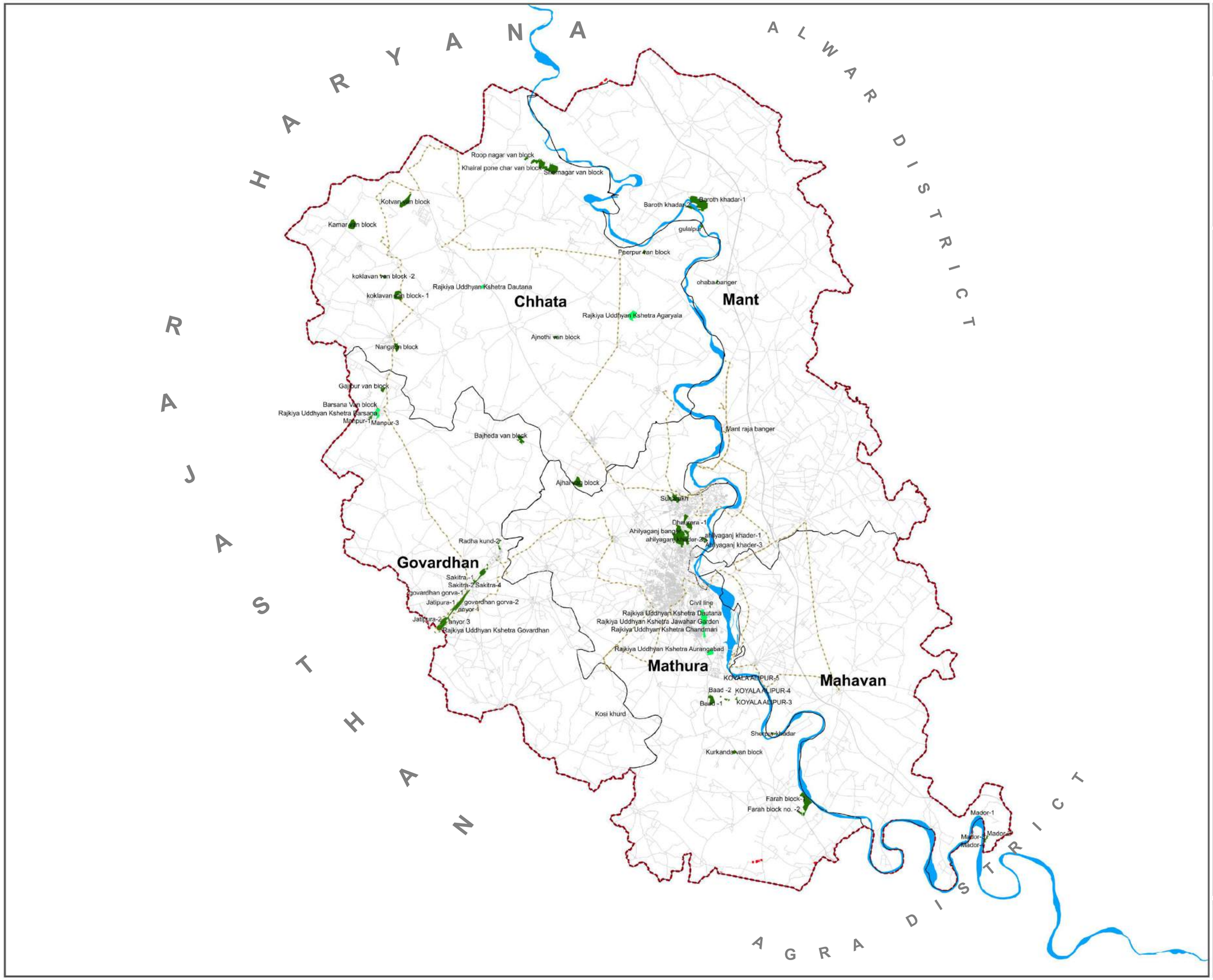

Inset

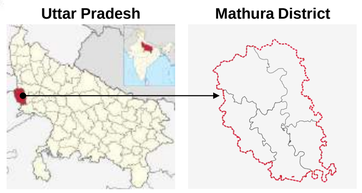

Inset Maps Not to Scale

Legend

- Mathura District Boundary
- Tehsil Boundary
- Yamuna River
- Roads
- 84 Kos Parikrama
- Builtup Area
- Horticulture Land
- Forest Land

Scale

R.F- 2,00,000

0 4 8 12 16 20 km

N

Water and Forest Conservation Plan for Natural Landscapes of Braj

Prepared By StelloPolis Inc. For Design Associates Inc.

Temples of Braj

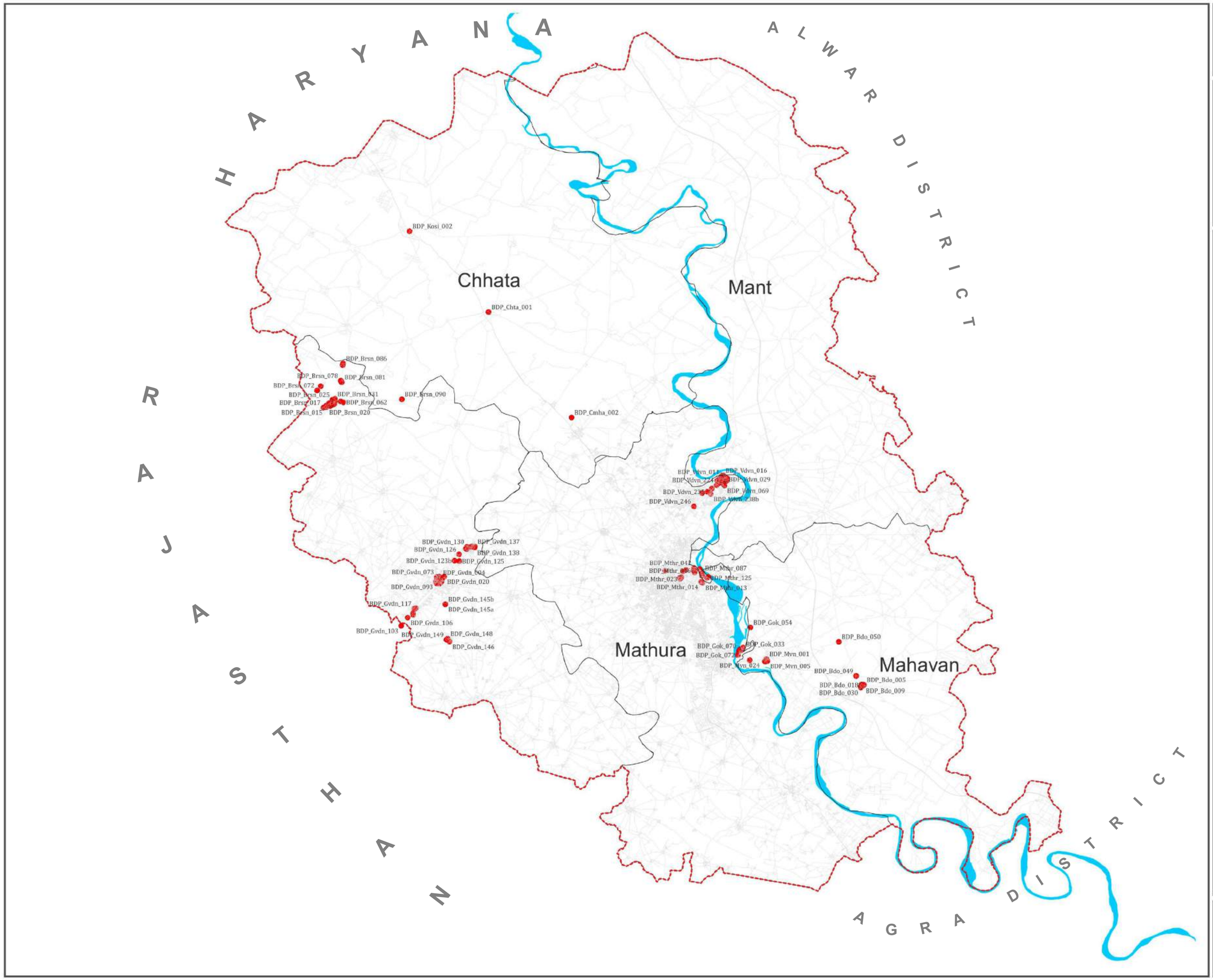

Inset

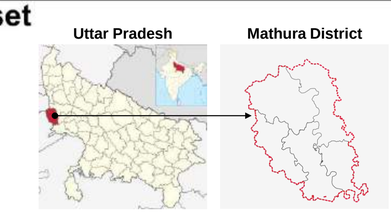

Inset Maps Not To Scale

Legend

- District Boundary
- Tehsil Boundary
- Roads
- Yamuna River
- Temples of Braj

Scale

3.5 0 3.5 7 10.5 14 km

N

Heritage and Religious structures mapping for Braj development Plan

Prepared By Design Associates Inc. For UPBTVP

Kunds of Braj

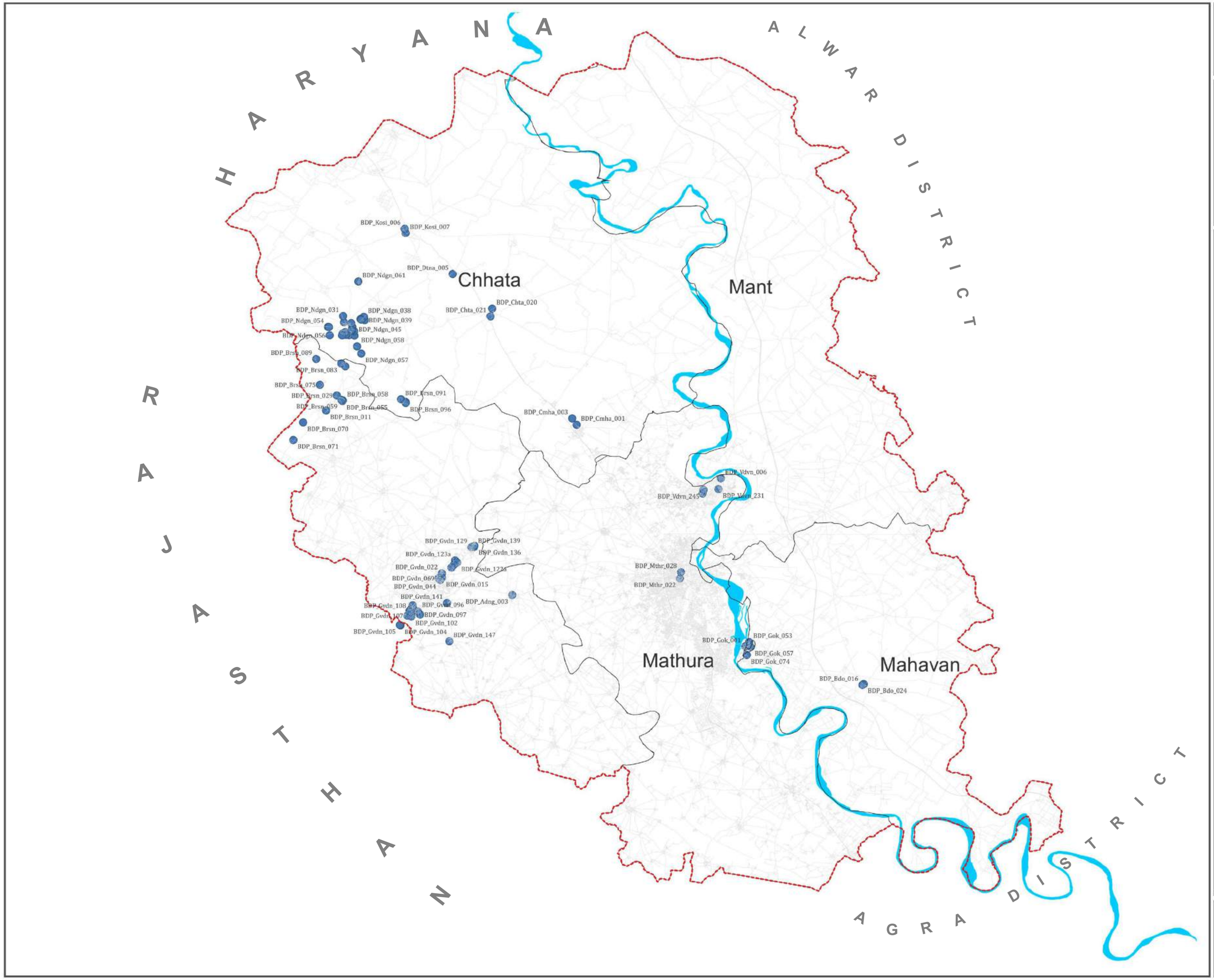

Inset

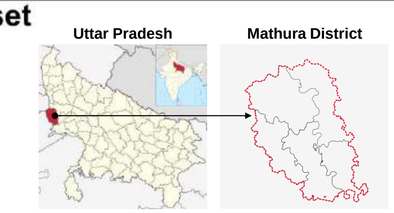

Inset Maps Not To Scale

Legend

- District Boundary
- Tehsil Boundary
- Roads
- Yamuna River
- Kunds of Braj

Scale

3.5 0 3.5 7 10.5 14 km

N

Heritage and Religious structures mapping for Braj development Plan

Prepared By Design Associates Inc. For UPBTVP

Heritage of Braj

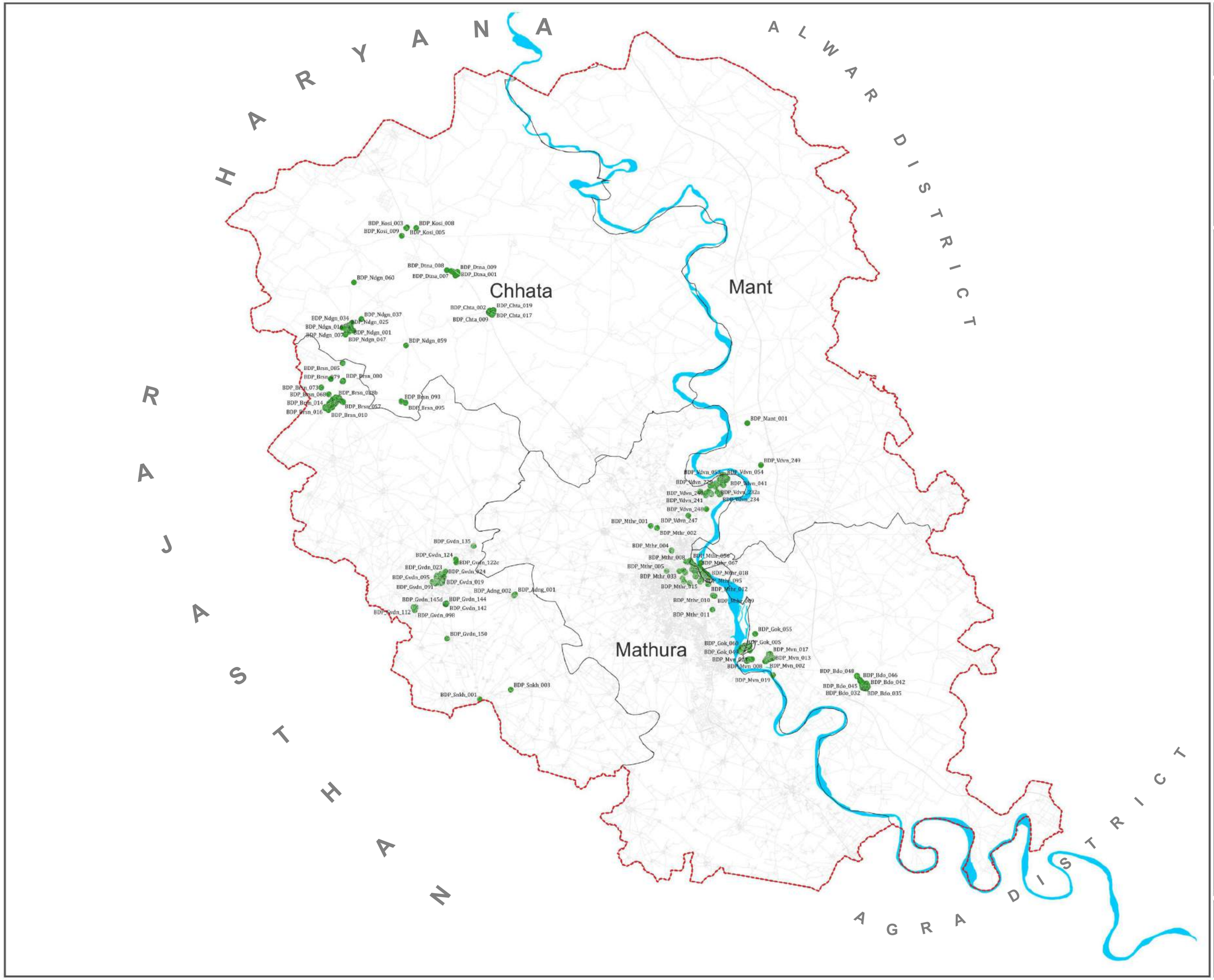

Inset

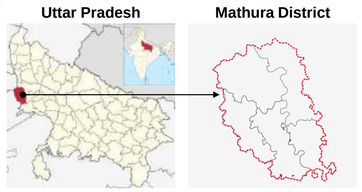

Inset Maps Not To Scale

Legend

- District Boundary
- Tehsil Boundary
- Roads
- Yamuna River
- Heritage of Braj

Scale

3.5 0 3.5 7 10.5 14 km

N

Heritage and Religious structures mapping for Braj development Plan

Prepared By Design Associates Inc. For UPBTVP

Ghats of Braj

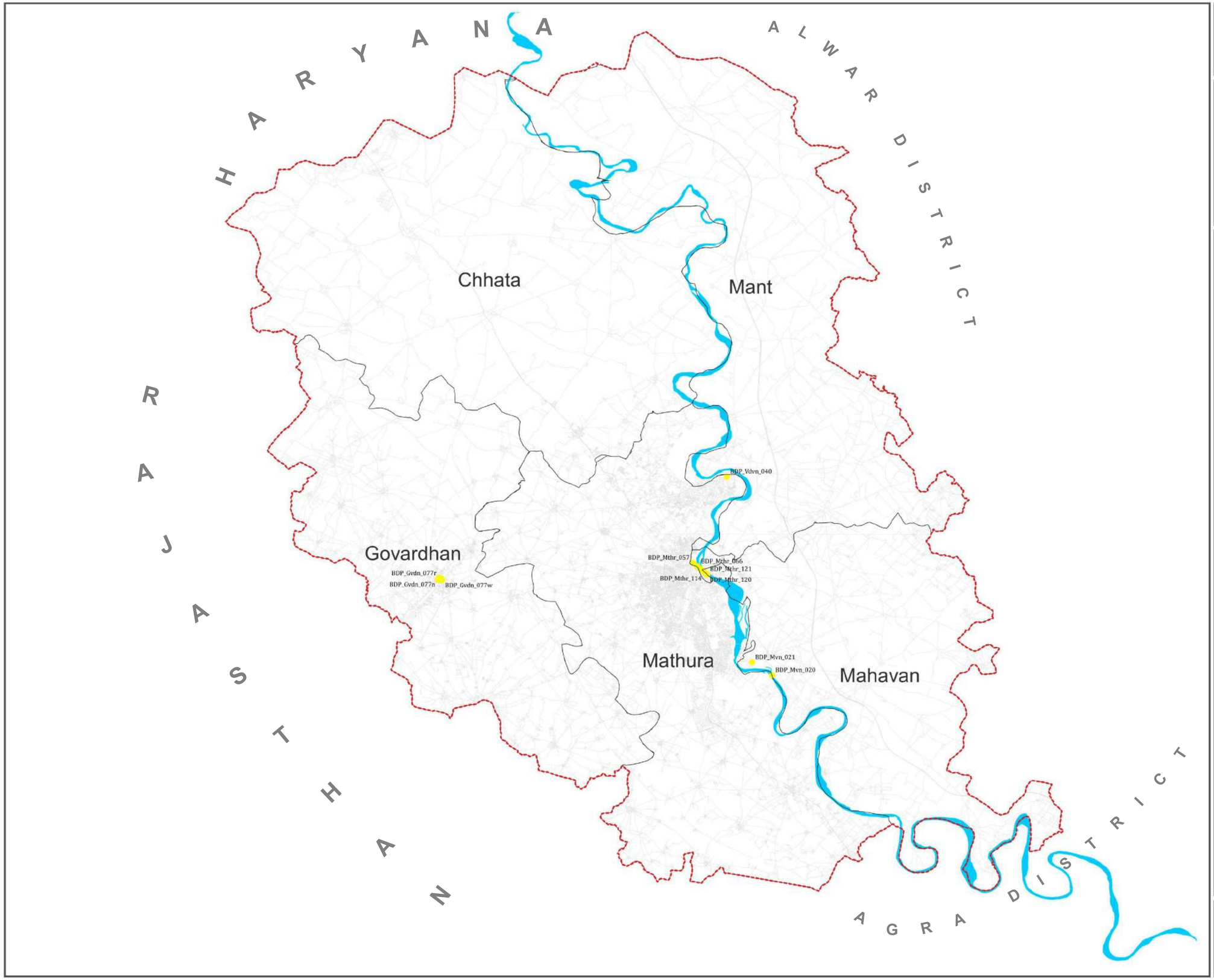

Inset

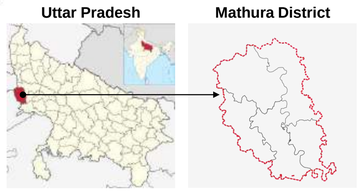

Inset Maps Not To Scale

Legend

- District Boundary
- Tehsil Boundary
- Roads
- Yamuna River
- Ghats of Braj

Scale

3.5 0 3.5 7 10.5 14 km

N

Heritage and Religious structures mapping for Braj development Plan

Prepared By Design Associates Inc. For UPBTVP

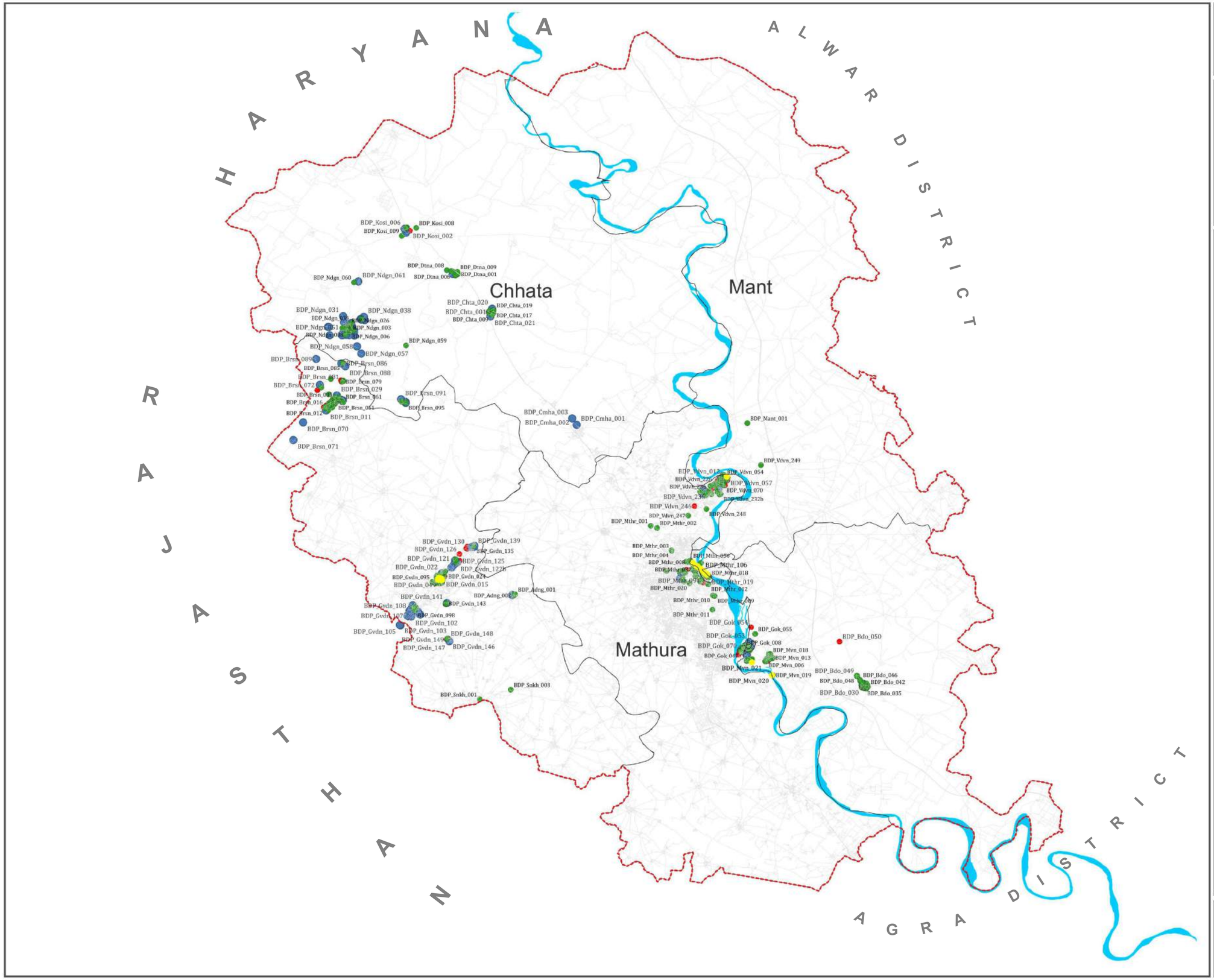

Heritage and Religious

Inset

Inset Maps Not To Scale

Legend

- District Boundary
- Tehsil Boundary
- Roads
- Yamuna River
- Ghats of Braj
- Kunds of Braj
- Heritage of Braj
- Temples of Braj

Scale

3.5 0 3.5 7 10.5 14 km

N

Heritage and Religious structures mapping for Braj development Plan

Prepared By Design Associates Inc. For UPBTVP

No.	Tehsil	city/ village	Listing no	Name of ste	Latitude	Longitude	Typology
1	Mathura	Vrindavan	BDP_Vdvn_001a	Shri Rang Nath Ji Temple	27°34'56.36"N	77°42'9.41"E	temple
2	Mathura	Vrindavan	BDP_Vdvn_001b	Rath of Shri Rang Nath Ji Temple	27°34'57.23"N	77°42'3.57"E	temple
3	Mathura	Vrindavan	BDP_Vdvn_002	Thakur Shri Radha Kant Temple	27°34'57.47"N	77°42'2.60"E	temple
5	Mathura	Vrindavan	BDP_Vdvn_004	Assam Mandir	27°34'59.76"N	77°42'3.23"E	temple
9	Mathura	Vrindavan	BDP_Vdvn_008	Shri Hanuman Garhi Temple	27°35'1.53"N	77°42'8.14"E	temple
10	Mathura	Vrindavan	BDP_Vdvn_009a	Shri Lal Babu Temple	27°35'1.10"N	77°42'10.74"E	temple
12	Mathura	Vrindavan	BDP_Vdvn_010	Gwalior Temple	27°35'4.69"N	77°42'7.88"E	temple
13	Mathura	Vrindavan	BDP_Vdvn_011	Shri Ras Madhav Mandir	27°35'5.33"N	77°42'11.05"E	temple
14	Mathura	Vrindavan	BDP_Vdvn_012	Prachin Mandir shri Gopeshwar Mahadev	27°35'6.21"N	77°42'11.05"E	temple
17	Mathura	Vrindavan	BDP_Vdvn_015	Mahaprabhu Ji Ki Baithak	27°35'8.40"N	77°42'11.83"E	temple
18	Mathura	Vrindavan	BDP_Vdvn_016	Banshivat Temple	27°35'9.59"N	77°42'12.32"E	temple
21	Mathura	Vrindavan	BDP_Vdvn_019	Shiv Temple	27°35'8.17"N	77°42'14.35"E	temple
24	Mathura	Vrindavan	BDP_Vdvn_022	Vishnu Swami Nirmohi Akhada	27°35'0.60"N	77°42'15.11"E	temple
25	Mathura	Vrindavan	BDP_Vdvn_023	Sandha Mandir	27°34'59.75"N	77°42'15.94"E	temple
27	Mathura	Vrindavan	BDP_Vdvn_025	Kaanch Mandir	27°34'57.94"N	77°42'16.83"E	temple
28	Mathura	Vrindavan	BDP_Vdvn_026	Bhiwani wala Mandir	27°34'59.79"N	77°42'17.40"E	temple
29	Mathura	Vrindavan	BDP_Vdvn_027	Tulsi Ram Darshan Sthal	27°34'59.13"N	77°42'18.10"E	temple
31	Mathura	Vrindavan	BDP_Vdvn_029	Shri Saket Vaikunth, Shri Rambag Mandir	27°34'58.06"N	77°42'22.24"E	temple
32	Mathura	Vrindavan	BDP_Vdvn_030	Radha Braj Mohan Mandir	27°35'0.70"N	77°42'19.59"E	temple
33	Mathura	Vrindavan	BDP_Vdvn_031	Shri Pulin Vihari Mandir	27°35'1.28"N	77°42'19.87"E	temple
34	Mathura	Vrindavan	BDP_Vdvn_032	Shri Todari Math	27°35'1.66"N	77°42'19.72"E	temple
39	Mathura	Vrindavan	BDP_Vdvn_037	Shyam Digambar Akhada	27°35'1.88"N	77°42'17.00"E	temple
41	Mathura	Vrindavan	BDP_Vdvn_039	Tekari Mandir	27°35'2.14"N	77°42'22.85"E	temple
46	Mathura	Vrindavan	BDP_Vdvn_044	Shri Singhpaur Hanuman Ji Temple	27°34'54.93"N	77°42'1.17"E	temple
47	Mathura	Vrindavan	BDP_Vdvn_045	Shri Govind Dev Ji Temple	27°34'52.91"N	77°41'58.25"E	temple
48	Mathura	Vrindavan	BDP_Vdvn_046	Shri Govind Dev Ji Maharaj Temple	27°34'53.67"N	77°41'55.65"E	temple
52	Mathura	Vrindavan	BDP_Vdvn_050	Harivyas Ji Nirmani Akhada	27°35'9.52"N	77°42'13.76"E	temple
53	Mathura	Vrindavan	BDP_Vdvn_051	Shri Gopinath Gaudiya Math	27°35'6.42"N	77°42'7.61"E	temple
54	Mathura	Vrindavan	BDP_Vdvn_052	Shyam Rai Mandir	27°35'3.62"N	77°42'11.02"E	temple
59	Mathura	Vrindavan	BDP_Vdvn_057	Shri Jagannath Mandir	27°35'1.66"N	77°42'26.03"E	temple
60	Mathura	Vrindavan	BDP_Vdvn_058	Tatiya sthan Ashram	27°34'53.75"N	77°42'25.11"E	temple
64	Mathura	Vrindavan	BDP_Vdvn_062	Shri Dauji Temple	27°34'53.90"N	77°42'16.66"E	temple
65	Mathura	Vrindavan	BDP_Vdvn_063	Thakur Shri Haridev Temple	27°34'53.60"N	77°42'15.85"E	temple

68	Mathura	Vrindavan	BDP_Vdvn_066	Shri Goda Haridev Divyadesh Mandir	27°34'48.77"N	77°42'9.86"E	temple
69	Mathura	Vrindavan	BDP_Vdvn_067	Katyayani Peeth	27°34'44.37"N	77°42'16.62"E	temple
70	Mathura	Vrindavan	BDP_Vdvn_068	Bada Khatla Ashram	27°34'42.40"N	77°42'15.82"E	temple
71	Mathura	Vrindavan	BDP_Vdvn_069	Shri Shri Radha Kunj Kishori Jayati	27°34'38.71"N	77°42'17.55"E	temple
75	Mathura	Vrindavan	BDP_Vdvn_073	Gore Dauji Maharaj Temple	27°34'48.54"N	77°42'0.23"E	temple
76	Mathura	Vrindavan	BDP_Vdvn_074	Venkateswara Temple	27°34'49.45"N	77°42'0.43"E	temple
77	Mathura	Vrindavan	BDP_Vdvn_075	Lakshmi Narayan Mandir	27°34'49.90"N	77°42'0.49"E	temple
100	Mathura	Vrindavan	BDP_Vdvn_098	Braj Mohan Ji Maharaj Temple	27°58'65.36"N	77°70'02.49"E	temple
103	Mathura	Vrindavan	BDP_Vdvn_101	Shri Laxmi Narsingh Mandir	27°58'64.57"N	77°69'93.33"E	temple
113	Mathura	Vrindavan	BDP_Vdvn_109	Krishna Mandir	27°58'70.82"N	77°69'88.42"E	temple
114	Mathura	Vrindavan	BDP_Vdvn_110	Jugal Kishore Mandir	27°58'69.13"N	77°69'88.36"E	temple
115	Mathura	Vrindavan	BDP_Vdvn_111	Radha Vanshi Gopal Mandir	27°58'65.21"N	77°69'85.55"E	temple
117	Mathura	Vrindavan	BDP_Vdvn_113	Radha Madhav Mandir	27°58'65.51"N	77°69'79.63"E	temple
118	Mathura	Vrindavan	BDP_Vdvn_114	Shri Ji Mohan Mandir	27°58'62.03"N	77°69'81.76"E	temple
119	Mathura	Vrindavan	BDP_Vdvn_115	Shah Ji ka Purana Mandir	27°58'63.95"N	77°69'85.01"E	temple
120	Mathura	Vrindavan	BDP_Vdvn_116	Shri Radha Gokulanand Mandir	27°58'61.32"N	77°69'86.79"E	temple
122	Mathura	Vrindavan	BDP_Vdvn_118	Shri Shyama Raman Ji Mandir	27°58'55.91"N	77°69'83.58"E	temple
123	Mathura	Vrindavan	BDP_Vdvn_119	Shadbhuj Mahaprabhu Ji Mandir	27°58'53.89"N	77°69'83.84"E	temple
124	Mathura	Vrindavan	BDP_Vdvn_120	Shri Radha Raman Mandir	27°58'55.61"N	77°69'90.93"E	temple
125	Mathura	Vrindavan	BDP_Vdvn_121	Girdhari Mandir	27°58'52.79"N	77°69'87.58"E	temple
132	Mathura	Vrindavan	BDP_Vdvn_124	Thakur Janaki Raman Ji Mandir	27°58'56.20"N	77°69'80.67"E	temple
134	Mathura	Vrindavan	BDP_Vdvn_126	Jai Singh Ghera Ashram	27°58'59.01"N	77°69'73.12"E	temple
135	Mathura	Vrindavan	BDP_Vdvn_127	Pracheen Yamuna Mandir	27°58'55.89"N	77°69'67.50"E	temple
136	Mathura	Vrindavan	BDP_Vdvn_128	Brajraj Rajeshwar Chir Bihari Ji Mandir	27°58'52.34"N	77°69'62.76"E	temple
144	Mathura	Vrindavan	BDP_Vdvn_136	Shringar Vat Mandir	27°58'43.88"N	77°69'52.93"E	temple
145	Mathura	Vrindavan	BDP_Vdvn_137	Bengali Mandir	27°58'43.11"N	77°69'49.39"E	temple
152	Mathura	Vrindavan	BDP_Vdvn_144	Pracheen Nanci Bhawan Makhan Chor Mandir	27°58'31.54"N	77°69'52.34"E	temple
153	Mathura	Vrindavan	BDP_Vdvn_145	Imlitala Mandir	27°58'34.97"N	77°69'40.83"E	temple
154	Mathura	Vrindavan	BDP_Vdvn_146	Chitrakut Mandir	27°58'31.38"N	77°69'39.95"E	temple
157	Mathura	Vrindavan	BDP_Vdvn_149	Manipuri Mandir	27°58'25.36"N	77°69'41.31"E	temple
159	Mathura	Vrindavan	BDP_Vdvn_151	Shri Radha Girdhari Ji Maharaj Mandir	27°58'30.18"N	77°69'53.36"E	temple
160	Mathura	Vrindavan	BDP_Vdvn_152	Shri Radha Damodar Mandir	27°58'36.77"N	77°69'57.95"E	temple

162	Mathura	Vrindavan	BDP_Vdvn_154	Ram Mandir Complex	27°58'31.12"N	77°69'64.48"E	temple
164	Mathura	Vrindavan	BDP_Vdvn_156	Sri Sri Radha Shyam Sundar Mandir	27°58'26.42"N	77°69'60.32"E	temple
165	Mathura	Vrindavan	BDP_Vdvn_157	Shaligram Mandir	27°58'24.93"N	77°69'65.59"E	temple
168	Mathura	Vrindavan	BDP_Vdvn_160	Akhand Shri Gopal Mahayagya	27°58'16.67"N	77°69'60.79"E	temple
172	Mathura	Vrindavan	BDP_Vdvn_164	Shri Radha Nanci Kumar Ji Mandir	27°58'12.35"N	77°69'57.63"E	temple
178	Mathura	Vrindavan	BDP_Vdvn_170	Shri Thakur Rasik Bihari Ji Maharaj Mandir	27°58'09.83"N	77°69'39.91"E	temple
186	Mathura	Vrindavan	BDP_Vdvn_178	Chhota Raas Mandal/Radha Rani Mandir	27°58'19.34"N	77°69'29.35"E	temple
188	Mathura	Vrindavan	BDP_Vdvn_180	Shri Radha Yashomati Nandan Lal Joo Maharaj Mandir	27°58'18.51"N	77°69'22.81"E	temple
189	Mathura	Vrindavan	BDP_Vdvn_181	Shri Kaliya Mardan Ji Maharaj Mandir	27°58'17.83"N	77°69'27.58"E	temple
190	Mathura	Vrindavan	BDP_Vdvn_182	Shri Naamdev Kaladhari Mandir	27°58'16.24"N	77°69'22.08"E	temple
196	Mathura	Vrindavan	BDP_Vdvn_188	Estate Babulal Agarwal Rahish - Haveli and Temple	27°58'11.48"N	77°69'20.80"E	temple
197	Mathura	Vrindavan	BDP_Vdvn_189	Radha Vallabh Mandir	27°58'10.67"N	77°69'17.84"E	temple
198	Mathura	Vrindavan	BDP_Vdvn_190	Shri Radha Vallabh Mandir	27°58'08.82"N	77°69'17.30"E	temple
206	Mathura	Vrindavan	BDP_Vdvn_198	Thakur Shri Radha Bi hari Ji Maharaj/Chhoti Sarkar	27°58'03.82"N	77°69'21.86"E	temple
207	Mathura	Vrindavan	BDP_Vdvn_199	Thakur Shri Radha Kant Ji Maharaj/Badi Sarkar	27°58'00.95"N	77°69'19.94"E	temple
208	Mathura	Vrindavan	BDP_Vdvn_200	Mandir Sh r i Girdha ri Ji	27°58'04.55"N	77°69'16.46"E	temple
220	Mathura	Vrindavan	BDP_Vdvn_211	Shri Banke Bihari Mandir	27°57'97.92"N	77°69'06.34"E	temple
224	Mathura	Vrindavan	BDP_Vdvn_215	Shri Radha Madan Mohan Ji Mandir	27°58'01.72"N	77°68'75.98"E	temple
229	Mathura	Vrindavan	BDP_Vdvn_220	Jugal Kishore Ji Mandir	27°58'66.32"N	77°69'85.86"E	temple
230	Mathura	Vrindavan	BDP_Vdvn_221	Sita Ram Nidhi Mandir	27°34'46.08"N	77°41'58.33"E	temple
231	Mathura	Vrindavan	BDP_Vdvn_222	Shri Lakhan Mohan Mandir	27°34'44.28"N	77°41'59.22"E	temple
233	Mathura	Vrindavan	BDP_Vdvn_224	Shri Sumer Bihari Temple	27°34'40.04"N	77°41'54.09"E	temple
239	Mathura	Vrindavan	BDP_Vdvn_230	Munger Raj Temple	27°34'29.49"N	77°41'39.28"E	temple
245	Mathura	Vrindavan	BDP_Vdvn_235	Jaipur Mandir	27°34'19.87"N	77°41'25.50"E	temple
249	Mathura	Vrindavan	BDP_Vdvn_238b	Tarash Mandir	27°34'13.18"N	77°41'35.73"E	temple
254	Mathura	Vrindavan	BDP_Vdvn_243	J. K. Mandir	27°34'15.88"N	77°41'9.89"E	temple
257	Mathura	Vrindavan	BDP_Vdvn_246	Shri Pagal Baba Mandir	27°33'35.19"N	77°40'44.49"E	temple
2	Chhata	Kosi Kalan	BDP_Kosi_002	Mahan	27°47'33.83"N	77°26'18.30"E	temple

1	Govardhan	Barsana	BDP_Brsn_001	Pracheen Sitla Mata Mandir	27°38'45.92"N	77°22'25.66"E	temple
4	Govardhan	Barsana	BDP_Brsn_004	Ram Mandir	27°38'43.31"N	77°22'14.57"E	temple
7	Govardhan	Barsana	BDP_Brsn_007	Vilasgarh	27°38'40.92"N	77°22'17.19"E	temple
15	Govardhan	Barsana	BDP_Brsn_015	Gopal Kuti	27°38'37.34"N	77°22'1.11"E	temple
17	Govardhan	Barsana	BDP_Brsn_017	Maan Mandir	27°38'36.15"N	77°21'55.49"E	temple
18	Govardhan	Barsana	BDP_Brsn_018	Mahaprabhu Ji Ki Baithak	27°38'39.09"N	77°22'2.34"E	temple
19	Govardhan	Barsana	BDP_Brsn_019	Shiv Temple	27°38'42.24"N	77°22'4.71"E	temple
20	Govardhan	Barsana	BDP_Brsn_020	Mor Kuti	27°38'37.84"N	77°22'4.60"E	temple
21	Govardhan	Barsana	BDP_Brsn_021	Daangarh	27°38'46.89"N	77°22'12.13"E	temple
23	Govardhan	Barsana	BDP_Brsn_023	Jaipur Mandir	27°38'49.31"N	77°22'12.78"E	temple
25	Govardhan	Barsana	BDP_Brsn_025	Shri Radha Rani Temple	27°39'0.13"N	77°22'23.55"E	temple
27	Govardhan	Barsana	BDP_Brsn_027	Pracheen Mahibhan Ji Temple	27°39'0.75"N	77°22'27.59"E	temple
32	Govardhan	Barsana	BDP_Brsn_031	Shri Ashtasakhi Temple	27°39'2.15"N	77°22'30.06"E	temple
33	Govardhan	Barsana	BDP_Brsn_032	Vrishbhanu Mandir	27°39'3.00"N	77°22'31.00"E	temple
34	Govardhan	Barsana	BDP_Brsn_033	Lalita Mohan Mandir	27°39'1.76"N	77°22'30.99"E	temple
43	Govardhan	Barsana	BDP_Brsn_042	Shri Radha Gopal Mandir	27°38'55.84"N	77°22'31.17"E	temple
53	Govardhan	Barsana	BDP_Brsn_052	Girdhar Gopal Temple	27°38'48.04"N	77°22'28.81"E	temple
63	Govardhan	Barsana	BDP_Brsn_062	Chhatri-3 (Temple)	27°38'52.54"N	77°22'56.19"E	temple
65	Govardhan	Barsana	BDP_Brsn_064	Chaturbhurji Temple	27°38'55.06"N	77°22'48.43"E	temple
70	Govardhan	Barsana	BDP_Brsn_069	Tungvidya Sakhi Mandir	27°37'41.87"N	77°21'4.09"E	temple
73	Govardhan	Barsana	BDP_Brsn_072	Lalita-vivaha Mandapa	27°39'28.39"N	77°21'36.87"E	temple
75	Govardhan	Barsana	BDP_Brsn_074	Lalita Sakhi Mandir	27°39'41.70"N	77°21'47.96"E	temple
79	Govardhan	Barsana	BDP_Brsn_078	Shri Radha Govind Ji Temple	27°39'58.08"N	77°22'48.93"E	temple
82	Govardhan	Barsana	BDP_Brsn_081	Sudama Kuti Premsrovar	27°39'53.60"N	77°22'51.36"E	temple
83	Govardhan	Barsana	BDP_Brsn_082	Shri Thakur Radha Govind Mandir	27°39'50.08"N	77°22'50.51"E	temple
85	Govardhan	Barsana	BDP_Brsn_084	Mahaprabhu Ji Ki Baithak	27°40'50.73"N	77°22'50.13"E	temple
87	Govardhan	Barsana	BDP_Brsn_086	Sanket Vihar	27°40'50.26"N	77°22'55.84"E	temple
88	Govardhan	Barsana	BDP_Brsn_087	Sanket Vihari Mandir	27°40'46.27"N	77°22'54.55"E	temple
91	Govardhan	Barsana	BDP_Brsn_090	Sri Ghamand Dev Charya Ras Mandal	27°39'1.72"N	77°25'54.92"E	temple
6	Mathura	Mathura	BDP_Mthr_006	Chaurasi Digambar Jain temple	27°30'19.12"N	77°39'16.80"E	temple
13	Mathura	Mathura	BDP_Mthr_013	Navgrah Temple	27°29'43.06"N	77°41'10.90"E	temple

14	Mathura	Mathura	BDP_Mthr_014	Rangeshwar Mahadev Temple	27°29'45.40"N	77°41'6.81"E	temple
19	Mathura	Mathura	BDP_Mthr_019	Dhruv Tila	27°30'0.50"N	77°41'28.89"E	temple
23	Mathura	Mathura	BDP_Mthr_023	Bhuteshwar Akhada	27°29'54.29"N	77°40'2.72"E	temple
24	Mathura	Mathura	BDP_Mthr_024	Mandir Shri Dauji Bhuteshwar	27°29'57.17"N	77°40'1.12"E	temple
25	Mathura	Mathura	BDP_Mthr_025	Badrinath Ji Ka Mandir	27°29'58.10"N	77°40'3.11"E	temple
26	Mathura	Mathura	BDP_Mthr_026	Bhuteshwar Mahadev Temple	27°29'59.53"N	77°40'6.28"E	temple
29	Mathura	Mathura	BDP_Mthr_029	Krishna Janam Bhoomi	27°30'17.62"N	77°40'11.20"E	temple
34	Mathura	Mathura	BDP_Mthr_034	Mathuranath Mahadev Temple	27°30'21.70"N	77°40'20.60"E	temple
38	Mathura	Mathura	BDP_Mthr_038	Mathuranath temple	27°30'21.31"N	77°40'43.76"E	temple
39	Mathura	Mathura	BDP_Mthr_039	Thakur Shri Dauji Maharaj Temple	27°30'21.56"N	77°40'46.04"E	temple
41	Mathura	Mathura	BDP_Mthr_041	Shri Thakur Radha Krishna Maharaj Temple	27°30'25.22"N	77°40'46.34"E	temple
42	Mathura	Mathura	BDP_Mthr_042	Thakur Kishori Raman Ji Maharaj Temple	27°30'27.67"N	77°40'45.24"E	temple
45	Mathura	Mathura	BDP_Mthr_045	Shri Jain Shwetamber Temple	27°30'20.22"N	77°40'45.64"E	temple
46	Mathura	Mathura	BDP_Mthr_046	Shri Chandra Prabhu Digamber Jain Temple	27°30'19.77"N	77°40'43.73"E	temple
47	Mathura	Mathura	BDP_Mthr_047	Thakur Shri Ram Chandra Ji Temple	27°30'20.00"N	77°40'47.19"E	temple
52	Mathura	Mathura	BDP_Mthr_052	Shri Satyanarayan ji Maharaj Temple	27°30'14.00"N	77°40'47.03"E	temple
71	Mathura	Mathura	BDP_Mthr_071	Raani Wala Mandir	27°30'23.90"N	77°41'2.37"E	temple
81	Mathura	Mathura	BDP_Mthr_081	Shri Dauji Maharaj Temple	27°30'13.56"N	77°41'8.58"E	temple
84	Mathura	Mathura	BDP_Mthr_084	Shri Mathura Nath Ji Maharaj Temple	27°30'13.52"N	77°41'9.48"E	temple
85	Mathura	Mathura	BDP_Mthr_085	Thakur Shri Kishori Raman Ji Maharaj Temple	27°30'12.63"N	77°41'9.09"E	temple
86	Mathura	Mathura	BDP_Mthr_086	Thakur Shri VIjay Govind Ji maharaj Temple	27°30'12.62"N	77°41'9.85"E	temple
87	Mathura	Mathura	BDP_Mthr_087	Govardhan Nath Ji Maharaj Temple	27°30'11.88"N	77°41'9.95"E	temple
92	Mathura	Mathura	BDP_Mthr_092	Radha Krishna Mandir	27°30'8.05"N	77°41'10.73"E	temple

93	Mathura	Mathura	BDP_Mthr_093	Laxmi Narayan Mandir	27°30'7.95"N	77°41'10.06"E	temple
94	Mathura	Mathura	BDP_Mthr_094	Mangani Mata Mandir	27°30'4.63"N	77°41'9.40"E	temple
125	Mathura	Mathura	BDP_Mthr_125	Swami Narayan Mandir	27°29'57.77"N	77°41'25.12"E	temple
1	Chhata	Chhata	BDP_Chta_001	Sarai Shahi	27°43'27.27"N	77°30'19.06"E	temple
1	Mahavan	Mahavan	BDP_Mvn_001	Mathura Nath Dwarka Nath Temple	27°25'50.54"N	77°44'25.75"E	temple
4	Mahavan	Mahavan	BDP_Mvn_004	Yogmaya Janmsthan Temple	27°25'42.58"N	77°44'22.22"E	temple
5	Mahavan	Mahavan	BDP_Mvn_005	Chaurasi Khambha Temple	27°25'44.63"N	77°44'28.56"E	temple
7	Mahavan	Mahavan	BDP_Mvn_007	Temple	27°25'43.42"N	77°44'20.85"E	temple
24	Mahavan	Mahavan	BDP_Mvn_024	Gop Kuna and Hanuman Temple	27°25'46.81"N	77°43'34.84"E	temple
5	Mahavan	Baldeo	BDP_Bdo_005	Shri Banke Bihari Mandir	27°24'31.51"N	77°49'22.29"E	temple
7	Mahavan	Baldeo	BDP_Bdo_007	Dauji Ka Mandir	27°24'29.58"N	77°49'18.11"E	temple
8	Mahavan	Baldeo	BDP_Bdo_008	Purana Dauji Ka Mandir	27°24'30.65"N	77°49'18.46"E	temple
9	Mahavan	Baldeo	BDP_Bdo_009	Pracheen Shakshi Gopal Mandir	27°24'29.57"N	77°49'19.59"E	temple
15	Mahavan	Baldeo	BDP_Bdo_015	Girraj Ji Ka Madir	27°24'28.37"N	77°49'17.19"E	temple
18	Mahavan	Baldeo	BDP_Bdo_018	Old Hanuman Temple	27°24'31.77"N	77°49'14.68"E	temple
19	Mahavan	Baldeo	BDP_Bdo_019	Hardev ji Temple	27°24'32.42"N	77°49'15.81"E	temple
26	Mahavan	Baldeo	BDP_Bdo_026	Shiv Mandir	27°24'27.80"N	77°49'15.69"E	temple
29	Mahavan	Baldeo	BDP_Bdo_029	Krishna Balram Temple	27°24'26.97"N	77°49'13.23"E	temple
30	Mahavan	Baldeo	BDP_Bdo_030	Radha Krishna Temple	27°24'23.55"N	77°49'13.46"E	temple
49	Mahavan	Baldeo	BDP_Bdo_049	Shiv Mandir	27°24'58.75"N	77°48'59.07"E	temple
50	Mahavan	Baldeo	BDP_Bdo_050	Bandi Annadi Temple and Kund	27°26'42.79"N	77°48'6.37"E	temple
2	Govardhan	Govardhan	BDP_Gvdn_002	Shri Siddh Naath Baba Temple-Chhatri	27°30'1.17"N	77°27'49.21"E	temple
3	Govardhan	Govardhan	BDP_Gvdn_003	Shri Radha Vallabh Maharaj Temple	27°30'0.14"N	77°27'47.91"E	temple
4	Govardhan	Govardhan	BDP_Gvdn_004	Radharaman Temple	27°29'58.57"N	77°27'51.51"E	temple
9	Govardhan	Govardhan	BDP_Gvdn_009	Chakleshwar Mahadev Temple	27°29'54.64"N	77°27'50.99"E	temple
20	Govardhan	Govardhan	BDP_Gvdn_020	Shri Girraj Temple	27°30'1.87"N	77°28'4.08"E	temple
25	Govardhan	Govardhan	BDP_Gvdn_025	Shri Laxmi Narayan Mandir	27°29'54.81"N	77°27'56.15"E	temple
26	Govardhan	Govardhan	BDP_Gvdn_026	Shri Kishori Shyam Ji Maharaj Temple	27°29'54.17"N	77°27'57.22"E	temple
31	Govardhan	Govardhan	BDP_Gvdn_031	Shri Girraj Ji Maharaj Mukharvind Mandir	27°29'53.23"N	77°27'55.23"E	temple
37	Govardhan	Govardhan	BDP_Gvdn_037	Shri Radha Krishna Temple	27°29'49.33"N	77°27'54.80"E	temple
40	Govardhan	Govardhan	BDP_Gvdn_040	Harideva Temple	27°29'48.55"N	77°27'51.60"E	temple

43	Govardhan	Govardhan	BDP_Gvdn_043	Maa Mansa Devi Temple	27°29'50.53"N	77°27'52.38"E	temple
49	Govardhan	Govardhan	BDP_Gvdn_049	Gangeshwar Mahadev Temple	27°29'51.09"N	77°27'46.45"E	temple
60	Govardhan	Govardhan	BDP_Gvdn_060	Laxman Mandir	27°29'53.11"N	77°27'42.42"E	temple
63	Govardhan	Govardhan	BDP_Gvdn_063	Thakur Dauji Maharaj Temple	27°29'52.82"N	77°27'41.37"E	temple
65	Govardhan	Govardhan	BDP_Gvdn_065	Sita Ram Mandir (Akhada)	27°29'53.78"N	77°27'41.96"E	temple
73	Govardhan	Govardhan	BDP_Gvdn_073	Vishwakarma Temple	27°30'0.05"N	77°27'41.50"E	temple
104	Govardhan	Govardhan	BDP_Gvdn_081	Gopal Ji Mandir	27°29'45.66"N	77°27'55.09"E	temple
108	Govardhan	Govardhan	BDP_Gvdn_085	Shri Laxmi Narayan Ji Temple	27°29'39.79"N	77°27'49.18"E	temple
111	Govardhan	Govardhan	BDP_Gvdn_088	Shri Giriraj Ji Maharaj Danghati Temple	27°29'42.87"N	77°27'46.27"E	temple
112	Govardhan	Govardhan	BDP_Gvdn_089	Shri Murari Kunj Saraswati Vidhya Mandir	27°29'41.20"N	77°27'40.53"E	temple
116	Govardhan	Govardhan	BDP_Gvdn_093	Marwadi Temple-Sitaram and Satyanarayan Maharaj	27°29'45.92"N	77°27'38.58"E	temple
122	Govardhan	Govardhan	BDP_Gvdn_099	Madan Mohan Mandir	27°28'9.66"N	77°26'29.15"E	temple
124	Govardhan	Govardhan	BDP_Gvdn_101	Radha Govind Temple	27°28'5.12"N	77°26'29.58"E	temple
126	Govardhan	Govardhan	BDP_Gvdn_103	Narsingh Temple	27°27'31.62"N	77°25'52.82"E	temple
129	Govardhan	Govardhan	BDP_Gvdn_106	Shri Luk Luk Dauji Temple	27°27'56.36"N	77°26'12.57"E	temple
140	Govardhan	Govardhan	BDP_Gvdn_117	Shri Giriraj Ji Mukharvind Temple	27°28'23.85"N	77°26'33.05"E	temple
141	Govardhan	Govardhan	BDP_Gvdn_118	Shrinathji Temple	27°28'25.14"N	77°26'37.48"E	temple
142	Govardhan	Govardhan	BDP_Gvdn_119	Old Shrinathji Temple	27°28'23.22"N	77°26'35.23"E	temple
149	Govardhan	Govardhan	BDP_Gvdn_123b	Shri Uddhav Bihari Ji Ka Temple	27°30'50.18"N	77°28'35.45"E	temple
151	Govardhan	Govardhan	BDP_Gvdn_125	Gwalior Mandir / Radha Kant Jugal Swaroop Mandir	27°30'48.54"N	77°28'49.96"E	temple
152	Govardhan	Govardhan	BDP_Gvdn_126	Shri Peeth Govardhan Temple	27°31'9.11"N	77°28'49.14"E	temple
153	Govardhan	Govardhan	BDP_Gvdn_127	Sri Sri Krishna Chaitanya Mahaprabhu Temple	27°31'26.66"N	77°29'10.20"E	temple
154	Govardhan	Govardhan	BDP_Gvdn_128	Giriraj Temple	27°31'25.39"N	77°29'12.80"E	temple
156	Govardhan	Govardhan	BDP_Gvdn_130	Radha Krishna Pracheen Mandir	27°31'32.25"N	77°29'13.47"E	temple
157	Govardhan	Govardhan	BDP_Gvdn_131	Manipuri Maharaj Temple	27°31'31.40"N	77°29'25.40"E	temple
158	Govardhan	Govardhan	BDP_Gvdn_132	Radha Damodar Mandir	27°31'33.15"N	77°29'26.49"E	temple
159	Govardhan	Govardhan	BDP_Gvdn_133	Radha Raman Temple	27°31'33.58"N	77°29'29.26"E	temple
160	Govardhan	Govardhan	BDP_Gvdn_134	Radha Govinda PracheenTemple	27°31'32.90"N	77°29'30.42"E	temple

163	Govardhan	Govardhan	BDP_Gvdn_137	Radha Govinda Temple	27°31'32.87"N	77°29'37.16"E	temple
164	Govardhan	Govardhan	BDP_Gvdn_138	Ashta Sakhi Temple	27°31'30.08"N	77°29'36.17"E	temple
171	Govardhan	Govardhan	BDP_Gvdn_145a	Sur Kuti	27°28'37.28"N	77°28'7.50"E	temple
172	Govardhan	Govardhan	BDP_Gvdn_145b	Sur Samadhi	27°28'37.04"N	77°28'7.41"E	temple
176	Govardhan	Govardhan	BDP_Gvdn_146	Janki Vallabh Temple	27°26'43.43"N	77°28'20.00"E	temple
178	Govardhan	Govardhan	BDP_Gvdn_148	Radha Raman Temple	27°26'52.26"N	77°28'14.33"E	temple
179	Govardhan	Govardhan	BDP_Gvdn_149	Chatarburj Temple	27°26'49.24"N	77°28'10.55"E	temple
2	Chhata	Chaumuha	BDP_Cmha_002	Bhrama Temple	27°38'6.07"N	77°34'32.01"E	temple
9	Mahavan	Gokul	BDP_Gok_009	Shri Bhagwan Bajan Ashram	27°26'25.64"N	77°43'14.56"E	temple
14	Mahavan	Gokul	BDP_Gok_014	Shri Baldau Ji Temple	27°26'24.39"N	77°43'13.95"E	temple
21	Mahavan	Gokul	BDP_Gok_021	Darshaneshwar Mahadev Temple	27°26'23.03"N	77°43'13.28"E	temple
28	Mahavan	Gokul	BDP_Gok_028	House Temple	27°26'21.61"N	77°43'12.19"E	temple
29	Mahavan	Gokul	BDP_Gok_029	Shri Balram Dev ji Temple	27°26'20.76"N	77°43'13.73"E	temple
33	Mahavan	Gokul	BDP_Gok_033	Shri Gopal Lal Ji Ka Mandir	27°26'20.11"N	77°43'13.96"E	temple
40	Mahavan	Gokul	BDP_Gok_040	Temple House	27°26'19.11"N	77°43'9.84"E	temple
42	Mahavan	Gokul	BDP_Gok_042	Shri Nand Yashodha Bhawan	27°26'17.15"N	77°43'8.70"E	temple
44	Mahavan	Gokul	BDP_Gok_044	Shri Gopal Lal Maharaj Mandir	27°26'17.51"N	77°43'7.21"E	temple
46	Mahavan	Gokul	BDP_Gok_046	Sri Raja Thakur Temple Pradhan Peeth	27°26'18.51"N	77°43'6.27"E	temple
54	Mahavan	Gokul	BDP_Gok_054	Sri Vijay Hanuman Mandir	27°27'26.53"N	77°43'36.84"E	temple
64	Mahavan	Gokul	BDP_Gok_064	Yogmaya Janmsthan Temple	27°26'20.13"N	77°43'5.39"E	temple
65	Mahavan	Gokul	BDP_Gok_065	Mandir Shri Nand Qila, Nand Bhawan	27°26'19.02"N	77°43'4.29"E	temple
66	Mahavan	Gokul	BDP_Gok_066	Shri Mahaprabhu Ji Ki Badi Baithak	27°26'18.79"N	77°43'4.99"E	temple
67	Mahavan	Gokul	BDP_Gok_067	Haveli Sri Chinta Mani Madhav	27°26'16.73"N	77°43'5.62"E	temple
68	Mahavan	Gokul	BDP_Gok_068	Shri Vitthalnath Temple & Shri Rai Prabhu Ki Baithak	27°26'15.93"N	77°43'4.82"E	temple
70	Mahavan	Gokul	BDP_Gok_070	Raman Niwas-Temple	27°26'14.78"N	77°43'2.50"E	temple
72	Mahavan	Gokul	BDP_Gok_072	Gopal Temple	27°26'2.54"N	77°42'58.20"E	temple

No.	Tehsil	city/ village	Listing no	Name of ste	Latitude	Longitude	Typology
1	Mahavan	Gokul	BDP_Gok_001	Potra Kund	27°26'28.10"N	77°43'18.90"E	kund
2	Mahavan	Gokul	BDP_Gok_053	Putna Kund	27°26'41.50"N	77°43'31.40"E	kund
3	Mahavan	Gokul	BDP_Gok_057	Kamal Kund	27°26'27.01"N	77°43'35.26"E	kund
4	Mahavan	Gokul	BDP_Gok_074	Gop Taliya	27°26'2.08"N	77°43'23.59"E	kund
5	Chhata	Chaumuha	BDP_Cmha_001	Chandra Sarovar	27°37'42.96"N	77°34'46.39"E	kund
6	Chhata	Chaumuha	BDP_Cmha_003	Kamal Kund	27°38'2.50"N	77°34'32.48"E	kund
7	Govardhan	Dautana	BDP_Dtna_005	Kund	27°45'22.01"N	77°28'28.91"E	kund
8	Govardhan	Adeeng	BDP_Adng_003	Kilol Kund	27°29'4.71"N	77°31'29.91"E	kund
9	Chhata	Nandgaon	BDP_Ndgn_028	Paavan Kund	27°42'55.06"N	77°22'57.84"E	kund
10	Chhata	Nandgaon	BDP_Ndgn_031	Moti Kund	27°43'14.08"N	77°22'55.14"E	kund
11	Chhata	Nandgaon	BDP_Ndgn_033	Mor Kund	27°42'52.67"N	77°23'19.70"E	kund
12	Chhata	Nandgaon	BDP_Ndgn_035	Jal Vihar Kund	27°43'2.84"N	77°23'49.90"E	kund
13	Chhata	Nandgaon	BDP_Ndgn_036	Kamal Kund	27°43'5.01"N	77°23'48.26"E	kund
14	Chhata	Nandgaon	BDP_Ndgn_038	Ter Kadam Kund	27°43'11.72"N	77°23'58.00"E	kund
15	Chhata	Nandgaon	BDP_Ndgn_039	Aasheshwar Kund	27°43'1.48"N	77°24'0.66"E	kund
16	Chhata	Nandgaon	BDP_Ndgn_040	Krishna Kund	27°42'40.97"N	77°23'23.18"E	kund
17	Chhata	Nandgaon	BDP_Ndgn_041	Mohan Kund/Surya Kund	27°42'31.29"N	77°23'20.78"E	kund
18	Chhata	Nandgaon	BDP_Ndgn_042	Narayan Kund	27°42'29.95"N	77°23'22.88"E	kund
19	Chhata	Nandgaon	BDP_Ndgn_043	Lalita Kund	27°42'28.12"N	77°23'28.51"E	kund
20	Chhata	Nandgaon	BDP_Ndgn_045	Uddhav Kund	27°42'14.35"N	77°23'29.39"E	kund
21	Chhata	Nandgaon	BDP_Ndgn_046	Nand Kund	27°42'15.74"N	77°23'13.53"E	kund
22	Chhata	Nandgaon	BDP_Ndgn_048	Yashoda Kund	27°42'16.50"N	77°23'3.76"E	kund
23	Chhata	Nandgaon	BDP_Ndgn_049	Madhusudana Kund	27°42'25.35"N	77°23'1.19"E	kund
24	Chhata	Nandgaon	BDP_Ndgn_051	Doretha Kund	27°42'20.95"N	77°22'54.12"E	kund
25	Chhata	Nandgaon	BDP_Ndgn_052	Kajal Kund	27°42'15.15"N	77°22'52.15"E	kund
26	Chhata	Nandgaon	BDP_Ndgn_054	Gupt Kund	27°42'40.79"N	77°22'9.40"E	kund
27	Chhata	Nandgaon	BDP_Ndgn_055	Vrinda Kund	27°42'40.33"N	77°22'11.92"E	kund
28	Chhata	Nandgaon	BDP_Ndgn_056	Panihari Kund	27°42'15.31"N	77°22'14.12"E	kund
29	Chhata	Nandgaon	BDP_Ndgn_057	Do Milan Kund	27°41'19.96"N	77°23'50.26"E	kund
30	Chhata	Nandgaon	BDP_Ndgn_058	Puranmasi Kund	27°41'41.73"N	77°23'37.37"E	kund
31	Chhata	Nandgaon	BDP_Ndgn_061	Kokila Kund	27°44'59.11"N	77°23'41.51"E	kund
32	Govardhan	Govardhan	BDP_Gvdn_015	Pancha Tirtha Kund	27°29'57.20"N	77°27'55.86"E	kund
33	Govardhan	Govardhan	BDP_Gvdn_022	Ashta Sakhi Kund	27°30'10.60"N	77°27'55.46"E	kund
34	Govardhan	Govardhan	BDP_Gvdn_044	Brahma Kund	27°29'50.57"N	77°27'50.73"E	kund
35	Govardhan	Govardhan	BDP_Gvdn_069	Badan Singh Mahal-Kund	27°29'55.67"N	77°27'45.47"E	kund
36	Govardhan	Govardhan	BDP_Gvdn_096	Sankarshan Kund	27°28'15.45"N	77°26'42.08"E	kund
37	Govardhan	Govardhan	BDP_Gvdn_097	Gauri Kund	27°28'5.05"N	77°26'49.57"E	kund
38	Govardhan	Govardhan	BDP_Gvdn_100	Govind Kund	27°28'6.99"N	77°26'26.31"E	kund
39	Govardhan	Govardhan	BDP_Gvdn_102	Gandhrav Kund	27°27'59.37"N	77°26'22.54"E	kund
40	Govardhan	Govardhan	BDP_Gvdn_104	Naval Kund	27°27'32.03"N	77°25'49.57"E	kund
41	Govardhan	Govardhan	BDP_Gvdn_105	Apsara Kund	27°27'33.27"N	77°25'47.76"E	kund
42	Govardhan	Govardhan	BDP_Gvdn_107	Surbhi Kund	27°28'1.65"N	77°26'10.63"E	kund
43	Govardhan	Govardhan	BDP_Gvdn_108	Airavat Kund	27°28'12.86"N	77°26'19.24"E	kund
44	Govardhan	Govardhan	BDP_Gvdn_109	Hariju/ Harji Kund	27°28'17.12"N	77°26'17.12"E	kund
45	Govardhan	Govardhan	BDP_Gvdn_110	Giriraj Bagh and Kund	27°28'25.58"N	77°26'25.07"E	kund
46	Govardhan	Govardhan	BDP_Gvdn_111	Rudra Kund	27°28'28.78"N	77°26'27.57"E	kund
47	Govardhan	Govardhan	BDP_Gvdn_113	Narayan Kund	27°28'33.31"N	77°26'26.95"E	kund
48	Govardhan	Govardhan	BDP_Gvdn_120	Gwal Pokhra Kund	27°30'28.20"N	77°28'25.39"E	kund
49	Govardhan	Govardhan	BDP_Gvdn_121	Ratna Kund	27°30'36.64"N	77°28'32.12"E	kund
50	Govardhan	Govardhan	BDP_Gvdn_122a	Kusum Sarovar	27°30'43.52"N	77°28'42.04"E	kund
51	Govardhan	Govardhan	BDP_Gvdn_122b	Chhatri Kusum Sarovar	27°30'43.86"N	77°28'39.41"E	kund
52	Govardhan	Govardhan	BDP_Gvdn_123a	Uddhav Kund	27°30'49.93"N	77°28'35.95"E	kund

53	Govardhan	Govardhan	BDP_Gvdn_129	Malyaharini/ Malihari Kund	27°31'30.22"N	77°29'25.43"E	kund
54	Govardhan	Govardhan	BDP_Gvdn_136	Lalita Kund	27°31'34.27"N	77°29'35.06"E	kund
55	Govardhan	Govardhan	BDP_Gvdn_139	Shyam Kund	27°31'31.01"N	77°29'33.43"E	kund
56	Govardhan	Govardhan	BDP_Gvdn_140	Radha Kund	27°31'30.92"N	77°29'28.87"E	kund
57	Govardhan	Govardhan	BDP_Gvdn_141	Chandra Sarovar	27°28'40.67"N	77°28'11.35"E	kund
58	Govardhan	Govardhan	BDP_Gvdn_147	Narayan Sarovar	27°26'43.89"N	77°28'18.38"E	kund
59	Mahavan	Baldeo	BDP_Bdo_016	Ksheer Sagar Kund	27°24'30.84"N	77°49'16.03"E	kund
60	Mahavan	Baldeo	BDP_Bdo_024	Revti Kund	27°24'33.34"N	77°49'19.84"E	kund
61	Chhata	Chhata	BDP_Chta_020	Suraj Kund	27°43'36.73"N	77°30'29.03"E	kund
62	Chhata	Chhata	BDP_Chta_021	Chandra Kund	27°43'13.17"N	77°30'23.81"E	kund
63	Mathura	Mathura	BDP_Mthr_022	Balbhadra Kund	27°29'55.06"N	77°40'0.50"E	kund
64	Mathura	Mathura	BDP_Mthr_028	Potra Kund/Patit Pawan Kund	27°30'14.39"N	77°40'3.57"E	kund
65	Chhata	Kosi Kalan	BDP_Kosi_006	Ratnakar Kund	27°47'39.72"N	77°26'2.61"E	kund
66	Chhata	Kosi Kalan	BDP_Kosi_007	Gomti Kund	27°47'26.63"N	77°26'5.63"E	kund
67	Govardhan	Barsana	BDP_Brsn_011	Dohani Kund	27°38'26.90"N	77°22'3.15"E	kund
68	Govardhan	Barsana	BDP_Brsn_029	Priya Kund	27°39'12.21"N	77°22'35.97"E	kund
69	Govardhan	Barsana	BDP_Brsn_055	Vrishbhanu Kund	27°38'55.60"N	77°22'52.86"E	kund
70	Govardhan	Barsana	BDP_Brsn_058	Unknown Stone Pillar	27°38'57.06"N	77°22'54.35"E	kund
71	Govardhan	Barsana	BDP_Brsn_059	Kirti Kund	27°38'58.73"N	77°22'50.07"E	kund
72	Govardhan	Barsana	BDP_Brsn_070	Ratan Kund	27°37'50.09"N	77°20'53.41"E	kund
73	Govardhan	Barsana	BDP_Brsn_071	Rang Kund	27°36'56.77"N	77°20'23.40"E	kund
74	Govardhan	Barsana	BDP_Brsn_075	Deha Kund	27°39'44.68"N	77°21'44.41"E	kund
75	Govardhan	Barsana	BDP_Brsn_077	Prem Sarovar	27°39'56.22"N	77°22'47.90"E	kund
76	Govardhan	Barsana	BDP_Brsn_083	Krishna Kund	27°40'49.65"N	77°22'49.32"E	kund
77	Govardhan	Barsana	BDP_Brsn_088	Vihvala Kund	27°40'40.57"N	77°23'1.73"E	kund
78	Govardhan	Barsana	BDP_Brsn_089	Chandrauli Kund	27°41'3.11"N	77°21'32.88"E	kund
79	Govardhan	Barsana	BDP_Brsn_091	Kankana Kund	27°39'0.64"N	77°25'51.32"E	kund
80	Govardhan	Barsana	BDP_Brsn_094	Karhala Kund	27°38'53.07"N	77°26'5.39"E	kund
81	Govardhan	Barsana	BDP_Brsn_096	Karhala Kund	27°38'49.73"N	77°26'5.89"E	kund
82	Mathura	Vrindavan	BDP_Vdvn_006	Brahma Kund	27°34'59.98"N	77°42'5.00"E	kund
83	Mathura	Vrindavan	BDP_Vdvn_231	Govind Kund	27°34'26.96"N	77°41'57.75"E	kund
84	Mathura	Vrindavan	BDP_Vdvn_242	Oawanal Kund	27°34'13.66"N	77°41'9.41"E	kund
84	Mathura	Vrindavan	BDP_Vdvn_245	Moti Jheel Kund	27°34'24.95"N	77°41'12.29"E	kund

No.	Tehsil	city/ village	Listing no	Name of ste	Latitude	Longitude	Typology
42	Mathura	Vrindavan	BDP_Vdvn_040	Tekari Raj Ghat	27°35'4.93"N	77°42'23.35"E	ghats
112	Mathura	Vrindavan	BDP_Vdvn_108	Keshi Ghat	27°58'69.06"N	77°69'83.43"E	ghats
146	Mathura	Vrindavan	BDP_Vdvn_138	Ranapati Ghat	27°58'39.42"N	77°69'44.16"E	ghats
184	Mathura	Vrindavan	BDP_Vdvn_176	Bihar Ghat and Bihareshwar Mandir	27°58'26.32"N	77°69'24.78"E	ghats
194	Mathura	Vrindavan	BDP_Vdvn_186	Yamuna Pulin and Yugal Ghat	27°58'20.63"N	77°69'17.07"E	ghats
225	Mathura	Vrindavan	BDP_Vdvn_216	Kaliya Ghat/Kali Mardan Ghat/ Kalidah Ghat	27°58'13.13"N	77°68'96.55"E	ghats
57	Mathura	Mathura	BDP_Mthr_057	Chakratirtha Ghat	27°30'42.69"N	77°40'39.33"E	ghat
64	Mathura	Mathura	BDP_Mthr_064	Bal Deo Ghat	27°30'33.16"N	77°40'51.31"E	ghat
65	Mathura	Mathura	BDP_Mthr_065	Satsang Ghat	27°30'32.15"N	77°40'53.09"E	ghat
66	Mathura	Mathura	BDP_Mthr_066	Gau Ghat	27°30'31.71"N	77°40'54.45"E	ghat
72	Mathura	Mathura	BDP_Mthr_072	Raani Ghat	27°30'24.14"N	77°41'2.95"E	ghat
73	Mathura	Mathura	BDP_Mthr_073	Swami Ghat	27°30'23.02"N	77°41'3.92"E	ghat
75	Mathura	Mathura	BDP_Mthr_075	Sant Ghat	27°30'22.24"N	77°41'5.32"E	ghat
104	Mathura	Mathura	BDP_Mthr_104	Suraj Ghat	27°30'21.69"N	77°41'6.26"E	ghat
105	Mathura	Mathura	BDP_Mthr_105	Gudadiya Ghat	27°30'20.87"N	77°41'7.33"E	ghat
106	Mathura	Mathura	BDP_Mthr_106	Askunda Ghat	27°30'20.12"N	77°41'7.99"E	ghat
107	Mathura	Mathura	BDP_Mthr_107	Sakarkui Ghat	27°30'19.47"N	77°41'8.82"E	ghat
108	Mathura	Mathura	BDP_Mthr_108	Manikarnika Ghat	27°30'18.64"N	77°41'9.79"E	ghat
109	Mathura	Mathura	BDP_Mthr_109	Vishram Ghat	27°30'17.42"N	77°41'10.80"E	ghat
110	Mathura	Mathura	BDP_Mthr_110	Raja Ghat	27°30'15.29"N	77°41'13.28"E	ghat
111	Mathura	Mathura	BDP_Mthr_111	Shringar Ghat	27°30'14.29"N	77°41'14.25"E	ghat
112	Mathura	Mathura	BDP_Mthr_112	Prayag Ghat	27°30'13.72"N	77°41'14.67"E	ghat
113	Mathura	Mathura	BDP_Mthr_113	Bhola Ghat	27°30'12.89"N	77°41'15.53"E	ghat
114	Mathura	Mathura	BDP_Mthr_114	Shyam Ghat	27°30'12.25"N	77°41'16.20"E	ghat
115	Mathura	Mathura	BDP_Mthr_115	Gokaran Ghat	27°30'11.20"N	77°41'17.41"E	ghat
116	Mathura	Mathura	BDP_Mthr_116	Ram Ghat	27°30'10.31"N	77°41'18.51"E	ghat
117	Mathura	Mathura	BDP_Mthr_117	Dauji Ghat	27°30'9.96"N	77°41'19.04"E	ghat
118	Mathura	Mathura	BDP_Mthr_118	Kankhal Ghat	27°30'9.75"N	77°41'19.63"E	ghat
119	Mathura	Mathura	BDP_Mthr_119	Checha Ghat	27°30'8.97"N	77°41'20.58"E	ghat
120	Mathura	Mathura	BDP_Mthr_120	Dandi Ghat	27°30'8.52"N	77°41'21.20"E	ghat
121	Mathura	Mathura	BDP_Mthr_121	Shri Ballabh Ghat	27°30'8.05"N	77°41'21.83"E	ghat
122	Mathura	Mathura	BDP_Mthr_122	Bangali Ghat	27°30'7.14"N	77°41'22.99"E	ghat
20	Mahavan	Mahavan	BDP_Mvn_020	Brahmand Ghat	27°25'0.55"N	77°44'41.19"E	ghat
21	Mahavan	Mahavan	BDP_Mvn_021	Raman Reti	27°25'39.44"N	77°43'39.57"E	ghat
77	Govardhan	Govardhan	BDP_Gvdn_077	Manasi Ganga	27°29'53.08"N	77°27'50.37"E	ghat
78	Govardhan	Govardhan	BDP_Gvdn_077a	Purohit Ghat	27°29'50.60"N	77°27'55.34"E	ghat
79	Govardhan	Govardhan	BDP_Gvdn_077b	Gau Ghat	27°29'50.82"N	77°27'56.38"E	ghat
80	Govardhan	Govardhan	BDP_Gvdn_077c	Sajay vandan ghat	27°29'50.58"N	77°27'54.61"E	ghat
81	Govardhan	Govardhan	BDP_Gvdn_077d	Mansa Devi Ghat	27°29'51.11"N	77°27'53.17"E	ghat
82	Govardhan	Govardhan	BDP_Gvdn_077e	Chidiya Ghat	27°29'51.65"N	77°27'52.19"E	ghat
83	Govardhan	Govardhan	BDP_Gvdn_077f	Aarti Ghat	27°29'52.07"N	77°27'51.09"E	ghat

84	Govardhan	Govardhan	BDP_Gvdn_077g	Vaikunth Ghat	27°29'52.04"N	77°27'49.28"E	ghat
85	Govardhan	Govardhan	BDP_Gvdn_077h	Lal Bahadur Shastri Ghat	27°29'51.60"N	77°27'48.15"E	ghat
86	Govardhan	Govardhan	BDP_Gvdn_077i	Gangeshwar Ghat	27°29'51.24"N	77°27'46.85"E	ghat
87	Govardhan	Govardhan	BDP_Gvdn_077j	Mohan Ji Ghat	27°29'51.18"N	77°27'45.62"E	ghat
88	Govardhan	Govardhan	BDP_Gvdn_077k	Gau Ghat	27°29'51.30"N	77°27'44.34"E	ghat
89	Govardhan	Govardhan	BDP_Gvdn_077l	Jhar Phir Ghat	27°29'51.60"N	77°27'44.01"E	ghat
90	Govardhan	Govardhan	BDP_Gvdn_077m	Suraj Ghat	27°29'52.59"N	77°27'44.21"E	ghat
91	Govardhan	Govardhan	BDP_Gvdn_077n	Mahal Ghat	27°29'54.47"N	77°27'45.18"E	ghat
92	Govardhan	Govardhan	BDP_Gvdn_077o	Sai Gokul Ghat	27°29'56.43"N	77°27'45.60"E	ghat
93	Govardhan	Govardhan	BDP_Gvdn_077p	Bengali Ghat	27°29'57.21"N	77°27'47.11"E	ghat
94	Govardhan	Govardhan	BDP_Gvdn_077q	Sidh baba Ghat	27°29'55.90"N	77°27'47.47"E	ghat
95	Govardhan	Govardhan	BDP_Gvdn_077r	Chetanya prabhu Ghat	27°29'55.11"N	77°27'49.09"E	ghat
96	Govardhan	Govardhan	BDP_Gvdn_077s	Chakaleshwar Ghat	27°29'54.77"N	77°27'51.55"E	ghat
97	Govardhan	Govardhan	BDP_Gvdn_077t	Mapurn Ghat	27°29'55.06"N	77°27'52.05"E	ghat
98	Govardhan	Govardhan	BDP_Gvdn_077u	Manas Das Ghat	27°29'55.03"N	77°27'52.59"E	ghat
99	Govardhan	Govardhan	BDP_Gvdn_077v	Chhatri Ghat	27°29'54.86"N	77°27'54.22"E	ghat
100	Govardhan	Govardhan	BDP_Gvdn_077w	Giraj Ji Ghat	27°29'51.59"N	77°27'55.74"E	ghat

No.	Tehsil	city/ village	Listing no	Name of ste	Latitude	Longitude	Typology
2	Mahavan	Gokul	BDP_Gok_002	Gokul School	27°26'28.84"N	77°43'17.69"E	other
3	Mahavan	Gokul	BDP_Gok_003	Moti Wali Dharamshala	27°26'30.47"N	77°43'17.75"E	other
4	Mahavan	Gokul	BDP_Gok_004	Haveli	27°26'26.78"N	77°43'16.61"E	other
5	Mahavan	Gokul	BDP_Gok_005	Nand Dwar	27°26'26.68"N	77°43'15.54"E	other
6	Mahavan	Gokul	BDP_Gok_006	Shri Ratan Moti Sanskrit Mahavidhyalya	27°26'25.92"N	77°43'14.96"E	other
7	Mahavan	Gokul	BDP_Gok_007	Kanya Poorv Madhyamik Vidyalaya	27°26'25.67"N	77°43'15.47"E	other
8	Mahavan	Gokul	BDP_Gok_008	Gateway of Kaka Ji Ka Nohra	27°26'25.00"N	77°43'15.83"E	other
10	Mahavan	Gokul	BDP_Gok_010	Shri Ballabhdas Karsandas Natha Dharamshala	27°26'26.18"N	77°43'13.38"E	other
11	Mahavan	Gokul	BDP_Gok_011	Kuan Wali Haveli	27°26'27.68"N	77°43'12.03"E	other
12	Mahavan	Gokul	BDP_Gok_012	Haveli	27°26'25.43"N	77°43'15.14"E	other
13	Mahavan	Gokul	BDP_Gok_013	Shop House	27°26'24.74"N	77°43'14.01"E	other
15	Mahavan	Gokul	BDP_Gok_015	Makan	27°26'24.23"N	77°43'13.88"E	other
16	Mahavan	Gokul	BDP_Gok_016	Shop House	27°26'23.88"N	77°43'13.67"E	other
17	Mahavan	Gokul	BDP_Gok_017	Haveli	27°26'24.01"N	77°43'13.39"E	other
18	Mahavan	Gokul	BDP_Gok_018	Shop Godown	27°26'23.76"N	77°43'13.17"E	other
19	Mahavan	Gokul	BDP_Gok_019	Shop House	27°26'23.43"N	77°43'13.26"E	other
20	Mahavan	Gokul	BDP_Gok_020	Balram Rewati Bhawan	27°26'23.32"N	77°43'12.98"E	other
22	Mahavan	Gokul	BDP_Gok_022	Haveli	27°26'22.53"N	77°43'13.46"E	other
23	Mahavan	Gokul	BDP_Gok_023	Shop House	27°26'22.40"N	77°43'13.12"E	other
24	Mahavan	Gokul	BDP_Gok_024	Makan	27°26'22.15"N	77°43'13.05"E	other
25	Mahavan	Gokul	BDP_Gok_025	Acharya Ji Ki Haveli	27°26'22.71"N	77°43'12.28"E	other
26	Mahavan	Gokul	BDP_Gok_026	Laxmi Niwas	27°26'22.22"N	77°43'12.19"E	other
27	Mahavan	Gokul	BDP_Gok_027	Raas Chohatra	27°26'21.20"N	77°43'11.83"E	other
30	Mahavan	Gokul	BDP_Gok_030	Baraiya Bhawan-Dharamshala	27°26'20.41"N	77°43'13.56"E	other
31	Mahavan	Gokul	BDP_Gok_031	Haveli	27°26'20.95"N	77°43'13.28"E	other
32	Mahavan	Gokul	BDP_Gok_032	Krishna Dwar	27°26'20.36"N	77°43'12.80"E	other
34	Mahavan	Gokul	BDP_Gok_034	Hathras Wali Dharamshala	27°26'19.86"N	77°43'14.47"E	other
35	Mahavan	Gokul	BDP_Gok_035	Narsingh Bhawan	27°26'19.14"N	77°43'14.65"E	other
36	Mahavan	Gokul	BDP_Gok_036	Navijan Dharamshala	27°26'18.59"N	77°43'14.60"E	other
37	Mahavan	Gokul	BDP_Gok_037	Nand Chowk	27°26'20.52"N	77°43'13.03"E	other
38	Mahavan	Gokul	BDP_Gok_038	Shri Govardhan Nath Ji Ka Mandir	27°26'18.83"N	77°43'11.91"E	other
39	Mahavan	Gokul	BDP_Gok_039	Chandrma Dwar or Baldev Dwar	27°26'18.89"N	77°43'9.98"E	other
41	Mahavan	Gokul	BDP_Gok_041	Haveli	27°26'18.67"N	77°43'10.40"E	other
43	Mahavan	Gokul	BDP_Gok_043	Baikunth Dwar	27°26'17.44"N	77°43'7.87"E	other
45	Mahavan	Gokul	BDP_Gok_045	Post Office	27°26'18.01"N	77°43'7.42"E	other
47	Mahavan	Gokul	BDP_Gok_047	Haveli	27°26'14.46"N	77°43'6.58"E	other
48	Mahavan	Gokul	BDP_Gok_048	Haveli	27°26'12.99"N	77°43'4.96"E	other

49	Mahavan	Gokul	BDP_Gok_049	Baans Darwaza	27°26'11.40"N	77°43'6.71"E	other
50	Mahavan	Gokul	BDP_Gok_050	Gaushala	27°26'11.21"N	77°43'7.52"E	other
55	Mahavan	Gokul	BDP_Gok_055	Srimad Vallabh Gaushala	27°27'6.29"N	77°43'49.46"E	other
56	Mahavan	Gokul	BDP_Gok_056	Kamal Kund Bagichi	27°26'28.96"N	77°43'32.93"E	other
60	Mahavan	Gokul	BDP_Gok_060	Mor Wali Haveli	27°26'23.43"N	77°43'7.63"E	other
69	Mahavan	Gokul	BDP_Gok_069	Raman Niwas	27°26'14.88"N	77°43'4.08"E	other
71	Mahavan	Gokul	BDP_Gok_071	Ramleela Ground	27°26'15.90"N	77°43'33.30"E	other
1	Govardhan	Dautana	BDP_Dtna_001	Unkown Tomb	27°45'21.44"N	77°28'44.15"E	other
2	Govardhan	Dautana	BDP_Dtna_002	Mazar	27°45'19.25"N	77°28'39.98"E	other
3	Govardhan	Dautana	BDP_Dtna_003	Unknown Structure	27°45'18.70"N	77°28'36.63"E	other
4	Govardhan	Dautana	BDP_Dtna_004	Ruined Structure	27°45'17.21"N	77°28'36.73"E	other
6	Govardhan	Dautana	BDP_Dtna_006	Badd Wali Masjid	27°45'28.70"N	77°28'29.45"E	other
7	Govardhan	Dautana	BDP_Dtna_007	Idgah	27°45'30.82"N	77°28'24.95"E	other
8	Govardhan	Dautana	BDP_Dtna_008	Ruined Structure	27°45'33.45"N	77°28'10.85"E	other
9	Govardhan	Dautana	BDP_Dtna_009	Haveli	27°45'28.25"N	77°28'42.71"E	other
1	Govardhan	Adeeng	BDP_Adng_001	Adeeng Fort	27°29'6.94"N	77°31'39.12"E	other
2	Govardhan	Adeeng	BDP_Adng_002	Police Station	27°29'3.50"N	77°31'35.27"E	other
1	Chhata	Nandgaon	BDP_Ndgn_001	Rangili Chowk	27°42'39.39"N	77°23'18.29"E	other
2	Chhata	Nandgaon	BDP_Ndgn_002	Government Seed House	27°42'39.53"N	77°23'17.59"E	other
3	Chhata	Nandgaon	BDP_Ndgn_003	Seth Ramlal Sant Lal Saraf Dharamshala	27°42'39.05"N	77°23'17.25"E	other
4	Chhata	Nandgaon	BDP_Ndgn_004	Bantabaari ki Kunj	27°42'33.15"N	77°23'14.50"E	other
5	Chhata	Nandgaon	BDP_Ndgn_005	Dharamshala	27°42'32.34"N	77°23'13.91"E	other
6	Chhata	Nandgaon	BDP_Ndgn_006	Old Well	27°42'26.64"N	77°23'13.46"E	other
7	Chhata	Nandgaon	BDP_Ndgn_007	Bhure Ka Chowk	27°42'31.68"N	77°23'5.12"E	other
8	Chhata	Nandgaon	BDP_Ndgn_008	Math Bilo	27°42'31.97"N	77°23'3.93"E	other
9	Chhata	Nandgaon	BDP_Ndgn_009	Hathras wali Dharamshala	27°42'32.20"N	77°23'6.01"E	other
10	Chhata	Nandgaon	BDP_Ndgn_010	Jaipur wali Dharamshala	27°42'34.89"N	77°23'4.62"E	other
11	Chhata	Nandgaon	BDP_Ndgn_011	Makhdum wali Chaupal	27°42'35.99"N	77°23'5.76"E	other
12	Chhata	Nandgaon	BDP_Ndgn_012	Dohri Haveli	27°42'37.04"N	77°23'6.48"E	other
14	Chhata	Nandgaon	BDP_Ndgn_014	Bal Kishan Haveli	27°42'38.71"N	77°23'6.17"E	other
15	Chhata	Nandgaon	BDP_Ndgn_015	Dau Ji Chaupal	27°42'40.75"N	77°23'3.75"E	other
16	Chhata	Nandgaon	BDP_Ndgn_016	Singha Pandit Haveli	27°42'42.03"N	77°23'2.88"E	other

18	Chhata	Nandgaon	BDP_Ndgn_018	Samaliya Bal Krishna Haveli	27°42'42.85"N	77°23'5.20"E	other
20	Chhata	Nandgaon	BDP_Ndgn_020	Kalu Seth Haveli	27°42'40.52"N	77°23'10.49"E	other
21	Chhata	Nandgaon	BDP_Ndgn_021	Haveli	27°42'40.51"N	77°23'9.20"E	other
22	Chhata	Nandgaon	BDP_Ndgn_022	Shop	27°42'40.85"N	77°23'9.17"E	other
24	Chhata	Nandgaon	BDP_Ndgn_024	Madan Mohan Lal Ji Haveli	27°42'42.54"N	77°23'6.56"E	other
25	Chhata	Nandgaon	BDP_Ndgn_025	Haveli	27°42'41.91"N	77°23'9.53"E	other
26	Chhata	Nandgaon	BDP_Ndgn_026	Rupa Gaudiya Math	27°42'45.59"N	77°23'11.82"E	other
27	Chhata	Nandgaon	BDP_Ndgn_027	Mor Kuti	27°42'37.63"N	77°22'53.13"E	other
34	Chhata	Nandgaon	BDP_Ndgn_034	Old Well	27°42'53.47"N	77°23'21.76"E	other
37	Chhata	Nandgaon	BDP_Ndgn_037	Nand Baba Ki Baghichi	27°43'4.79"N	77°23'50.72"E	other
44	Chhata	Nandgaon	BDP_Ndgn_044	Lalita Kunj	27°42'29.70"N	77°23'26.30"E	other
47	Chhata	Nandgaon	BDP_Ndgn_047	Hao Bilao	27°42'17.85"N	77°23'2.17"E	other
59	Chhata	Nandgaon	BDP_Ndgn_059	Khaira Lake	27°41'44.63"N	77°26'6.59"E	other
60	Chhata	Nandgaon	BDP_Ndgn_060	Kokila Van Lake	27°44'56.37"N	77°23'27.93"E	other
1	Govardhan	Sonkh	BDP_Snkh_001	Ancient Mound of Sonkh	27°23'47.10"N	77°29'50.95"E	other
3	Govardhan	Sonkh	BDP_Snkh_003	Forest Officer Residence	27°24'16.25"N	77°31'25.50"E	other
1	Mant	Mant	BDP_Mant_001	Ancient site containing Fragments of Images	27°37'47.83"N	77°43'25.73"E	other
1	Govardhan	Govardhan	BDP_Gvdn_001	Chhatri	27°30'1.93"N	77°27'49.99"E	other
5	Govardhan	Govardhan	BDP_Gvdn_005	Chhatri	27°29'58.11"N	77°27'51.55"E	other
6	Govardhan	Govardhan	BDP_Gvdn_006	Chhatri	27°29'57.73"N	77°27'52.15"E	other
7	Govardhan	Govardhan	BDP_Gvdn_007	Lal Pathar	27°29'58.50"N	77°27'50.43"E	other
8	Govardhan	Govardhan	BDP_Gvdn_008	Gateway to Chakleshwar Mahadev	27°29'56.96"N	77°27'51.27"E	other
10	Govardhan	Govardhan	BDP_Gvdn_010	Chhatri	27°29'55.24"N	77°27'48.67"E	other
11	Govardhan	Govardhan	BDP_Gvdn_011	Kunj	27°29'56.92"N	77°27'47.53"E	other
12	Govardhan	Govardhan	BDP_Gvdn_012	Chhatri	27°29'55.73"N	77°27'51.85"E	other
13	Govardhan	Govardhan	BDP_Gvdn_013	Haveli	27°29'55.25"N	77°27'52.74"E	other
14	Govardhan	Govardhan	BDP_Gvdn_014	Chhatri	27°29'55.32"N	77°27'54.35"E	other
16	Govardhan	Govardhan	BDP_Gvdn_016	Chhatri Bharatpur Maharaj-1	27°29'56.04"N	77°27'57.47"E	other
17	Govardhan	Govardhan	BDP_Gvdn_017	Chhatri Bharatpur Maharaj-2	27°29'58.44"N	77°27'56.83"E	other

18	Govardhan	Govardhan	BDP_Gvdn_018	Unknown Twin Chattri-1	27°29'59.21"N	77°28'1.06"E	other
19	Govardhan	Govardhan	BDP_Gvdn_019	Unknown Twin Chattri-2	27°29'59.48"N	77°28'1.30"E	other
21	Govardhan	Govardhan	BDP_Gvdn_021	Chhatri Sheela Ganga	27°30'9.40"N	77°27'54.01"E	other
23	Govardhan	Govardhan	BDP_Gvdn_023	Chhatri	27°30'14.66"N	77°28'5.18"E	other
24	Govardhan	Govardhan	BDP_Gvdn_024	Chhatri	27°30'16.52"N	77°28'6.87"E	other
27	Govardhan	Govardhan	BDP_Gvdn_027	Mansi Ganga Shiksha Peeth Kanya Vidhyalya	27°29'53.35"N	77°27'56.76"E	other
28	Govardhan	Govardhan	BDP_Gvdn_028	Ghudsaal	27°29'53.28"N	77°27'58.23"E	other
29	Govardhan	Govardhan	BDP_Gvdn_029	Dilliwali Kunj	27°29'52.28"N	77°27'57.93"E	other
30	Govardhan	Govardhan	BDP_Gvdn_030	Khas Mahal	27°29'52.30"N	77°27'56.54"E	other
32	Govardhan	Govardhan	BDP_Gvdn_032	Gau Ghat Bridge	27°29'50.85"N	77°27'55.96"E	other
33	Govardhan	Govardhan	BDP_Gvdn_033	Shri Madhav Sanskrit Maha-Vidhyalya	27°29'49.95"N	77°27'57.64"E	other
34	Govardhan	Govardhan	BDP_Gvdn_034	Hodal Niwas	27°29'49.92"N	77°27'54.91"E	other
35	Govardhan	Govardhan	BDP_Gvdn_035	Makan	27°29'50.09"N	77°27'54.71"E	other
36	Govardhan	Govardhan	BDP_Gvdn_036	Makan	27°29'49.66"N	77°27'55.14"E	other
38	Govardhan	Govardhan	BDP_Gvdn_038	Anand Bhawan Pustakalaya	27°29'49.23"N	77°27'53.39"E	other
39	Govardhan	Govardhan	BDP_Gvdn_039	Harideva Temple Gateway	27°29'48.73"N	77°27'53.03"E	other
41	Govardhan	Govardhan	BDP_Gvdn_041	Harideva Temple Chowk	27°29'48.58"N	77°27'52.57"E	other
42	Govardhan	Govardhan	BDP_Gvdn_042	Haveli	27°29'47.99"N	77°27'51.97"E	other
45	Govardhan	Govardhan	BDP_Gvdn_045	Dharamshala and Chattris	27°29'51.26"N	77°27'51.68"E	other
46	Govardhan	Govardhan	BDP_Gvdn_046	Bakalat Bhawan	27°29'51.43"N	77°27'51.13"E	other
47	Govardhan	Govardhan	BDP_Gvdn_047	Prahlad Bhawan	27°29'51.79"N	77°27'50.37"E	other
48	Govardhan	Govardhan	BDP_Gvdn_048	Chhatri	27°29'50.98"N	77°27'47.48"E	other
50	Govardhan	Govardhan	BDP_Gvdn_050	Hansiya Rani Mahal (Ruins)	27°29'46.82"N	77°27'49.41"E	other
51	Govardhan	Govardhan	BDP_Gvdn_051	Well and Chowk	27°29'47.03"N	77°27'45.27"E	other
52	Govardhan	Govardhan	BDP_Gvdn_052	Aqueducts	27°29'46.41"N	77°27'45.54"E	other
53	Govardhan	Govardhan	BDP_Gvdn_053	Hari Babu Sarvdayi Ki Haveli	27°29'47.48"N	77°27'46.24"E	other
54	Govardhan	Govardhan	BDP_Gvdn_054	Harish Chandra Ji Ka Bada	27°29'48.99"N	77°27'44.83"E	other
55	Govardhan	Govardhan	BDP_Gvdn_055	Tripoliya Gateway	27°29'50.63"N	77°27'43.95"E	other
56	Govardhan	Govardhan	BDP_Gvdn_056	Haveli	27°29'50.49"N	77°27'44.98"E	other
57	Govardhan	Govardhan	BDP_Gvdn_057	Chhatri	27°29'51.33"N	77°27'44.76"E	other

58	Govardhan	Govardhan	BDP_Gvdn_058	Bahadur Singh Ki Kunj	27°29'50.66"N	77°27'42.96"E	other
59	Govardhan	Govardhan	BDP_Gvdn_059	Mandi Darwaza	27°29'51.42"N	77°27'42.17"E	other
61	Govardhan	Govardhan	BDP_Gvdn_061	Kunj	27°29'51.17"N	77°27'41.44"E	other
62	Govardhan	Govardhan	BDP_Gvdn_062	Lala Ji Shop	27°29'51.91"N	77°27'40.48"E	other
64	Govardhan	Govardhan	BDP_Gvdn_064	Shop House	27°29'53.67"N	77°27'41.43"E	other
66	Govardhan	Govardhan	BDP_Gvdn_066	Badan Singh Mahal Gateway	27°29'55.35"N	77°27'42.88"E	other
67	Govardhan	Govardhan	BDP_Gvdn_067	Badan Singh Mahal	27°29'55.13"N	77°27'44.18"E	other
68	Govardhan	Govardhan	BDP_Gvdn_068	Badan Singh Mahal-Bagichi	27°29'54.99"N	77°27'45.01"E	other
70	Govardhan	Govardhan	BDP_Gvdn_070	Kunj	27°29'56.39"N	77°27'42.10"E	other
71	Govardhan	Govardhan	BDP_Gvdn_071	Chhatri	27°29'57.21"N	77°27'43.12"E	other
72	Govardhan	Govardhan	BDP_Gvdn_072	Kund	27°29'57.88"N	77°27'44.36"E	other
74	Govardhan	Govardhan	BDP_Gvdn_074	Panchpujari Ki Chhatri	27°30'0.20"N	77°27'39.54"E	other
75	Govardhan	Govardhan	BDP_Gvdn_075	Bagichi	27°30'1.03"N	77°27'39.70"E	other
76	Govardhan	Govardhan	BDP_Gvdn_076	Baradari	27°30'4.19"N	77°27'41.14"E	other
101	Govardhan	Govardhan	BDP_Gvdn_078	Ganjan Ashram	27°29'46.68"N	77°27'55.49"E	other
102	Govardhan	Govardhan	BDP_Gvdn_079	Ginni Sadan	27°29'46.32"N	77°27'55.79"E	other
103	Govardhan	Govardhan	BDP_Gvdn_080	Haveli	27°29'46.07"N	77°27'55.29"E	other
105	Govardhan	Govardhan	BDP_Gvdn_082	Nandram Narayan Das Gwalior Haveli	27°29'44.94"N	77°27'56.08"E	other
106	Govardhan	Govardhan	BDP_Gvdn_083	Giriraj Ashram	27°29'41.62"N	77°27'55.97"E	other
107	Govardhan	Govardhan	BDP_Gvdn_084	Kishor Orphan House	27°29'40.72"N	77°27'50.97"E	other
109	Govardhan	Govardhan	BDP_Gvdn_086	Chhatri	27°29'41.44"N	77°27'49.00"E	other
110	Govardhan	Govardhan	BDP_Gvdn_087	Chhatri	27°29'42.06"N	77°27'48.09"E	other
113	Govardhan	Govardhan	BDP_Gvdn_090	Ruggimal Dharamshala	27°29'43.23"N	77°27'40.24"E	other
114	Govardhan	Govardhan	BDP_Gvdn_091	Kunj	27°29'44.33"N	77°27'39.32"E	other
115	Govardhan	Govardhan	BDP_Gvdn_092	Thakur Ji Ki Haveli	27°29'45.96"N	77°27'41.90"E	other
117	Govardhan	Govardhan	BDP_Gvdn_094	Thakuran Ki Badi Haveli-Gateway	27°29'40.05"N	77°27'36.48"E	other
118	Govardhan	Govardhan	BDP_Gvdn_095	Dampier Hospital	27°29'44.21"N	77°27'26.75"E	other
121	Govardhan	Govardhan	BDP_Gvdn_098	Srinath Ji Prakat Sthali	27°28'17.96"N	77°26'33.05"E	other
135	Govardhan	Govardhan	BDP_Gvdn_112	Moti Mahal	27°28'27.49"N	77°26'29.61"E	other
137	Govardhan	Govardhan	BDP_Gvdn_114	Darwaza	27°28'27.04"N	77°26'35.84"E	other
138	Govardhan	Govardhan	BDP_Gvdn_115	Shri Gokulnathji Ji Ki Baithak	27°28'27.83"N	77°26'35.93"E	other

139	Govardhan	Govardhan	BDP_Gvdn_116	Shri Giriraj ji dandavt Shila	27°28'26.80"N	77°26'36.02"E	other
147	Govardhan	Govardhan	BDP_Gvdn_122c	Kusum Van	27°30'43.86"N	77°28'39.41"E	other
150	Govardhan	Govardhan	BDP_Gvdn_124	Chhatri	27°30'52.69"N	77°28'37.85"E	other
161	Govardhan	Govardhan	BDP_Gvdn_135	Haveli	27°31'33.74"N	77°29'32.52"E	other
168	Govardhan	Govardhan	BDP_Gvdn_142	Jal Mahal	27°28'39.63"N	77°28'10.50"E	other
169	Govardhan	Govardhan	BDP_Gvdn_143	Mahakavi Surdas Vidyalaya	27°28'38.94"N	77°28'7.66"E	other
170	Govardhan	Govardhan	BDP_Gvdn_144	Haveli	27°28'38.19"N	77°28'9.22"E	other
173	Govardhan	Govardhan	BDP_Gvdn_145c	Baoli	27°28'37.45"N	77°28'6.96"E	other
174	Govardhan	Govardhan	BDP_Gvdn_145d	Vallabhanikunj	27°28'36.85"N	77°28'6.99"E	other
175	Govardhan	Govardhan	BDP_Gvdn_145e	Haveli	27°28'36.34"N	77°28'8.16"E	other
180	Govardhan	Govardhan	BDP_Gvdn_150	Kheer Sagar	27°26'52.12"N	77°28'11.71"E	other
1	Mahavan	Baldeo	BDP_Bdo_001	Poos Mela Ground	27°24'30.40"N	77°49'31.42"E	other
2	Mahavan	Baldeo	BDP_Bdo_002	Reda Taal	27°24'35.05"N	77°49'28.55"E	other
3	Mahavan	Baldeo	BDP_Bdo_003	Police Station	27°24'31.10"N	77°49'23.33"E	other
4	Mahavan	Baldeo	BDP_Bdo_004	Jagannath Baba ki chhatri-Complex	27°24'29.27"N	77°49'23.79"E	other
6	Mahavan	Baldeo	BDP_Bdo_006	Bagichi Wali Chhatri	27°24'32.45"N	77°49'22.81"E	other
10	Mahavan	Baldeo	BDP_Bdo_010	Sabzi Mandi	27°24'29.03"N	77°49'19.95"E	other
11	Mahavan	Baldeo	BDP_Bdo_011	Nadiya Gateway	27°24'28.99"N	77°49'20.53"E	other
12	Mahavan	Baldeo	BDP_Bdo_012	Narsingha Gateway	27°24'29.27"N	77°49'20.57"E	other
13	Mahavan	Baldeo	BDP_Bdo_013	Haldar Vidyapeeth	27°24'31.31"N	77°49'19.21"E	other
14	Mahavan	Baldeo	BDP_Bdo_014	Old Well	27°24'28.69"N	77°49'18.16"E	other
17	Mahavan	Baldeo	BDP_Bdo_017	Dharamshala	27°24'30.19"N	77°49'14.85"E	other
20	Mahavan	Baldeo	BDP_Bdo_020	Badri Bhawan	27°24'32.77"N	77°49'14.69"E	other
21	Mahavan	Baldeo	BDP_Bdo_021	Modi Book Shop	27°24'31.96"N	77°49'18.95"E	other
22	Mahavan	Baldeo	BDP_Bdo_022	Hathras Wali Dharamshala	27°24'32.67"N	77°49'18.57"E	other
23	Mahavan	Baldeo	BDP_Bdo_023	Purohit House-Pandit Bankelal Bariwale	27°24'33.20"N	77°49'18.45"E	other
25	Mahavan	Baldeo	BDP_Bdo_025	Sri Balbhadra Gaushala	27°24'34.86"N	77°49'16.85"E	other
27	Mahavan	Baldeo	BDP_Bdo_027	Old Well	27°24'27.64"N	77°49'15.65"E	other
28	Mahavan	Baldeo	BDP_Bdo_028	Baithaka	27°24'27.92"N	77°49'15.73"E	other
31	Mahavan	Baldeo	BDP_Bdo_031	Old Post Office	27°24'22.74"N	77°49'15.46"E	other
32	Mahavan	Baldeo	BDP_Bdo_032	Shankarlal Mishra Haveli	27°24'21.87"N	77°49'17.38"E	other
33	Mahavan	Baldeo	BDP_Bdo_033	Shyamsunder Haveli	27°24'21.77"N	77°49'20.38"E	other
34	Mahavan	Baldeo	BDP_Bdo_034	Haveli	27°24'22.29"N	77°49'20.71"E	other
35	Mahavan	Baldeo	BDP_Bdo_035	Darkhasi Haveli	27°24'20.61"N	77°49'21.80"E	other
36	Mahavan	Baldeo	BDP_Bdo_036	Nagu Well and Chowk	27°24'23.91"N	77°49'21.45"E	other

37	Mahavan	Baldeo	BDP_Bdo_037	Datia Wali Haveli	27°24'25.31"N	77°49'21.70"E	other
38	Mahavan	Baldeo	BDP_Bdo_038	Old Post Office-2	27°24'25.79"N	77°49'21.90"E	other
39	Mahavan	Baldeo	BDP_Bdo_039	Fatehgunj Haveli	27°24'22.78"N	77°49'24.86"E	other
40	Mahavan	Baldeo	BDP_Bdo_040	Holika Chowk Wali Haveli	27°24'20.44"N	77°49'28.68"E	other
41	Mahavan	Baldeo	BDP_Bdo_041	Holika Chowk	27°24'19.52"N	77°49'28.20"E	other
42	Mahavan	Baldeo	BDP_Bdo_042	Dilli Wali Dharamshala	27°24'24.81"N	77°49'32.57"E	other
43	Mahavan	Baldeo	BDP_Bdo_043	Old Hospital	27°24'39.63"N	77°49'14.22"E	other
44	Mahavan	Baldeo	BDP_Bdo_044	Purohit House	27°24'41.83"N	77°49'10.12"E	other
45	Mahavan	Baldeo	BDP_Bdo_045	Old Well	27°24'42.55"N	77°49'9.41"E	other
46	Mahavan	Baldeo	BDP_Bdo_046	Kedarnath Brajwasi Dharamshala	27°24'46.23"N	77°49'9.13"E	other
47	Mahavan	Baldeo	BDP_Bdo_047	Bagichi Wali Dharamshala	27°24'57.06"N	77°49'0.04"E	other
48	Mahavan	Baldeo	BDP_Bdo_048	Shiv Mandir Wala Kuan	27°24'58.68"N	77°48'59.45"E	other
2	Mahavan	Mahavan	BDP_Mvn_002	Sir Dible Gateway	27°25'44.82"N	77°44'24.41"E	other
3	Mahavan	Mahavan	BDP_Mvn_003	Nand Qila-Old Fort (Mound)	27°25'43.01"N	77°44'21.74"E	other
6	Mahavan	Mahavan	BDP_Mvn_006	Teli Ki Masjid	27°25'45.87"N	77°44'21.58"E	other
8	Mahavan	Mahavan	BDP_Mvn_008	Shri Kashird Harinaamdas Inter College	27°25'42.90"N	77°44'20.10"E	other
9	Mahavan	Mahavan	BDP_Mvn_009	Chaudhary Ji Ki Haveli	27°25'52.60"N	77°44'26.40"E	other
10	Mahavan	Mahavan	BDP_Mvn_010	Imambara	27°25'49.49"N	77°44'33.07"E	other
11	Mahavan	Mahavan	BDP_Mvn_011	Banne Mia Ki Haveli	27°25'51.58"N	77°44'35.54"E	other
12	Mahavan	Mahavan	BDP_Mvn_012	Purani Tehsil Kothi	27°25'51.91"N	77°44'36.90"E	other
13	Mahavan	Mahavan	BDP_Mvn_013	Jumma Masjid	27°25'53.83"N	77°44'42.05"E	other
14	Mahavan	Mahavan	BDP_Mvn_014	Haveli	27°25'52.83"N	77°44'43.43"E	other
15	Mahavan	Mahavan	BDP_Mvn_015	Old Jail	27°26'2.02"N	77°44'32.01"E	other
16	Mahavan	Mahavan	BDP_Mvn_016	Old Dispensary	27°26'4.99"N	77°44'30.93"E	other
17	Mahavan	Mahavan	BDP_Mvn_017	Old Court	27°26'4.82"N	77°44'35.45"E	other
18	Mahavan	Mahavan	BDP_Mvn_018	Old Post Office	27°26'2.73"N	77°44'34.76"E	other
19	Mahavan	Mahavan	BDP_Mvn_019	Bagichi and Sanskrit Vidhyalya	27°25'0.73"N	77°44'43.97"E	other
22	Mahavan	Mahavan	BDP_Mvn_022	Unknown Mound	27°25'49.00"N	77°43'39.93"E	other
23	Mahavan	Mahavan	BDP_Mvn_023	Bagichi and Pavilion	27°25'48.59"N	77°43'35.07"E	other
25	Mahavan	Mahavan	BDP_Mvn_025	Taaj Bibi Ka Makbara	27°25'49.01"N	77°43'30.16"E	other
26	Mahavan	Mahavan	BDP_Mvn_026	Ras Khan Samadhi	27°25'44.09"N	77°43'25.00"E	other
27	Mahavan	Mahavan	BDP_Mvn_027	Unknown Grave	27°25'44.39"N	77°43'23.55"E	other
2	Chhata	Chhata	BDP_Chta_002	Shiv Temple	27°43'25.81"N	77°30'18.66"E	other
3	Chhata	Chhata	BDP_Chta_003	Tehsil wali Masjid	27°43'24.90"N	77°30'19.69"E	other
4	Chhata	Chhata	BDP_Chta_004	Masjid wala Kuan	27°43'25.00"N	77°30'20.20"E	other
5	Chhata	Chhata	BDP_Chta_005	Old Tehsil	27°43'24.61"N	77°30'21.38"E	other
6	Chhata	Chhata	BDP_Chta_006	Old Post Office	27°43'23.32"N	77°30'20.48"E	other

7	Chhata	Chhata	BDP_Chta_007	Old Jail	27°43'22.47"N	77°30'21.39"E	other
8	Chhata	Chhata	BDP_Chta_008	Jeewan Bhawan	27°43'21.41"N	77°30'25.90"E	other
9	Chhata	Chhata	BDP_Chta_009	Makhan Ganj	27°43'19.04"N	77°30'26.01"E	other
10	Chhata	Chhata	BDP_Chta_010	Birbal Bhawan	27°43'17.05"N	77°30'29.09"E	other
11	Chhata	Chhata	BDP_Chta_011	Gadar Bohre Ki Haveli	27°43'22.11"N	77°30'32.48"E	other
12	Chhata	Chhata	BDP_Chta_012	Old Well	27°43'25.36"N	77°30'27.66"E	other
13	Chhata	Chhata	BDP_Chta_013	Haveli	27°43'25.97"N	77°30'28.17"E	other
14	Chhata	Chhata	BDP_Chta_014	Kanna Wala Chowk	27°43'28.09"N	77°30'31.75"E	other
15	Chhata	Chhata	BDP_Chta_015	Karan Singh Haveli	27°43'28.52"N	77°30'29.95"E	other
16	Chhata	Chhata	BDP_Chta_016	Haveli	27°43'30.48"N	77°30'21.88"E	other
17	Chhata	Chhata	BDP_Chta_017	Ram Chandra Bohre ki Haveli	27°43'31.19"N	77°30'32.75"E	other
18	Chhata	Chhata	BDP_Chta_018	Chaupal	27°43'31.64"N	77°30'32.13"E	other
19	Chhata	Chhata	BDP_Chta_019	Sri Radha Lal Bhawan	27°43'31.83"N	77°30'33.40"E	other
1	Mathura	Mathura	BDP_Mthr_001	kota excavation site	27°32'35.41"N	77°38'31.49"E	other
2	Mathura	Mathura	BDP_Mthr_002	Babur ki Baoli	27°32'28.99"N	77°38'50.49"E	other
3	Mathura	Mathura	BDP_Mthr_003	Azamabad Serai	27°31'19.47"N	77°39'35.12"E	other
4	Mathura	Mathura	BDP_Mthr_004	Azamabad Sarai Masjid	27°31'20.80"N	77°39'34.95"E	other
5	Mathura	Mathura	BDP_Mthr_005	Jain Mandir Bagheechi	27°30'17.80"N	77°39'20.18"E	other
7	Mathura	Mathura	BDP_Mthr_007	Gurunanak Baghichi Gurudwara	27°30'46.50"N	77°40'19.43"E	other
8	Mathura	Mathura	BDP_Mthr_008	Patang Wali Baghichi	27°30'44.65"N	77°40'24.27"E	other
9	Mathura	Mathura	BDP_Mthr_009	Christ Church	27°29'1.93"N	77°41'45.81"E	other
10	Mathura	Mathura	BDP_Mthr_010	Sacred Heart Catholic Church	27°29'3.56"N	77°41'40.28"E	other
11	Mathura	Mathura	BDP_Mthr_011	jain musseum	27°28'20.13"N	77°41'39.44"E	other
12	Mathura	Mathura	BDP_Mthr_012	Central Methodist	27°29'37.66"N	77°41'26.29"E	other
15	Mathura	Mathura	BDP_Mthr_015	Jatra Memorial Hospital	27°29'45.47"N	77°41'2.35"E	other
16	Mathura	Mathura	BDP_Mthr_016	Old Post Office	27°29'47.80"N	77°41'3.80"E	other
17	Mathura	Mathura	BDP_Mthr_017	Gurudwara Shri Guru Teg Bahadur Sahib	27°29'49.02"N	77°41'5.81"E	other
18	Mathura	Mathura	BDP_Mthr_018	Naag Tila	27°29'57.65"N	77°41'27.82"E	other
20	Mathura	Mathura	BDP_Mthr_020	Shiv taal	27°29'41.05"N	77°40'29.91"E	other
21	Mathura	Mathura	BDP_Mthr_021	Kankali Tila	27°29'45.54"N	77°40'12.44"E	other
27	Mathura	Mathura	BDP_Mthr_027	Sayyed Baba Kabiruddin Dargah	27°29'55.60"N	77°40'8.31"E	other
30	Mathura	Mathura	BDP_Mthr_030	Meena Masjid	27°30'15.00"N	77°40'15.32"E	other

31	Mathura	Mathura	BDP_Mthr_031	Janam Bhoomi Railway Station	27°30'12.78"N	77°40'16.46"E	other
32	Mathura	Mathura	BDP_Mthr_032	Shahi Masjid	27°30'19.72"N	77°40'11.09"E	other
33	Mathura	Mathura	BDP_Mthr_033	Potra Kund Baoli	27°30'17.10"N	77°39'58.53"E	other
35	Mathura	Mathura	BDP_Mthr_035	Karachi Wali Haveli	27°30'22.77"N	77°40'37.46"E	other
36	Mathura	Mathura	BDP_Mthr_036	Katra Ghee	27°30'20.46"N	77°40'41.17"E	other
37	Mathura	Mathura	BDP_Mthr_037	Shri Ganga Dharamshala	27°30'22.21"N	77°40'43.59"E	other
40	Mathura	Mathura	BDP_Mthr_040	Jama Masjid	27°30'22.76"N	77°40'47.42"E	other
43	Mathura	Mathura	BDP_Mthr_043	Gandhi Park	27°30'23.51"N	77°40'52.64"E	other
44	Mathura	Mathura	BDP_Mthr_044	Noorani Masjid	27°30'22.07"N	77°40'52.73"E	other
48	Mathura	Mathura	BDP_Mthr_048	Kishori Raman Gunj	27°30'18.31"N	77°40'47.89"E	other
49	Mathura	Mathura	BDP_Mthr_049	Jawahar Primary Model School	27°30'17.00"N	77°40'46.73"E	other
50	Mathura	Mathura	BDP_Mthr_050	Kishori Raman Balika and Shilp Vidhyalya	27°30'15.85"N	77°40'46.65"E	other
51	Mathura	Mathura	BDP_Mthr_051	Kala Mahal	27°30'16.41"N	77°40'45.43"E	other
53	Mathura	Mathura	BDP_Mthr_053	Keshav Kunj	27°30'13.20"N	77°40'47.69"E	other
54a	Mathura	Mathura	BDP_Mthr_054a	Collector Gunj	27°30'2.95"N	77°40'48.56"E	other
54b	Mathura	Mathura	BDP_Mthr_054b	collector Gunj market	27°30'4.02"N	77°40'49.85"E	other
55	Mathura	Mathura	BDP_Mthr_055	Champa Agrawal High School	27°30'0.63"N	77°40'48.18"E	other
56	Mathura	Mathura	BDP_Mthr_056	Abul Nabi Tomb	27°30'50.17"N	77°40'31.72"E	other
58	Mathura	Mathura	BDP_Mthr_058	Ambarish Tila	27°30'43.44"N	77°40'34.78"E	other
59a	Mathura	Mathura	BDP_Mthr_059a	Bati Wali Kunj	27°30'35.62"N	77°40'41.83"E	other
59b	Mathura	Mathura	BDP_Mthr_059b	Police Station	27°30'36.13"N	77°40'42.30"E	other
60	Mathura	Mathura	BDP_Mthr_060	Jawahar Kunj	27°30'31.86"N	77°40'45.26"E	other
61	Mathura	Mathura	BDP_Mthr_061	Residential	27°30'31.60"N	77°40'44.09"E	other
62	Mathura	Mathura	BDP_Mthr_062	Haveli 2	27°30'30.81"N	77°40'43.84"E	other
63	Mathura	Mathura	BDP_Mthr_063	Hansa Rani Ghat	27°30'42.32"N	77°41'4.12"E	other
67	Mathura	Mathura	BDP_Mthr_067	Kans Qila	27°30'28.41"N	77°40'56.56"E	other
68	Mathura	Mathura	BDP_Mthr_068	Shri Gopal Primary School	27°30'27.12"N	77°40'58.54"E	other
69	Mathura	Mathura	BDP_Mthr_069	Daula Maula Mosque	27°30'27.43"N	77°40'59.28"E	other
70	Mathura	Mathura	BDP_Mthr_070	Mahila Karagaar	27°30'26.19"N	77°41'0.32"E	other
74	Mathura	Mathura	BDP_Mthr_074	Punjabi Dharamshala	27°30'22.65"N	77°41'4.41"E	other
76	Mathura	Mathura	BDP_Mthr_076	Makhdun Sahib Masjid	27°30'22.26"N	77°41'4.82"E	other
77	Mathura	Mathura	BDP_Mthr_077	Modi Bhawan	27°30'22.10"N	77°41'4.19"E	other
78	Mathura	Mathura	BDP_Mthr_078	Hathras Wali Dharamshala	27°30'22.17"N	77°41'3.26"E	other
79	Mathura	Mathura	BDP_Mthr_079	Maheshwari Niwas	27°30'23.19"N	77°41'2.24"E	other
80	Mathura	Mathura	BDP_Mthr_080	Sukh Sancharak Clock Tower	27°30'14.60"N	77°41'9.02"E	other

82	Mathura	Mathura	BDP_Mthr_082	Shergarh Wali Dharamshala	27°30'13.08"N	77°41'8.52"E	other
83	Mathura	Mathura	BDP_Mthr_083	Jabalpur Wali Dharamshala	27°30'12.75"N	77°41'7.44"E	other
88	Mathura	Mathura	BDP_Mthr_088	Mohan Hotel	27°30'11.22"N	77°41'10.31"E	other
89	Mathura	Mathura	BDP_Mthr_089	Ujagar Bhawan	27°30'10.66"N	77°41'10.55"E	other
90	Mathura	Mathura	BDP_Mthr_090	Sukh Sancharak Company	27°30'10.28"N	77°41'10.00"E	other
91	Mathura	Mathura	BDP_Mthr_091	Anant Niwas	27°30'9.56"N	77°41'10.64"E	other
95	Mathura	Mathura	BDP_Mthr_095	Masjid	27°30'3.40"N	77°41'8.67"E	other
96	Mathura	Mathura	BDP_Mthr_096	City Gate, Holi Gate,Tilak Dwar	27°29'57.24"N	77°41'7.48"E	other
97	Mathura	Mathura	BDP_Mthr_097	British Chauki	27°30'4.96"N	77°41'20.55"E	other
98	Mathura	Mathura	BDP_Mthr_098	Moghiba Morvi Dharamshala	27°30'3.34"N	77°41'21.67"E	other
99	Mathura	Mathura	BDP_Mthr_099	Kashi Bai Dharamshala	27°30'5.03"N	77°41'21.42"E	other
100	Mathura	Mathura	BDP_Mthr_100	Talab wali Dharamshala	27°30'6.41"N	77°41'16.48"E	other
101	Mathura	Mathura	BDP_Mthr_101	Lardha Kunj Dharamshala	27°30'10.08"N	77°41'18.15"E	other
102	Mathura	Mathura	BDP_Mthr_102	Kaloi wali Dharamshala	27°30'13.41"N	77°41'15.05"E	other
103	Mathura	Mathura	BDP_Mthr_103	Sati Samadhi/Burj	27°30'15.65"N	77°41'12.37"E	other
123	Mathura	Mathura	BDP_Mthr_123	Railway Bridge	27°30'6.03"N	77°41'25.17"E	other
124	Mathura	Mathura	BDP_Mthr_124	Girdhari Lal Dharamshala	27°30'2.75"N	77°41'25.01"E	other
2	Govardhan	Barsana	BDP_Brsn_002	Sankri Khor Chowk	27°38'46.10"N	77°22'22.50"E	other
3	Govardhan	Barsana	BDP_Brsn_003	Ramleela Maidan	27°38'45.12"N	77°22'18.31"E	other
5	Govardhan	Barsana	BDP_Brsn_005	Shri Ji Ki Chattri	27°38'41.75"N	77°22'12.84"E	other
6	Govardhan	Barsana	BDP_Brsn_006	Thakur Ji Ki Chattri	27°38'42.48"N	77°22'12.08"E	other
8	Govardhan	Barsana	BDP_Brsn_008	Chaupal	27°38'36.08"N	77°22'10.18"E	other
9	Govardhan	Barsana	BDP_Brsn_009	Chhatri	27°38'35.73"N	77°22'21.59"E	other
10	Govardhan	Barsana	BDP_Brsn_010	Jal Vihar Kund	27°38'27.69"N	77°22'10.24"E	other
12	Govardhan	Barsana	BDP_Brsn_012	Gahvar Van	27°38'33.41"N	77°22'0.84"E	other
13	Govardhan	Barsana	BDP_Brsn_013	Gahvar Chowk	27°38'33.98"N	77°22'2.70"E	other
14	Govardhan	Barsana	BDP_Brsn_014	Krishna Kund	27°38'35.53"N	77°22'2.50"E	other
16	Govardhan	Barsana	BDP_Brsn_016	Shri Guruvar Siddheshwar Samadhi	27°38'37.09"N	77°22'0.86"E	other
22	Govardhan	Barsana	BDP_Brsn_022	Daangarh Baoli	27°38'47.41"N	77°22'12.00"E	other

24	Govardhan	Barsana	BDP_Brsn_024	Unknown Chhatri	27°38'52.38"N	77°22'16.54"E	other
26	Govardhan	Barsana	BDP_Brsn_026	Lakha Banjara Mahal	27°39'1.18"N	77°22'24.55"E	other
28	Govardhan	Barsana	BDP_Brsn_028a	Poddar Bhawan	27°39'4.40"N	77°22'30.82"E	other
29	Govardhan	Barsana	BDP_Brsn_028b	Poddar Baghicha	27°39'6.47"N	77°22'32.43"E	other
31	Govardhan	Barsana	BDP_Brsn_030	Sudama Chowk	27°39'2.87"N	77°22'30.12"E	other
35	Govardhan	Barsana	BDP_Brsn_034	Kuan Chowk	27°39'0.95"N	77°22'31.94"E	other
36	Govardhan	Barsana	BDP_Brsn_035	Phool Gali Darwaza	27°39'0.09"N	77°22'31.40"E	other
37	Govardhan	Barsana	BDP_Brsn_036	Lala Balkrishna Das Haveli	27°38'59.42"N	77°22'31.88"E	other
38	Govardhan	Barsana	BDP_Brsn_037	Barkhandi Baba Ki Dharamshala	27°38'58.93"N	77°22'31.87"E	other
39	Govardhan	Barsana	BDP_Brsn_038	Rangili Chowk	27°38'58.21"N	77°22'31.60"E	other
40	Govardhan	Barsana	BDP_Brsn_039	Chaupal	27°38'58.26"N	77°22'31.42"E	other
41	Govardhan	Barsana	BDP_Brsn_040	Hathras Dharamshala	27°38'58.06"N	77°22'32.00"E	other
42	Govardhan	Barsana	BDP_Brsn_041	Tantia Haveli	27°38'57.80"N	77°22'30.91"E	other
44	Govardhan	Barsana	BDP_Brsn_043	Kaanch Mahal	27°38'55.31"N	77°22'33.96"E	other
45	Govardhan	Barsana	BDP_Brsn_044	Bhumiya Baba Chowk	27°38'57.06"N	77°22'33.41"E	other
46	Govardhan	Barsana	BDP_Brsn_045	Katara Haveli	27°38'56.83"N	77°22'32.64"E	other
47	Govardhan	Barsana	BDP_Brsn_046	Darwaza-1	27°38'58.00"N	77°22'36.31"E	other
48	Govardhan	Barsana	BDP_Brsn_047	Darwaza-2	27°38'57.20"N	77°22'39.50"E	other
49	Govardhan	Barsana	BDP_Brsn_048	Darwaza-3	27°38'58.18"N	77°22'42.40"E	other
50	Govardhan	Barsana	BDP_Brsn_049	Saat Chowk Wali Haveli	27°38'53.15"N	77°22'29.69"E	other
51	Govardhan	Barsana	BDP_Brsn_050	Prathmik Vidhyalya	27°38'51.59"N	77°22'33.55"E	other
52	Govardhan	Barsana	BDP_Brsn_051	Hospital	27°38'50.23"N	77°22'32.09"E	other
54	Govardhan	Barsana	BDP_Brsn_053	Barsana Baoli	27°38'46.97"N	77°22'29.60"E	other
55	Govardhan	Barsana	BDP_Brsn_054	Pavilion	27°38'47.93"N	77°22'30.35"E	other
57	Govardhan	Barsana	BDP_Brsn_056	Jal Mahal	27°38'55.35"N	77°22'50.73"E	other
58	Govardhan	Barsana	BDP_Brsn_057	Pillar with Sanskrit inscription	27°38'53.83"N	77°22'51.56"E	other
61	Govardhan	Barsana	BDP_Brsn_060	Chhatri-1	27°38'53.72"N	77°22'54.75"E	other
62	Govardhan	Barsana	BDP_Brsn_061	Chhatri-2	27°38'53.68"N	77°22'54.23"E	other
64	Govardhan	Barsana	BDP_Brsn_063	Chhatri-4	27°38'51.86"N	77°22'55.23"E	other
66	Govardhan	Barsana	BDP_Brsn_065	Chhatriya Dharamshala	27°38'58.80"N	77°22'46.30"E	other
67	Govardhan	Barsana	BDP_Brsn_066	Calcutta wali Dharamshala	27°39'5.22"N	77°22'42.79"E	other

68	Govardhan	Barsana	BDP_Brsn_067	Krishna Bagh	k	77°22'18.68"E	other
69	Govardhan	Barsana	BDP_Brsn_068	Radha Bagh	27°39'15.90"N	77°22'11.36"E	other
74	Govardhan	Barsana	BDP_Brsn_073	Narayan Bhatt Samadhi	27°39'36.45"N	77°21'48.62"E	other
77	Govardhan	Barsana	BDP_Brsn_076	Badraula Tila	27°40'2.34"N	77°22'17.39"E	other
80	Govardhan	Barsana	BDP_Brsn_079	Hemraj Ki Chattri	27°39'54.51"N	77°22'53.57"E	other
81	Govardhan	Barsana	BDP_Brsn_080	Devalaya	27°39'57.13"N	77°22'55.39"E	other
86	Govardhan	Barsana	BDP_Brsn_085	Kunj	27°40'50.45"N	77°22'53.67"E	other
93	Govardhan	Barsana	BDP_Brsn_092	Ramesh Pandit Ki Haveli	27°38'54.75"N	77°25'52.25"E	other
94	Govardhan	Barsana	BDP_Brsn_093	Shyamlal Pandit Haveli	27°38'53.81"N	77°25'52.64"E	other
96	Govardhan	Barsana	BDP_Brsn_095	Haveli	27°38'49.86"N	77°26'5.24"E	other
1	Chhata	Kosi Kalan	BDP_Kosi_001	Sarai	27°47'36.29"N	77°26'14.50"E	other
2	Chhata	Kosi Kalan	BDP_Kosi_003	Bazaar Complex	27°47'42.12"N	77°26'6.69"E	other
4	Chhata	Kosi Kalan	BDP_Kosi_004	Haveli	27°47'41.46"N	77°26'8.28"E	other
5	Chhata	Kosi Kalan	BDP_Kosi_005	Indarganj	27°47'44.05"N	77°26'9.57"E	other
8	Chhata	Kosi Kalan	BDP_Kosi_008	Bridge	27°47'42.30"N	77°26'37.45"E	other
9	Chhata	Kosi Kalan	BDP_Kosi_009	Unknown Chhatri	27°47'18.34"N	77°25'53.61"E	other
4	Mathura	Vrindavan	BDP_Vdvn_003	Shri Radha Kunj Kishori	27°34'59.27"N	77°42'3.52"E	other
6	Mathura	Vrindavan	BDP_Vdvn_005	Unknown Chhatri	27°35'0.07"N	77°42'3.78"E	other
8	Mathura	Vrindavan	BDP_Vdvn_007	Banihera Kunj	27°35'1.07"N	77°42'6.42"E	other
11	Mathura	Vrindavan	BDP_Vdvn_009b	Samadhi Shri Lal Babu Ji	27°35'0.48"N	77°42'9.25"E	other
15	Mathura	Vrindavan	BDP_Vdvn_013	Chhabbirani Kunj	27°35'6.86"N	77°42'10.56"E	other
16	Mathura	Vrindavan	BDP_Vdvn_014	Vanshi Kunj	27°35'6.55"N	77°42'11.60"E	other
19	Mathura	Vrindavan	BDP_Vdvn_017	Ratlam Kunj	27°35'8.26"N	77°42'12.58"E	other
20	Mathura	Vrindavan	BDP_Vdvn_018	Yogeshwar shri Krishna Mandir	27°35'8.07"N	77°42'13.70"E	other
22	Mathura	Vrindavan	BDP_Vdvn_020	Shri Bhagwat Bhawan	27°35'7.87"N	77°42'15.23"E	other
23	Mathura	Vrindavan	BDP_Vdvn_021	Shri Sudama Kutir	27°35'8.54"N	77°42'17.49"E	other
26	Mathura	Vrindavan	BDP_Vdvn_024	Kadamkhandi Dharamshala	27°34'59.18"N	77°42'15.75"E	other
30	Mathura	Vrindavan	BDP_Vdvn_028	Goswami Tulsidas ji ki Bhajan Kuti	27°34'59.71"N	77°42'18.57"E	other
35	Mathura	Vrindavan	BDP_Vdvn_033	Odiya Baba Ashram	27°35'2.17"N	77°42'19.88"E	other
36	Mathura	Vrindavan	BDP_Vdvn_034	Patna wali Kunj	27°35'3.32"N	77°42'19.62"E	other
37	Mathura	Vrindavan	BDP_Vdvn_035	Rangji Mandir Wali Kunj	27°35'3.10"N	77°42'18.83"E	other
38	Mathura	Vrindavan	BDP_Vdvn_036	Radha Gopinath Ji ki Kunj	27°35'2.05"N	77°42'17.91"E	other
40	Mathura	Vrindavan	BDP_Vdvn_038	Gyan Gudri	27°35'1.92"N	77°42'18.79"E	other

43	Mathura	Vrindavan	BDP_Vdvn_041	Ayodhya Wali Kunj	27°34'59.62"N	77°42'24.87"E	other
44	Mathura	Vrindavan	BDP_Vdvn_042	Chhattisgarh Wali Kunj	27°34'58.22"N	77°42'24.76"E	other
45	Mathura	Vrindavan	BDP_Vdvn_043	Raul Wali Dharamshala	27°34'56.26"N	77°42'1.45"E	other
49	Mathura	Vrindavan	BDP_Vdvn_047	Maa Sharda Kutir	27°35'10.67"N	77°42'11.02"E	other
50	Mathura	Vrindavan	BDP_Vdvn_048	Kala Babu Kunj	27°35'10.27"N	77°42'9.99"E	other
51	Mathura	Vrindavan	BDP_Vdvn_049	Ghota Kunj	27°35'8.50"N	77°42'9.28"E	other
55	Mathura	Vrindavan	BDP_Vdvn_053	Vrinda Kunj	27°35'4.24"N	77°42'12.88"E	other
56	Mathura	Vrindavan	BDP_Vdvn_054	Tat Baba Ashram	27°35'5.00"N	77°42'14.61"E	other
57	Mathura	Vrindavan	BDP_Vdvn_055	Champawat Wali Kunj	27°35'4.44"N	77°42'17.64"E	other
58	Mathura	Vrindavan	BDP_Vdvn_056	Shri Bhramacharya Ashram Mahavidhyalaya	27°35'4.40"N	77°42'19.09"E	other
61	Mathura	Vrindavan	BDP_Vdvn_059	Unknown Samadhi	27°34'54.30"N	77°42'21.35"E	other
62	Mathura	Vrindavan	BDP_Vdvn_060	Raghu Ashram	27°34'56.29"N	77°42'17.35"E	other
63	Mathura	Vrindavan	BDP_Vdvn_061	Sarveshwar haveli	27°34'54.77"N	77°42'16.51"E	other
66	Mathura	Vrindavan	BDP_Vdvn_064	Shri Niwas Sanskrit Vidhyalaya	27°34'52.96"N	77°42'14.13"E	other
67	Mathura	Vrindavan	BDP_Vdvn_065	Gurudev Bagichi	27°34'52.11"N	77°42'10.67"E	other
72	Mathura	Vrindavan	BDP_Vdvn_070	Rangji Bagichi	27°34'38.89"N	77°42'12.77"E	other
73	Mathura	Vrindavan	BDP_Vdvn_071	Municipal Girls School	27°34'43.63"N	77°42'0.40"E	other
74	Mathura	Vrindavan	BDP_Vdvn_072	Narain Dass Clock Tower	27°34'46.88"N	77°42'0.74"E	other
78	Mathura	Vrindavan	BDP_Vdvn_076	Makan	27°34'51.57"N	77°42'0.69"E	other
96	Mathura	Vrindavan	BDP_Vdvn_094	Neh Nikunj	27°58'61.52"N	77°69'99.88"E	other
97	Mathura	Vrindavan	BDP_Vdvn_095	Residence	27°58'63.09"N	77°69'98.17"E	other
98	Mathura	Vrindavan	BDP_Vdvn_096	Residence	27°58'64.08"N	77°69'96.70"E	other
99	Mathura	Vrindavan	BDP_Vdvn_097	Madhav Bhawan	27°58'63.12"N	77°69'95.65"E	other
101	Mathura	Vrindavan	BDP_Vdvn_099	Krishna Kunj	27°58'67.61"N	77°70'00.42"E	other
102	Mathura	Vrindavan	BDP_Vdvn_100	Shri Kaali Peeth	27°58'65.17"N	77°69'95.56"E	other
104	Mathura	Vrindavan	BDP_Vdvn_102	Murari Mohan Niwas	27°58'65.52"N	77°69'91.92"E	other
107	Mathura	Vrindavan	BDP_Vdvn_103	Shri Kunj Bihari Kunj	27°58'66.19"N	77°69'91.82"E	other
108	Mathura	Vrindavan	BDP_Vdvn_104	Khapatia Kunj	27°58'70.94"N	77°70'06.06"E	other
109	Mathura	Vrindavan	BDP_Vdvn_105	Raja Mahendra Pratap Public School	27°58'71.49"N	77°70'03.19"E	other

110	Mathura	Vrindavan	BDP_Vdvn_106	Prem Mahavidyalaya	27°58'71.83"N	77°70'00.19"E	other
111	Mathura	Vrindavan	BDP_Vdvn_107	Atal Bi hari Kunj	27°58'70.56"N	77°69'96.59"E	other
116	Mathura	Vrindavan	BDP_Vdvn_112	Kishori Mohan Kunj	27°58'65.11"N	77°69'81.48"E	other
121	Mathura	Vrindavan	BDP_Vdvn_117	Patnimal Kunj	27°58'58.97"N	77°69'83.66"E	other
126	Mathura	Vrindavan	BDP_Vdvn_122	Braj Kala Sanskriti Sansthan	27°58'51.51"N	77°69'89.27"E	other
127	Mathura	Vrindavan	BDP_Vdvn_123	Nidhi Van	27°58'45.56"N	77°69'84.39"E	other
133	Mathura	Vrindavan	BDP_Vdvn_125	Haveli	27°58'58.05"N	77°69'79.91"E	other
137	Mathura	Vrindavan	BDP_Vdvn_129	Aarti Dwar	27°58'51.76"N	77°69'60.73"E	other
138	Mathura	Vrindavan	BDP_Vdvn_130	Govind Ghat	27°58'51.76"N	77°69'60.73"E	other
140	Mathura	Vrindavan	BDP_Vdvn_132	Lalit Kunj	27°58'47.66"N	77°69'61.91"E	other
141	Mathura	Vrindavan	BDP_Vdvn_133	Ganga Mohan Kachheri	27°58'45.74"N	77°69'57.44"E	other
142	Mathura	Vrindavan	BDP_Vdvn_134	Shringar Vat Dharamshala	27°58'43.06"N	77°69'55.29"E	other
143	Mathura	Vrindavan	BDP_Vdvn_135	Shringar Vat Ghat	27°58'44.93"N	77°69'51.50"E	other
147	Mathura	Vrindavan	BDP_Vdvn_139	Guru Prasad Rai Kunj	27°58'38.42"N	77°69'45.28"E	other
148	Mathura	Vrindavan	BDP_Vdvn_140	Gal Kunj	27°58'36.33"N	77°69'50.07"E	other
149	Mathura	Vrindavan	BDP_Vdvn_141	Pranav Kunj	27°58'34.49"N	77°69'47.45"E	other
150	Mathura	Vrindavan	BDP_Vdvn_142	Pavilion	27°58'33.05"N	77°69'45.57"E	other
151	Mathura	Vrindavan	BDP_Vdvn_143	Vijay Govind Kunj	27°58'32.00"N	77°69'50.48"E	other
155	Mathura	Vrindavan	BDP_Vdvn_147	Haveli	27°58'27.62"N	77°69'39.12"E	other
156	Mathura	Vrindavan	BDP_Vdvn_148	Residence	27°58'26.13"N	77°69'42.55"E	other
158	Mathura	Vrindavan	BDP_Vdvn_150	Sewa Kunj	27°58'25.62"N	77°69'48.58"E	other
161	Mathura	Vrindavan	BDP_Vdvn_153	Shri Shyam Sundar Prakatya Sthal	27°58'34.17"N	77°69'60.76"E	other
163	Mathura	Vrindavan	BDP_Vdvn_155	Kunj	27°58'27.66"N	77°69'63.70"E	other
166	Mathura	Vrindavan	BDP_Vdvn_158	Amritsar wali Dharamshala	27°58'22.74"N	77°69'62.30"E	other
167	Mathura	Vrindavan	BDP_Vdvn_159	Narayan Dharamshala	27°58'19.84"N	77°69'60.21"E	other
169	Mathura	Vrindavan	BDP_Vdvn_161	Shri Lala Pokharmal Parmeshwari Das Dharamshala	27°58'16.23"N	77°69'57.66"E	other
170	Mathura	Vrindavan	BDP_Vdvn_162	Shop House	27°58'12.07"N	77°69'56.59"E	other
171	Mathura	Vrindavan	BDP_Vdvn_163	Sri Sri Radha Venu Gopal Ji Maharaj Mandir	27°58'13.01"N	77°69'55.27"E	other

173	Mathura	Vrindavan	BDP_Vdvn_165	Shop House	27°58'10.15"N	77°69'52.83"E	other
174	Mathura	Vrindavan	BDP_Vdvn_166	Shop House	27°58'08.00"N	77°69'51.47"E	other
175	Mathura	Vrindavan	BDP_Vdvn_167	Shri Ji ki Chhoti Kunj	27°58'08.16"N	77°69'47.16"E	other
176	Mathura	Vrindavan	BDP_Vdvn_168	Datia wali Kunj	27°58'07.69"N	77°69'45.07"E	other
177	Mathura	Vrindavan	BDP_Vdvn_169	Nikunj Bihari Jayanti	27°58'10.57"N	77°69'42.54"E	other
179	Mathura	Vrindavan	BDP_Vdvn_171	Lala Gokul Chandra Dharamshala	27°58'11.36"N	77°69'40.06"E	other
180	Mathura	Vrindavan	BDP_Vdvn_172	Naveli Kunj	27°58'15.32"N	77°69'36.51"E	other
181	Mathura	Vrindavan	BDP_Vdvn_173	Khilan Bihari	27°58'20.50"N	77°69'40.24"E	other
182	Mathura	Vrindavan	BDP_Vdvn_174	Laddoo Mandir	27°58'20.77"N	77°69'38.70"E	other
183	Mathura	Vrindavan	BDP_Vdvn_175	Nagar Kunj	27°58'24.12"N	77°69'38.19"E	other
185	Mathura	Vrindavan	BDP_Vdvn_177	Baluthiya Kathi	27°58'22.94"N	77°69'29.60"E	other
187	Mathura	Vrindavan	BDP_Vdvn_179	Mira Niwas	27°58'20.70"N	77°69'26.05"E	other
191	Mathura	Vrindavan	BDP_Vdvn_183	Rihaish	27°58'16.23"N	77°69'21.27"E	other
192	Mathura	Vrindavan	BDP_Vdvn_184	Residence	27°58'16.31"N	77°69'20.16"E	other
193	Mathura	Vrindavan	BDP_Vdvn_185	Residence	27°58'19.04"N	77°69'18.51"E	other
195	Mathura	Vrindavan	BDP_Vdvn_187	Mahal	27°58'13.27"N	77°69'27.11"E	other
199	Mathura	Vrindavan	BDP_Vdvn_191	Residence	27°58'08.84"N	77°69'23.65"E	other
200	Mathura	Vrindavan	BDP_Vdvn_192	Thakur Madan Mohan Lal Ji Maharaj	27°58'08.52"N	77°69'25.46"E	other
201	Mathura	Vrindavan	BDP_Vdvn_193	Sanatan Jyotish Sansthan	27°58'08.73"N	77°69'33.87"E	other
202	Mathura	Vrindavan	BDP_Vdvn_194	Shri Bhagwan Bhajan Ashram	27°58'08.81"N	77°69'32.23"E	other
203	Mathura	Vrindavan	BDP_Vdvn_195	Residence	27°58'06.59"N	77°69'32.90"E	other
204	Mathura	Vrindavan	BDP_Vdvn_196	Balli Ganj	27°58'04.71"N	77°69'30.09"E	other
205	Mathura	Vrindavan	BDP_Vdvn_197	Shop House - Krishna Mukut Wala	27°58'07.90"N	77°69'28.40"E	other
209	Mathura	Vrindavan	BDP_Vdvn_201	Shop House	27°58'03.59"N	77°69'15.60"E	other
210	Mathura	Vrindavan	BDP_Vdvn_202	Shop House	27°58'00.10"N	77°69'13.32"E	other
211	Mathura	Vrindavan	BDP_Vdvn_203	Residence	27°57'99.01"N	77°69'13.12"E	other
212	Mathura	Vrindavan	BDP_Vdvn_204	Shri Chandravali Devi Bhawan	27°57'96.82"N	77°69'19.73"E	other
####	Mathura	Vrindavan	BDP_Vdvn_205	Residence	27°57'97.40"N	77°69'22.88"E	other
215	Mathura	Vrindavan	BDP_Vdvn_206	Residence	27°57'96.01"N	77°69'21.52"E	other
216	Mathura	Vrindavan	BDP_Vdvn_207	Residence	27°57'94.91"N	77°69'21.19"E	other

217	Mathura	Vrindavan	BDP_Vdvn_208	Residence	27°57'93.74"N	77°69'21.68"E	other
218	Mathura	Vrindavan	BDP_Vdvn_209	Residence	27°57'91.69"N	77°69'26.00"E	other
219	Mathura	Vrindavan	BDP_Vdvn_210	Residence	27°57'89.56"N	77°69'30.85"E	other
221	Mathura	Vrindavan	BDP_Vdvn_212	Banke Bihari Sub-Post Office	27°57'97.54"N	77°69'08.68"E	other
222	Mathura	Vrindavan	BDP_Vdvn_213	Residence	27°58'05.91"N	77°68'92.88"E	other
223	Mathura	Vrindavan	BDP_Vdvn_214	Pavilion	27°58'04.75"N	77°68'82.19"E	other
226	Mathura	Vrindavan	BDP_Vdvn_217	Reva Naresh Samadhi	27°58'11.33"N	77°68'94.10"E	other
227	Mathura	Vrindavan	BDP_Vdvn_218	Guiab Kunj	27°58'11.27"N	77°68'99.09"E	other
228	Mathura	Vrindavan	BDP_Vdvn_219	Haveli	27°58'12.71"N	77°69'02.63"E	other
232	Mathura	Vrindavan	BOP_Vdvn_223	Bishambar Bhawan	27°34'44.20"N	77°41'56.67"E	other
234	Mathura	Vrindavan	BDP_Vdvn_225	Shahi Jama Masjid	27°34'44.55"N	77°41'49.28"E	other
235	Mathura	Vrindavan	BDP_Vdvn_226	Copus Cristi Catholic Church	27°34'43.00"N	77°41'46.81"E	other
236	Mathura	Vrindavan	BDP_Vdvn_227	CFC Hosp it al	27°34'39.33"N	77°41'41.09"E	other
237	Mathura	Vrindavan	BDP_Vdvn_228	Gurudwara Gurunanak Tila	27°34'36.73"N	77°41'33.51"E	other
238	Mathura	Vrindavan	BDP_Vdvn_229	Shri Jatav Oharamshala	27°34'34.11"N	77°41'48.59"E	other
241	Mathura	Vrindavan	BDP_Vdvn_232a	Gurukul Gateway	27°34'17.92"N	77°41'55.07"E	other
242	Mathura	Vrindavan	BDP_Vdvn_232b	Gurukul	27°34'11.87"N	77°42'4.28"E	other
243	Mathura	Vrindavan	BDP_Vdvn_233	Unknown Samadhi	27°34'13.75"N	77°41'59.69"E	other
244	Mathura	Vrindavan	BDP_Vdvn_234	Radha Baoli	27°34'10.72"N	77°42'1.03"E	other
246	Mathura	Vrindavan	BDP_Vdvn_236	Adarsh Vidya Mandir-School	27°34'20.71"N	77°41'28.80"E	other
247	Mathura	Vrindavan	BDP_Vdvn_237	Vraja Academy	27°34'16.80"N	77°41'24.37"E	other
248	Mathura	Vrindavan	BDP_Vdvn_238a	Tarash Haveli	27°34'13.73"N	77°41'36.11"E	other
250	Mathura	Vrindavan	BDP_Vdvn_239	Tarash Mandir Bagichi	27°34'11.58"N	77°41'36.04"E	other
251	Mathura	Vrindavan	BDP_Vdvn_240	Bihari Ji Ka Bagicha	27°34'15.38"N	77°41'20.38"E	other
252	Mathura	Vrindavan	BDP_Vdvn_241	Gopal Bagh Peeth	27°34'8.05"N	77°41'19.05"E	other
255	Mathura	Vrindavan	BDP_Vdvn_244	Kaladhari Bagicha	27°34'19.28"N	77°41'2.39"E	other
258	Mathura	Vrindavan	BDP_Vdvn_247	Addha Chowki Bridge	27°33'6.43"N	77°40'25.91"E	other
259	Mathura	Vrindavan	BDP_Vdvn_248	Dwarkadhish Bagichi	27°33'26.27"N	77°41'20.75"E	other
260	Mathura	Vrindavan	BDP_Vdvn_249	Man Sarovar Lake	27°35'40.18"N	77°44'6.78"E	other

कृष्णं वन्दे जगद्गुरुम्

upbtvp उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद

सांस्कृतिक धरोहर की पुनर्प्रतिष्ठा